सूचना और प्रसारण मंत्रालय

वार्षिक रिपोर्ट

1997-98

विषय - सूची

1.	एक नज़र	1
2.	आकाशवाणी	2
3.	दूरदर्शन	21
4.	फिल्म	34
5.	प्रेस प्रचार	44
6.	समाचारपत्रों का पंजीयन	49
7.	प्रकाशन	50
8.	क्षेत्रीय प्रचार	54
9.	विज्ञापन और दृश्य प्रचार	62
10.	फोटो प्रचार	73
11.	गीत और नाटक	75
12.	गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण	79
13.	योजना और गैर-योजना कार्यक्रम	83
14.	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	89
15.	प्रशासन	91

परिशिष्ट

1.	मंत्रालय का सांगठनिक ढांचा	98
2.	वर्ष 1997-98 और 1998-99 के लिए योजना तथा गैर-योजना बजट का विवरण	100

1

एक नजर

1.1.1 सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने वर्ष 1997-98 के दौरान रेडियो, टेलीविजन, फिल्म, समाचारपत्र, प्रकाशन, विज्ञान और नृत्य तथा नाटक जैसे परंपरागत माध्यमों के जरिए जनता तक बेरोक-टोक सूचनाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंत्रालय ने सेवाएं उपलब्ध कराने में जनहित और व्यावसायिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समाज के सभी वर्गों की शिक्षा और मनोरंजन संबंधी महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा किया।

1.1.2 मंत्रालय की विकास संबंधी आवश्यकताएं पूरी करने के लिए आठवीं पंचवर्षीय योजना (1992-97) में 3634 करोड़ रुपये के परिव्यय को संशोधित कर 3672.42 करोड़ रुपये कर दिया गया। इन योजनागत संसाधनों का उपयोग बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण सुधार लाने, खास तौर पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए प्रसारण, स्टूडियो और कार्यक्रम निर्माण सुविधाओं के विकास में किया गया है। उपग्रह आधारित प्रसारण के जरिए क्षेत्रीय और स्थानीय सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जहां तक सॉफ्टवेयर का सवाल है, इलेक्ट्रॉनिक और गैर-इलेक्ट्रॉनिक मीडिया इकाइयों ने राष्ट्रीय सरोकार के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों, जैसे राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सद्भाव, प्राथमिक/बुनियादी शिक्षा, निरक्षरता उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य रक्षा और परिवार कल्याण, कृषि और ग्रामीण विकास पर अपना ध्यान केन्द्रित रखा। इसके साथ-साथ महिलाओं, बच्चों और समाज के दुर्बल वर्गों से संबंधित मुद्दों पर भी प्राथमिकता के आधार पर ध्यान दिया गया।

1.1.3 मंत्रालय की गतिविधियों को मोटे तौर पर तीन क्षेत्रों में बांटा जा सकता है। ये हैं :—प्रसारण क्षेत्र, फिल्म क्षेत्र और सूचना क्षेत्र। दरअसल इन तीनों क्षेत्रों के कार्य एक दूसरे के पूरक हैं और उन्हें अलग-अलग खानों में नहीं बांटा जा सकता। इनमें से प्रत्येक क्षेत्र एक विशिष्ट मीडिया इकाई तथा अन्य संगठनों के माध्यम से इस तरह कार्य करता है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि सूचना, शिक्षा और मनोरंजन के प्रसार का फायदा समूचे देश को प्राप्त होगा। इन मीडिया इकाइयों में आकाशवाणी, दूरदर्शन, पत्र सूचना कार्यालय, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, फोटो प्रभाग, गीत और नाटक प्रभाग, फिल्म समारोह निदेशालय, फिल्म प्रभाग और भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय शामिल हैं। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, राष्ट्रीय बाल एवं युवा चलचित्र केन्द्र, भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान पुणे, सत्यजित राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान कलकत्ता, भारतीय जनसंचार संस्थान, भारतीय प्रेस परिषद और केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से भी मंत्रालय का संबंध है। 1997-98 के दौरान इन संगठनों को गतिविधियों का ब्यौरा अगले अध्यायों में दिया गया है।

2

आकाशवाणी

2.1.1 वर्ष 1997 में आकाशवाणी और दूरदर्शन की गतिविधियों के संचालन के लिए प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) का गठन किया गया है।

2.1.2 इस वर्ष के दौरान देश में आम चुनाव हुए। आकाशवाणी ने इस अवसर पर गत वर्षों के समान ही राजनैतिक दलों की राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और राज्य स्तर के नेताओं के राजनैतिक प्रसारण को प्रसारित किया। इसके अतिरिक्त, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराए जाने की आवश्यकता पर बल देने तथा प्रजातंत्र को अधिक मजबूत बनाने से संबंधित बहुत से शिक्षाप्रद कार्यक्रम मतदाताओं के लिए प्रसारित किए गए। साथ ही, 72 घंटे तक श्रोताओं को आम चुनाव के परिणामों तथा रुझानों पर लगातार समाचार दिए गए। जिसमें विभिन्न राजनैतिक नेताओं, मीडिया विशेषज्ञों और राजनैतिक आलोचकों की चर्चा भी शामिल थी, जिन्होंने बदलते राजनैतिक परिदृश्य का विश्लेषण भी किया।

नेटवर्क

2.1.3 देश में इस समय (15 दिसम्बर, 1997 तक) आकाशवाणी के 195 केन्द्र काम कर रहे हैं। इनमें 182 पूर्ण-सज्जित केन्द्र, 9 रिले केन्द्र, एक सहायक केन्द्र और तीन विविध भारती की विज्ञापन प्रसारण सेवा के केन्द्र हैं। इस वर्ष कुल्लू, कल्पा (किन्नौर,

नई दिल्ली में अक्तूबर 1997 में आयोजित आकाशवाणी संगीत सम्मेलन में गायन प्रस्तुत करते हुए सुप्रसिद्ध गायक मदुरई एन. कृष्णन

आकाशवाणी

वे परियोजनाएं जिनके मार्च 1998 तक पूरी हो जाने की आशा है

आकाशवाणी केन्द्र : हिसार (हरियाणा), अलीगढ़ (उ.प्र.), चमोली (उ.प्र.), भद्रवाह (जम्मू-कश्मीर), धुबरी (असम), कोकराझार (असम), तेज़पुर (असम), ज़ीरो (अरुणाचल प्रदेश), चूड़ाचांदपुर (मणिपुर), विलियमनगर (मेघालय), मोन (नगालैंड) और कोड़ईकनाल (तमिलनाडु) केन्द्रों के मार्च, 98 तक पूरा हो जाने की आशा है।

अन्य परियोजनाएं

1. जोधपुर (विविध भारती) : 3-3 किलोवाट क्षमता वाले 2 एफ.एम. ट्रांसमीटर
2. जयपुर : 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर (बदलकर नया लगाना)
3. मथुरा : 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर (बदलकर नया लगाना)
4. गुवाहाटी : विज्ञापन प्रसारण सेवा के लिए 5-5 किलोवाट क्षमता वाले दो एफ.एम. ट्रांसमीटर
5. जमशेदपुर : विज्ञापन प्रसारण सेवा 5-5 किलोवाट क्षमता के दो एफ.एम. ट्रांसमीटर
6. सिलीगुड़ी : विज्ञापन प्रसारण सेवा 5-5 किलोवाट क्षमता के दो एफ.एम. ट्रांसमीटर
7. कोयम्बटूर : विज्ञापन प्रसारण सेवा 5-5 किलोवाट क्षमता के दो एफ.एम. ट्रांसमीटर
8. दिल्ली राष्ट्रीय चैनल : 20 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर
9. दिल्ली : चरण-II, स्टूडियो का आधुनिकीकरण
10. सम्बलपुर : 100 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर
11. गुवाहाटी : स्टूडियो का आधुनिकीकरण
12. गुवाहाटी : 100 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर
13. रांची : 50 कि.वा. शॉर्टवेव ट्रांसमीटर
14. कलकत्ता : स्टूडियो का आधुनिकीकरण
15. भुवनेश्वर : कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी)
16. मुम्बई : खाड़ी सेवा के लिए टाइप-III स्टूडियो
17. मुम्बई : चरण-II स्टूडियो का आधुनिकीकरण
18. गुलबर्गा : 20 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर
19. पांडिचेरी : 20 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर

हिमाचल प्रदेश), पिथौरागढ़ (उत्तर प्रदेश), उत्तरकाशी (उत्तर प्रदेश), माउंट आबू (राजस्थान), कारगिल (जम्मू-कश्मीर), आसनसोल (पश्चिम बंगाल) और बीजापुर (कर्नाटक) में आकाशवाणी नेटवर्क में आठ केन्द्र जोड़े गए हैं। इस समय 300 ट्रांसमीटरों की सहायता से देश में 90 प्रतिशत क्षेत्र में कुल 97.3 प्रतिशत जनसंख्या तक आकाशवाणी के कार्यक्रम पहुंचते हैं। विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के दौरान आकाशवाणी नेटवर्क में हुए विस्तार तथा क्षेत्रवार और जनसंख्यावार कवरेज में हुई वृद्धि आगे के पृष्ठों पर दिए ग्राफ में दर्शाई गई है।

2.1.4 स्थानीय केन्द्रों की अवधारणा को जारी रखा गया है। इन केन्द्रों से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम विशेष रूप से उसी क्षेत्र के मुताबिक होते हैं और इसीलिए स्थानीय लोगों की सांस्कृतिक और कलात्मक इच्छाओं और भावनाओं की पूर्ति में इनसे मदद मिलती है। देश में आकाशवाणी के कुल 74 स्थानीय केन्द्र हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र के सामरिक महत्व और वहां की संस्कृति, भाषाओं और बोलियों की विविधता को देखते हुए क्षेत्र के 16 स्थानों पर आकाशवाणी के सामुदायिक केन्द्र खोलने की योजना लागू की जा रही है। लक्षद्वीप और मिनिकॉय द्वीप में भी ऐसे तीन सामुदायिक केन्द्र बनाए जा रहे हैं।

2.1.5 आधुनिकीकरण के अंतर्गत आकाशवाणी नेटवर्क में नवीनतम प्रौद्योगिकी अपनाई जा रही है। हर क्षेत्र में डिजिटल उपकरणों का अधिक से अधिक इस्तेमाल किया जाने लगा है। शुरू

आकाशवाणी

1998-99 के दौरान पूरी की जाने वाली परियोजनाएं

सामुदायिक रेडियो केन्द्र

1. सेप्पा (अरुणाचल प्रदेश)
2. खोंसा (अरुणाचल प्रदेश)
3. नांगस्टोयन (मेघालय)
4. चम्फई (मिज़ोरम)
5. सैहा (मिज़ोरम)
6. फेक (नगालैंड)
7. त्वेनसांग (नगालैंड)
8. नूतन बाजार (त्रिपुरा)

एफ.एम. परियोजनाएं

1. जयपुर 3-3 किलोवाट क्षमता वाले 2 एफ.एम. ट्रांसमीटर (स्टीरियो)
2. लखनऊ 5-5 किलोवाट क्षमता वाले 2 एफ.एम. ट्रांसमीटर (स्टीरियो)
3. आइज़ॉल 5-5 किलोवाट क्षमता वाले 2 एफ.एम. ट्रांसमीटर (स्टीरियो)
4. मांडला स्थानीय रेडियो केन्द्र 1 कि.वा. का एफ.एम. ट्रांसमीटर
5. राजगढ़ स्थानीय रेडियो केन्द्र 3 कि.वा. का एफ.एम. ट्रांसमीटर

अन्य परियोजनाएं

1. दिल्ली (खामपुर) 250-250 किलोवाट के 3 शार्टवेव ट्रांसमीटर (100-100 कि.वा. क्षमता वाले ट्रांसमीटरों की जगह)
2. दिल्ली (खामपुर) 250-250 किलोवाट के 2 शॉर्टवेव ट्रांसमीटर (50-50 कि.वा. के शार्टवेव ट्रांसमीटरों की जगह)

में सभी प्रमुख केन्द्रों में रिकार्डिंग, सम्पादन और प्लेबैक प्रणालियों में कम्प्यूटरीकृत हार्डडिस्क की सुविधा अपनाई जा रही है। प्रसारणों में गुणात्मक सुधार लाने और संचालन को और सुविधाजनक बनाने के लिए स्वदेसी उपकरण भी विकसित किए गए हैं। इससे विदेशी मुद्रा की बचत हुई है।

2.1.6 आकाशवाणी, इस समय, अपने कार्यक्रमों के वितरण और प्रसार के लिए इनसैट 1-डी, इनसैट 2-ए और इनसैट 2-बी का इस्तेमाल कर रहा है। राष्ट्रीय नेटवर्क के लिए दिल्ली में स्थापित आकाशवाणी-अपलिंकिंग सुविधा सात एस-बैंड कैरियर्स और चार सी-बैंड कैरियर्स की अपलिंकिंग के वास्ते इस्तेमाल की जाती है। साथ ही चार एस-बैंड कैरियर्स की अपलिंकिंग सिकंदराबाद की 'डॉट' अपलिंकिंग के माध्यम से की जाती है। क्षेत्रीय अपलिंकिंग के वास्ते 15 राज्यों की राजधानियों में मौजूद आकाशवाणी के अपने भू-केन्द्रों की तथा मुम्बई, कलकत्ता और चेन्नई की 'डॉट' अपलिंकिंग सुविधा इस्तेमाल की जाती है। लगभग 191 प्रसारण केंद्रों पर एस-बैंड के संकेत प्राप्त करने की और 17 केन्द्रों पर सी-बैंड के संकेत प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध है। इनके अलावा, दूरस्थ ओ बी स्थलों पर खेल कार्यक्रम और अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं की कवरेज के लिए चार 'ट्रैक्ट'—प्रत्येक क्षेत्र में एक-एक--उपलब्ध हैं। चार क्षेत्रीय केन्द्रों पर समाचार एकत्र करने की ज़रूरतें पूरी करने के उद्देश्य से थोड़े-से समय के नोटिस पर एसएनजी प्रणाली इस्तेमाल की जा सकती है। आकाशवाणी के 20 और केन्द्रों में भी सी-बैंड सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। कोहिमा, इम्फाल, आयज़ॉल और अगरतला में कुल चार केप्टिव अर्थ स्टेशन (सीईएस) स्थापित किए जा रहे हैं। डॉट भू-केन्द्र पर

निर्भरता समाप्त करने के उद्देश्य से आकाशवाणी के चेन्नई और कलकत्ता केन्द्रों में दो चैनल वाला सीईएस बनाया जा रहा है। विविध भारती नेटवर्क की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से एक ऐसी प्रणाली स्थापित की जा रही है जिसमें डिजीटल संकेत इस्तेमाल किए जाएंगे। दूरदर्शन की टी. वी. अपलिंकिंग के जरिए आकाशवाणी स्काई रेडियो के 20 चैनल संचालित कर रहा है।

2.1.7 इस वर्ष के दौरान प्रसारण सुविधाएं और सशक्त बनाई गई हैं। मध्यप्रदेश में जगदलपुर में मौजूदा 20 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर की क्षमता बढ़ाकर 100 कि.वा. कर दी गई है। दिल्ली में 10 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर वाले विविध भारती ट्रांसमीटर की क्षमता 20 कि.वा. कर दी गई है। मीडियम वेव जालंधर के 100 कि.वा. ट्रांसमीटर की क्षमता बढ़ाकर 200 कि.वा. कर दी गई है ताकि उसकी कवरेज अधिक सीमावर्ती क्षेत्रों में पहुंच सके। कलकत्ता, हैदराबाद और एलेप्पी में 200 कि.वा. के उच्च शक्ति ट्रांसमीटर लगाए गए हैं। जैपोर (उड़ीसा) में 50 कि.वा. क्षमता का शॉर्टवेव ट्रांसमीटर लगाया गया है। दिल्ली, कलकत्ता, गुवाहाटी और मुम्बई में स्टूडियो सुविधाओं का स्तर सुधारा गया है और वहां नवीनतम आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं।

2.1.8 आकाशवाणी की 15 परियोजनाएं तकनीकी दृष्टि से तैयार हैं। ये हैं—दिल्ली में 5 कि.वा. क्षमता का एफ.एम. ट्रांसमीटर लगाकर दूसरा एफ.एम. चैनल शुरू करना, जम्मू (जम्मू-कश्मीर) में विज्ञापन प्रसारण सेवा के लिए 3-3 किलोवाट क्षमता के 2 एफ. एम. ट्रांसमीटर लगाना, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) में 10-10 किलोवाट क्षमता के 2 एफ.एम. ट्रांसमीटर लगाना, रांची (बिहार) में 3-3 किलोवाट क्षमता वाले 2 एफ.एम. ट्रांसमीटर लगाना, कलकत्ता (प० बंगाल) में (दूसरे एफ.एम. चैनल के लिए) 5 किलोवाट क्षमता का एफ.एम. ट्रांसमीटर लगाना, तवांग (अरुणाचल प्रदेश) में 10 कि.वा. मीडियम वेव क्षमता वाला ट्रांसमीटर लगाना, कर्सियांग (प० बंगाल) में 1 कि.वा. मीडियम वेव क्षमता का ट्रांसमीटर (प्रादेशिक सेवा के लिए) लगाना, कर्सियांग में शार्टवेव ट्रांसमीटर की क्षमता बढ़ाकर 50 कि.वा. करना, मुम्बई (महाराष्ट्र) में 5 किलोवाट क्षमता का दूसरा एफ.एम. ट्रांसमीटर लगाना, जबलपुर (मध्य प्रदेश) में विज्ञापन प्रसारण सेवा के लिए 5-5 कि.वा. क्षमता वाले 2 एफ.एम. ट्रांसमीटर लगाना, परभणी (महाराष्ट्र) में टाइप-I स्टूडियो बनाना, बंगलौर (कर्नाटक) में 3-3 किलोवाट क्षमता वाले 2 स्टीरियो एफ.एम. ट्रांसमीटर लगाना, तिरुअनन्तपुरम (केरल) में विविध भारती के लिए 5-5 किलोवाट क्षमता के 2 एफ.एम. ट्रांसमीटर लगाना, चेन्नई (तमिलनाडु) में (दूसरे एफ.एम. चैनल के लिए) 5 किलोवाट क्षमता का एफ.एम. ट्रांसमीटर लगाना और विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) में (विज्ञापन प्रसारण सेवा के लिए) 5-5 किलोवाट क्षमता के 2 एफ.एम. ट्रांसमीटर लगाना शामिल हैं।

2.1.9 आकाशवाणी ने समाचारों को टेलीफोन तथा इंटरनेट पर सुलभ करवाकर एक लंबी छलांग लगाई है। ये दोनों सेवाएं 25.2.98 से उपलब्ध हैं।

(अ) समाचार सेवाएं 'ए.आई.आर. लाइव ऑन इंटरनेट' प्रसारण के साथ ही दुनिया भर के दो लाख इंटरनेट श्रोताओं के लिए उपलब्ध हो सकेंगी। इसी प्रकार, श्रोता संगीत, नाटकों, समाचारों तथा अन्य कार्यक्रमों को भी इंटरनेट पर सुन सकेंगे।

(आ) आकाशवाणी की अन्य सेवा 'टेलीफोन पर समाचार' के अंतर्गत श्रोता नवीनतम समाचारों की झलकियां हिन्दी और अंग्रेजी में किसी भी स्थान से, दिए गए टेलीफोन नंबरों पर डायल कर सुन सकते हैं।

(इ) आकाशवाणी ने नई अभिनव समाचार सेवाएं जैसे, फोन इन रेडियो, रेडियो ऑन डिमांड, स्काई रेडियो सर्विस भी शुरू की हैं।

समाचार सेवा प्रभाग

2.2.1 आकाशवाणी से प्रतिदिन 38 घंटे, 30 मिनट की कुल अवधि के 303 समाचार बुलेटिन प्रसारित किए जाते हैं। इनमें से 93 बुलेटिन घरेलू सेवाओं के लिए प्रसारित होते हैं जिनकी कुल प्रसारण अवधि 12 घंटे 20 मिनट है। 42 क्षेत्रीय समाचार एकांश प्रतिदिन 135 समाचार बुलेटिनों का प्रसारण करते हैं जिनकी कुल अवधि 17 घंटे 51 मिनट है। विदेश सेवा में आकाशवाणी प्रतिदिन 65 बुलेटिन प्रसारित करता है जिनकी कुल प्रसारण अवधि 8 घंटे 59 मिनट है और ये 22 भाषाओं (भारतीय और विदेशी) में होते हैं।

2.2.2 समाचार सेवा प्रभाग ने आकाशवाणी के डिब्रूगढ़ केन्द्र से असमिया भाषा में और अगरतला केन्द्र से कोकबोरोक भाषा में दो और बुलेटिन आरंभ किए हैं। आकाशवाणी से खेल समाचार, धीमी गति के समाचार बुलेटिन और युवा बुलेटिन भी प्रसारित किए जाते हैं। दो युवा समाचार बुलेटिन दिल्ली से अंग्रेजी और हिन्दी में प्रसारित होते हैं। हज के दौरान दिल्ली से प्रतिदिन हजयात्रियों की सुविधा के लिए 5 मिनट का हज बुलेटिन प्रसारित किया जाता है। प्रतिदिन समाचारपत्रों की टिप्पणियों का कार्यक्रम 'प्रेस कमेंट्स' भी प्रसारित होता है। समाचार सेवा प्रभाग समाचार बुलेटिनों के अलावा अंग्रेजी, हिन्दी और उर्दू में समाचारों पर

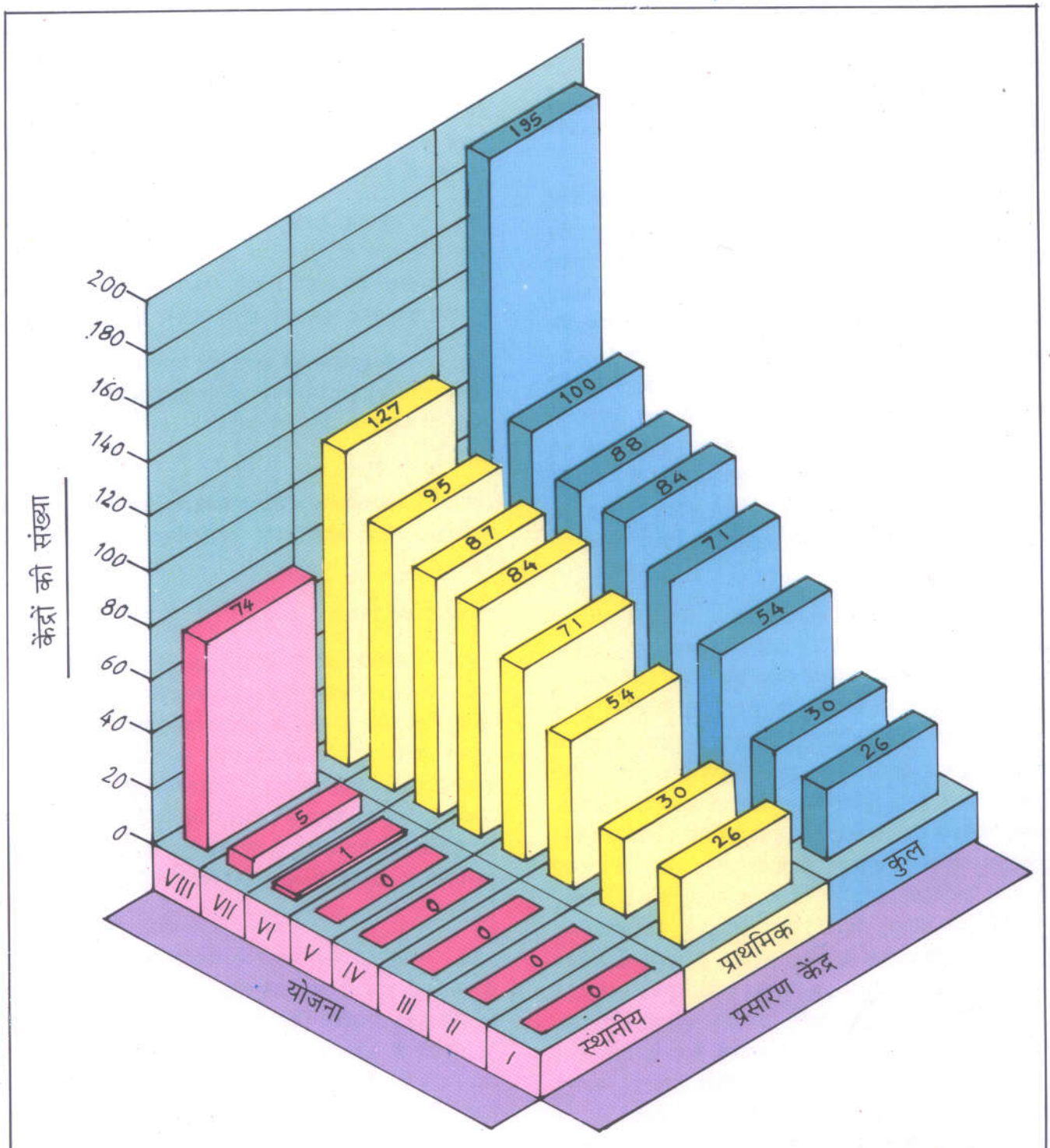

क्रमिक योजनाओं में रेडियो स्टेशनों की वृद्धि

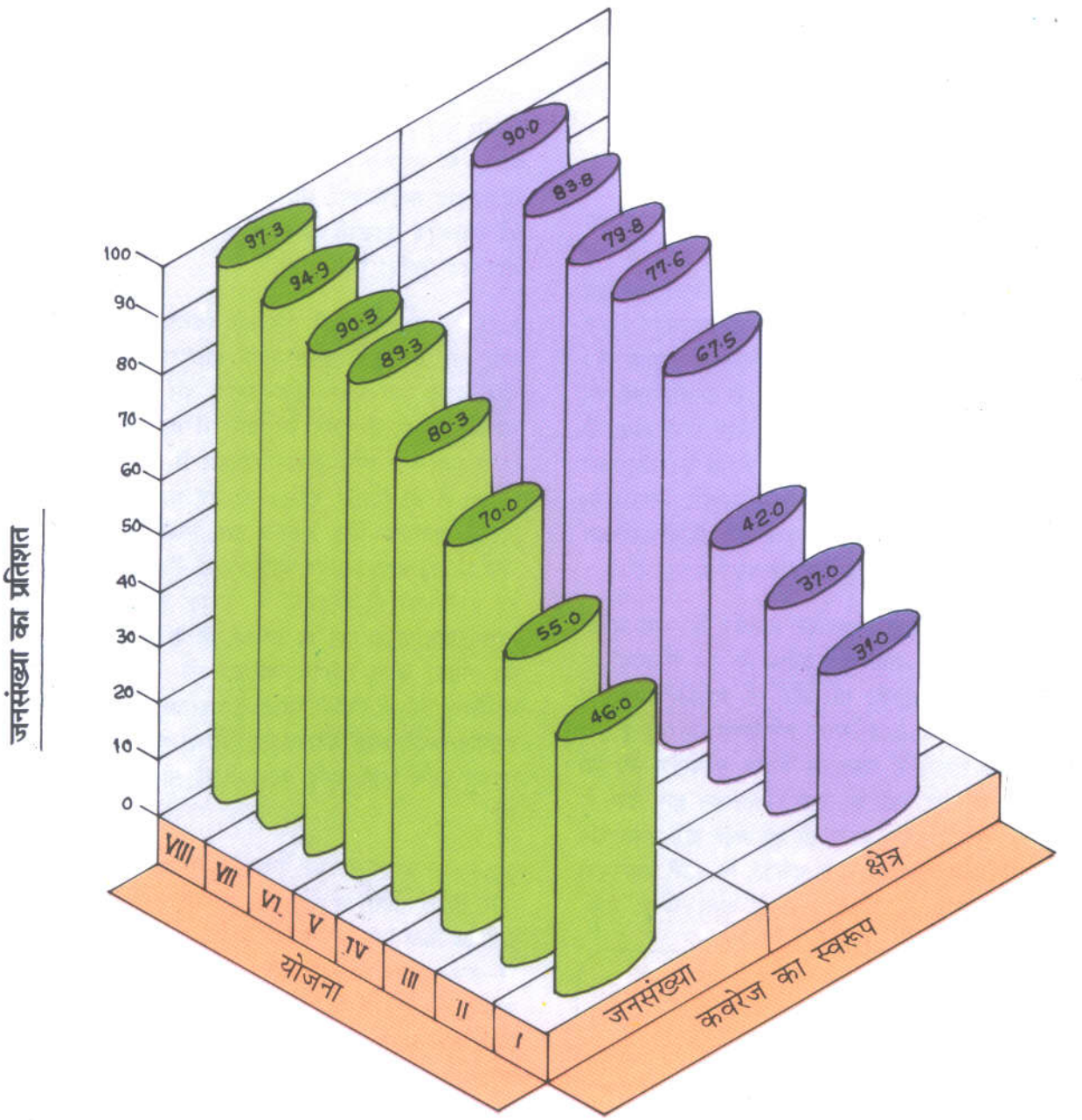

क्रमिक योजनाओं के बाद जनसंख्या और क्षेत्रफल की कवरेज

आधारित अनेक कार्यक्रम और विश्लेषण प्रसारित करता है। संसद के अधिवेशन के दौरान प्रतिदिन की कार्यवाही की अंग्रेजी और हिन्दी में समीक्षा प्रसारित होती है जिसका शीर्षक है 'संसद समीक्षा' और सप्ताह भर की कार्यवाही का विवरण 'इस सप्ताह संसद में' कार्यक्रम में प्रसारित होता है। इसी प्रकार क्षेत्रीय समाचार एकांश अपनी-अपनी राज्य विधानसभाओं की कार्यवाही की समीक्षा प्रस्तुत करते हैं।

2.2.3 आकाशवाणी के लिए अधिकांश समाचार देशभर में फैले उनके संवाददाताओं से प्राप्त होते हैं। इसके देशभर में 90 नियमित संवाददाता हैं और विदेशों में सात संवाददाता हैं जो कोलंबो, ढाका, दुबई, प्रिटोरिया, काठमांडू, सिंगापुर और इस्लामाबाद (इस समय रिक्त) में तैनात हैं। साथ ही, देश के महत्वपूर्ण जिला मुख्यालयों में आकाशवाणी के 246 अंशकालिक संवाददाता हैं। अपने समाचारों को व्यापक रूप देने के उद्देश्य से आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग दो संवाद एजेंसियों की सेवाएं प्राप्त करता है जिसके बदले वह इन एजेंसियों को भुगतान करता है। अनुश्रवण एकांश (अंग्रेजी और हिन्दी) विश्व के प्रमुख प्रसारण संगठनों के बुलेटिन मॉनीटर कर सामान्य समाचार कक्ष और हिन्दी समाचार पूल के लिए समाचार उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

2.2.4 इस वर्ष मुख्य ध्यान भारत की स्वतंत्रता के स्वर्ण जयंती समारोहों पर केन्द्रित किया गया था। वर्षभर के इन समारोहों के शुभारंभ की व्यापक कवरेज की गई और 15 अगस्त, 1947 के स्वतंत्रता की घोषणा के तथा सत्ता हस्तांतरण के दृश्य को पुनर्जीवित करने के प्रयास में संसद के विशेष मध्यरात्रि सत्र का सीधा प्रसारण किया गया। श्री के. आर. नारायणन द्वारा देश के दसवें राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने, श्री कृष्णकांत द्वारा उपराष्ट्रपति पद की शपथ लेने और श्री इंद्र कुमार गुजराल के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने को विशेष रूप से कवर किया गया।

आकाशवाणी केन्द्रों की संख्या में वृद्धि

(1-4-98 को)

	1990-91	1997-98	वृद्धि%
केन्द्रों की संख्या	108	195	80.55
ट्रांसमीटरों की संख्या	197	300	51.77
रेडियो कवरेज (क्षेत्र) (%)	84.6	90.0	6.5
रेडियो कवरेज (जनसंख्या) (%)	95.4	97.3	2.0
एफ.एम. मेट्रो चैनल पर प्रसारण अवधि (घंटों में)	05.5	24	336

स्वाधीनता के स्वर्ण जयंती समारोहों पर आकाशवाणी के समाचार सेवा प्रभाग को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिला। गैर-सरकारी मीडिया की कड़ी स्पर्धा के चलते आकाशवाणी ने विभिन्न विषयों पर रेडियो ब्रिज कार्यक्रम शुरू किए। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए नामांकन पत्र भरे जाने से शुरू करके समूची चुनाव प्रक्रिया का व्यापक कवरेज हुआ। देवगौड़ा-सरकार के गिरने के बाद श्री गुजराल के प्रधानमंत्री का पदभार ग्रहण करने, श्री गुजराल के विश्वासमत प्राप्त करने और उनके अपने मंत्रिपरिषद का विस्तार और मंत्रियों के विभागों में फेरबदल करने की महत्वपूर्ण घटनाओं को कवर करना भी समाचार सेवा प्रभाग के लिए बड़ी चुनौती सिद्ध हुआ।

2.2.5 लोकसभा की तीन और विधानसभाओं की नौ सीटों के लिए हुए उपचुनाव, प्रसारभारती अधिनियम की अधिसूचना और चीन-भारत तथा भारत-पाक वार्ताएं इस वर्ष की उन महत्वपूर्ण घटनाओं में से हैं जिन्हें समाचारों में विशेष प्रमुखता से शामिल किया गया था। इनके अलावा बिहार में श्रीमती राबड़ी देवी और गुजरात में श्री दिलीप पारिख को नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाने, कल्याण सिंह सरकार द्वारा विश्वासमत प्राप्त करने और चारा घोटाले तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा रिश्वत कांड की सुनवाई में हुई प्रगति को भी समाचारों में व्यापक रूप से स्थान दिया गया। कांग्रेस और जनता दल के अध्यक्ष पद के चुनाव, राष्ट्रीय जनता दल का गठन, अंतर-राज्यीय परिषद की बैठक, मुख्यमंत्रियों का सम्मेलन, रूस में निर्मित सुखोई-30 लड़ाकू विमानों को वायुसेना में शामिल करने और जनरल वेद प्रकाश मलिक का सेनाध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने आदि घटनाओं को भी समाचारों में प्रमुखता दी गई।

2.2.6 प्रधानमंत्री की नेपाल, अमरीका, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र और ब्रिटेन यात्रा के समाचार व्यापक रूप से और प्रमुखता से प्रसारित किए गए। प्रधानमंत्री की यात्रा के समाचार देने के उद्देश्य से उनके साथ गए आकाशवाणी संवाददाताओं की रिपोर्ट और उनकी ही आवाज में डिस्पैच विशेष रूप से समाचारों में शामिल किए गए। भारत यात्रा पर आए विदेशी-गणमान्य अतिथियों को भी समाचारों में पूरा महत्व दिया गया। भारत और पाकिस्तान के प्रधानमंत्रियों की बैठक और श्री गुजराल की अमरीकी राष्ट्रपति श्री बिल क्लिंटन के साथ मुलाकात को भी विशेष महत्व दिया गया।

2.2.7 समाचारों में मुख्य रूप से शामिल की गई महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं में श्री टोनी ब्लेयर का ब्रिटेन का नया प्रधानमंत्री बनना, राष्ट्रमंडल देशों के शासनाध्यक्षों और राष्ट्राध्यक्षों का सम्मेलन (चोगम), नौवां सार्क शिखर सम्मेलन, जी-सात देशों

आकाशवाणी : तथ्य एक दृष्टि में

(1.4.98 को)

क्रम संख्या	प्रसारण सुविधाएं		वर्तमान
1.	**प्रसारण केन्द्र (195)**		
	क) पूर्ण सुविधायुक्त केन्द्र		
	1) स्थानीय रेडियो केन्द्र		74
	2) क्षेत्रीय केन्द्र		109
			183
	ख) रिले केन्द्र		9
	ग) विशेष विविध भारती विज्ञापन केन्द्र		3ग
	घ) सामुदायिक आकाशवाणी केन्द्र		—
		कुल	195
	ड) रिकार्डिंग स्टूडियो		2घ
	च) विदेश सेवा के ट्रांसमिटिंग केन्द्र		11ड
	छ) विशेष केन्द्रों को छोड़कर विविध भारती/विज्ञापन केन्द्र		29
2.	**ट्रांसमीटरों की संख्या**		
	क) मीडियम वेव		143
	ख) शॉट वेव		54
	ग) वीएचएफ (एफ.एम.) (ईआरपी)		103
			300
3.	**क्षमता किलोवाट में**		
	क) मीडियम वेव		11170.00
	ख) शॉर्ट वेव		6763.00
	ग) वीएचएफ (एफ.एम.) (ईआरपी)		3140.00
			21073.00
4.	**प्रसारण कवरेज**		
	क) क्षेत्रवार		90.0%
	ख) जनसंख्यावार		97.3%

उपशीर्ष

ग. चंडीगढ़, कानपुर और वड़ोदरा।

घ. भुवनेश्वर और शांतिनिकेतन।

ड. दिल्ली, अलीगढ़, चेन्नई, मुम्बई, कलकत्ता, जालंधर, राजकोट, बंगलौर, गोरखपुर और तूतीकोरिन।

का शिखर सम्मेलन और जी-15 शिखर सम्मेलन, संयुक्त राष्ट्र महासभा का पूर्ण अधिवेशन, उत्तर अटलांटिक संघ संगठन—नाटो—के नेताओं की बैठक, हांगकांग चीन को सौंपा जाना और अमरीका के मानवरहित अंतरिक्षयान 'पाथ फाइंडर' का मंगल ग्रह पर उतरना और मीना-त्रासदी शामिल हैं। चीन के राष्ट्रपति श्री जियांग जेमिन की अमरीका यात्रा, रूस के राष्ट्रपति श्री बोरिस येल्तसिन की चीन यात्रा, शस्त्र निरीक्षण मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र और इराक के बीच गतिरोध तथा पाकिस्तान में न्यायपालिका और कार्यपालिका में उठा विवाद भी समाचारों की सुर्खियों में रहे।

2.2.8 समाचार सेवा प्रभाग ने राष्ट्रीय स्तर पर और क्षेत्रीय समाचार एकांशों के अपने नेटवर्क के ज़रिए लड़कियों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों के कल्याण संबंधी विषयों पर अनेकों कार्यक्रम और वार्ताएं प्रसारित कीं।

2.2.9 वर्ष के दौरान समाचारों में जिन अन्य प्रमुख घटनाओं को विशेष महत्व दिया गया उनमें दक्षिण दिल्ली के एक सिनेमाघर में हुआ अग्निकांड, चलती रेलगाड़ियों में बम-विस्फोट, भारत का 17वां अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, स्वर्ण आयात नियमों को और उदार बनाया जाना, स्वेच्छा से आय की घोषणा संबंधी 'वीडीआईएस' योजना शुरू किया जाना, मुद्रास्फीति की दर में रिकार्ड कमी होना, नई इंटरनेट नीति की घोषणा, रिज़र्व बैंक की नई ऋणनीति, कलकत्ता में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह का आयोजन, हैदराबाद में बच्चों और युवाओं के लिए 40वां फिल्म समारोह, मध्य प्रदेश में आया भीषण भूकंप और केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के लिए पांचवें वेतन आयोग की सिफ़ारिशों की घोषणा शामिल हैं।

2.2.10 उल्लेखनीय व्यक्तिगत सेवाओं और प्रतिभा के लिए दिए गए प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों में प्रधानमंत्री श्री इंद्रकुमार गुजराल को यून्थां पुरस्कार मिलना, श्री एम.सी. मेहता और महाश्वेता देवी की रेमन मेगसायसाय पुरस्कार दिया जाना, भारतीय लेखिका अरुंधती रॉय को बुकर पुरस्कार मिलना तथा गुलजारीलाल नंदा और अरुणा आसफ अली को भारत रत्न प्रदान किया जाना शामिल हैं जिन्हें समाचारों में प्रमुखता से लिया गया।

2.2.11 रक्षा राज्यमंत्री श्री एन.वी.एन. सोमू, जनता दल के नेता और उड़ीसा के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बीजू पटनायक, कम्युनिस्ट नेता श्री एम फ़ारूक़ी, फॉरवर्ड ब्लॉक के नेता श्री चित्त बसु, मदर टेरेसा, पुपुल जयकर, प्रसिद्ध रंगकर्मी शंभूमित्र, फिल्म निर्देशक बासु भट्टाचार्य, मुकल आनंद और चेतन आनंद, तैराक मिहिर सेन, नर्तकी संयुक्ता पाणिग्रही, गीतकार अंजुम, लेखक धर्मवीर भारती, अभिनेता अनूप कुमार, संगीतकार और गीतकार नुसरत फतेह अली खां, जाने-माने पत्रकार श्री एस.पी. सिंह और श्री गुलशन कुमार के निधन के समाचार भी प्रमुखता से प्रसारित किए गए। लेडी डायना की अंत्येष्टि और स्वाधीनता सेनानी तथा राजनेता गुलजारीलाल नंदा की जन्मशताब्दी को भी समाचारों में विशेष महत्व दिया गया।

2.2.12 वर्ष के दौरान समाचारों में मुख्य रूप से कवर की गई खेल जगत की महत्वपूर्ण घटनाओं में इंडीपेंडेंस कप क्रिकेट प्रतियोगिता, चार देशों की टोरंटो कप क्रिकेट प्रतियोगिता, टेनिस में विम्बलडन, फ्रेंच ओपन, अमरीकी ओपन और स्टॉकहोम ओपन प्रतियोगिताएं, भारत-वेस्ट इंडीज़, ऑस्ट्रेलिया-दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड क्रिकेट टेस्ट शृंखलाएं, एशिया कप क्रिकेट, विश्व एथलेटिक्स तथा डेविस कप और एशिया कप टेनिस शामिल हैं। विश्व शतरंज चैंपियन गैरी कास्पारोव और आई.बी.एम. सुपर कम्प्यूटर 'डीप ब्लू' के बीच अद्वितीय मुकाबले के समाचार भी पूरी प्रमुखता से प्रसारित किए गए।

विदेश सेवा प्रभाग

2.3.1 विदेश सेवा प्रभाग प्रतिदिन 24 भाषाओं में कुल करीब 70 घंटे के प्रसारण करता है—इनमें अंग्रेजी में सामान्य विदेश सेवा, 15 अन्य विदेशी भाषाएं तथा विश्व के विभिन्न भागों में श्रोताओं के लिए 8 भारतीय भाषाओं के प्रसारण शामिल हैं। इन प्रसारणों में (दैनिक टिप्पणियों और प्रेस रिव्यू के माध्यम से) विश्व की विभिन्न घटनाओं पर भारत का दृष्टिकोण व्यक्त किया जाता है और विदेशी श्रोताओं को भारतीय जनजीवन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराने के साथ ही उन्हें भारत में होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जाती है। विदेश सेवा प्रभाग के कार्यक्रम पूर्व, उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया; पश्चिम, उत्तर-पश्चिम और पूर्व अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन, यूरोप और भारतीय उपमहाद्वीप सहित विश्व के सभी महाद्वीपों में पहुंचते हैं। विदेशों में रहने वाले भारतीयों के लिए हिन्दी, तमिल, तेलुगु और गुजराती भाषाओं के प्रसारण किए जाते हैं जबकि उर्दू, बांग्ला, पंजाबी और सिंधी के प्रसारण उप-महाद्वीप और पड़ोसी देशों के श्रोताओं के लिए होते हैं।

2.3.2 वर्ष के दौरान सभी सम्मेलनों, गोष्ठियों और फिल्म समारोहों तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की व्यापार गतिविधियों को समुचित कवरेज दिया गया और इनके लिए रेडियो-रिपोर्ट तथा इंटरव्यू भी प्रसारित किए गए। इसी प्रकार विदेशी विशिष्ट व्यक्तियों की भारत यात्रा और भारतीय विशिष्ट व्यक्तियों की विदेश यात्राओं के समाचार भी समुचित रूप से प्रसारित किए गए। देश की स्वाधीनता के स्वर्णजयंती समारोहों को व्यापक कवरेज देने की

विशेष व्यवस्था की गई है। विदेश सेवा प्रभाग के ट्रांसमीटर रात नौ बजे का अंग्रेजी बुलेटिन नियमित रूप से प्रसारित करते हैं जबकि मूल रूप से यह 'घरेलू बुलेटिन' है।

2.3.3 प्रभाग अंग्रेजी में मासिक कार्यक्रम पत्रिका 'इंडिया कॉलिंग' निकालता है जिसमें विदेश सेवा प्रभाग द्वारा प्रसारित किये जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी रहती है और यह विदेशी श्रोताओं को नि:शुल्क भेजी जाती है।

राष्ट्रीय चैनल

2.4 राष्ट्रीय चैनल का उद्घाटन 18 मई, 1988 को किया गया था जो नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में है। इस समय यह रात्रि सेवा के रूप में चलाया जाता है और देश की 70 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या तक इस चैनल के कार्यक्रम पहुंचते हैं। इन कार्यक्रमों में जानकारी और मनोरंजन का संतुलित समावेश रहता है। समूचे भारत को अपना क्षेत्र मानकर यह चैनल देश की श्रेष्ठ प्रतिभाओं का उपयोग करता है। इस चैनल के कार्यक्रमों का स्वरूप समूचे देश की सांस्कृतिक विविधता और क्षेत्रीय विशेषताओं को परिलक्षित करता है। केवल राष्ट्रीय चैनल से ही रातभर हिन्दी और अंग्रेजी में बारी-बारी से हर घंटे समाचार बुलेटिन प्रसारित किये जाते हैं। जब संसद का अधिवेशन चल रहा होता है तो इस चैनल से श्रोताओं के लिए प्रश्नकाल की रिकार्डिंग प्रसारित की जाती है। रमज़ान के पवित्र महीने में राष्ट्रीय चैनल से तड़के विशेष कार्यक्रम 'सहरगही' प्रसारित किया जाता है।

विज्ञापन

2.5.1 आकाशवाणी द्वारा 1 नवम्बर, 1967 से विज्ञापन प्रसारण शुरू किए गए थे और अब 99 मुख्य चैनल के केन्द्रों, विविध भारती के 30 केन्द्रों, 72 स्थानीय केन्द्रों और पांच एफ.एम. मेट्रो चैनलों से ये विज्ञापन प्रसारित होते हैं। नई दिल्ली के राष्ट्रीय चैनल पर भी विज्ञापन प्रसारित करने की अनुमति है तथा पूर्वोत्तर सेवा के शिलांग केन्द्र से भी विज्ञापन प्रसारित होते हैं।

2.5.2 रेडियो पर विज्ञापन बुक कराने के लिए ग्राहकों और एजेंसियों को प्रोत्साहन दिया जाता है। आकाशवाणी की आय का बड़ा भाग विज्ञापनों से प्राप्त होता है। एफ.एम. लाईसेंस शुल्क तथा आर.डी.एस. पेजिंग से भी आय होती है। स्पर्धा बनाये रखने के लिए निजी कार्यक्रम निर्माताओं को भी चारों एफ.एम. मैट्रो चैनलों और पणजी केन्द्र से अपने कार्यक्रम प्रसारित करने की अनुमति है।

आकाशवाणी में महात्मा गांधी का आगमन सिर्फ एक बार 12 नवंबर, 1947 को हुआ। उसकी याद में आयोजित समारोह में आकाशवाणी की संगीत मंडली अपना कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए

विविध भारती और प्राथमिक चैनलों पर विज्ञापन प्रसारण से प्राप्त आय (रुपये में)

वर्ष	विविध भारती	प्राथमिक चैनलों से अर्जित सकल राजस्व		
		चरण-I	चरण-II	कुल योग
1975-76	6,25,87,679	-	-	6,25,87,679
1976-77	6,85,54,222	-	-	6,85,54,222
1977-78	7,82,06,252	-	-	7,82,06,252
1978-79	8,90,75,436	-	-	8,90,75,436
1979-80	10,31,43,702	-	-	10,31,43,702
1980-81	12,51,32,824	-	-	12,51,32,824
1981-82	15,23,44,716	-	-	15,23,44,716
1982-83	15,39,89,422	72,64,000	-	16,12,53,422
1983-84	16,00,34,250	42,30,500	-	16,42,64,750
1984-85	15,93,58,046	66,78,500	-	16,60,31,546
1985-86	17,54,89,035	50,06,275	2,13,84,761	20,22,80,071
1986-87	17,71,77,765	1,06,68,575	5,20,92,195	23,99,38,535
1987-88	19,26,24,082	88,13,025	8,51,62,751	28,66,01,858
1988-89	21,99,92,445	84,81,675	9,60,45,546	32,45,20,666
1989-90	23,72,28,116	68,02,372	10,59,36,265	35,06,55,753
1990-91	25,25,09,742	64,71,500	13,40,37,000	39,30,18,255
1991-92	34,89,00,000	83,62,000	17,00,68,000	52,73,00,000
1992-93	37,66,00,000	1,38,00,000	19,87,00,000	58,91,00,000
1993-94	36,96,00,000	1,93,00,000	25,46,00,000	64,35,00,000
1994-95	35,44,00,000	58,00,000	28,27,00,000	64,39,00,000
1995-96	37,32,30,000	1,45,48,000	42,19,79,000	80,97,57,000
1996-97	35,65,00,000	2,72,00,000	41,26,00,000	79,63,00,000
1997-98	39,55,00,000	2,39,00,000	51,50,00,000 (इसमें एफ.एम. लाइसेंस के 4.07 करोड़ रुपये भी शामिल हैं)	93,44,00,000

2.5.3 लोकप्रिय विविध भारती सेवा 35 केन्द्रों से प्रतिदिन चौदह घंटे से अधिक मनोरंजन कार्यक्रम प्रस्तुत करती है। 1975-76 से 1997-98 के बीच रेडियो विज्ञापनों से हुई आय का विवरण ऊपर दिया गया है। वर्ष 1997-98 का लक्ष्य 95 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था।

2.5.4 आकाशवाणी के विज्ञापन समय की बिक्री का काम व्यापक रूप से किया गया है। 1 अक्तूबर, 1997 से नई विज्ञापन दरें लागू की गई हैं। मुख्य चैनलों, विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र के केन्द्रों से प्रायोजित कार्यक्रम प्रसारित किये जाते हैं।

प्रत्यंकन और कार्यक्रम विनिमय सेवा

2.6.1 आकाशवाणी के अभिलेखागार में विभिन्न विषयों के करीब चालीस हजार टेप हैं जिनमें हिन्दुस्तानी और कर्नाटक शैली के गायन और वादन की रिकार्डिंग है। इनमें सुगम संगीत, लोकसंगीत, जनजातीय संगीत और देशभक्ति पूर्ण संगीत शामिल हैं। साथ ही, अभिलेखागार में महात्मा गांधी, रबीन्द्रनाथ टैगोर, खान अब्दुल गफ्फार खां, सुभाषचन्द्र बोस, डाक्टर बाबा साहेब आम्बेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरोजनी नायडू, अरुणा आसफ अली तथा अन्य विशिष्ट व्यक्तियों की आवाज की रिकार्डिंग भी है।

इनके अलावा देश के सभी राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के भाषण भी टेप में सुरक्षित रखे गए हैं।

2.6.2 इस वर्ष अभिलेखागार में करीब पांच सौ टेप और जुड़े जिनमें अन्य अनेक विषयों के अलावा डॉ. वर्गीज कुरियन, डा. एम.टी. वासुदेवन नायर, जाने-माने लेखक बाबा नागार्जुन, पंडित विद्यानिवास मिश्र, हिन्दी और मैथिली के सुप्रसिद्ध साहित्यकारों की रेडियो जीवनी और पखावज के जाने-माने कलाकार श्री चन्द्र कुमार मलिक और रंगमंच की अभिनेत्री जोहरा सहगल की विशेष अभिलेखीय रिकार्डिंग भी है। इस वर्ष गांधीजी, पंडित नेहरू और नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के भाषणों के अंश संसद के विशेष मध्य रात्रि अधिवेशन के लिए अभिलेखागार से उपलब्ध कराए गए थे। प्रत्यंकन और कार्यक्रम विनिमय सेवा ने रायल्टी और अभिलेखागार सेवाओं से 31 अक्तूबर, 1997 तक 2,21,119 रुपये की आय अर्जित की।

कार्यक्रम विनिमय एकांश

2.7 कार्यक्रम विनिमय एकांश एक पुस्तकालय है जिसमें हिन्दुस्तानी, कर्नाटक शैली तथा लोक शैली के गायन और वादन जैसे शास्त्रीय संगीत के विभिन्न स्वरूपों के करीब 7,869 टेप हैं। इस पुस्तकालय में रामचरितमानस पाठ, रूपक, वार्ताएं, नाटक और परिचर्चाएं आदि भी सुरक्षित हैं। इस पुस्तकालय का मुख्य कार्य आकाशवाणी के विभिन्न कार्यक्रमों को प्राप्त करना उनकी समीक्षा करना तथा चुने हुए कार्यक्रमों को आकाशवाणी के अन्य केन्द्रों पर प्रसारण के वास्ते भेजना है। चुने हुए कार्यक्रमों को द्विमासिक पत्रिका 'विनिमय' से प्रकाशित किया जाता है। विभिन्न केन्द्रों से बाकायदा अनुरोध मिलने पर एकांश से उन्हें सामग्री की आपूर्ति की जाती है। एकांश के संरक्षित टेपों से चुनकर प्रतिदिन एक घंटे के कार्यक्रमों को उपग्रह प्रसारण के लिए भेजा जाता है। पुस्तकालय में अंग्रेजी और अन्य भाषाओं के पाठ भी प्राप्त किए गए हैं। पुस्तकालय में आकाशवाणी के वार्षिक पुरस्कार प्राप्त कार्यक्रम और उनके मूल पाठ सुरक्षित रखे जाते हैं।

प्रत्यकन यूनिट

2.8 देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री द्वारा देश के विभिन्न भागों और विदेशों में दिए गए भाषणों को आकाशवाणी के विभिन्न केन्द्रों और समाचार सेवा प्रभाग से प्राप्त किया जाता है। यूनिट ने जनवरी 1997 से नवंबर 1997 की अवधि में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के 282 भाषणों के टेप प्राप्त किए। इस अवधि में इस यूनिट में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के भाषणों के 24 संस्करण तैयार किए गए।

केन्द्रीय टेप बैंक

2.9 केन्द्रीय टेप बैंक, आकाशवाणी के विभिन्न केन्द्रों की एक-दूसरे से अच्छे कार्यक्रमों के आदान-प्रदान सम्बन्धी मांगें पूरी करता है। इस समय इस बैंक ने आकाशवाणी के 194 केन्द्रों को 75 हजार टेप वितरित कर रखे हैं।

विदेश कार्यक्रम पुस्तकालय

2.10 विदेश कार्यक्रम एकांश आकाशवाणी के लिए विभिन्न देशों से श्रेष्ठ कार्यक्रम सामग्री प्राप्त करता है। इस यूनिट ने 1997 के दौरान जर्मनी से 113, संयुक्त राष्ट्र से 163, ऑस्ट्रेलिया से 109, सार्क श्रृव्य-दृश्य विनिमय के तहत 13 कार्यक्रम और फ्रांस से 44 कार्यक्रम प्राप्त किए। इस तरह कुल मिलाकर 442 कार्यक्रम इस वर्ष विदेशों से मंगाए गए। इन कार्यक्रमों की समीक्षा की गई और ये ऑडियो मेगनेटिक टेप्स और उपग्रह नेटवर्क सुविधा के जरिये विभिन्न केन्द्रों को भेजे गए।

उपग्रह प्रसारण

2.11 प्रत्यंकन और कार्यक्रम विनिमय सेवा इनसैट 1-डी और इनसैट 2-ए के आर एन चैनलों के माध्यम से उपग्रह प्रसारण भी करती है। आकाशवाणी के विभिन्न केन्द्रों ने भविष्य में इस्तेमाल के लिए विभिन्न प्रकार के 500 कार्यक्रम रिकार्ड कर रखे हैं।

अभिलेखागार-सामग्री

2.12 इस वर्ष आकाशवाणी ने भारत की स्वाधीनता की स्वर्ण जयंती के अवसर पर 50 देशभक्तिपूर्ण गीतों के चार सीडी/कैसेट और राष्ट्रनेताओं के भाषणों का एक कैसेट जारी किए हैं। 'मंगल ध्वनि' के तीन सीडी सैट तैयार करके आकाशवाणी केन्द्रों के पास इस्तेमाल के लिए भेजा गया है। विदेशों में भारतीय मिशनों और भारत में विदेशी मिशनों के लिए 'इंडियन एथोज़' शीर्षक से सीडी तैयार किया गया था। उस्ताद अली अकबर खां, बड़े गुलाम अली खां और उस्ताद अली अहमद हुसैन खां की अभिलेखागार रिकार्डिंग प्राइवेट कम्पनियों के माध्यम से जारी की गई हैं।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम परियोजना

2.13.1 नई दिल्ली के आकाशवाणी भवन में स्थित आकाशवाणी (लाइब्रेरी) अभिलेखागार ने ऑडियो-संकेतों में सुधार की आधुनिकतम तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं और यह अभिलेख सामग्री की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा लम्बे समय तक सामग्री को सुरक्षित रखकर उसे इस्तेमाल करने के वास्ते तरीके सुझाता है। इन

सुविधाओं में नीचे दी गई सुविधाएं शामिल हैं जिन्हें यू.एन.डी.पी. द्वारा सहायता प्राप्त परियोजना के तहत उपलब्ध कराया गया था :

ऑडियो सिगनल (रिफरबिशिंग) सुधार प्रयोगशाला	:	2
ऑप्टिकल डिस्क, ट्रांसफर रिकार्डिंग प्रयोगशाला	:	1

अभी तक 350 घंटे की प्रसारण अवधि की पुरानी खराब हो चुकी सामग्री को फिर से ठीक किया गया है और 150 काम्पेक्ट डिस्क तैयार की गई हैं।

2.13.2 देश की स्वाधीनता के स्वर्णजयंती समारोहों के दौरान 15 अगस्त, 1997 को प्रसारण आरम्भ करते समय चलाने के लिए 'वन्देमातरम' का वह विशेष कट परिवर्द्धित करके आकाशवाणी के सभी केन्द्रों को भेजा गया जिसे जाने-माने गायक पं० ओंकार नाथ ठाकुर ने 14 अगस्त, 1947 को गाया था और जो स्वाधीन भारत में पहली बार रेडियो पर बजाया गया था। इस लाइब्रेरी में सुरक्षित रखे गए टेपों में से स्वाधीनता-पूर्व के दौर के 75 लोकप्रिय देशभक्ति गीत चुनकर सभी आकाशवाणी केन्द्रों को भेजे गए। लाइब्रेरी ने अभिलेखागार से 'वन्देमातरम', 'सारे जहां से अच्छा', जैसे 19 राष्ट्रीय गीतों की एक सीडी तैयार की है जिसका नाम है 'इंडियन एथोज़'। यह सी.डी. सभी आकाशवाणी केन्द्रों को भेजी गई है। इनके अलावा, 'आज़ादी के गीत' शीर्षक से चार सी.डी. का सेट और महात्मा गांधी, पं० जवाहरलाल नेहरू, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, सरदार पटेल और मौलाना अबुल कलाम आजाद के भाषणों का एक कैसेट भी तैयार किया गया है।

केन्द्रीय अनुश्रवण सेवा

2.14 केन्द्रीय अनुश्रवण सेवा महत्वपूर्ण विदेशी रेडियो और टेलीविज़न नेटवर्कों के समाचार और समाचार-आधारित कार्यक्रमों का अनुश्रवण करती है। वर्ष के दौरान इसने औसतन प्रतिदिन 11 देशों के 70 समाचार बुलेटिन मॉनीटर किए जो पांच भाषाओं (चार भारतीय और एक विदेशी) में थे। संगठन प्रतिदिन मॉनीटर की गई समूची सामग्री की रिपोर्ट तैयार करता है। साथ ही, सीएमएस दो साप्ताहिक रिपोर्टें भी जारी करता है—एक है साप्ताहिक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट जिसमें उस सप्ताह के महत्वपूर्ण समाचारों का विश्लेषण किया जाता है और दूसरी में कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के रेडियो और टेलीविज़न नेटवर्क से किए गए भारत-विरोधी दुष्प्रचार संबंधी विशेष साप्ताहिक रिपोर्ट होती है। सीएमएस की दो क्षेत्रीय यूनिटें हैं—एक जम्मू में और दूसरी कलकत्ता में।

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान

2.15 कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) की स्थापना 1948 में दिल्ली में आकाशवाणी महानिदेशालय के सम्बद्ध कार्यालय के रूप में की गई थी और यह संस्थान कार्यक्रम स्टाफ के विभिन्न कैडरों (प्रशासनिक कर्मचारियों सहित) के कर्मचारियों को सेवाकालीन प्रशिक्षण देता है। ऐसा एक संस्थान कटक में है और विभिन्न क्षेत्रों के आकाशवाणी केन्द्रों के कर्मचारियों की प्रशिक्षण संबंधी मांग पूरी करने के उद्देश्य से हैदराबाद, शिलांग, अहमदाबाद, तिरुअनन्तपुरम और लखनऊ में पांच क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान हैं। 1996-97 के दौरान संस्थान ने 21 प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए और प्रोग्राम तथा प्रशासनिक कैडर के 372 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया। क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों ने 48 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके कार्यक्रम और प्रशासनिक कैडर के 737 कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। वर्ष के दौरान संस्थान ने एक विचार गोष्ठी और 15 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए, जिनमें से एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम जर्मनी की आरटीसी, डच, वेल्स के सहयोग से चलाया गया था और संस्थान ने इस अवधि में कार्यक्रम और प्रशासनिक कैडरों के 265 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया। कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (प्रशिक्षण) आकाशवाणी और दूरदर्शन के तकनीकी स्टाफ की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताएं पूरी करता है। इस वर्ष के दौरान संस्थान ने 87 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए और करीब 1050 तकनीकी कर्मचारियों/अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। संस्थान ने इंग्लैंड के डिजिटल ऑडियो रिसर्च (डीएआर) के सहयोग से 'नॉन लीनियर एडिटिंग सिस्टम (सेबर प्लस)' पर दो कार्यशालाएं आयोजित कीं। 'ट्रेनिंग फॉर ट्रेनर्स' अर्थात 'प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण' कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली में जर्मनी के रेडियो ट्रेनिंग सेंटर (आरटीसी) के सहयोग से किया गया था। 1 जनवरी, 1998 से 31 मार्च, 1998 की अवधि में करीब 350 तकनीकी कर्मचारियों/अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के वास्ते 26 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाने की योजना है। दिल्ली में एक कम्प्यूटर केन्द्र बनाने का प्रस्ताव स्वीकृत हो चुका है।

श्रोता अनुसंधान एकांश

2.16 श्रोता अनुसंधान एकांश ने इस वर्ष 57 बड़े और 85 छोटे अध्ययन पूरे किए या उन्हें पूरे करने की योजना है, ये अध्ययन हैं :

(1) 11 स्थानों पर सामान्य श्रोता सर्वेक्षण, (2) नौ स्थानों पर 'दहलीज़' कार्यक्रम पर फीड बैक प्रतिक्रिया का त्वरित अध्ययन, (3) 'हसीन लम्हे' और 'ये भी खूब रही' के बारे में दस स्थानों पर त्वरित श्रोता प्रतिक्रिया अध्ययन, (4) फार्म एंड होम कार्यक्रम के बारे में 23 स्थानों पर सर्वेक्षण, (5) अमरावती में फीड-फारवर्ड अध्ययन, (6) आकाशवाणी, जयपुर के विज्ञान कार्यक्रम का

अजमेर में सर्वेक्षण, (7) धीमी गति के समाचार बुलेटिन का पूर्वोत्तर क्षेत्र से डाक-सर्वेक्षण, (8) आकाशवाणी संगीत सम्मेलन पर त्वरित फीड-बैड प्रतिक्रिया अध्ययन और (9) आकाशवाणी 1997—तथ्य और आंकड़े का संकलन।

अनुसंधान

2.17 आकाशवाणी और दूरदर्शन का अनुसंधान विभाग अपने प्रसारणों में नवीनतम और आधुनिकतम टेक्नॉलोजी अपनाने की दृष्टि से अनुसंधान और विकास गतिविधियों में लगा रहता है। अनुसंधान विभाग की प्रमुख उपलब्धियां हैं :—(1) इंटरनेट : 13 जनवरी, 1997 को विशेष सेवा 'ए.आई.आर. ऑन लाइन इनफॉर्मेशन सर्विस इन ऑडियो मोड' की प्रायोगिक शुरुआत की गई है। अब समाचार सेवा प्रभाग इसका नियमित प्रयोग कर रहा है। इस सेवा में हिन्दी और अंग्रेजी, दोनों ही, समाचार बुलेटिनों को प्रतिदिन अप-टू-डेट करना अर्थात इनमें ताजा समाचारों का समावेश करना शामिल है। साथ ही इसमें विभिन्न भाषाओं के मनोरंजन कार्यक्रम भी शामिल हैं, (2) पी.सी. आधारित ट्रांसमीशन एनेलाइज़र : विंडो-आधारित प्रोग्रामिंग के जरिए ट्रांसमीटर मेजरमेंट्स जैसे अतिरिक्त कार्यात्मक पहलू भी समाहित किए गए हैं। सभी उच्चशक्ति ट्रांसमीटरों में यह सुविधा (एनेलाइज़र) लगाई जा रही है। ऐसे दो मॉडल अभी अपने स्तर पर ही विकसित किए जा रहे हैं, (3) सभी ट्रांसमीटरों की मॉड्यूलेशन की मॉनीटरिंग, रिकार्डिंग और विश्लेषण के लिए खामपुर और किंग्सवे कैम्प के उच्चशक्ति ट्रांसमीटरों में मल्टी-चैनल मॉड्यूलेशन एनेलाइज़र लगाए गए हैं, (4) डी.ए.बी : नौवीं पंचवर्षीय योजना में प्रस्ताव है कि चारों महानगरों में डी.ए.बी. टेरेस्ट्रियल प्रसारण शुरू किया जाए जिसमें छह सी.डी. स्टीरियो या अच्छी गुणवत्ता वाले कई चैनल और अनेक मल्टीमीडिया पहलू भी शामिल किए जाएं, (5) रेडियो ऑन डिमांड : आकाशवाणी की रेडियो ऑन डिमांड सेवा के लिए एक इंटरएक्टिव (अन्तर-प्रतिक्रिया) प्रणाली विकसित की गई है। यह ऑनलाइन प्रणाली है जिसमें श्रोता अपने टेलीफोन रिसीवर से अपनी पसन्द का गाना सुनने का अनुरोध रिकार्ड करा सकते हैं और प्रतीक्षासूची में अपना नम्बर जान सकते हैं ताकि स्वचालित ट्रांसमीटर पर क्रमानुसार अपना मनपसन्द गाना सुन सकें। इस योजना को चार महानगरों में चलाने की स्वीकृति मिल गई है और इसके मार्च 1998 में शुरू होने की आशा है, (6) नियमित ए एम स्टीरियो प्रसारण के लिए आकाशवाणी के माल रोड काम्पलेक्स के नेशनल चैनल ट्रांसमीटर में नियमित सेट-अप लगाया जा रहा है। इस सेवा के जनवरी 1998 तक शुरू हो जाने की आशा है, (7) नई दिल्ली में टोडापुर के अंतर्राष्ट्रीय अनुश्रवण एवं कार्यक्रम ग्रहण केन्द्र में ऑटोमेटिक मॉडल मॉनीटरिंग सेंटर स्थापित किया गया है और यह चालू हो चुका है, (8) 100 मीटर टावर में थ्री-एलीमेंट डीएबी ट्रांसमीटर एंटीना लगाया जा चुका है। इस एंटीना के जरिए 1 अप्रैल, 1997 से प्रायोगिक डीएबी प्रसारण किए जा रहे हैं। एल-बैंड ट्रांसमीशन एंटीना के विकास का काम भी शुरू हो चुका है, (9) धातु का साउंडप्रूफ दरवाजा विकसित किया गया है। इसके लगाने और जांच का काम चल रहा है, (10) बंगलौर में ट्रांसमीटर कंट्रोलर और एंटीना कंट्रोलर लगाए गए हैं। दो और कंट्रोलर—सल्यू कंट्रोलर और ऑक्ज़ीलरी कंट्रोलर भी विकसित किए जा रहे हैं। यह कार्य मार्च 1998 तक पूरा हो जाने की उम्मीद है, (11) पी.सी. आधारित किफ़ायती डी-नॉयज़र के क्षेत्रीय-परीक्षण शुरू हो जाने की आशा है, (12) आकाशवाणी नेटवर्क (10 ट्रांसमीटरों) के बी.बी.सी. 300 कि.वा. और 500 कि.वा. ट्रांसमीटरों में सफलतापूर्वक डी.सी.सी. लगा किए गए हैं। बी.ई.एल. 100 कि.वा. ट्रांसमीटरों (50 ट्रांसमीटर) में डी.सी.सी. के लिए आवश्यक हार्डवेयर और इंस्टालेशन सामग्री की आपूर्ति कर दी गई है।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

2.18 सार्क दृश्य-श्रव्य विनिमय कार्यक्रम के तहत आकाशवाणी ने 13 नवम्बर, 1997 को सार्क रेडियो क्विज़ का आयोजन किया। 'पार्टीसिपेटरी गवर्नेंस' अर्थात 'गठबंधन सरकार' विषय पर विशेष कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है जिसे सार्क-संगठन के सभी सदस्य देश प्रसारित करेंगे। जर्मनी के डच वेले रेडियो के सहयोग से 'आर्काइव एंड डॉक्यूमेंटेशन' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। जनवरी-फरवरी, 1998 में जर्मन रेडियो डचवेले के सहयोग से 'सबके लिए भोजन' विषय पर संयुक्त कार्यक्रम तैयार किया जाएगा। आकाशवाणी ने प्री इटालिया, ए.बी.यू. पुरस्कार और सीबीए पुरस्कारों में भी भाग लिया। सी.बी.ए. में बंगलौर के केन्द्र निदेशक श्री जी.एम. शिराहत्ती की प्रविष्टि की प्रबंधन में नयेपन के लिए बहुत सराहना की गई। लंदन की कॉमनवेल्थ ब्रॉडकास्टिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित लघुकथा प्रतियागिता में चार भारतीयों को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुए।

केन्द्रीय शिक्षण योजना एकक

2.19 देश में हिन्दी-भाषी क्षेत्र के 27 आकाशवाणी केन्द्रों से पारिवारिक जीवन और शिक्षा पर आधारित धारावाहिक 'तिनका तिनका सुख' प्रसारित किया गया जिसमें आत्मनिर्भरता, पति-पत्नी संबंधों, लिंगभेद और अन्य सामाजिक कुरीतियों पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया था। श्रोताओं की मांग को देखते हुए अब इस धारावाहिक को पुस्तक रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। हर महीने प्रसारित की जाने वाली राष्ट्रीय विज्ञान पत्रिका 'रेडियोस्कोप' की लोकप्रियता बराबर बढ़ रही है। इसका निर्माण मूलरूप से

दिल्ली में किया जा रहा है लेकिन विभिन्न भागों से प्राप्त सामग्री का इसमें इस्तेमाल किया जाता है। पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर आकाशवाणी की हिन्दी-भाषी क्षेत्र के 30 केन्द्रों से 52 कड़ियों का एक बड़ा धारावाहिक प्रसारित करने की योजना है और इसका निर्माण केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से किया जाएगा।

केन्द्रीय अंग्रेजी फीचर एकांश

2.20 केन्द्रीय अंग्रेजी फीचर एकांश ने 1997-98 के दौरान स्वाधीनता सेनानियों का विवरण तैयार करने पर विशेष ध्यान केन्द्रित रखा। फीचरों के राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रस्तुत करने में आकाशवाणी के ज्यादा से ज्यादा केन्द्रों को शामिल करने का प्रयास किया गया ताकि इन रूपकों के माध्यम से भारत की वास्तविक छवि को बेहतर ढंग से प्रस्तुत किया जा सके। प्रत्येक फीचर एक रेडियो डाक्यूमेंट्री (वृत्तचित्र) के रूप में था और इनमें जाने-माने स्वतंत्रता सेनानियों और आधुनिक भारत के निर्माताओं की जीवनी और कार्यों का चित्रण था। पूर्वोत्तर क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया था। सात पूर्वोत्तर राज्यों की महिलाओं के बारे में मीरा मजूमदार का फीचर जून 1997 में प्रसारित किया गया था। मदर टेरेसा की स्मृति में 'सक्रिय संत मदर टेरेसा : करुणा की मूर्ति' शीर्षक से विशेष फीचर बनाया गया था। 'स्वाधीनता की भोर की झलक और उसके बाद', 'स्वाधीनता की अजेय भावना' जैसे फीचरों में भारत के लंबे स्वतंत्रता संग्राम को चित्रित किया गया। इनमें स्वाधीनता से पहले के भूमिगत रेडियो स्टेशनों और मध्य रात्रि के हंगामों का वर्णन भी शामिल था। इस फीचर में भारत की स्वाधीनता की स्वर्ण जयन्ती के सिलसिले में भारत-ब्रिटेन संयुक्त प्रयासों को भी ध्यान में रखा गया है। साथ ही, प्रसिद्ध इतिहासकार डाक्टर पार्थसारथी गुप्त राष्ट्रीय गीत 'वन्देमातरम' के इतिहास पर अनुसंधान कर रहे हैं जिसके आधार पर डाक्यूमेंट्री फीचर तैयार किया जा रहा है। पिछले दो वर्षों में समूचे देश के वास्ते व्यापक और संतुलित सांस्कृतिक नीति तैयार करने के उद्देश्य से जोरदार कार्य किया गया है और संस्कृति मंत्रालय ने एक प्रपत्र तैयार किया है जिस पर संसद में विचार किया जाएगा।

भाषण

2.21 18 और 19 अक्तूबर, 1997 को जाने-माने वैज्ञानिक प्रोफेसर जयन्त वी. नर्लीकर ने सरदार पटेल स्मारक व्याख्यानमाला में 'हमारे देश के भविष्य निर्माण में विज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया था। डा० राजेन्द्र प्रसाद स्मारक व्याख्यानमाला के अंतर्गत सुप्रसिद्ध लेखिका डा० गौरा पंत शिवानी ने 27 नवम्बर, 1997 को 'विश्वकवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर का जीवनदर्शन' शीर्षक भाषण दिया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आकाशवाणी ने 'सर्वभाषा कवि सम्मेलन' आयोजित किया।

संगीत

2.22 आकाशवाणी के कुल प्रसारणों में से 40 प्रतिशत प्रसारण शास्त्रीय, सुगम, लोक, फिल्मी और क्षेत्रीय भाषाओं के संगीत का ही होता है। इस वर्ष आकाशवाणी ने 22 केन्द्रों पर संगीत सम्मेलन आयोजित किए और आमंत्रित श्रोताओं के सम्मुख देश के जाने-माने लोकप्रिय कलाकारों को प्रस्तुत किया। साथ ही, दिल्ली में शास्त्रीय शैली के गायकों और कलाकारों ने आमंत्रित श्रोताओं के सामने देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किए। देश की स्वाधीनता की स्वर्णजयंती पर आकाशवाणी ने विभिन्न भाषाओं के 50 देशभक्तिपूर्ण गीतों को चुनकर 'आज़ादी के गीत' शीर्षक से चार सीडी और चार कैसेट का सेट जारी किया। इनमें प्रसिद्ध राष्ट्रीय नेताओं के भाषणों के चुने हुए अंश भी थे। इन समारोहों की भावना के अनुकूल ही आकाशवाणी ने 14 अगस्त, 1997 की अर्धरात्रि में विशेष फीचर का प्रसारण किया। संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम में 2 अक्तूबर को 'बापू के प्रिय भजन' सहित अनेक राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रसारित किए गए। सामुदायिक गायन सेल ने विभिन्न भाषाओं के सामुदायिक गीत तैयार किए हैं जिन्हें देशभर में प्रसारित किया जा रहा है।

फार्म एंड होम कार्यक्रम

2.23.1 फार्म एंड होम यूनिटें आकाशवाणी के विभिन्न केन्द्रों पर कार्यरत हैं। इनसे प्रतिदिन औसतन 60 से 100 मिनट का प्रसारण होता है। इन कार्यक्रमों में ग्रामीण महिलाओं और ग्रामीण बच्चों के लिए भी कार्यक्रम रहते हैं। कई आकाशवाणी केन्द्रों ने राज्य सरकारों और यूनिसेफ के साथ मिलकर 'मां-बच्चे की देखभाल' शृंखला भी प्रसारित की हैं। इनमें मुख्य महत्व बच्चे के अधिकारों, लड़के-लड़की के बीच भेदभाव, बच्चों का शोषण और उन पर यौनाचार आदि मुद्दों को दिया जाता है। 'पर्यावरण संरक्षण' के बारे में कार्यक्रमों को भी विशेष महत्व दिया जाता है।

2.23.2 अनेक केन्द्रों ने कृषि के बारे में सुदूर शिक्षा के तरीके के तौर पर फार्म स्कूलों का इस्तेमाल किया है। साथ ही, तकनीकी और अन्य सूचनाएं तो शिक्षा-प्रसारणों से दी ही जाती हैं; इन प्रसारणों में विशेष बल इन पर दिया जाता है : (1) अनाजों, तिलहनों, दालों, सब्जियों, फल, आदि का उत्पादन बढ़ाने के तरीके, (2) कृषि और सामाजिक वानिकी का विस्तार, पर्यावरण संरक्षण और कृषि वानिकी, (3) ग़रीबी दूर करने की योजनाएं और

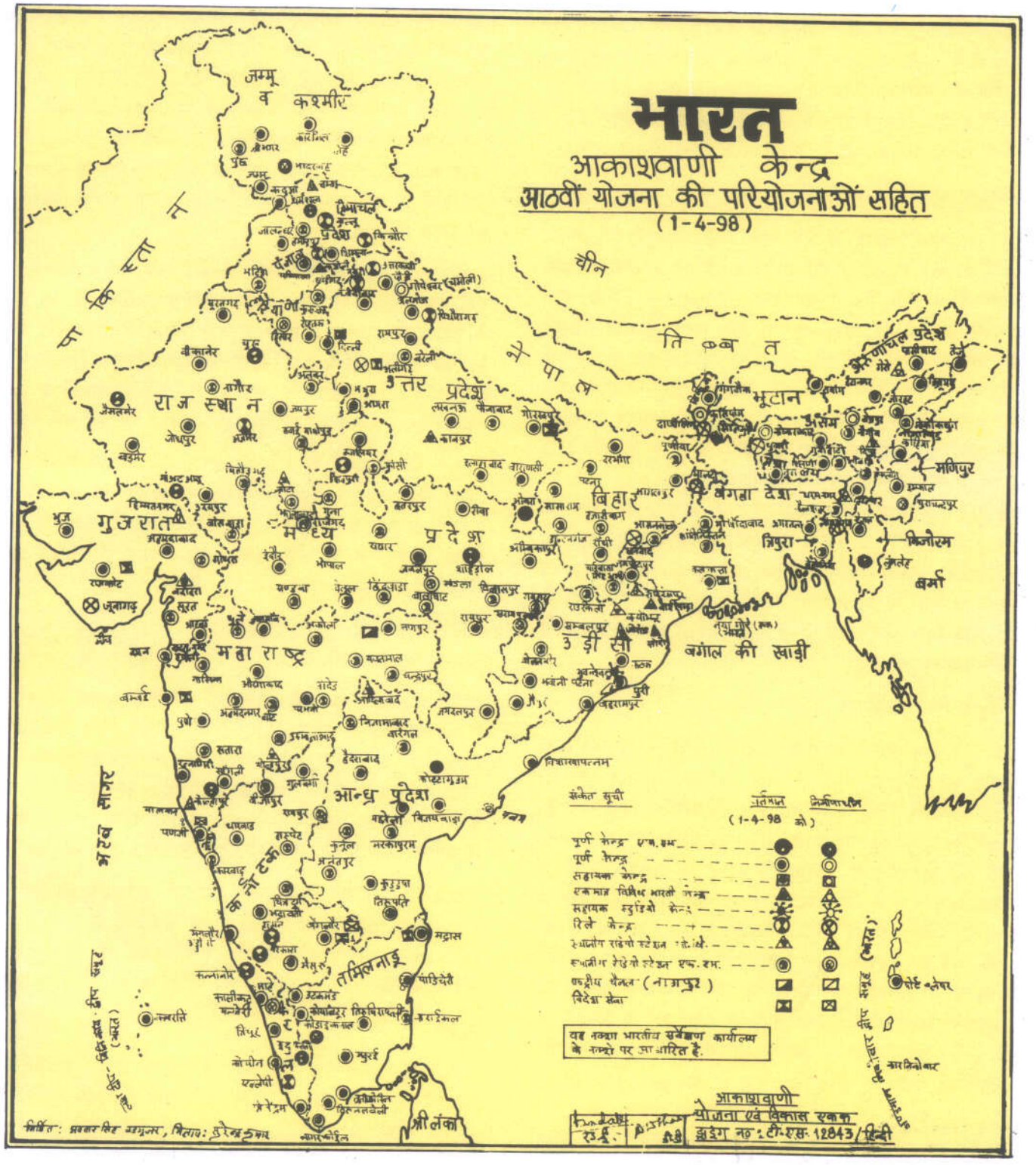

भारत
आकाशवाणी केन्द्र
आठवीं योजना की परियोजनाओं सहित
(1-4-98)
संकेत सूची
वर्तमान
निर्माणाधीन
(1-4-98 को)
पूर्ण केन्द्र एम.डब्ल्यू
पूर्ण केन्द्र
सहायक केन्द्र
एकमात्र विविध भारती केन्द्र
सहायक स्टूडियो केन्द्र
रिले केन्द्र
स्थानीय रेडियो स्टेशन एफ.एम.
राष्ट्रीय चैनल (नागपुर)
विदेश सेवा
यह नक्शा भारतीय सर्वेक्षण कार्यालय के नक्शे पर आधारित है.
आकाशवाणी
योजना एवं विकास एकक
ड्राइंग नं.: टी.एस. 12843/हिन्दी
बंगाल की खाड़ी
अरब सागर

स्वास्थ्य तथा साफ-सफाई आदि की योजनाएं, (4) प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम और (5) ग्रामीण विकास में पंचायतों की भूमिका। इस कार्यक्रम में ग्रामीण विकास के उद्देश्य से सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न आर्थिक योजनाओं पर भी बल दिया जाता है, जैसे : समेकित ग्रामीण विकास परियोजना (आईआरडीपी), जवाहर रोज़गार योजना, इन्दिरा आवास योजना और महिला शिक्षा योजना आदि।

परिवार कल्याण

2.24 आकाशवाणी से देश की सभी भाषाओं/बोलियों में परिवार कल्याण के बारे में हर महीने 8,500 से अधिक कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। ये कार्यक्रम सामान्य तथा विशेष श्रोता कार्यक्रमों के होते हैं, जैसे : ग्रामीण श्रोता कार्यक्रम तथा स्वास्थ्य और महिला और बच्चों के कार्यक्रमों का अलग से व्यापक कार्यक्रम रहता है। साथ ही, एड्स, तपेदिक, डेंगू, संक्रामक यौन रोगों, पानी से फैलने वाली बीमारियों, मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, बाल-रक्षण और सुरक्षित मातृत्व कार्यक्रम, नसबंदी, नलबंदी आदि के बारे में भी परिवार कल्याण कार्यक्रमों में जानकारी रहती है। सफलता की कहानियां भी नियमित रूप से प्रसारित की जाती हैं। रक्तदान और नेत्रदान के महत्व को व्यापक रूप से प्रचारित किया जाता है और नशीली दवाओं की लत, तम्बाकू की लत और अवैध तस्करी के बारे में भी उपयुक्त कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं ताकि लोग इनके हानिकारक प्रभाव को समझकर इनकी रोकथाम में सक्रिय सहयोग करें।

बच्चों के लिए कार्यक्रम

2.25 आकाशवाणी के सभी केन्द्रों से 5 से 7 वर्ष तथा 8 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए कार्यक्रम प्रसारित होते हैं। ग्रामीण बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम भी प्रसारित किए जाते हैं। लड़की के जन्म को लड़के के जन्म के बराबर ही मानने तथा किसी भी स्तर पर या किसी भी प्रकार से लड़के-लड़की में भेदभाव बरते जाने के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से अलग से विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। 2 अक्तूबर, 1997 से एक वर्ष का अभियान शुरू किया गया है जिसके तहत लड़की के महत्व पर विशेष बल दिया जा रहा है। सभी केन्द्रों को धारावाहिक 'मीना' की स्क्रिप्ट उपलब्ध कराई गई है जिसमें 10 कड़ियां हैं। इस स्क्रिप्ट को अंतिम स्वीकृति यूनिसेफ के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में आकाशवाणी के प्रोड्यूसरों ने दी थी।

महिला कार्यक्रम

2.26.1 आकाशवाणी के सभी केन्द्र ग्रामीण महिलाओं और शहरी महिलाओं के लिए कार्यक्रम उनके लिए सुविधाजनक समय पर प्रसारित करते हैं। इन कार्यक्रमों में महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक विकास, स्वास्थ्य और परिवार-कल्याण, भोजन और पोषाहार, वैज्ञानिक गृह-प्रबंध, महिला उद्यमियों, शिक्षा (प्रौढ़ शिक्षा सहित), लिंगभेद जैसे मुद्दों को कवर किया जाता है। इन कार्यक्रमों में कानूनी जानकारी देकर महिलाओं में अपने अधिकारों और विशेषाधिकारों के प्रति जागरूकता पैदा करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। आकाशवाणी अपने कार्यक्रमों के माध्यम से देश में महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण को लेकर सामाजिक जाग्रति पैदा करने का प्रयास करता है।

2.26.2 प्रसारण की आधुनिक तकनीकों और प्रसारण संबंधी नए मुद्दों की जानकारी कार्यक्रम अधिकारियों/कर्मचारियों को देते रहने के उद्देश्य से कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर नियमित कार्यशालाएं आयोजित करता है। इस सिलसिले में अभी हाल में 'महिलाओं के लिए रेडियो' और 'किशोरियों के लिए बढ़ती मित्रता' विषय पर कार्यशालाएं आयोजित की गई थीं।

2.26.3 महिलाओं के प्रति अत्याचारों को प्रकाश में लाने के उद्देश्य से 2 अक्तूबर, 1997 से वर्षभर का मल्टी मीडिया अभियान शुरू किया गया है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री ने किया था और इसका उद्देश्य घर के भीतर और बाहर (काम की जगहों पर) महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के वास्ते अनुकूल वातावरण तैयार करना है।

स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम

2.27.1 एड्स के प्रति लोगों को जागरूक बनाने के उद्देश्य से आकाशवाणी ने ग्यारह धारावाहिक स्वीकृत किए थे। राष्ट्रीय चैनल से 15 मिनट की अवधि का साप्ताहिक धारावाहिक कार्यक्रम प्रसारित किया जा रहा है। एड्स पर कार्यक्रम बनाने के वास्ते कार्यक्रम अधिकारियों को समुचित प्रेरणा देने के उद्देश्य से अनेक कार्यशालाएं और गोष्ठियां आयोजित की जा रही हैं।

2.27.2 आकाशवाणी से पल्स पोलियो अभियान का व्यापक प्रचार किया गया। इसके अंतर्गत प्रमुख कार्यक्रमों के साथ रेडियो स्पाट, विशेष घोषणा और सूचनाएं प्रसारित की गईं जो विशेषकर महिलाओं और ग्रामीण श्रोताओं को लक्ष्य करके चलाई गई थीं।

रूपक

2.28 आकाशवाणी के 80 से ज्यादा केन्द्रों से विभिन्न भाषाओं में रूपक/नाटक प्रसारित किए जाते हैं। मूल नाटकों के अलावा लोकप्रिय उपन्यासों, लघु कथाओं और स्टेज-नाटकों के रेडियो रूपांतर भी प्रसारित किए जाते हैं। अनेक आकाशवाणी केन्द्र बेरोजगारी, अशिक्षा, पर्यावरण प्रदूषण, लड़के-लड़की के बीच

भेदभाव जैसी ज्वलंत सामाजिक समस्याओं पर नियमित रूप से पारिवारिक धारावाहिक नाटक प्रसारित करते हैं। महीने के चौथे बृहस्पतिवार को नाटकों/रूपकों का राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रसारित किया जाता है जिसमें क्षेत्रीय केन्द्रों से हिन्दी नाटक और उनका विभिन्न भाषाओं में अनुवाद प्रसारित होता है। दिल्ली के केन्द्रीय रूपक एकांश में 30-30 मिनट की अवधि के विशेष मॉडल नाटक तैयार किए जाते हैं। दस प्रमुख भाषाओं में रेडियो नाटककारों की अखिल भारतीय प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। सभी पुरस्कृत प्रविष्टियों का हिन्दी में अनुवाद करके उन्हें सभी केन्द्रों में भेजा जाता है जहां उनका विभिन्न भारतीय भाषाओं में रूपांतर किया जाता है। स्वाधीनता की स्वर्ण जयंती के सिलसिले में 'स्वर्णिम संध्या' शीर्षक से विशेष कार्यक्रम प्रसारित किया गया था।

खेल

2.29 वर्ष 1997 के दौरान देश में और विदेशों में हुई खेल प्रतियोगिताओं की व्यापक कवरेज की गई। राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और विश्व खेलकूद प्रतियोगिताओं के अलावा आकाशवाणी पर कबड्डी, खो-खो आदि परम्परागत खेलों को भी प्रोत्साहन दिया जाता है और उनका आंखों-देखा हाल भी प्रसारित किया जाता है ताकि युवाओं में उनकी लोकप्रियता बढ़े और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने के उद्देश्य से देश में उपलब्ध खेल प्रतिभाओं का विकास किया जा सके।

आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार

2.30 आकाशवाणी से हर कैलेण्डर वर्ष में विभिन्न विषयों और विधाओं के उत्कृष्ट प्रसारणों के लिए वार्षिक पुरस्कार दिए जाते हैं। राष्ट्रीय एकता के लिए 'लस्सा कौल पुरस्कार' और समाचार रिपोर्टिंग के लिए 'वर्ष का सर्वश्रेष्ठ संवाददाता' पुरस्कार प्रदान किया जाता है। विशेष विषय की डॉक्यूमेंट्री (वृत्तचित्र) पर भी एक पुरस्कार दिया जाता है। इस वर्ष का विषय है 'कुशल

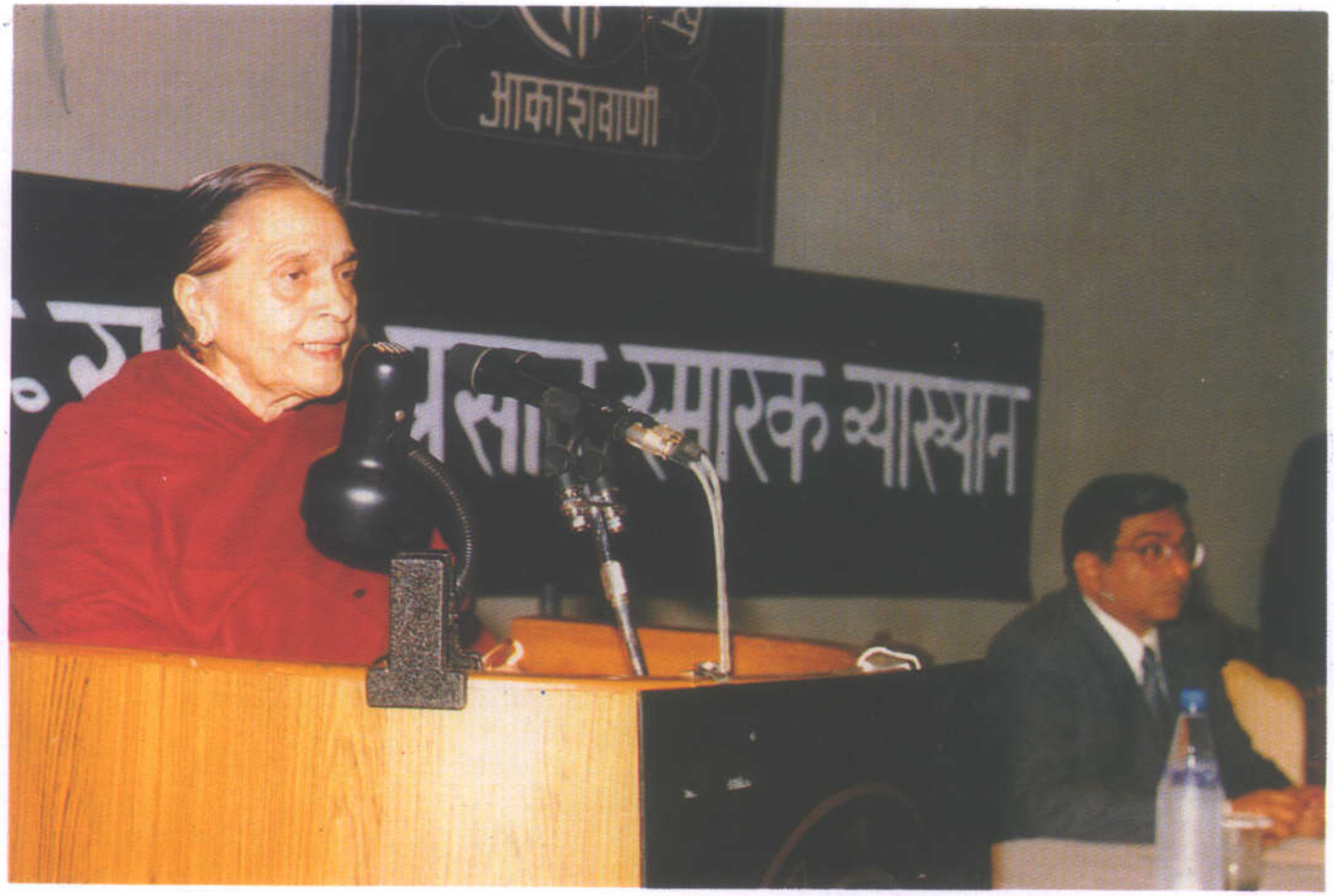

आकाशवाणी द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 1997 का डॉ० राजेन्द्र प्रसाद स्मारक व्याख्यान देती हुईं सुप्रसिद्ध लेखिका श्रीमती गौरा पंत शिवानी

प्रशासन'। विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों में बच्चों की प्रतियोगिता (सीनियर और जूनियर वर्गों की) आयोजित कराके श्रेष्ठ वृंदगान के लिए संबद्ध ग्रुप को पुरस्कार प्रदान किया जाता है। 1995 से 'श्रोता अनुसंधान/सर्वेक्षण रिपोर्टों पर भी पुरस्कार शुरू किया गया है। आकाशवाणी श्रेष्ठ विज्ञापन प्रसारण सेवा केन्द्र को और तकनीकी दृष्टि से श्रेष्ठ केन्द्र को भी पुरस्कार देता है।

नीति

2.31 1997-98 के दौरान आकाशवाणी से इन विशेष अवसरों पर सीधे प्रसारण किए गए : (क) रेल बजट और आम बजट, (ख) प्रधानमंत्री श्री इंद्रकुमार गुजराल का शपथग्रहण समारोह, (ग) श्री वी.के. कृष्णमेनन की जन्मशती के अवसर पर संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक, (घ) राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह, (ङ) बंगलौर में चौथे राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह का आंखों देखा हाल, (च) राष्ट्रपति भवन के केन्द्रीय कक्ष से श्री के.आर. नारायणन का राष्ट्रपति पद की शपथ-ग्रहण करने का समारोह, (छ) निवर्तमान राष्ट्रपति डा० शंकरदयाल शर्मा की विदाई के अवसर पर संसद के दोनों सदनों की बैठक का सीधा प्रसारण, (ज) राष्ट्रीय एकता के लिए इन्दिरा गांधी पुरस्कार वितरण समारोह, (झ) देश की स्वाधीनता की स्वर्णजयन्ती के सिलसिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का व्यापक कवरेज और 14 अगस्त, 1997 की मध्यरात्रि में आयोजित संसद के विशेष संयुक्त अधिवेशन का सीधा प्रसारण और 26 अगस्त से 1 सितम्बर, 1997 तक लोकसभा/राज्यसभा के विशेष स्वर्णजयंती अधिवेशन का प्रसारण, (ञ) मदर टेरेसा की स्मृति में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर विशेष श्रद्धांजलि का प्रसारण और मदर टेरेसा की अंत्येष्टि का विशेष प्रसारण, (ट) संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री श्री इंद्रकुमार गुजराल के भाषण का सीधा प्रसारण, (ठ) ब्रिटेन में एडीनबरा में आयोजित राष्ट्रमंडल देशों के राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों के सम्मेलन के उद्घाटन और प्रधानमंत्री श्री इंद्रकुमार गुजराल के मुख्य भाषण का सीधा प्रसारण, (ड) नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जन्मशती पर आयोजित समारोहों पर विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण, (ढ़) महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, और मौलाना अबुल कलाम आज़ाद—पांच प्रमुख राष्ट्रनेताओं के भाषणों पर आकाशवाणी द्वारा विशेष रूप से 'अमरवाणी' कैसेट का निर्माण।

जनसंपर्क

2.32 श्रोताओं के साथ सीधा संपर्क रखने के उद्देश्य से आकाशवाणी से आमंत्रित श्रोताओं के सम्मुख कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। 1997-98 के दौरान इस शृंखला में आयोजित कार्यक्रमों में—आकाशवाणी संगीत सम्मेलन, स्वर्णिम संध्या, पटेल स्मारक व्याख्यानमाला, राजेन्द्र प्रसाद स्मारक व्याख्यानमाला, राष्ट्रीय कवि गोष्ठी, आकाशवाणी के वार्षिक पुरस्कार और सुगम संगीत के आयोजन शामिल हैं।

केन्द्रीय हिन्दी रूपक एकांश

2.33 वर्ष के दौरान हिन्दी में 36 रूपक तैयार करके प्रसारित किए गए। स्वाधीनता के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक नया धारावाहिक 'आजादी के पचास वर्ष' आरंभ किया गया। स्वतंत्रता संग्राम के लोकप्रिय देशभक्ति गीतों पर आधारित दो विशेष फीचर भी प्रसारित किए गए।

विशेष रूपक

2.34.1 देश के इतिहास और लोकमंच की परंपराओं पर आधारित धारावाहिक 'भारत का लोकमंच' तैयार किया गया जिसमें लोकमंच के स्वरूप में आए बदलाव और जनमानस पर उसके प्रभाव का प्रसारण किया गया है।

2.34.2 स्वतंत्रता के बाद पूर्वोत्तर क्षेत्र के सात राज्यों में कृषि क्षेत्र की प्रगति पर आधारित धारावाहिक 'सात बहनें और धानी चुनरिया' प्रसारित किया गया।

3

दूरदर्शन

3.1.1. प्रसार भारती एक स्वायत्त निगम के रूप में 15 सितंबर, 1997 को अस्तित्व में आया। संसद द्वारा प्रसार भारती अधिनियम पास कर दिए जाने के बाद सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी की। लेकिन प्रसार भारती बोर्ड के गठन में कुछ समय लगा और 23 नवंबर, 1997 को प्रसार भारती ने दोनों संचार माध्यमों का नियंत्रण अपने हाथों में लिया।

3.1.2 अब दूरदर्शन और आकाशवाणी स्वायत्त प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) के अंतर्गत कार्य करते हैं। निगम में एक अध्यक्ष, एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी, छह अंशकालिक सदस्य और सूचना और प्रसारण मंत्रालय का एक प्रतिनिधि है। इनके अलावा, दूरदर्शन और आकाशवाणी के महानिदेशक प्रसार भारती बोर्ड के पदेन सदस्य हैं।

प्रमुख विशेषताएं

3.2.1. इस वर्ष संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही के प्रसारण में बढ़ोतरी की गई और भारत की स्वाधीनता की 50 वीं वर्षगांठ के सिलसिले में अनेक कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

3.2.2. दूरदर्शन पर अप्रैल, 1977 के दौरान श्री एच.डी. देवगौडा और श्री इन्द्र कुमार गुजराल द्वारा रखे गए विश्वास प्रस्तावों पर हुई चर्चा का सीधा प्रसारण किया गया। भारत की स्वाधीनता की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 14-15 अगस्त की रात्रि को संसद के दोनों सदनों की विशेष बैठक का सीधा प्रसारण किया गया। इस कार्यक्रम को अनेक अंतर्राष्ट्रीय चैनलों

दूरदर्शन के केन्द्रीय निर्माण केन्द्र द्वारा निर्मित बैले 'महाकाल' का एक दृश्य

पर भी दिखाया गया। दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों ने महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाने का फैसला किया। छह दिनों तक लोक सभा और राज्य सभा की कार्यवाहियों का राष्ट्रीय और मेट्रो नेटवर्क पर सीधा प्रसारण किया गया। एक दिन तो 18 घंटे से अधिक समय तक सीधा प्रसारण किया गया।

विस्तार

3.3 आलोच्य वर्ष के दौरान, दूरदर्शन ने संसद भवन में रिमोट कंट्रोल (रोबोटिक) कैमरा प्रणाली वाली नई स्टूडियो सुविधा आरंभ की। उत्तर प्रदेश में मऊ में भी एक स्टूडियो खोला गया। चेन्नई और तिरूअनंतपुरम में इसी वर्ष दो उपग्रह भू-केन्द्रों की स्थापना की गई। दूरदर्शन के भू-स्थित नेटवर्क का विस्तार करके अचमपेट, कैलाशहर, सिंगरौली, कोइलीबाड़ा, साहिया, कोटखाई और बसोट में डी.डी.-1 के सात ट्रांसमीटर लगाए गए। बंगलूर और हैदराबाद में डी-डी-2 के ट्रांसमीटरों को उच्चस्तरीय बनाया गया और मऊ को भू-स्थित नेटवर्क से जोड़ा गया।

चैनल

3.4 इस समय दूरदर्शन 17 चैनलों के जरिए प्रसारण करता है। इन चैनलों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है :

डी.डी.-1	प्राथमिक सेवा, समय आवंटन के आधार पर राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय कार्यक्रम, दिल्ली से राष्ट्रीय कार्यक्रम, 16 केन्द्रों से क्षेत्रीय कार्यक्रम तथा 26 केन्द्रों से स्थानीय कार्यक्रम।
डी.डी.-2	मेट्रो मनोरंजन चैनल - दिल्ली से नेटवर्क कार्यक्रम तथा दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कलकत्ता से सिंगल मेट्रो कार्यक्रम सहित। इस चैनल के कार्यक्रम 47 भू-स्थित ट्रांसमीटरों पर उपलब्ध हैं।
डी.डी.-3	यह चैनल जनवरी 1998 में बंद कर दिया गया।
डी.डी.-4 से डी.डी.-13	दस क्षेत्रीय भाषाओं की सेवा वाले इन चैनलों पर संबंधित राज्य विशेष में सभी भू-स्थित ट्रांसमीटरों से क्षेत्रीय कार्यक्रमों का प्रसारण होता है। साथ ही, उपग्रह डिश के माध्यम से अतिरिक्त कार्यक्रम भी देखे जा सकते हैं।
डी.डी.-14से डी.डी.-17	इन चैनलों पर चार हिंदी भाषी राज्यों के लिए एक साथ एक जैसे क्षेत्रीय कार्यक्रमों का प्रसारण होता है।
डी.डी. इंडिया	यह अंतर्राष्ट्रीय चैनल है जिसके कार्यक्रम विश्व के विभिन्न देशों में रह रहे दर्शकों के लिए प्रसारित होते हैं।

संगठन

3.5.1 1959 में सबसे पहले दिल्ली में टेलीविजन कार्यक्रम शुरू किए गए। 1972 में ही ये कार्यक्रम किसी दूसरे शहर से भी प्रसारित किए जाने लगे। 1970 के दशक के मध्य तक देशभर में केवल 7 टेलीविजन केन्द्र थे। 1976 में टेलीविजन को रेडियो से अलग किया गया और दूरदर्शन अस्तित्व में आया। 1982 के बाद से दूरदर्शन ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

3.5.2 प्रसार भारती की स्थापना से पहले दूरदर्शन अपने महानिदेशक की अध्यक्षता में सूचना और प्रसारण मंत्रालय का एक अधीनस्थ कार्यालय था। दूरदर्शन के हार्डवेयर अर्थात मशीनों, उपकरणों इत्यादि के रख-रखाव और विस्तार की जिम्मेदारी प्रमुख इंजीनियर की है जिसे इस कार्य में अन्य मुख्य इंजीनियर और कर्मचारी सहयोग देते हैं। दूरदर्शन महानिदेशक के सहयोग के लिए कार्यक्रम विभाग में उप महानिदेशक तथा

राष्ट्रीय कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताएं

* गणतंत्र दिवस परेड
* स्वाधीनता दिवस अभिभाषण
* पुरी की रथ यात्रा
* त्यागराज और तानसेन महोत्सव
* राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्मोत्सवों का उद्घाटन समारोह
* संसद की कार्यवाही
* लोक सभा और राज्य सभा में प्रश्न काल का सीधा प्रसारण
* संसद समाचार
* टुडे इन पार्लियामेंट
* संसद के संयुक्त अधिवेशन में राष्ट्रपति का अभिभाषण
* केन्द्रीय बजट पेश किए जाने का प्रसारण
* रेलवे बजट
* तिरुमला, तिरुपति में ब्रह्मोत्सव और मैसूर का दशहरा उत्सव
* मदर टेरेसा का अंतिम संस्कार

अन्य अधिकारी और कर्मचारी तैनात हैं। प्रशासन विभाग का प्रमुख अपर महानिदेशक और वित्त विभाग का प्रमुख उप महानिदेशक होता है।

राष्ट्रीय कार्यक्रम

3.6 राष्ट्रीय कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देकर भारतवासियों में एकता, बंधुत्व और गर्व की भावना पैदा करना है। राष्ट्रीय कार्यक्रम 15 अगस्त, 1982 को शुरू किया गया था और चरणबद्ध रूप से इसका विस्तार करते हुए इसमें सुबह और दोपहर के कार्यक्रम भी शामिल किए गए। इस समय राष्ट्रीय कार्यक्रम में लगभग 80 घंटे कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं जिनमें बड़ी संख्या में प्रासंगिक घटनाओं को शामिल किया जाता है। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही दिल्ली में कम शक्ति के दो ट्रांसमीटरों पर उपलब्ध होती है और इसे संसद भवन की 10-15 किलोमीटर की परिधि में देखा जा सकता है।

क्षेत्रीय खंड

3.7 सभी दूरदर्शन केन्द्र अपनी-अपनी क्षेत्रीय भाषा में कार्यक्रम तैयार करते हैं। प्रमुख केन्द्रों से एक सप्ताह में लगभग 25 घंटे के कार्यक्रम प्रसारित होते हैं जबकि अन्य केन्द्रों से एक सप्ताह में एक से दस घंटे तक के कार्यक्रमों का प्रसारण होता है। क्षेत्रीय कार्यक्रमों में मुख्यत: ग्रामीण विकास पर ध्यान दिया जाता है लेकिन कृषि, स्वास्थ्य, परिवार नियोजन और पर्यावरण जैसे विषयों को भी समुचित रूप में शामिल किया जाता है। सूचना कार्यक्रमों में समाचार बुलेटिन, सामायिक विषयों पर परिचर्चा तथा महिलाओं, बच्चों और युवाओं की आवश्यकतानुसार विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। मनोरंजन प्रधान कार्यक्रमों में धारावाहिक, फीचर फिल्में, नृत्य और गीत-संगीत के कार्यक्रम शामिल हैं। उपग्रह अपलिंकिंग की सुविधा उपलब्ध हो जाने से अब यह संभव हो गया है कि 13 राज्यों में दर्शकों को एक जैसे कार्यक्रम दिखाए जा सकें।

शैक्षिक टेलीविजन

3.8.1 दूरदर्शन ने शुरू से ही शैक्षिक कार्यक्रमों को उच्च प्राथमिकता दी है। स्कूल प्रसारण 1961 से ही दिल्ली से शुरू हुए। 1982 में स्कूली बच्चों के लिए कार्यक्रम आरंभ किए गए। वर्तमान में क्षेत्रीय खंड में दिल्ली, मुंबई और चेन्नई में स्कूली कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं तथा राज्य शिक्षा संस्थान द्वारा निर्मित कार्यक्रम हिंदी, मराठी, गुजराती, उड़िया और तेलुगु भाषाओं में संबंधित भाषाई क्षेत्र के लिए सभी ट्रांसमीटरों से प्रसारित किए जाते हैं।

3.8.2 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा तैयार उच्च शिक्षा के कार्यक्रम डी.डी.-1 के राष्ट्रीय नेटवर्क पर सप्ताह में 18 घंटे 15 मिनट (जब संसद का अधिवेशन न चल रहा हो) तथा डी.डी.-2 पर सप्ताह में 2 घंटे 30 मिनट तक प्रसारित किए जाते हैं।

समाचार

3.9.1 दूरदर्शन 15 भाषाओं में समाचार प्रसारित करता है। राष्ट्रीय स्तर पर एक दिन में तीन बार हिंदी और अंग्रेजी में समाचार पेश किए जाते हैं। इनके अलावा दो बार मुख्य समाचार प्रस्तुत किए जाते हैं। उर्दू खबरें मेट्रो चैनल तथा पांच क्षेत्रीय केन्द्रों से प्रसारित की जाती हैं। 16 केन्द्रों से संबंधित क्षेत्रीय भाषा में समाचार बुलेटिन प्रसारित किए जाते हैं। इनमें से कुछ केन्द्रों से प्रात:कालीन प्रसारण में या दूसरे चैनल (सिंगल मेट्रो) पर अतिरिक्त समाचार बुलेटिन भी प्रसारित किया जाता है।

3.9.2 पूर्वोत्तर राज्यों से संबंधित खबरों के प्रसारण के लिए इस वर्ष से गुवाहाटी से अंग्रेजी में एक अतिरिक्त समाचार बुलेटिन प्रारंभ किया गया है। डी.डी.-2 (सिंगल मेट्रो) पर दोपहर में तमिल में भी एक अतिरिक्त बुलेटिन शुरू किया गया। चुनाव के दौरान तथा अन्य विशेष अवसरों पर अतिरिक्त समाचार बुलेटिन प्रसारित किए जाते हैं।

विज्ञापन सेवा

3.10.1 दूरदर्शन पर विज्ञापन 1 जनवरी, 1976 से दिल्ली केन्द्र से शुरू किए गए। विज्ञापन सेवा अब राष्ट्रीय चैनल के साथ-साथ मेट्रो चैनल पर भी शुरू कर दी गई है। डी.डी.-3 (अब प्रसारण बंद), डी.डी. इंटरनेशनल तथा, अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कलकत्ता, चेन्नई, दिल्ली, गोवा, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जालंधर, लखनऊ, मुंबई, पटना, रायपुर, श्रीनगर और तिरुअनंतपुरम केन्द्रों पर भी विज्ञापन सेवा उपलब्ध है। 1997 से दो और केन्द्रों—गोरखपुर तथा अगरतला से भी विज्ञापन सेवा शुरू कर दी गई है।

3.10.2 विज्ञापन सेवा विज्ञापनों के समय का निर्धारण और नियोजन का निरीक्षण और निर्देशन करती है। साथ ही, यह अनुबंध स्वीकार करती है और विज्ञापन सामग्री और उसके आलेख को स्वीकृति देती है। दिल्ली स्थित दूरदर्शन विज्ञापन सेवा राष्ट्रीय नेटवर्क, डी.डी.-2, डी.डी. इंटरनेशनल, और सभी क्षेत्रीय केन्द्रों

के लिए विज्ञापनों की बुकिंग करती है। सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए कार्यक्रम प्रायोजित करने के मामले भी दिल्ली स्थित दूरदर्शन विज्ञापन सेवा ही देखती है। हर एक केन्द्र पर कार्यक्रम समय की बुकिंग तथा अपने-अपने केन्द्रों से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों का प्रायोजन स्वीकार करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

3.10.3 विज्ञापनों से संबंधित कामकाज के अलावा दूरदर्शन विज्ञापन सेवा विज्ञापन समय के बिल बनाने, विज्ञापन राशि की वसूली करने, प्रायोजन दर, प्रसारण शुल्क, कार्यक्रम समय की शुल्क दर, आदि निर्धारण करने तथा न्यूनतम गारंटी कार्यक्रम तय करने का काम भी करती है। दूरदर्शन की आय में, खासतौर से पिछले 6-7 वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पिछले सात वर्षों में दूरदर्शन की आय का विवरण

वर्ष	-	आय (करोड़ रुपये में)
1990-91	-	253.85
1991-92	-	300.61
1992-93	-	360.23
1993-94	-	372.98
1994-95	-	398.02
1995-96	-	430.13
1996-97	-	572.72

3.10.4 दूरदर्शन वस्तुओं और सेवाओं के विज्ञापन प्रसारित करता है लेकिन इन सभी विज्ञापनों की मंजूरी व्यावसायिक विज्ञापन की एक व्यापक आचार-संहिता को ध्यान में रखकर की जाती है। सिगरेट, तंबाकू उत्पादों, शराब तथा अन्य मादक पदार्थों के विज्ञापनों को प्रसारित करने की अनुमति नहीं दी जाती।

3.10.5 आमतौर पर राष्ट्रीय नेटवर्क पर हिन्दी में विज्ञापन प्रसारित किए जाते हैं जबकि क्षेत्रीय भाषाओं के विज्ञापन क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा प्रसारित किए जाते हैं। विज्ञापनों की बुकिंग सामान्यत: पंजीकृत और मान्यताप्राप्त एजेंसियों से ही स्वीकार की जाती है। सभी एजेंसियों के लिए 15 प्रतिशत कमीशन दी जाती है। मान्यता प्राप्त एजेंसियों को विज्ञापनों पर उधार की सुविधा उपलब्ध है लेकिन पंजीकृत एजेंसियां अग्रिम भुगतान करती हैं।

डी.डी.-इंडिया (अंतर्राष्ट्रीय चैनल)

3.11.1 दूरदर्शन के अंतर्राष्ट्रीय चैनल की शुरुआत 14 मार्च, 1995 की जी.टी.वी. से एक ट्रांसपोंडर किराये पर लेकर की गई। आरंभ में इस चैनल पर सप्ताह में पांच दिन प्रतिदिन तीन घंटे की अवधि के लिए प्रसारण किया जाता था। जब दूरदर्शन ने पी.ए.एस.-4 पर ट्रांसपोंडर हासिल कर लिया तो इस चैनल के प्रसारण प्रतिदिन होने लगे और जुलाई 1996 में प्रसारण अवधि बढ़ाकर 4 घंटे प्रतिदिन कर दी गई। नवंबर 1996 में प्रसारण समय को और बढ़ाकर 18 घंटे प्रतिदिन कर दिया गया जिसके दौरान 9 घंटे के कैपसूल और उसके पुन: प्रसारण को सुबह साढ़े 6 बजे से मध्यरात्रि तक दिखाया जाने लगा। डी.डी. इंटरनेशनल चैनल के सिग्नल पी.ए.एस-4 उपग्रह के माध्यम से दक्षिण एशिया, खाड़ी देशों, मध्य पूर्व और यूरोप में प्राप्त किए जा सकते हैं। पी.एस.एस.-1 उपग्रह के माध्यम से उत्तरी अमरीका में इस चैनल का प्रसारण देखा जा सकता है।

3.11.2 इस चैनल के मिले-जुले कार्यक्रमों का उद्देश्य भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक तथा व्यापार और निर्यात जैसे आर्थिक मामलों की ताज़ा जानकारी देना है। इस चैनल पर विशेष रूप से समाचार, सामयिक विषय, शेयर बाज़ार के कारोबार और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर परिचर्चा संबंधी कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। इनके अलावा भारतीय मनोरंजन कार्यक्रम, धारावाहिक तथा नृत्य-संगीत के कार्यक्रमों की मांग भी पूरी की जाती है। चैनल के कार्यक्रमों में प्रतिदिन एक फीचर फिल्म भी शामिल की गई है। हिन्दी और अंग्रेजी कार्यक्रमों के अलावा, पंजाबी, उर्दू, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बांग्ला, गुजराती और मराठी भाषाओं के मनोरंजन कार्यक्रमों को भी दिखाया जाता है। राष्ट्रीय नटवर्क पर रात 8.30 बजे और 9.00 बजे क्रमश: हिन्दी और अंग्रेजी समाचार 20 फरवरी, 1997 से डी.डी. इंटरनेशनल चैनल पर भी दिखाए जा रहे हैं।

आज का दूरदर्शन	
चैनल	17
क्षेत्रीय केन्द्र	16
स्थानीय केन्द्र	26
कार्यक्रम निर्माण केन्द्र	42
ट्रांसमीटर	949
उपग्रह ट्रांसपोंडर	18
प्रसारण क्षेत्र (प्रतिशत)	72
जनसंख्या का दायरा (प्रतिशत)	87

3.11.3 इस बात के प्रयास किए जा रहे हैं कि गणतंत्र दिवस परेड, स्वाधीनता दिवस पर प्रधानमंत्री का भाषण, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्मोत्सवों के उद्घाटन समारोह और कुछ खेल स्पर्द्धाओं तथा भारत से बाहर रह रहे लोगों की रुचि के अन्य कार्यक्रमों का इस चैनल से सीधा प्रसारण किया जा सके।

3.11.4 इस चैनल के यथासंभव विस्तार के प्रयास तेज़ किए गए। दूरदर्शन अब तक अनेक केबल टी.वी. नेटवर्कों चैनलों तथा मामूली शुल्क पर डी.डी. इंटरनेशनल चैनल के कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए इच्छुक व्यक्तियों को अनापत्ति प्रमाणपत्र दे चुका है।

3.11.5 अब तक दूरदर्शन ने जिन संगठनों से डी.डी. इंटरनेशनल चैनल के प्रसारण संबंधी समझौता किया है, वे हैं:

(1) कनाडा में ए.टी.एन. के श्री शान चन्द्रशेखर, (2) ब्रिटेन और अमरीका में एशियानेट के मैसर्स दीपक विश्वनाथ और डाक्टर बी.एन. विश्वनाथ, (3) अमरीका तथा यूरोप में ब्रिटेन के लिए 'अपना टी.वी', (4) कनाडा में मैसर्स 'आई ऑन एशिया', (5) ज़ी.टी.वी. लंदन, (6) युगांडा का चैनल-9, (7) क़तर केबल विज़न, (8) अमरीका का एनकोर और (9) मॉरिशस ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन।

3.11.6 दूरदर्शन के दो सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने जुलाई 1997 में पश्चिम एशिया में खाड़ी सहयोग परिषद के छह देशों की यात्रा की। ये देश हैं: संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, क़तर और ओमान। इस यात्रा के परिणाम इस प्रकार है:

(1) क़तर केबल विज़न ने अपने सरकारी टेलीविजन चैनल पर डी.डी. इंटरनेशनल चैनल के एक घंटे के कार्यक्रम प्रसारित करने के लिए दूरदर्शन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए और 10 अगस्त, 1997 से कार्यक्रम दिखाने शुरू किए।

2. स्थानीय भारतीय समुदाय को प्रोत्साहित किया गया कि वह डिश सप्लायरों तथा अपार्टमेंटों में रह रहे निवासियों से तालमेल करके डी.डी. इंटरनेशनल के प्रसारण को ग्रहण करने के लिए अतिरिक्त डिश तथा अन्य उपकरण लगवा ले।

3. खाड़ी सहयोग परिषद के देशों से प्रकाशित अंग्रेजी दैनिक समाचारपत्रों ने डी.डी. इंटरनेशनल के रोजाना के कार्यक्रमों की सूची प्रकाशित करने पर सहमति व्यक्त की।

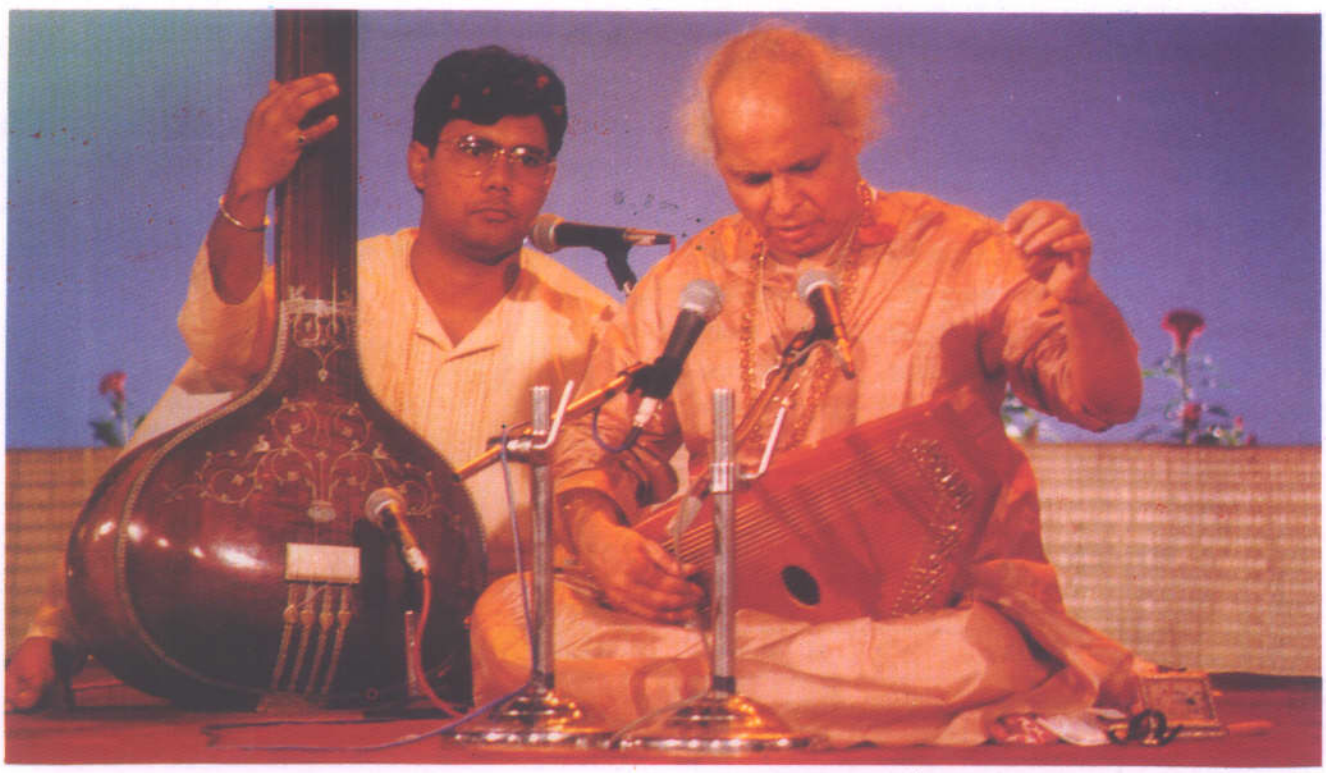

दूरदर्शन केन्द्रीय निर्माण केन्द्र द्वारा तैयार कार्यक्रम 'स्वरयात्रा' के लिए गायन प्रस्तुत करते हुए पंडित जसराज

लोक सेवा संचार परिषद

3.12.1 लोक सेवा संचार परिषद का गठन जनवरी 1987 में किया गया। दूरदर्शन के महानिदेशक इसके अध्यक्ष और उप-महानिदेशक सदस्य सचिव हैं।

3.12.2 यह परिषद गैर-सरकारी निकाय है जिसके सदस्य स्वेच्छा से अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। परिषद राष्ट्रीय एकता, पर्यावरण, उपभोक्ता जागरूकता, मादक पदार्थों के सेवन जैसे सार्वजनिक महत्व के विषयों पर क्विकीज़, लघु फिल्मों और संदेशों पर आधारित फिल्मों के निर्माण को बढ़ावा देती है।

3.12.3 परिषद ने फोर्ड फाउंडेशन के सहयोग से "लोक सेवा संचार पहल" का अभियान शुरू किया है जिसमें पर्यावरण और निरंतर विकास, सामाजिक न्याय तथा महिलाओं के मुद्दों को खासतौर से उठाया जाता है। इन मुद्दों पर उच्चस्तरीय वृत्तचित्र, डाक्यू-ड्रामा, टेलीफिल्में और रेडियो कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं। इस प्रकार के कार्यक्रमों के निर्माण का काम प्रमुख फिल्म-निर्माताओं को दिया गया है।

3.12.4 लोक सेवा संचार परिषद ने 13 टी.वी. कार्यक्रमों और पांच रेडियो कार्यक्रमों का निर्माण शुरू करवाया। इनमें से छह टेलीविजन फिल्में पूरी हो चुकी हैं तथा तीन टेलीविजन फिल्मों और तीन रेडियो कार्यक्रमों का निर्माण कार्य पूरा होने वाला है।

दर्शक अनुसंधान

3.13.1 दूरदर्शन के 19 केन्द्रों में दर्शक अनुसंधान एकांश स्थापित किए गए हैं। दूरदर्शन निदेशालय इन एकांशों के अनुसंधान कार्य का समन्वय करता है। दर्शक अनुसंधान एकांश का मुख्य कार्य दूरदर्शन नेटवर्क को अनुसंधान संबंधी सहयोग प्रदान करना है। प्रत्येक एकांश में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त लोग नियुक्त किए गए हैं। डार्ट रेटिंग्स (दूरदर्शन ऑडियंस रिसर्च टेलीविजन रेटिंग्स) अर्थात दूरदर्शन कार्यक्रमों की लोकप्रियता के आंकड़े उपलब्ध करने का कार्य 1993 में दूरदर्शन के राष्ट्रीय, मेट्रो और क्षेत्रीय नेटवर्क पर शुरू किया गया। इस प्रणाली को 33 शहरों में लागू किया गया है। प्रत्येक शहर के पैनल के सदस्य उस शहर में विभिन्न वर्गों के टेलीविजन दर्शकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। डार्ट के आंकड़ों को टेलीविजन पर प्रसारित किया जाता है। विज्ञापनदाता और विज्ञापन एजेंसियों को भी ये आंकड़े उपलब्ध कराए जाते हैं।

ट्रांसमीटर				
	डी.डी.-1	डी.डी.-2	अन्य	कुल
उच्चशक्ति	83	8	–	91
कम शक्ति	600	38	3	641
बहुत कम शक्ति	196	3	–	199
ट्रांसपोंज़र	18	–	–	18
कुल	897	49	3	949

दर्शक	
देश में टेलीविजन वाले घर	6.50 करोड़
केबल कनेक्शन रखने वाले घर	1.40 करोड़
डी.डी.-1 की पहुंच (व्यक्तियों में)	33 करोड़
डी.डी.-2 की पहुंच (व्यक्तियों में)	12.50 करोड़
उपग्रह चैनलों की पहुंच (व्यक्तियों में)	7 करोड़

3.13.2 दर्शक अनुसंधान एकांश निदेशालय में तथा केन्द्र स्तर पर आंकड़े बैंक के रूप में कार्य करते हैं। मुख्यालय स्थित दर्शक अनुसंधान एकांश ने 'दूरदर्शन-97' नाम से एक संकलन प्रकाशित किया है जिसमें देश-भर के संचार माध्यमों से संबंधित सूचनाएं संकलित की गई हैं। ये एकांश बाज़ार अनुसंधान संगठनों तथा संचार अनुसंधान संगठनों से भी तालमेल रखता है और उनके द्वारा किए गए अनुसंधान-कार्य की समीक्षा करता है। पिछले वर्ष 'ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीविजन धारक और टेलीविजन दर्शक' विषय पर राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण

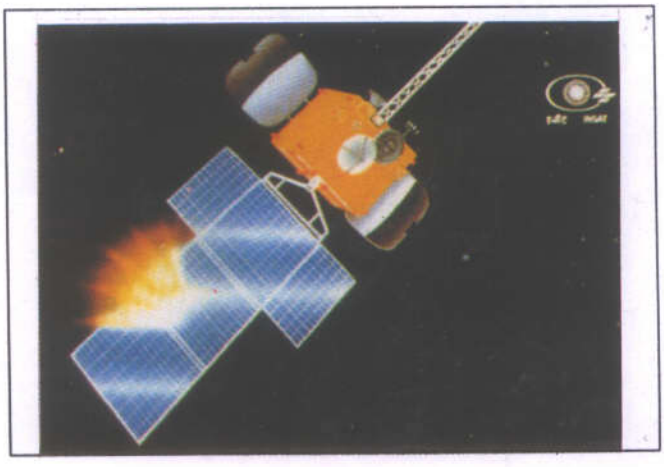

इनसेट उपग्रह

किया गया। विज्ञापन एजेंसियों ने इस सर्वेक्षण के परिणाम अपने ग्राहकों को उपलब्ध कराए। इस वर्ष संचार से संबद्ध संसदीय समिति ने एकांश को 'दूरदर्शन कार्यक्रमों की गुणवत्ता' पर अध्ययन करने को कहा था। इस अध्ययन का क्षेत्रीय कार्य पूरा हो चुका है और रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

स्वाधीनता के 50 वर्ष

3.14.1 15 अगस्त, 1997 से देश अपनी स्वाधीनता की 50वीं वर्षगांठ मना रहा है। स्वाधीनता की स्वर्ण-जयंती के उपलक्ष्य में दूरदर्शन ने भी अनेक कार्यक्रमों की योजना तैयार की। राष्ट्रीय स्तर पर पांच क्षेत्रों अर्थात्, उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम और पश्चिमोत्तर के प्रत्येक क्षेत्र से एक-एक प्रख्यात फिल्म निर्माता को अपनी पसंद का विशेष कार्यक्रम तैयार करने के लिए आमंत्रित किया गया। ये निर्माता हैं: सईद अख्तर मिर्ज़ा, श्याम बेनेगल, बुद्धदेव दासगुप्त, गिरीश कर्नाड और भूपेन हज़ारिका। इसके अलावा प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र ने तथा गुवाहाटी के कार्यक्रम निर्माण केन्द्र ने संबंधित क्षेत्रीय भाषा में अपने क्षेत्र के स्वाधीनता आंदोलन से संबंधित कार्यक्रमों का निर्माण करवाया। भारतीय स्वाधीनता की 50वीं वर्षगांठ से संबद्ध सचिवालय द्वारा जारी पृष्ठभूमि नोट पर आधारित विभिन्न विषयों पर छोटी अवधि की 54 फिल्में तैयार करवाई गईं। प्रायोजित आधार पर डी.डी.-1 और डी.डी.-2 तथा क्षेत्रीय केन्द्रों पर भी अनेक कार्यक्रम प्रसारित किए जा रहे हैं।

3.14.2 दूरदर्शन ने 1 अगस्त, 1997 को मुंबई में आयोजित समारोहों का भी सीधा प्रसारण किया। इसमें प्रभात फेरियां, स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा अगस्त क्रांति मैदान में ध्वजारोहण तथा वाई.बी. चौहान सभागार में मंचित विशेष नाटक 'आज़ादी की जंग' शामिल थे। इसी दिन अगस्त क्रांति मैदान में आयोजित राष्ट्रीय समारोह का भी सीधा प्रसारण किया गया।

3.14.3 14 अगस्त, 1997 को दिल्ली में राष्ट्रीय स्टेडियम से विजय चौंक तक मार्च का दूरदर्शन पर सीधा प्रसारण किया गया। दूरदर्शन अपने सभी विशेष दर्शक कार्यक्रमों में भी स्वाधीनता की 50वीं वर्षगांठ से जुड़े अनेक कार्यक्रम दिखा रहा है।

केन्द्रीय निर्माण केन्द्र

3.15.1 कार्यक्रम निर्माण में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1988 में केन्द्रीय निर्माण केन्द्र (सी.पी.सी.) की स्थापना की गई थी। इस केन्द्र में सर्वोत्तम तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध हैं तथा कार्यक्रम निर्माण से जुड़े कर्मियों को श्रेष्ठ कार्यक्रम तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पिछले दो वर्षों में सी.पी.सी. ने लंबे नाट्य धारावाहिकों के निर्माण का काम हाथों में लिया। इनमें से कुछ धारावाहिक राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रसारित किए गए हैं। सी.पी.सी. द्वारा निर्मित अनेक कार्यक्रमों को विदेशी टेलीविजन संगठनों को बेचा गया।

3.15.2 वर्ष के दौरान सी.पी.सी. ने भारत की स्वाधीनता की स्वर्ण-जयंती के उपलक्ष्य में तीन दिन के संगीत उत्सव का आयोजन किया। यह उत्सव एक प्रकार से मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित महीने भर के समारोहों का पूर्वावलोकन था। इस संगीत उत्सव में उत्तर और दक्षिण के अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारों ने भाग लिया। इनमें शामिल थे :- उमयलपुरम शिवरामन और उनका प्रदर्शन दल, श्रीमती एन. राजम-वायलिन, पंडित जसराज-शास्त्रीय गायन, के.वी. नारायणस्वामी-कर्नाटक गायन, शिवकुमार शर्मा-संतूर और के.जे. येसुदास-कर्नाटक गायन। यह उत्सव डी.डी.-1 और डी.डी.-2 पर सीधा प्रसारित हुआ। सी.पी.सी. ने अपनी गतिविधियों के बारे में एक प्रदर्शनी भी आयोजित की। सी.पी.सी. ने जाने-माने संगीतकार देबू चौधरी, मधुप मुद्गल, टी.वी. गोपालकृष्णन और टी.आर. सुब्रमण्यम द्वारा संगीतबद्ध किए गए देश भक्ति के गीतों की श्रृंखला की भी रिकार्डिंग की। समाज की ज्वलंत समस्याओं पर केन्द्रित मुद्दों पर आधारित वार्ताओं की श्रृंखला 'आरसी सोशल वाच' के शीर्षक से प्रसारित की गई। इन वार्ताओं के लिए समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों का चयन किया गया।

3.15.3 सी.पी.सी. ने प्रख्यात संगीत और नृत्य निर्देशकों द्वारा निर्देशित स्वाधीनता संग्राम के विषय पर दो नृत्य नाटिकाओं 'वीर भारत' (विजयंती काशी, बंगलौर) तथा वंदे मातरम् (पद्मा सुब्रमण्यम, चेन्नई) का भी निर्माण किया। विकलांगों को सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 'विकलांग सप्ताह' के दौरान दो कड़ियों का प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम तैयार किया गया जिसमें विकलांग बच्चों ने हिस्सा लिया। सी.पी.सी. को संगीत और नृत्य के राष्ट्रीय कार्यक्रम में राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शास्त्रीय गायकों और नर्तकों/नृत्यांगनाओं को अपनी रचनाएं प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित करने का श्रेय भी प्राप्त है। आमंत्रित श्रोताओं के सामने कार्यक्रमों की रिकार्डिंग करना सी.पी.सी. की एक और विशेषता है।

3.15.4 पिछले वर्षों में सी.पी.सी. दूरदर्शन के सभी चारों प्रमुख चैनलों के लिए स्वनिर्मित कार्यक्रमों के निर्माण में प्रमुख योगदान देने वाला बन गया है। सांस्कृतिक जागरूकता और सामाजिक समस्याओं पर सरोकार व्यक्त करने वाले इसके कार्यक्रमों में भारतीयता की विशिष्ट छाप होती है जिससे लोक सेवा प्रसारण संगठन के रूप में दूरदर्शन की छवि और पहचान का विस्तार हुआ है।

1997-98 के दौरान दूरदर्शन की उपलब्धियां

1. ट्रांसमिशन सुविधाएं

1. प्राथमिक चैनल (डी.डी-1) की कवरेज के विस्तार के लिए निम्नलिखित 32 ट्रांसमीटर चालू किए गए-

(क) एच.पी.टी. - फाजिल्का (अंतरिम व्यवस्था)

(ख) एल.पी.टी. -

अचमपेट (आंध्र प्रदेश)
कैलाशहर (त्रिपुरा)
नौशेरा (जम्मू-कश्मीर)
खाल्तसी (जम्मू-कश्मीर)
तांगसे (जम्मू-कश्मीर)

(ग) वी. एल. पी. टी. -

सिंगरौली (मध्य प्रदेश)
कोयलीबाद (मध्य प्रदेश)
बीजापुर (मध्य प्रदेश)
मल्कापुर (महाराष्ट्र)
सगवाड़ा (गुजरात)
साहिया (उत्तर प्रदेश)
कोटखाई (हिमाचल प्रदेश)
बसोट (उत्तर प्रदेश)
नागची (उड़ीसा)
बारापल्ली (उड़ीसा)
रांग्पो (सिक्किम)
सीतमपेट (आंध्र प्रदेश)
गेकू (अरुणाचल प्रदेश)
मरियांग (अरुणाचल प्रदेश)
नाम्पोंग (अरुणाचल प्रदेश)
गेंसी (अरुणाचल प्रदेश)
बॉलिंग (अरुणाचल प्रदेश)
लिरोंबा (अरुणाचल प्रदेश)
तिरबिन (अरुणाचल प्रदेश)
रूपा (अरुणाचल प्रदेश)
सेइजोसा (अरुणाचल प्रदेश)
बारिरिजो (अरुणाचल प्रदेश)
केइंग (अरुणाचल प्रदेश)
पालिन (अरुणाचल प्रदेश)
इंकियोंग (अरुणाचल प्रदेश)
तालिहा (अरुणाचल प्रदेश)

2. मेट्रो चैनल (डी.डी. II) के विस्तार के लिए निम्न चैनल चालू किए गए--

(क) एच.पी.टी. : बंगलौर, हैदराबाद

(ख) एल.पी.टी. : पांडिचेरी, सिल्चर, मऊ

3. इसके अलावा, प्राइमरी कवरेज (डी.डी. I) के लिए 78 ट्रांसमीटरों (एच.पी.टी.-3, एल.पी.टी.-58, वी.एल.पी.टी.-17) और मेट्रो चैनल (डी.डी. II) के लिए 3 एल.पी.टी. ट्रांसमीटरों की कवरेज का काम पूरा किया गया, इन ट्रांसमीटरों के स्थान अनुलवनक में दिए गए हैं, 1997-98 में कुल 6 एच.पी.टी. (एक अंतरिम व्यवस्था सहित), 69 एल.पी.टी. और 43 वी.एल.पी.टी. परियोजनाएं पूरी की गई।

II. स्टूडियो

1. मऊ में स्टूडियो सेंटर में काम शुरू हुआ।
2. नई दिल्ली में संसद भवन में रिमोट कंट्रोल वाले (रोबोटिक) कैमरा सिस्टम ने काम करना शुरू कर दिया।
3. नागपुर, इंदौर, ग्वालियर और जगदलपुर में स्टूडियो परियोजनाएं लगभग पूरी हो चुकी हैं। (बाकी काम जल्दी ही पूरा हो जाने की उम्मीद है।)

III. उपग्रह भू-केन्द्र

तिरूअनंतपुरम, पटना और चेन्नई में तीन भू-केन्द्रों ने काम शुरू कर दिया। जालंधर में भू केन्द्र स्थापित कर दिया गया है।

1997-98 के दौरान पूरी की गई टेलीविजन परियोजनाएं (पहले से काम कर रही परियोजनाओं के अलावा)

I. एच.पी.टी. :

बालेश्वर (उड़ीसा)
गुलबर्गा (कर्नाटक)
जोधपुर (राजस्थान)

II. एल.पी.टी. :

राजौरी	(जम्मू-कश्मीर)	चिबरामऊ	(उत्तर प्रदेश)
उधमपुर	(जम्मू-कश्मीर)	पटियाला	(पंजाब)
हिंदौन	(राजस्थान)	राठ	(उत्तर प्रदेश)
सुंदर नगर	(हिमाचल प्रदेश)	अमरोहा	(उत्तर प्रदेश)
सुजान पुर	(हिमाचल प्रदेश)	हलद्वानी	(उत्तर प्रदेश)
चर्खी दादर	(हरियाणा)	रुदौली	(उत्तर प्रदेश)
झगड़िया	(गुजरात)	मेहरौनी	(उत्तर प्रदेश)
राधनपुर	(गुजरात)	बंटवा	(गुजरात)
लिंबड़ी	(गुजरात)	धामदुखा	(गुजरात)
धारी	(गुजरात)	ऊना	(गुजरात)
बड़ा मल्हेरा	(मध्य प्रदेश)	सीतामऊ	(मध्य प्रदेश)
गरोट	(मध्य प्रदेश)	राजुला	(गुजरात)
भांडपुरा	(मध्य प्रदेश)	धरमपुर	(गुजरात)
पिपरिया	(मध्य प्रदेश)	बटोड	(गुजरात)
उमेरखेड	(महाराष्ट्र)	मानगांव	(महाराष्ट्र)
महद	(महाराष्ट्र)	खपोली	(महाराष्ट्र)
तुमसर	(महाराष्ट्र)	सतना	(महाराष्ट्र)
मछेरला	(आंध्र प्रदेश)	बांसवादा	(आंध्र प्रदेश)
हातीहल	(कर्नाटक)	राजमपेट	(आंध्र प्रदेश)
होलेनरसीपुर	(कर्नाटक)	चेय्यार	(तमिलनाडु)
नरसारिओपेट	(आंध्र प्रदेश)	उदुमलपेट	(तमिलनाडु)
डारसी	(आंध्र प्रदेश)	कण्णूर डी.डी.-2	(केरल)
तुनी	(आंध्र प्रदेश)	भैंसा	(आंध्र प्रदेश)
टुमकूर	(कर्नाटक)	डिब्रूगढ़--डी.डी.-2	(असम)
गोहपुर	(असम)	कैलाशहर-डी.डी.-2	(त्रिपुरा)
मियाओ	(अरुणाचल प्रदेश)	तेलियामुरा	(त्रिपुरा)
मुशाबनी	(बिहार)	पाटनगढ़	(उड़ीसा)
सिमरी बख्तियारपुर	(बिहार)	गोंडिया	(उड़ीसा)
कोडरमा	(बिहार)	मोहना	(उड़ीसा)
दौदनगर	(बिहार)	सिमिलीगुड़ा	(उड़ीसा)
पादुआ	(उड़ीसा)		

III. वी.एल.पी.टी. :

उदयपुर	(हिमाचल प्रदेश)	सारनगढ़	(मध्य प्रदेश)
बंजार	(हिमाचल प्रदेश)	कोरेगांव	(महाराष्ट्र)
पिरभयनू	(हिमाचल प्रदेश)	औल	(उड़ीसा)
राजगढ़ी	(उत्तर प्रदेश)	चित्रकोंडा	(उड़ीसा)
थराली	(उत्तर प्रदेश)	कोकसारा	(उड़ीसा)
निचर	(हिमाचल प्रदेश)	कलामपुर	(उड़ीसा)
चौपाल	(हिमाचल प्रदेश)	सिंगतम	(सिक्किम)
कारसोग	(हिमाचल प्रदेश)		
मणिकपुर	(उत्तर प्रदेश)		
परवाणू	(हिमाचल प्रदेश)		

अप्रैल 1998 में चालू किए गए।

दूरदर्शन नेटवर्क

	31-3-97 को	31-3-98 को
1. प्राथमिक चैनल (डी.डी.-1) के रिले के लिए ट्रांसमीटर	–	
अ. उच्च शक्ति के ट्रांसमीटर	82	83
आ. कम शक्ति के ट्रांसमीटर	596	600
इ. बहुत कम शक्ति के ट्रांसमीटर	170	196
ई. ट्रांसपोंज़र	20	18
कुल	868	897
2. मेट्रो चैनल (डी.डी.-2) के रिले ट्रांसमीटर	–	
अ. उच्च शक्ति के ट्रांसमीटर	6	8
आ. कम शक्ति के ट्रांसमीटर	37	38
इ. बहुत कम शक्ति के ट्रांसमीटर	3	3
कुल	46	49
3. डी.डी.-3 चैनल के रिले ट्रांसमीटर (उच्च शक्ति)	4	x
4. अन्य ट्रांसमीटर (कम शक्ति) (संसद की कार्यवाही के रिले के लिए दिल्ली में 2 तथा श्रीनगर में 1)	3	3
5. प्रसारण का दायरा		
अ. जनसंख्या (%)	86.9	87
ब. क्षेत्रफल (%)	71.6	72
6. कार्यक्रम निर्माण केन्द्र	41	42
7. कार्यरत चैनल	19	17

x (डी.डी.-3 चैनल जनवरी, 1998 में बंद कर दिया गया)

दूरदर्शन नेटवर्क (31-3-98 को)

राज्य/संघ शासित क्षेत्र	कार्यक्रम निर्माण केन्द्र	प्राथमिक चैनल (डी.डी.-1) के प्रसारण के ट्रांसमीटर					मेट्रो चैनल (डी.डी.-2) के प्रसारण के ट्रांसमीटर			
		एच.पी.टी.	एल.पी.टी.	वी.एल.पी.टी.	ट्रांसपेजर	कुल	एच.पी.टी.	एल.पी.टी.	वी.एल.पी.टी.	कुल
1. असम	3	3	18	1	1	23	-	2	-	2
2. आन्ध्र प्रदेश	1	8	54	6	1	69	1	-	-	1
3. अरुणाचल प्रदेश	1	1	2	33	-	36	-	1	-	1
4. बिहार	4	5	40	1	1	47	-	1	-	1
5. गोवा	1	1	-	-	-	1	-	1	-	1
6. गुजरात	2	4	42	3	-	49	1	1	-	1
7. हरियाणा	-	-	8	-	-	8	-	1	-	1
8. हिमाचल प्रदेश	1	2	6	22	2	32	-	1	-	1
9. जम्मू-कश्मीर	2	4	6	27	1	38	-	3	-	3
10. केरल	1	3	18	2	-	23	-	3	-	3
11. कर्नाटक	2	4	39	2	-	45	1	-	-	1
12. मध्य प्रदेश	2	6	64	9	-	79	-	1	-	1
13. मेघालय	2	2	2	2	-	6	-	2	-	2
14. महाराष्ट्र	2	5	62	7	1	75	1	1	-	2
15. मणिपुर	1	1	1	4	-	6	-	1	-	1
16. मिज़ोरम	1	2	-	2	-	4	-	1	-	1
17. नगालैण्ड	1	2	2	4	1	9	-	1	-	1
18. उड़ीसा	2	3	55	6	1	65	1	4	2	7
19. पंजाब	1	4	4	-	1	9	-	1	-	1
20. राजस्थान	1	4	57	12	2	75	-	2	-	2
21. सिक्किम	-	1	-	4	-	5	-	1	-	1
22. तमिलनाडु	1	3	34	4	2	43	1	-	-	1
23. त्रिपुरा	1	1	1	1	1	4	-	1	-	1
24. उत्तर प्रदेश	4	9	57	22	3	91	-	4	-	4
25. पश्चिम बंगाल	2	4	19	2	-	25	1	1	-	1
26. दिल्ली	1	1	-	-	-	1	1	-	-	1
27. अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह	1	-	2	10	-	12	2	1	-	1
28. दमण और दीव	-	-	2	-	-	2	-	-	-	-
29. पांडिचेरी	1	-	2	2	-	4	-	-	-	-
30. लक्षद्वीप	-	-	1	8	-	9	-	-	1	1
31. चण्डीगढ़	-	-	1	-	-	1	-	1	-	1
32. दादरा और नागर हवेली	-	-	1	-	-	1	-	-	-	-
कुल	**42**	**83**	**600**	**196**	**18**	**897**	**8**	**38**	**3**	**49**

इसके अलावा, लोकसभा और राज्यसभा की कार्रवाई के प्रसारण के लिए दिल्ली में दो कम शक्ति के ट्रांसमीटर (एल.पी.टी.) और श्रीनगर में कश्मीर चेनल के कार्यक्रमों के लिए एक एल.पी.टी. काम कर रहा है। कुल ट्रांसमीटर – 949

टेलीविजन स्टूडिओ केन्द्र

क्र. सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	(31-3-98 को)
1.	असम	गुवाहाटी
		डिब्रूगढ़
		सिलचर
2.	आंध्र प्रदेश	हैदराबाद
3.	अरुणाचल प्रदेश	इटानगर
4.	बिहार	रांची
		पटना
		मुजफ्फरपुर
		डाल्टनगंज
5.	गोवा	पणजी
6.	गुजरात	अहमदाबाद
		राजकोट
7.	हरियाणा	–
8.	हिमाचल प्रदेश	शिमला
9.	जम्मू-कश्मीर	श्रीनगर
		जम्मू
10.	केरल	तिरुअनंतपुरम
11.	कर्नाटक	बंगलौर
		गुलबर्गा
12.	मध्य प्रदेश	भोपाल
		रायपुर
13.	मेघालय	शिलांग
		तुरा
14.	महाराष्ट्र	मुंबई
		नागपुर
15.	मणिपुर	इम्फाल
16.	मिज़ोरम	आइज़ोल
17.	नगालैंड	कोहिमा
18.	उड़ीसा	भुवनेश्वर
		संबलपुर (अंदरूनी)
19.	पंजाब	जालंधर
20.	राजस्थान	जयपुर
21.	सिक्किम	–
22.	तमिलनाडु	चेन्नई
23.	त्रिपुरा	अगरतला
24.	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
		गोरखपुर
		बरेली
		मऊ
25.	पश्चिम बंगाल	कलकत्ता
		शांति निकेतन (अंदरूनी)
26.	दिल्ली	दिल्ली
27.	अंडमान निकोबार द्वीप समूह	पोर्ट ब्लेयर
28.	पांडिचेरी	पांडिचेरी
29.	चंडीगढ़	–

दर्शकों की भागीदारी

देश में टेलीविजन वाले घरों का तीन-चौथाई हिस्सा छोटे कस्बों और गांवों में हैं। इन क्षेत्रों में 80 प्रतिशत लोग दूरदर्शन देखते हैं।

महानगरों में जहां केबल टेलीविजन का जाल बिछा हुआ है, वहां भी दर्शकों का बहुत बड़ा वर्ग दूरदर्शन देखता है जिसका अनुमान नीचे दिए गए आरेखों से लग सकता है।

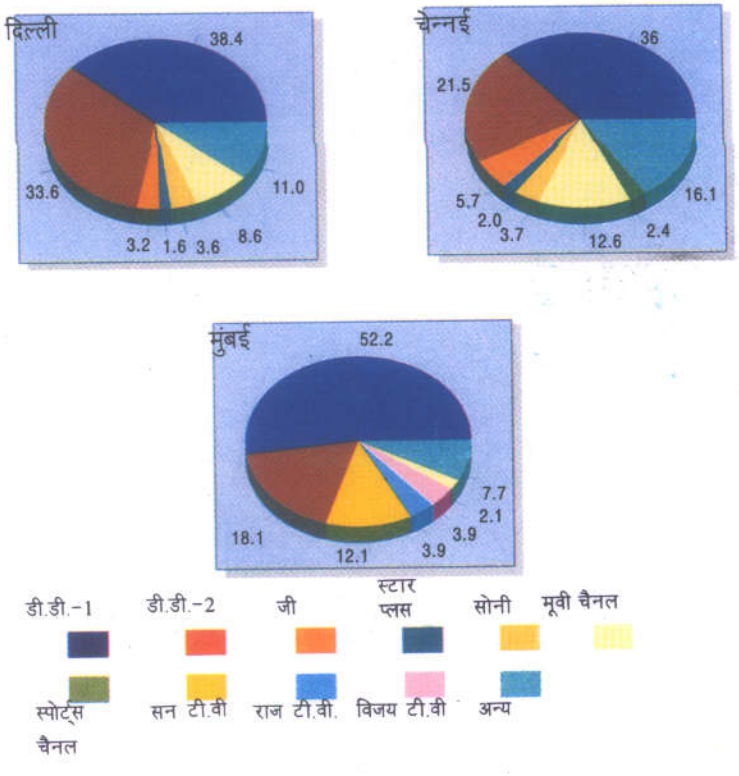

भारत

वर्तमान दूरदर्शन नेटवर्क

(३१.३.९८ की स्थिति के अनुसार)

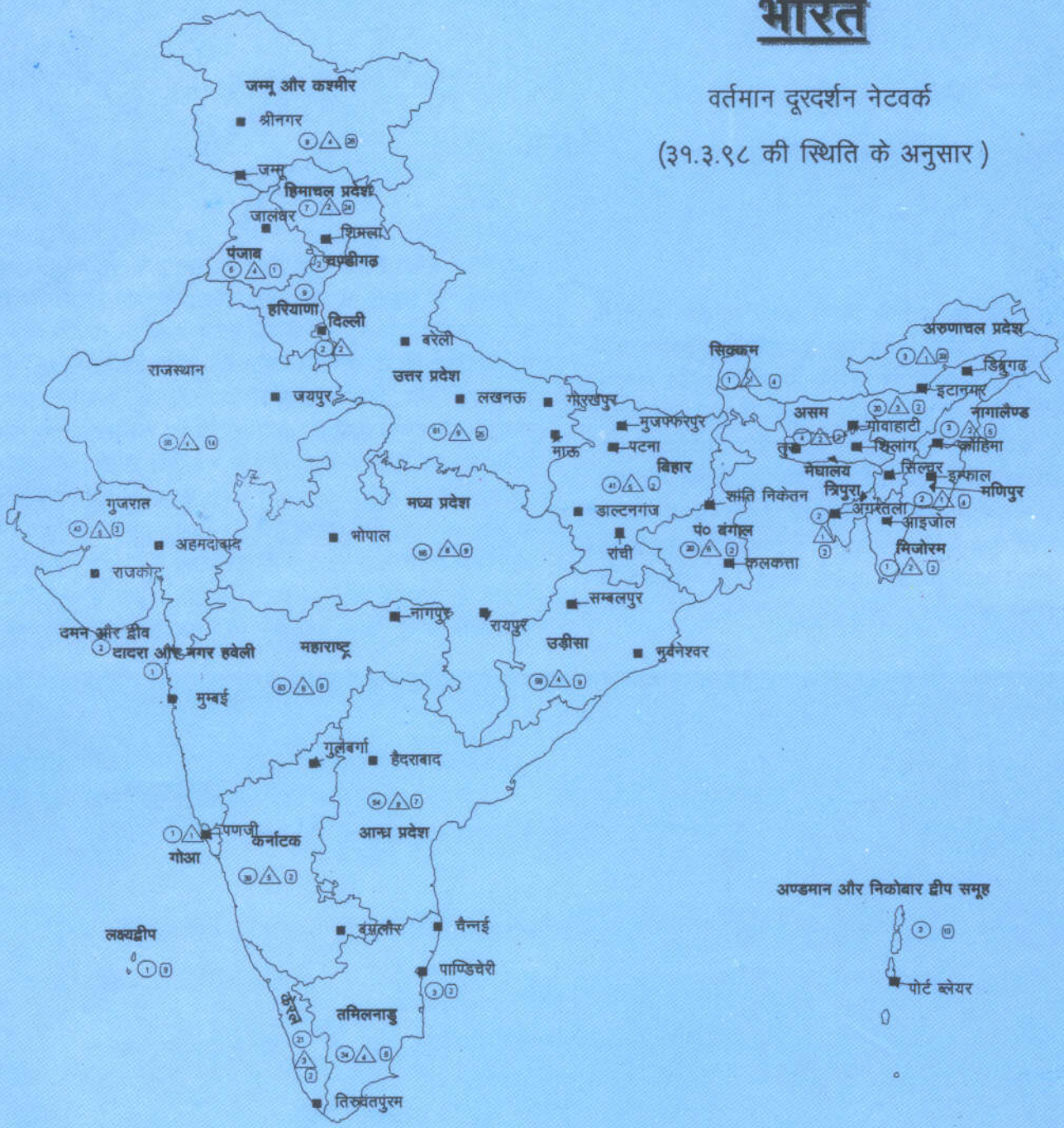

संकेत चिन्ह

- ■ कार्यक्रम निर्माण केन्द्र
- △ उच्च शक्ति प्रेषित्र
- ○ अल्प शक्ति प्रेषित्र
- ▯ अति अल्प शक्ति प्रेषित्र/ट्रांसपोज़र

4

फिल्म

फिल्म प्रभाग

4.1.1 पिछले 49 वर्षों से फिल्म प्रभाग भारतीय जनता के व्यापक समूह को प्रेरित करता रहा है ताकि राष्ट्र-निर्माण कार्य में उनका सक्रिय सहयोग प्राप्त किया जा सके। राष्ट्रीय परिदृश्य पर केन्द्रित प्रभाग के लक्ष्यों और उद्देश्यों में राष्ट्रीय कार्यक्रमों को लागू करने के लिए लोगों को सक्रिय भागीदारी और समर्थन हासिल करना और देश तथा उसकी विरासत की छवि भारतीय और विदेशी दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करना शामिल हैं। प्रभाग का लक्ष्य वृत्तचित्र आंदोलन के विकास को बढ़ावा देना भी है, जिसका भारत के लिए सूचना, संचार और एकीकरण के संदर्भ में विशेष महत्व है।

4.1.2 प्रभाग अपने मुंबई स्थित मुख्यालय से वृत्तचित्र/समाचार पत्रिकाएं, नई दिल्ली से रक्षा और परिवार कल्याण संबंधी फिल्में और कलकत्ता तथा बंगलौर स्थित क्षेत्रीय केन्द्रों से ग्रामीण जीवन पर आधारित फीचरेट्स तैयार करता है। प्रभाग देशभर में 12,784 सिनेमाघरों और क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय की इकाइयों, राज्य सरकारों की सचल इकाइयों, दूरदर्शन, परिवार कल्याण विभाग की क्षेत्रीय इकाइयों, शैक्षिक संस्थाओं और स्वयंसेवी संगठनों जैसे गैर-थियेटर क्षेत्रों की आवश्यकताएं पूरी करता है। प्रभाग द्वारा सिनेमाघरों के लिए जारी की जाने वाली फिल्मों में राज्य सरकारों के वृत्तचित्र और समाचार पत्रिकाएं भी शामिल की जाती हैं। प्रभाग भारत और विदेशों में वृत्तचित्रों और फीचरेट्स के प्रिंट, स्टॉक शॉट, वीडियो कैसेट और उनके वितरण अधिकार भी बेचता है।

राष्ट्रपति डॉ॰ शंकर दयाल शर्मा से दादा साहेब फाल्के पुरस्कार प्राप्त करते हुए वरिष्ठ तमिल फिल्म अभिनेता शिवाजी गणेशन

4.1.3 मुंबई में वृत्तचित्रों, लघु और एनिमेशन फिल्मों के पांच अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों का आयोजन करने के बाद प्रभाग विश्व में वृत्तचित्र आंदोलन के क्षेत्र में एक जबरदस्त ताकत बनकर उभरा है।

4.1.4 प्रभाग का संगठन मोटे तौर पर चार खंडों में विभाजित है, जो क्रमशः निर्माण, वितरण, अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र और लघु फिल्म समारोह और प्रशासन के लिए उत्तरदायी हैं।

निर्माण

4.2.1 मुंबई स्थित मुख्यालय के अलावा प्रभाग के तीन निर्माण केन्द्र बंगलौर, कलकत्ता और नई दिल्ली में हैं। निर्माण खंड वृत्तचित्रों, समाचार पत्रिकाओं, वीडियो फिल्मों, विशेष रूप से ग्रामीण श्रोताओं के लिए तैयार लघु वृत्तचित्रों और एनीमेशन फिल्मों के निर्माण के लिए उत्तरदायी है।

4.2.2 प्रभाग अपनी लगभग 60 प्रतिशत फिल्में विभागीय निर्देशकों और निर्माताओं से तैयार कराता है। इन वृत्तचित्रों की भावभूमि मानवीय गतिविधि और व्यवहार के सभी पहलुओं से संबद्ध रहती है।

4.2.3 प्रभाग सामान्यतः लगभग 40 प्रतिशत फिल्मों का निर्माण स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं से कराता है ताकि व्यक्तिगत प्रतिभा को बढ़ावा देकर देश में वृत्तचित्र आंदोलन को स्थिरता प्रदान की जा सके। प्रभाग अपने सामान्य निर्माण कार्यक्रमों के अतिरिक्त मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों सहित सभी सरकारी विभागों को वृत्तचित्र निर्माण में मदद करता है।

4.2.4 न्यूजरील खंड का प्रमुख मुख्य निर्माता होता है जिसकी सहायता के लिए निर्देशक, न्यूजरील अधिकारी और सहायक न्यूजरील अधिकारी होते हैं। ये सभी मिलकर एक ऐसा नेटवर्क स्थापित करते हैं जिसमें राज्य और केन्द्रशासित प्रदेशों की राजधानियों सहित मुख्य शहरों और कस्बों को कवर किया जा सके। इस कवरेज का इस्तेमाल पाक्षिक समाचार पत्रिकाएं बनाने और पुरातात्विक सामग्री का सकंलन करने के लिए भी किया जाता है।

4.2.5 प्रभाग की कार्टून फिल्म इकाई ने एनीमेशन फिल्मों का लगातार निर्माण करके दुनियाभर में विशिष्टता हासिल की है। यह इकाई वृत्तचित्रों और समाचार पत्रिकाओं के लिए एनीमेशन शृंखलाएं भी तैयार करती हैं और अब इसने कठपुतली फिल्मों का निर्माण भी शुरू किया है।

4.2.6 कमेंट्री अनुभाग अंग्रेजी और हिन्दी की मूल फिल्मों और समाचार पत्रिकाओं की 14 भारतीय भाषाओं और आवश्यकता पड़ने पर विदेशी भाषाओं में डबिंग की व्यवस्था करता है।

4.2.7 प्रभाग की दिल्ली इकाई रक्षा मंत्रालय और परिवार कल्याण विभाग के लिए शिक्षाप्रद तथा प्रेरणादायक फिल्मों के निर्माण के लिए उत्तरदायी है। हाल ही में इस इकाई को वीडियो फिल्म निर्माण सुविधाएं जुटाई गई हैं।

4.2.8 प्रभाग के कलकत्ता और बंगलौर क्षेत्रीय केन्द्र 16 मि.मी. वाली ग्रामोन्मुखी लघु फीचर फिल्में बनाते हैं, जिनकी अवधि लगभग एक घंटा होती है। सामाजिक दृष्टि से प्रासंगिक इन फिल्मों का एक कथानक होता है। इनका लक्ष्य परिवार कल्याण, सांप्रदायिक सद्भाव जैसे सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों तथा दहेज, बंधुआ मजदूरी, अस्पृश्यता आदि सामाजिक बुराइयों पर ध्यान केन्द्रित करना है।

4.2.9 तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, बांग्ला, असमिया, उड़िया, और पूर्वोत्तर तथा दक्षिणी क्षेत्रों की अनेक बोलियों में फिल्मों का निर्माण करने के लिए कथा लेखन और अभिनय के क्षेत्र में स्थानीय प्रतिभा का उपयोग किया जाता है ताकि भाषागत और क्षेत्रीय विशिष्टताओं को बनाए रखा जा सके। उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों की भाषाओं तथा बोलियों में फिल्म बनाने के लिए भी यह योजना लागू की गई है।

वितरण

4.3.1 प्रभाग के वितरण खंड के अनेक शाखा कार्यालय हैं। सामान्यतः 1,500 सिनेमाघरों पर एक शाखा कार्यालय काम करता है। फिलहाल 10 वितरण शाखा कार्यालय बंगलौर, कलकत्ता, चेन्नई, हैदराबाद, लखनऊ, मदुरै, मुंबई, नागपुर, तिरुअनंतपुरम और विजयवाडा में स्थित हैं। प्रभाग ने 1997-98 में देशभर में फैले 12,784 सिनेमाघरों के जरिये हर हफ्ते करीब 9 से 10 करोड़ दर्शकों के लिए फिल्मों का वितरण किया।

4.3.2 प्रभाग क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय की सचल इकाइयों और अन्य केन्द्र तथा राज्य सरकारों के विभागों को भी 16 मि.मी. फिल्मों के प्रिंटों की आपूर्ति करता है। मोटे तौर पर इन इकाइयों द्वारा हर हफ्ते 4 से 5 करोड़ लोगों को फिल्में दिखाई जाती हैं। इसके अतिरिक्त दूरदर्शन के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय नेटवर्क पर भी प्रभाग के वृत्तचित्र दिखाए जाते हैं। देशभर से शैक्षिक संस्थाएं और सामाजिक संगठन भी प्रभाग की फिल्म लाइब्रेरियों के माध्यम से फिल्में उधार लेते हैं। इन लाइब्रेरियों की स्थापना वितरण शाखा कार्यालयों में की गई है।

4.3.3 प्रभाग की फिल्मों के वीडियो कैसेट रेलवे, सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों, केन्द्र और राज्य सरकारों के विभागों, शैक्षिक संस्थाओं और निजी उपयोगकर्त्ताओं को गैर-व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए भी बेचे जाते हैं। वर्ष 1997-98 के दौरान गैर-व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए 7822 कैसेट बेचे गए।

4.3.4 विदेश मंत्रालय का विदेश प्रचार प्रभाग फिल्म प्रभाग की चुनी हुई फिल्मों के प्रिंट विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों को वितरित करता है। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड और प्राइवेट एजेंसियां भी प्रभाग की फिल्मों के अंतर्राष्ट्रीय वितरण की व्यवस्था करती हैं। प्रभाग द्वारा निर्मित फिल्मों का रॉयल्टी आधार पर अंतर्राष्ट्रीय वीडियो और टी.वी. नेटवर्कों के लिए व्यावसायिक उपयोग भी होता है।

अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र, लघु और एनीमेशन फिल्म समारोह

4.4 प्रभाग को 'मुंबई अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र, लघु और एनीमेशन फिल्म समारोह' के आयोजन का भार सौंपा गया है। यह आयोजन दो वर्ष में एक बार होता है। पहला अंतर्राष्ट्रीय मुंबई फिल्म समारोह मार्च 1990 में, दूसरा फरवरी 1992 में, तीसरा फरवरी 1994 में, चौथा फरवरी 1996 में और पांचवां मार्च 1998 में आयोजित किया गया था।

प्रशासन

4.5 प्रशासन खंड प्रभाग के अन्य खंडों को वित्त, कर्मचारी, भंडारण, उपकरण आदि जैसी अनिवार्य सुविधाएं मुहैया कराता है। यह खंड प्रशासन, संगठन, भंडारण-प्रबंध, कार्याशाला प्रबंध और सामान्य प्रशासन संबंधी सभी मामलों के प्रति उत्तरदायी है।

उपलब्धियां

4.6.1 अप्रैल 1997 से मार्च 1998 के दौरान प्रभाग ने 31 समाचार पत्रिकाएं और 80 वृत्तचित्र/लघु फीचर और वीडियो फिल्में तैयार कीं। इनमें से 111 फिल्मों, 34 लघु और वृत्तचित्रों, 31

भारतीय फिल्म संघ और फिक्की द्वारा मुंबई में फिल्मों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज

समाचार पत्रिकाओं, और 36 वीडियो फिल्मों को स्वयं प्रभाग ने तैयार किया। 8 वृत्तचित्र और लघु फिल्में तथा 2 वीडियो फिल्में स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहे निर्माताओं ने निर्मित की। नवंबर 1997 में हैदराबाद में राष्ट्रीय बाल और युवा चलचित्र केन्द्र द्वारा बच्चों और किशोरों के लिए आयोजित दसवें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह के लिए एक कर्टेन रेजर और पांच केप्सूल भी प्रभाग ने तैयार किए।

4.6.2 भारत की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोहों के अंग के रूप में प्रभाग ने (क) गांधीजी-कार्टूनिस्टों की नजर में, (ख) दूरदर्शन केन्द्र, मुंबई से प्रसारण के लिए रेखांकनों का मराठी अनुवाद, (ग) 'गांधी-एन इमर्जिंग रियलिटी' जैसे वृत्तचित्र तैयार किए।

4.6.3 प्रभाग द्वारा बनाई जाने वाली फिल्मों में विश्व जनसंख्या दिवस, पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियानों और कार्यक्रमों के बारे में फिल्में शामिल हैं। प्रभाग ने ग्रामीण दर्शकों के लिए चार लघु फीचर फिल्में भी बनाई।

4.6.4 वर्ष 1997-1998 के दौरान प्रभाग ने 34 वृत्तचित्र, 27 समाचार पत्रिकाएं और सांप्रदायिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता, दहेज उन्मूलन, नशाबंदी, परिवार कल्याण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सात अत्यंत लघु वृत्तचित्र (क्विकीज)जारी किए।

4.6.5 वर्ष के दौरान प्रभाग ने विदेशों में आयोजित 19 अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में हिस्सा लिया और उनके लिए 104 वृत्तचित्र और समाचार पत्रिकाएं भेजी। प्रभाग ने देश में होने वाले फिल्म समारोहों में हिस्सा लिया जिनमें 3 वृत्तचित्र तथा समाचार पत्रिकाएं प्रदर्शित की गईं। प्रभाग ने तीन वृत्तचित्रों के साथ फिल्मफेयर पुरस्कार प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया।

4.6.6 वर्ष के दौरान प्रभाग द्वारा निर्मित चार फिल्मों ने राष्ट्रीय पुरस्कार जीते। ये फिल्में हैं : (1) द लॉस्ट होरीजन; (2) समाचार पत्रिका संख्या 309-भिवंडी ट्रेजडी; (3) भीत; (4) ए प्लेस इन द सन।

4.6.7 वर्ष 1997-98 के दौरान प्रभाग ने 34 वृत्तचित्रों के 18,775 प्रिंट और सिनेमाघरों के लिए 21 समाचार पत्रिकाएं जारी कीं। प्रभाग ने भारत और विदेशों में गैर-व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए अपनी फिल्मों के 809 प्रिंट और 7,822 वीडियो कैसेट भी बेचे। मार्च 1998 तक प्रभाग ने कुल 80.58 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया।

फिल्म समारोह निदेशालय

4.7 फिल्म समारोह निदेशालय (डी.एफ.एफ.) की स्थापना 1973 में की गई थी। इसका प्रमुख लक्ष्य 'अच्छे सिनेमा' को बढ़ावा देना है। अपनी स्थापना के समय से निदेशालय हर वर्ष राष्ट्रीय फिल्मोत्सव का आयोजन कर रहा है और इसने भारतीय सिनेमा में उत्कृष्टता के लिए एक मंच उपलब्ध कराया है। यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक सद्भाव और मैत्री को बढ़ावा देने का एक माध्यम भी सिद्ध हुआ है। निदेशालय ने देश के भीतर विश्व सिनेमा की नवीनतम प्रवृत्तियों को आम आदमी तक पहुंचाया है।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

4.8 राष्ट्रीय फिल्मोत्सव के निर्णायक मंडल ने अप्रैल 1997 में प्रतियोगिता वर्ग की फिल्मों का अवलोकन प्रारंभ किया। फीचर फिल्म निर्णायक मंडल की अध्यक्षता श्री टी. सुब्बारामी रेड्डी और गैर-फीचर फिल्म निर्णायक मंडल की अध्यक्षता श्री एन.एन. थापा ने की। सिनेमा पर सर्वोत्तम लेखन का निर्णय करने वाली जूरी के अध्यक्ष श्री खालिद मोहम्मद थे। कुल मिलाकर 78 फीचर फिल्मों, 59 गैर-फीचर फिल्मों, 11 पुस्तकों और 16 फिल्म समालोचकों को पुरस्कारों के लिए शामिल किया गया। राष्ट्रपति डॉ० शंकर दयाल शर्मा ने 15 जुलाई, 1997 को विज्ञान भवन, में आयोजित समारोह में पुरस्कार प्रदान किए। सर्वोत्तम फीचर फिल्म का पुरस्कार बुद्धदेव दासगुप्त द्वारा निर्देशित फिल्म 'लाल दरजा' (बांग्ला) को मिला। श्री शाजी करूण को 'शाम्स विजन' (अंग्रेजी) को गैर-फीचर फिल्म वर्ग में सर्वोत्कृष्ट फिल्म का पुरस्कार दिया गया। सिनेमा में सर्वोत्तम लेखन का पुरस्कार श्री एस. थियोडोर भास्करन को उनकी पुस्तक 'तमिल सिनेमा इन रेट्रोस्पेक्ट' के लिए दिया गया। 1996 के लिए सर्वोत्तम फिल्म समीक्षक का पुरस्कार श्री एम.के. राघवेन्द्र ने प्राप्त किया। 1996 का दादा साहेब फाल्के पुरस्कार पद्मभूषण डॉ० शिवाजी गणेशन को दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह

4.9.1 भारत का 29वां अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह 10 से 20 जनवरी, 1998 तक नई दिल्ली में आयोजित किया गया। समारोह में एशियाई निर्देशकों के लिए एक पूर्ण प्रतियोगी वर्ग था। अन्य वर्गों में 'विश्व सिनेमा', 'भारतीय और विदेशी फिल्मों का सिंहावलोकन', 'फोकस', 'भारतीय पैनोरमा' और 'मेनस्ट्रीम सिनेमा' शामिल हैं, कुल मिलाकर 50 देशों की 208 फिल्में प्रदर्शित की गईं। समारोह में 60 विदेशी प्रतिनिधियों सहित 2,340 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

4.9.2 भारतीय पैनोरमा वर्ग में विभिन्न चयन समितियों द्वारा सुझाई गई 13 फीचर फिल्में और 21 गैर-फीचर फिल्में प्रदर्शित की

फीचर फिल्म जूरी की अध्यक्ष श्रीमती सरोजा देवी सूचना और प्रसारण मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज को जूरी की रिपोर्ट पेश करती हुईं। साथ में सूचना और प्रसारण राज्यमंत्री श्री मुख्तार अब्बास नकवी भी हैं

गई।

4.9.3 हांगकांग की फिल्म 'द किंग ऑफ मास्क' ने स्वर्ण मयूर जीता। रजत मयूर भारतीय फिल्म 'अडाज्या' (असमिया) को मिला। सर्वाधिक प्रतिभाशाली एशियाई निर्देशक को दिया जाने वाला जूरी का विशेष पुरस्कार—रजत मयूर—ईरानी फिल्म 'पेपर एयरप्लेन्स' के निर्देशक को दिया गया। पहली बार अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह की कुछ गतिविधियों को प्रयोग के तौर पर एक प्रायोजक के जरिए अंजाम दिया गया।

विदेशों में गतिविधियां

4.10 वर्ष के दौरान फिल्म समारोह निदेशालय ने विदेशों में 66 अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में हिस्सा लिया। भारत की स्वाधीनता की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए भारत और विदेशों में नौ फिल्म समारोहों का आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान

4.11 वर्ष के दौरान तुर्कमेनिस्तान की फिल्मों के समारोह दिल्ली और भोपाल में आयोजित किए गए। इनके अतिरिक्त दिल्ली और चंडीगढ़ में दक्षिण कोरिया की फिल्मों के समारोह आयोजित किए गए। थाईलैंड की फिल्मों का समारोह कलकत्ता में आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय बाल और युवा चलचित्र केन्द्र

4.12.1 राष्ट्रीय बाल और युवा चलचित्र केन्द्र (एन.सी.वाई.पी.) बच्चों और युवा लोगों के लिए फीचर फिल्में, टी.वी. धारावाहिक, लघु फीचर फिल्में और छोटी ऐनीमेशन फिल्में बनाने में लगा है। यह केन्द्र विदेशी फिल्मों के अधिकार खरीदने और उन्हें भारतीय

भाषाओं में डब करने के बाद प्रदर्शित करने का काम भी करता है।

4.12.2 केन्द्र द्वारा निर्मित फिल्मों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में हिस्सा लेकर अनेक पुरस्कार जीते हैं। केन्द्र प्रत्येक दूसरे वर्ष अपना अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह भी आयोजित करता है। इस तरह का दसवां फिल्म समारोह 14 से 23 नवंबर 1997 तक हैदराबाद में आयोजित किया गया। अब यह फैसला किया गया है कि बच्चों और युवा लोगों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह स्थाई रूप से हैदराबाद में ही आयोजित किए जाएं। ऐसा ग्यारहवां फिल्मोत्सव नवंबर 1999 में हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा।

4.12.3 राष्ट्रीय बाल और युवा चलचित्र केन्द्र ने बच्चों और युवा लोगों के लिए दसवें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह का आयोजन 14-23 नवंबर, 1997 के दौरान हैदराबाद में किया। इसमें 31 देशों की 119 फिल्में दिखाई गई। फिल्म समारोह को अंतर्राष्ट्रीय टी.वी. चैनलों ने भी कवर किया।

4.12.4 वर्ष के दौरान श्री वाडिराज द्वारा निर्देशित फीचर फिल्म 'इन्नोंदु मुखा' का निर्माण कार्य पूरा किया गया। इस अवधि में तीन फीचर फिल्मों की 13 भाषाओं में डबिंग का काम पूरा किया गया।

4.12.5 वर्ष के दौरान राष्ट्रीय बाल और युवा चलचित्र केन्द्र की फिल्मों ने अनेक राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में हिस्सा लिया। दो एनीमेशन फिल्मों 'महाकपि 95' और 'विक्टर' का निर्माण केन्द्र द्वारा 1996-97 के दौरान किया गया था। इन दोनों फिल्मों को जनवरी 1998 में नई दिल्ली में हुए भारत के 29वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में भारतीय पैनोरमा में शामिल किया गया।

4.12.6 केन्द्र ने प्रत्येक रविवार को दूरदर्शन के राष्ट्रीय नेटवर्क पर आधा घंटे के कार्यक्रम का प्रसारण जारी रखा। इस वर्ष के दौरान धारावाहिक 'दानू दानासुर' का प्रसारण पूरा किया गया। इसके बाद मास्को के सुप्रसिद्ध सोयूज मल्टीफिल्म स्टूडियो द्वारा निर्मित एनीमेशन की आधे-आधे घंटे की हिन्दी में डब की हुई 26 कड़ियां प्रसारित की गईं। दूरदर्शन की 'डार्ट रेटिंग' से यह जाहिर है कि दुनियाभर में 200 से अधिक पुरस्कार जीतने वाले इस पैकेज को दर्शकों ने काफी पसंद किया।

4.12.7 वर्ष के दौरान बच्चों के जिला स्तरीय फिल्म समारोहों की गतिविधियां जारी रहीं- इन गतिविधियों का क्षेत्र बढ़ाकर राज्य स्तरीय फिल्म समारोह कर दिया गया। असम और त्रिपुरा में भी फिल्म समारोह का आयोजित किए गए जिनमें 850 फिल्म शो किए गए। उड़ीसा में भी ऐसे ही कार्यक्रम में 950 फिल्म शो जनवरी से फरवरी 1998 के दौरान आयोजित किए गए। साथ ही, विभिन्न राज्यों के 55 जिलों में जिला स्तरीय फिल्म समारोहों का आयोजन किया गया।

4.12.8 राष्ट्रीय बाल और युवा चलचित्र केन्द्र के सॉफ्टवेयर प्रदर्शन में पूर्वोत्तर राज्यों पर अधिक बल दिया गया। तद्नुरूप, मिज़ोरम में वर्ष के दौरान केन्द्र के सॉफ्टवेयर के वी.एच.एस. कैसेटों के वितरण का विशेष कार्यक्रम शुरू किया गया। इन कैसेटों में मिज़ो भाषा में उपशीर्षक दिए गए।

4.12.9 राष्ट्रीय बाल और युवा चलचित्र केन्द्र की बच्चों के फिल्म परिसर के निर्माण की परियोजना को उस समय बल मिला जब केन्द्र ने इसके लिए आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा हैदराबाद में आबंटित जमीन का कब्जा ले लिया। इस परियोजना का नाम स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय बाल फिल्म परिसर रखा गया है। परियोजना को अंतिम रूप दिया जा चुका है और इसमें अभिनय, एनीमेशन तथा लंदन के 'म्यूजियम ऑफ दी मूविंग इमेजेज' जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस परिसर में बच्चों और युवाओं को विशेष कार्यक्रमों के जरिये सिनेमा के महत्व के बारे में शिक्षित करने आदि की मूलभूत सुविधाएं होंगी। यहां बाल फिल्मों का एक संग्रहालय भी होगा। परिसर का निर्माण कार्य दिसंबर 1998 में शुरू कर दिया जाएगा।

भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय

4.13.1 भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय का मूल उद्देश्य फिल्मों का संरक्षण, परिरक्षण और पुनरुद्धार करना है। लेकिन फिल्मों को आदर्श स्थितियों में संग्रहीत करके रखना संग्रहालय की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में से एक है। वर्ष के दौरान 35 मि.मी. आकार की 1,656 रीलों की जांच की गई। इसके अलावा 16 मि.मी. आकार की फिल्मों के 31 स्पूलों की भी जांच की गई। इसी तरह सभी संरक्षित प्रिंटों की बारीकी से जांच करके यह पता लगाया गया कि किस सामग्री की प्रतिलिपि तैयार की जानी है और किसका सुधार करना है। नाइट्रेट बेस वाली फिल्मों की 48 रीलों (11,832 मीटर) को सुरक्षित फिल्मों के रूप में बदला गया। शुरूआती दौर के महान फिल्मकार बाबूराव पेंटर की मूक फिल्मों से संबंधित जो सामग्री हाल में प्राप्त की गई थी, उसके पुनरुद्धार का काम पूरा कर लिया गया।

4.13.2 भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय का मुख्यालय पुणे में है और बंगलौर, कलकत्ता तथा तिरुअनंतपुरम में इसके क्षेत्रीय कार्यालय

हैं। ये क्षेत्रीय कार्यालय संबंधित क्षेत्र के अपने सदस्यों तथा अन्य लोगों की मांग पूरी करते हैं। फिल्म-संस्कृति का प्रसार संग्रहालय की अन्य महत्वपूर्ण गतिविधि है। 16 मि.मी. फिल्मों की इसकी वितरण लाइब्रेरी देशभर में अपने सदस्यों को सुविधाएं उपलब्ध कराती है। वितरण लाइब्रेरी के जरिए दी जाने वाली फिल्मों के अलावा विशेष अवसरों जैसे वार्षिक समारोहों, पुनरावलोकन समारोहों आदि के लिए 35 मि.मी. फिल्मों के प्रिंट उपलब्ध कराए जाते हैं। बंगलौर, कलकत्ता, मुंबई, हैदराबाद और तिरुअनंतपुरम जैसे महत्वपूर्ण केन्द्रों में नियमित रूप से प्रदर्शित की गई फिल्मों से दर्शकों को भारतीय सिनेमा के इतिहास तथा उत्कृष्ट विदेशी फिल्मों की जानकारी देने में काफी मदद मिली।

4.13.3 भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय ने पुणे में चार सप्ताह का फिल्म मूल्यांकन पाठ्यक्रम आयोजित किया और अन्य केन्द्रों में कई अल्पावधि-पाठ्यक्रमों के आयोजन में सहयोग दिया।

4.13.4 भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय में भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा और अन्य संबंधित कलाओं के बारे में पुस्तकों और पत्रिकाओं का अच्छा संग्रह भी उपलब्ध है। शोधकर्ताओं, पत्रकारों और फिल्म विधा से जुड़े अन्य लोगों के लिए संग्रहालय परिसर में ही लाइब्रेरी और संदर्भ सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। इसकी एक अन्य महत्वपूर्ण गतिविधि डाक्यूमेंटेशन यानी प्रलेखन भी है। इसके अंतर्गत संग्रहालय भारतीय सिनेमा के बारे में सूचनाएं तथा सहायक सामग्री, जैसे फिल्मों के स्टिल्स (स्थिर चित्र), पुस्तिकाएं, पोस्टर, डिस्क रिकार्ड, ऑडियो टेप, फिल्म समीक्षाएं तथा विभिन्न अन्य वस्तुएं एकत्र करता है।

4.13.5 1996 में भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय ने फिल्म प्रभाग के साथ एक समझौता किया जिसके अंतर्गत प्रभाग के पास उपलब्ध ऐतिहासिक फिल्मों का संरक्षण किया जाएगा। फिल्म प्रभाग से संरक्षण योग्य सामग्री के 395 डिब्बों की दूसरी खेप संग्रहालय को प्राप्त हो चुकी है।

4.13.6 भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय मई 1969 से अंतर्राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय परिसंघ का सदस्य है जो उसे संरक्षण तकनीक, प्रलेखन, ग्रंथसूची आदि के बारे में विशेषज्ञ परामर्श तथा सामग्री प्राप्त करने में सहायता करता है। परिसंघ, संग्रहालय विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत अन्य संग्रहालयों के साथ दुर्लभ फिल्मों के विनिमय में भी मदद करता है।

भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, पुणे

4.14.1 वर्ष के दौरान 9 विदेशी छात्रों सहित 97 छात्रों ने फिल्म खंड के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया। फिल्म खंड का 21वां दीक्षांत समारोह 14 दिसंबर 1997 को आयोजित किया गया। विभिन्न पाठ्यक्रमों के 256 छात्रों को डिप्लोमा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। दादा साहेब फाल्के पुरस्कार विजेता जाने माने वरिष्ठ कलाकार श्री दिलीप कुमार इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। दीक्षांत समारोह में कुछ जानी-मानी फिल्मी हस्तियों को सिनेमा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए मानद डिप्लोमा भी प्रदान किए गए। इनके नाम हैं: शिवाजी गणेशन, नबेन्दु घोष, आर.डी. माथुर, गुरुदत्त शिराली और वामन भोंसले।

4.14.2 भारत की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती के सिलसिले में संस्थान ने "महात्मा" फिल्म का प्रदर्शन किया और कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। एक फोटो-प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें 'आज़ादी का पचासवां साल' विषय पर जनता से प्रविष्टियां आमंत्रित की गईं। इस अवसर पर संस्थान में प्रशिक्षण ले रहे टेलीविजन प्रशिक्षणार्थियों ने निम्नलिखित कार्यक्रम तैयार किए: (1) 50 इयर्स ऑफ इंडियाज़ इंडिपेंडेंस (23 मिनट); (2) स्वतंत्रता के 50 वर्ष (5.19 मिनट); (3) जय हो भारत मां की (3 मिनट)।

4.14.3 भारतीय फिल्म संस्थान की स्थापना 1960 में की गई थी। 1970 में संस्थान में टेलीविजन खंड भी बना दिया गया और संस्थान का नाम बदलकर भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान कर दिया गया। बाद में 1974 में संस्थान को 1860 के सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत कराया गया।

4.14.4 संस्थान के दो खंड हैं- फिल्म खंड और टेलीविजन खंड। फिल्म खंड फिल्म निर्देशन, मोशन पिक्चर फोटोग्राफी और ऑडियोग्राफी में तीन साल के डिप्लोमा पाठ्यक्रम तथा फिल्म-संपादन में दो वर्ष का डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करता है। टेलीविजन खंड में दूरदर्शन के विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों, जैसे प्रोड्यूसरों, इंजीनियरों, ग्राफिक आर्टिस्टों, सेट डिजाइनरों, वीडियो एडीटरों, कैमरामैन आदि को टी.वी. कार्यक्रम निर्माण और तकनीकी संचालन का सेवाकालीन प्रशिक्षण दिया जाता है। टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण और तकनीकी संचालन में बुनियादी पाठ्यक्रम के अलावा दूरदर्शन के कर्मचारियों, भारतीय सूचना सेवा के प्रशिक्षुओं और फिल्म खंड के छात्रों आदि के लिए विशिष्ट क्षेत्रों में अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। टेलीविजन खंड ने वर्ष के दौरान दस पाठ्यक्रम संचालित किए। इनमें 288 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

4.14.5 भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान और भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय ने 19 मई, 1997 से 14 जून, 1997 तक

फिल्म मूल्यांकन में चार सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया। इसमें पत्रकारिता, शिक्षा, रंगमंच और मीडिया अनुसंधान से जुड़े 65 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

4.14.6 डिप्लोमा पाठ्यक्रम के छात्रों द्वारा निर्मित फिल्में विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय समारोहों में शामिल की गईं और उन्हें सम्मान भी प्राप्त हुए। नयी दिल्ली में आयोजित 44वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में 'आत्मीयन' को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ लघुकथा का पुरस्कार मिला। 'ये वो शहर तो नहीं' ने सर्वश्रेष्ठ गैर-कथा फिल्म के निर्देशक को दिया जाने वाला प्रथम पुरस्कार जीता।

4.14.7 संस्थान बुनियादी तौर पर फिल्म-निर्माण के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। संस्थान के दो खंड हैं: फिल्म खंड और टेलीविजन खंड। टेलीविजन खंड दूरदर्शन के सेवारत कर्मचारियों को प्रशिक्षण देता है, जबकि फिल्म खंड फिल्म निर्माण के विभिन्न पहलुओं के बारे में छात्रों को प्रशिक्षण देता है।

सत्यजित राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान

4.15.1 कलकत्ता-स्थित सत्यजित राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान मंत्रालय के अंतर्गत अनुदान सहायता से चलने वाली स्वायत्त संस्था है। राष्ट्रीय स्तर के इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य फिल्म-निर्माण कला और तकनीक के बारे में आधुनिकतम स्तर की शिक्षा तथा अनुभव प्रदान करना है। संस्थान ने सितंबर 1996 से चार शाखाओं में डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारंभ किए हैं, ये हैं- फिल्म-निर्देशन, मोशन पिक्चर फोटोग्राफी, फिल्म-संपादन और ध्वन्यांकन। इस समय विभिन्न पाठ्यक्रमों में 64 छात्र प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। पांच अन्य पाठ्यक्रम : अभिनय, कला निर्देशन, कम्प्यूटर ग्राफिक्स व एनीमेशन, सिस्टम इंजीनियरिंग व अनुरक्षण तथा रूप सज्जा के बारे में पाठ्यक्रम चलाने की योजना है। ये पाठ्यक्रम चरणबद्ध तरीके से प्रारंभ किए जाएंगे और इनके शुरू होने के बाद संस्थान पूरी तरह काम करना शुरू कर देगा।

4.15.2 सत्यजित राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान की स्थापना की योजना को नवंबर 1992 में स्वीकृति मिली थी। इस पर 29.50 करोड़ रुपये लागत आने का अनुमान लगाया गया था। संस्थान का 1997-98 का वार्षिक योजना खर्च 12.71 करोड़ रुपये है।

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम

4.16.1 राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड की स्थापना 11

सुप्रसिद्ध सिनेमेटोग्राफर श्री आर. डी. माथुर भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान के दीक्षांत समारोह में श्री दिलीप कुमार से 'डिप्लोमा ऑनरिस कौजा' प्राप्त करते हुए। साथ में भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान के अध्यक्ष श्री महेश भट्ट भी हैं

अप्रैल, 1980 को की गई थी। इसका उद्देश्य भारत में सिनेमा की गुणवत्ता में सुधार करना तथा लोगों तक इसकी पहुंच बढ़ाना है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने और देश में स्वस्थ फिल्म आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम कई गतिविधियां संचालित करता है।

4.16.2 राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम ऐसी फिल्मों को बढ़ावा देता है जिनकी लागत कम हो और जो गुणवत्ता, अंतर्वस्तु और निर्माण की दृष्टि से उच्च कोटि की हों। भारत में फिल्म-निर्माण के लिए धन की कमी की समस्या का एक संभावित समाधान भी यही है कि कम लागत की फिल्मों को बढ़ावा दिया जाए।

4.16.3 राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम विदेशी निर्माताओं और दूरदर्शन के साथ मिलकर भी फिल्में बनाता है। मार्च 1998 तक निगम और दूरदर्शन के बीच हुए समझौतों के अंतर्गत 13 फिल्मों का मिलकर निर्माण करने की स्वीकृति दी जा चुकी थी। इस वर्ग के अंतर्गत पहले मंजूर की गई फिल्मों में से 12 का निर्माण इस दौरान पूरा हो चुका था। निगम के बोर्ड ने पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से भी एक फिल्म के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की। 'ट्रेन टू पाकिस्तान' नाम की एक फिल्म का निर्माण भी पूरा हो गया। इसे राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम और पैन पिक्चर्स-रूक्स ए.वी. ने मिलकर बनाया है।

4.16.4 निगम ने विदेशी-निर्माताओं के सहयोग से फिल्मों के निर्माण का कार्यक्रम सर रिचर्ड एटेनबरो द्वारा निर्देशित अत्यंत सफल फिल्म 'गांधी' से प्रारंभ किया। इसके बाद विदेशी सहयोग से 'सलाम बॉम्बे', 'माया मेमसाहब', 'मिस बैटीज चिल्ड्रन', 'मेकिंग ऑफ द महात्मा', 'जय गंगा' आदि फिल्में बनीं। भारत-जर्मन सहयोग से 'डांस ऑफ द विंड' का निर्माण भी पूरा हो चुका है। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम और बी.एफ.आई. 'एकटी नदीर नाम' नाम की फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।

4.16.5 सिनेमाघरों में सीटों की संख्या बढ़ाने और अच्छी फिल्मों के प्रदर्शन की व्यवस्था करने के उद्देश्य से निगम ने देश में सिनेमाघरों के लिए धन उपलब्ध करने की योजना तैयार कर लागू की। वर्ष के दौरान नवंबर 1997 तक सिनेमाघरों के निर्माण के लिए कई ऋण मंजूर किए गए। वर्ष के दौरान पहले स्वीकृत ऋणों सहित सिनेमाघरों के निर्माण के लिए 29.50 लाख रुपये संवितरित किए गए।

4.16.6 भारतीय दर्शकों को विभिन्न देशों की अलग-अलग तरह की फिल्में दिखाने के लिए निगम हर साल करीब 90-100 फिल्में आयात करता है। वर्ष 1997-98 के दौरान निगम ने छह फिल्मों का आयात किया और उन्हें सिनेमाघरों तथा अन्य तरह से प्रदर्शित करने के अधिकार प्राप्त किए गए। इसके अलावा 46 फिल्मों और 101 टेलीविजन धारावाहिक शृंखलाओं के अधिकार भी प्राप्त किए गए। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम ने विभिन्न सर्किट्स के लिए 3 भारतीय फिल्में जारी कीं। 30 फिल्में विभिन्न उपग्रह चैनलों से प्रदर्शित की गईं।

4.16.7 वर्ष 1997-98 के दौरान निगम ने विभिन्न देशों को 107 फिल्में निर्यात की और इससे विदेशी मुद्रा के रूप में 164.32 लाख रुपये अर्जित किए। देश के विभिन्न भागों में स्थित चार केन्द्रों में निगम ने राष्ट्रीय फिल्म सर्किट के अंतर्गत पैनोरमा फिल्म सप्ताह, महत्वपूर्ण फिल्मों के पुनरावलोकन और फिल्म सप्ताहों का आयोजन किया।

4.16.8 राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम द्वारा फिल्मों के प्रदर्शन का सिलसिला जारी रहा और दूरदर्शन के विभिन्न चैनलों के लिए फिल्में प्राप्त की गईं। इनमें अधिकतर फीचर फिल्में थीं। निगम ने 'एन.एफ.डी.सी. नेट' नाम की एक सॉफ्टवेयर प्रणाली भी विकसित की है जिससे निगम और दूरदर्शन के कार्यक्रमों में विज्ञापनों की बुकिंग के लिए विभिन्न विज्ञापन एजेंसियों को इंटरनेट से जोड़ दिया गया है।

4.16.9 राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के कलकत्ता स्थित फिल्म केन्द्र में फिल्म निर्माण और उसके बाद की सुविधाएं उपलब्ध हैं। निगम का चेन्नई स्थित वीडियो केन्द्र दक्षिणी क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बेहतर किस्म की फिल्म अंतरण सुविधा उपलब्ध कराता है। मुंबई में निगम का लेज़र-आधारित उपशीर्षक देने वाला केन्द्र एशिया में अपनी तरह का अकेला केन्द्र है। इसने उपशीर्षकों की गुणवत्ता में सुधार लाने में काफी मदद की है। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम श्रीलंका, ईरान आदि की फिल्मों में भी उपशीर्षक दे रहा है। कई भाषाओं में उपशीर्षक तैयार करने का काम भी जारी है। निगम दूरदर्शन के पहले चैनल पर रविवार को दिखाई जाने वाली फीचर फिल्मों के कई भाषाओं में उपशीर्षक तैयार करता है। निगम ने मेडिटेशन के सहयोग से 'माया-द मैजिक शॉप' नाम का स्टूडियो बनाया है जिसमें फिल्मों में विशेष प्रभाव पैदा करने वाली सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे फिल्म और टेलीविजन क्षेत्र की जरूरतें पूरी करने में मदद मिली है।

4.16.10 भारतीय फिल्म कलाकार कोष की स्थापना राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम ने 3.55 करोड़ रुपये की राशि से की थी (अब यह कोष बढ़कर 3.88 करोड़ रुपये हो गई है)। इस कोष से 500 से ज्यादा सिनेमा कलाकारों को पेंशन तथा अन्य लाभ मिल रहे हैं। वर्ष के दौरान, विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत जरूरतमंद सिने कलाकारों को 37.64 लाख रुपये की मदद की गई।

केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड

4.17.1 केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड का गठन सिनेमेटोग्राफ अधिनियम 1952 के अंतर्गत किया गया था। यह भारत में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जानेवाली फिल्मों को प्रमाणपत्र प्रदान करता है। बोर्ड में अध्यक्ष के अलावा 25 गैर-सरकारी सदस्य होते हैं। बोर्ड का मुख्यालय मुंबई में है और इसके नौ क्षेत्रीय कार्यालय बंगलौर, कलकत्ता, चेन्नई, कटक, गुवाहाटी, हैदराबाद, मुंबई, नई दिल्ली और तिरुअनंतपुरम में हैं। क्षेत्रीय कार्यालयों में विभिन्न क्षेत्रों के जाने-माने लोगों का एक सलाहकार मंडल फिल्मों की जांच के काम में मदद करता है। सुप्रसिद्ध फिल्म निर्माता श्री शक्ति सामंत इस समय बोर्ड के अध्यक्ष हैं। वर्तमान बोर्ड का गठन 7 मार्च, 1997 को हुआ था।

4.17.2 1997 में मुंबई और चेन्नई के सलाहकार मंडलों का पुनर्गठन किया गया। बंगलौर, हैदराबाद और नई दिल्ली के सलाहकार मंडलों में कुछ नये सदस्य नियुक्त किए गए।

4.17.3 1997 में जिन 697 भारतीय फीचर फिल्मों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए उनमें से 480 (68.87 प्रतिशत) को 'यू' प्रमाणपत्र (बिना किसी प्रतिबंध के प्रदर्शन का प्रमाणपत्र) दिया गया। 93 फिल्मों (13.34 प्रतिशत) को 'यू ए' प्रमाणपत्र (12 साल तक के बच्चों के लिए माता-पिता के साथ बिना प्रतिबंध प्रदर्शन का प्रमाणपत्र) और 124 (17.79 प्रतिशत) को 'ए' प्रमाणपत्र (केवल वयस्कों के लिए प्रमाणपत्र) प्रदान किए गए। 1997 में जिन 191 विदेशी फीचर फिल्मों को प्रमाणपत्र दिए गए उनमें से 24 (12.57 प्रतिशत) को 'यू' प्रमाणपत्र, 50 (26.18 प्रतिशत) को 'यू ए' प्रमाणपत्र और 117 (61.25 प्रतिशत) को 'ए' प्रमाणपत्र दिया गया। 8 भारतीय और 20 विदेशी फिल्मों को प्रारंभ में बोर्ड ने इस आधार पर प्रमाणपत्र देने से इंकार कर दिया कि उनमें फिल्म प्रमाणन संबंधी किसी एक या अनेक दिशानिर्देशों का उल्लंघन हो रहा था। इनमें से कुछ को या तो संशोधित रूप में या फिर फिल्म प्रमाणन अपील ट्राइब्यूनल के आदेश पर प्रमाणपत्र दे दिया गया।

4.17.4 1997 में सिनेमाघरों में प्रदर्शन के लिए फिल्म श्रेणी में बोर्ड ने 895 भारतीय लघु फिल्मों (818 को 'यू' प्रमाणपत्र, 27 को 'यू ए' और 50 को 'ए' प्रमाणपत्र) और 272 विदेशी लघु फिल्मों (114 को 'यू' प्रमाणपत्र, 71 को 'यू ए' प्रमाणपत्र, 85 को 'ए' प्रमाणपत्र और 2 को 'एस' प्रमाणपत्र) को प्रमाणपत्र दिए।

4.17.5 बोर्ड ने 1,295 वीडियो फिल्मों को भी प्रमाणपत्र प्रदान किए। इनमें से 145 भारतीय फीचर फिल्में, 78 विदेशी फीचर फिल्में, 722 भारतीय लघु फिल्में, 329 विदेशी लघु फिल्में और 21 'अन्य' श्रेणियों की फिल्में थीं।

4.17.6 वर्ष के दौरान फिल्मों को प्रमाणपत्र देने के बारे में शिकायतें भी प्राप्त होती रहीं। अधिकतर शिकायतें फिल्मों में सेक्स और हिंसा के अधिक प्रदर्शन के बारे में थीं। अधिकतर शिकायतें सामान्य प्रकृति की थीं।

4.17.7 सलाहकार मंडलों के सदस्यों और जांच अधिकारियों के लिए विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों में कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इनमें केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष ने भाग लेने वालों से दिशानिर्देशों पर कड़ाई से तथा एक समान रूप से अमल करने पर जोर दिया ताकि फिल्मों में सेक्स और हिंसा के अमर्यादित प्रदर्शन पर रोक लगाई जा सके।

4.17.8 बोर्ड ने श्रम मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार भारतीय फीचर फिल्मों से सिनेकर्मी कल्याण शुल्क की वसूली जारी रखी। इस शुल्क की दरें हिन्दी फीचर फिल्मों के लिए 10,000 रुपये; तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों के लिए 5,000 रुपये; बंगाली, मराठी और गुजराती फिल्मों के लिए 3,000 रुपये तथा उड़िया, असमिया व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों के लिए 2,000 रुपये हैं।

4.17.9 विदेशी फिल्मों के आयात के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी करने से संबंधित कार्य अभी केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पास ही है।

भारतीय फिल्म समिति संघ

4.18 भारतीय फिल्म समिति संघ देश में फिल्म समितियों की शीर्ष संस्था है। इसे सिनेमा के क्षेत्र में दर्शकों में सुरुचि जगाने और फिल्मों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए इस मंत्रालय से अनुदान सहायता प्राप्त होती है। फिल्म समितियां फिल्म-संस्कृति के विकास के लिए भी प्रयास करती हैं। 1997-98 में फिल्म समितियों को अनुदान सहायता देने के लिए बजट में चार लाख रुपये की व्यवस्था की गई थी। यह राशि संघ को दे दी गई है।

5

प्रेस प्रचार

पत्र सूचना कार्यालय

5.1.1 पत्र सूचना कार्यालय सरकार की एक ऐसी एजेंसी है, जिसके माध्यम से वह अपनी विभिन्न नीतियों, कार्यक्रमों, पहलों और उपलब्धियों की जानकारी पत्र-पत्रिकाओं और इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों को संप्रेषित करती है। सरकार और प्रचार माध्यमों के बीच संपर्क-सूत्र के रूप में काम करते हुए कार्यालय समाचारपत्रों में व्यक्त लोगों की प्रतिक्रियाएं सरकार को फीड बैक भी करता है।

5.1.2 पत्र सूचना कार्यालय के कुल 41 कार्यालय हैं जिनमें से 8 क्षेत्रीय कार्यालय तथा 33 शाखा कार्यालय और सूचना केन्द्र हैं। यह संगठन विभिन्न प्रारूपों में सूचनाएं संप्रेषित करता है, जैसे प्रेस विज्ञप्ति, फीचर, डेटा बेस, संदर्भ सामग्री, प्रेस-जानकारी, साक्षात्कार, संवाददाता सम्मेलन और पत्रकारों के लिए भ्रमण कार्यक्रम, वीडियो टेप, कम्प्यूटरीकृत रिपोर्ट और उनका वितरण, बुलेटिन बोर्ड सेवा आदि। हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में जारी सूचना सामग्री 8,000 अखबारों और मीडिया संगठनों को भेजी जाती है। पी आई बी का होमपेज इंटरनेट पर उपलब्ध है जिसकी सेवा डब्ल्यू-डब्ल्यू-

पत्र सूचना कार्यालय द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में सूचना और प्रसारण मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज। साथ में सूचना और प्रसारण राज्यमंत्री श्री मुख्तार अब्बास नकवी तथा मंत्रालय के सचिव श्री पी.जी. मांकड़

डब्ल्यू एनआईसी इन/इंडिया-इमेज/पीआईबी के ज़रिए प्राप्त की जा सकती है। समाचारपत्र अब सीधे फोटोग्राफ सहित पीआईबी के बुलेटिन बोर्ड से सामग्री प्राप्त कर सकता है।

5.1.3 पत्र सूचना कार्यालय के मुख्यालय में अधिकारियों का एक समूह है, जो विशेष रूप से विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के साथ सम्बद्ध हैं तथा उनकी खबरें मीडिया को भेजते हैं। ये अधिकारी संबद्ध विभागों को फीड बैक भी उपलब्ध कराते हैं। पीआईबी का फीड बैक सेल अपनी विशेष सेवा के अंग के रूप में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दैनिकों तथा पत्रिकाओं की खबरों और संपादकीय के आधार पर हर रोज डाइजेस्ट और विशेष डाइजेस्ट तैयार करता है। फीचर इकाई संदर्भ सामग्री, अद्यतन सामग्री, फीचर लेख और ग्राफिक्स उपलब्ध कराती है। इनका वितरण राष्ट्रीय नेटवर्क पर होता है और अब ये इंटरनेट पर भी उपलब्ध कराये गए हैं। यह सामग्री अनुवाद और वितरण के लिए क्षेत्रीय तथा शाखा कार्यालयों में भी भेजी जाती है। पीआईबी सरकारी गतिविधियों की फोटो कवरेज का प्रबंध करता है और अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाओं में छपने वाले देशभर के पत्र-पत्रिकाओं को फोटोग्राफ उपलब्ध कराता है। वर्ष 1997-98 के दौरान पत्र-पत्रिकाओं को 1,55,245 फोटोग्राफ उपलब्ध कराये गये।

5.1.4 पत्र सूचना कार्यालय के 28 क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों के बीच कम्प्यूटर संपर्क है, जिससे तेजी से सूचनाएं फीड करने में मदद मिलती है। ब्यूरो इंटरनेट प्रणाली से भी जुड़ा हुआ है, जो इसकी सामग्री को अंतर्राष्ट्रीय उपयोग के लिए उपलब्ध कराती है। सूचनाओं के तत्काल संप्रेषण के लिए ब्यूरो की प्रेस-विज्ञप्तियां कम्प्यूटर के जरिए स्थानीय समाचारपत्रों और बाहर के महत्त्वपूर्ण अखबारों के स्थानीय संवाददाताओं को फैक्स की जाती हैं। पीआईबी ने अपने कुछ कार्यालयों को कम्प्यूटर से फोटो भेजने का काम भी शुरू किया है। कम्प्यूटर पर बुलेटिन बोर्ड सेवा भी शुरू की गई है, जिसमें विज्ञप्तियाँ, फीचर फोटो और ग्राफिक्स उपलब्ध कराए जाते हैं।

5.1.5 इस वर्ष फरवरी में ब्यूरो में वीडियो कान्फ्रेंसिंग सुविधा शुरू की गई। पत्र सूचना कार्यालय अब 11 क्षेत्रीय केन्द्रो से वीडियो कान्फ्रेंसिंग प्रणाली से जुड़ा है। इससे क्षेत्रीय केन्द्रों के पत्रकार नई दिल्ली और देश के अन्य भागों में आयोजित संवाददाता सम्मेलनों में भाग ले सकते हैं।

5.1.6 पीआईबी मीडिया के लोगों को मान्यता भी प्रदान करता है ताकि वे सरकारी स्रोतों से आसानी से सूचनाएं प्राप्त कर सकें। इसके मुख्यालय द्वारा 2266 संवाददाताओं और कैमरामैनों को मान्यता प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त 191 तकनीशियनों और 112 संपादकों/मीडिया समीक्षकों को भी ये व्यावसायिक सुविधाएं दी गई हैं।

5.1.7 नई दिल्ली के पत्र सूचना कार्यालय में एक राष्ट्रीय प्रेस केन्द्र स्थापित किया गया है जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ही संचार माध्यमों के लिए संपर्क-केन्द्र के रूप में काम करता है। इस केन्द्र में दूर संचार केन्द्र, प्रेस कांफ्रेंस हॉल, प्रेस लाउंज, एक अल्पाहारगृह (कैफेटरिया) जैसी एक मीडिया केन्द्र की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

विभिन्न अभियानों की मुख्य बातें

5.2.1 वर्ष के दौरान पत्र सूचना कार्यालय ने अनेक प्रचार अभियान चलाए। इनमें भारत की आजादी की 50वीं वर्षगांठ,

1997-98 के दौरान पीआईबी की कुछ उपलब्धियां
(अप्रैल 1997 से मार्च 1998 तक)

• मुख्यालय द्वारा कवर किया गया आबंटित कार्य	:	1,032
• समाचारपत्रों के लिए जारी खबरों से सम्बद्ध फोटो	:	1,474
• जारी किए गए फोटो प्रिंटों की संख्या	:	1,55,245
• प्रेस विज्ञप्तियों की संख्या	:	34,119
• जारी फीचरों की संख्या	:	1,294
• आयोजित किए गए संवाददाता सम्मेलनों की संख्या	:	732
• आयोजित किए गए 'प्रेस टुअर' की संख्या	:	67

पत्र सूचना कार्यालय के क्षेत्रीय/शाखा कार्यालय

क्षेत्रीय कार्यालय का नाम	शाखा कार्यालय	कार्यालय बनाम सूचना केन्द्र	सूचना केन्द्र	कैम्प कार्यालय	कुल
1. **उत्तरी क्षेत्र** चंडीगढ़	1. जम्मू 2. शिमला	1. श्रीनगर 2. जालंधर	नई दिल्ली		6
2. **मध्य क्षेत्र** भोपाल	1. जयपुर 2. इंदौर 3. कोटा 4. जोधपुर				5
3. **पूर्व-मध्य क्षेत्र** लखनऊ	1. वाराणसी 2. कानपुर 3. पटना				4
4. **पूर्वी क्षेत्र** कलकत्ता	1. कटक 2. अगरतला	गंगटोक	पोर्ट ब्लेयर	भुवनेश्वर	6
5. **उत्तर-पूर्वी क्षेत्र** गुवाहाटी	शिलांग	1. कोहिमा 2. इम्फाल	आइज़ोल		5
6. **दक्षिण-मध्य क्षेत्र** हैदराबाद	1. विजयवाड़ा 2. बंगलौर				3
7. **दक्षिणी क्षेत्र** चेन्नई	1. कालीकट 2. मदुरै 3. तिरुअनंतपुरम 4. कोच्चि				5
8. **पश्चिमी क्षेत्र** मुम्बई	1. नागपुर 2. पुणे 3. पणजी 4. अहमदाबाद 5. राजकोट 6. नांदेड़				7
कुल-क्षेत्रीय कार्यालय-8	24	5	3	1	41

12वां गुटनिरपेक्ष मंत्री स्तरीय सम्मेलन, आय की स्वैच्छिक घोषणा योजना, स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री का राष्ट्र को संबोधन, इनसैट-2डी और भारतीय दूर संवेदी उपग्रह आई आर एस-1डी, अंटार्कटिका पर 17वां वैज्ञानिक अभियान, प्रधानमंत्री की अमरीका और दक्षिण अफ्रीका यात्रा, मदर टेरेसा का देहांत, सरकारी कर्मचारियों के लिए पांचवां वेतन आयोग, निर्यात संवर्द्धन बोर्ड की स्थापना, निर्दिष्ट एजेंसियों को ओजीएल के तहत सोने और चांदी के आयात की अनुमति देना आदि प्रमुख थे।

5.2.2 स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ मनाने के सिलसिले में पी आई बी ने अनेक फीचर लेख जारी किए। ये लेख निम्नांकित शृंखलाओं में जारी किए गए: (1) स्वाधीनता आंदोलन की गाथा; (2) भारत प्रगति की ओर; (3) भारत रत्न; और (4) इन्फो नगेट्स।

फोटोग्राफों और फोटो फ़ीचरों की भी एक शृंखला जारी की गई, जिसमें आजादी मिलने के बाद से देश में लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत बनाने की दिशा में हुई ऐतिहासिक उपलब्धियों और विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी, कृषि, उद्योग, ग्रामीण विकास, शिक्षा, महिलाओं को अधिकार देने आदि को प्रदर्शित किया गया।

5.2.3 लोगों में जागरूकता पैदा करने के कई अभियानों के लिए व्यापक प्रचार का प्रबंध किया गया। इनमें जनसंख्या विस्फोटों की समस्या, एड्स नियंत्रण, पल्स पोलिया टीका कार्यक्रम सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी उपाय, गरीबी उन्मूलन और रोजगार के अवसर पैदा करने संबंधी कार्यक्रम, प्रदूषण नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण, समाज में महिलाओं और बच्चों की स्थिति आदि शामिल हैं। पत्र सूचना कार्यालय ने लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली शुरू किए जाने के बारे में व्यापक कवरेज की व्यवस्था की। गरीबी के लिए बनाई गई इस प्रणाली के प्रति उपभोक्ताओं में जागरूकता लाने के लिए अनेक प्रेस-विज्ञप्तियां जारी की गईं।

5.2.4 पत्र सूचना कार्यालय ने सितंबर, 1997 में आर्थिक संपादकों के वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें मीडिया के 200 से अधिक वरिष्ठ व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन का उद्घाटन वित्तमंत्री ने किया और इसे 10 अन्य मंत्रियों ने संबोधित किया। नवरत्न योजना के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के नौ प्रमुख प्रतिष्ठानों को संचालनगत स्वतंत्रता देने के सरकार के फैसले का व्यापक प्रचार किया गया। विनिवेश आयोग की रिपोर्ट का भी व्यापक प्रचार किया गया। इंटरनेट सेवाओं के निजीकरण के सरकार के फैसले का प्रचार करने के लिए विशेष प्रयास किया गया। आर्थिक सहयोग संबंधी सार्क समिति की आठवीं बैठक, राज्यों के वित्तमंत्रियों की बैठक, 12 शहरों में लागू आर्थिक मानदंडों पर आधारित आयकर रिटर्न भरना, भारत को संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम से 5.20 करोड़ डालर की सहायता बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए आयकर अध्यादेश जारी किया जाना, आदि घटनाओं के मल्टी-मीडिया प्रचार की व्यवस्था की गई।

5.2.5 पत्र-सूचना कार्यालय ने फरवरी-मार्च 1998 में हुए आम चुनावों से संबंधित जानकारी और परिणामों की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए व्यापक प्रबंध किए। पत्र-सूचना कार्यालय के सभी 41 क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों में चुनाव मीडिया डेस्क बनाए गए। ये डेस्क हॉटलाइनों, कंप्यूटरों, वीडियो कांफ्रेंसों, फैक्स, एस.टी.डी. टेलीफोनों और टेलीप्रिंटरों के जरिए मुख्यालय से जोड़े गए। देश भर में कार्यरत 256 क्षेत्र प्रचार अधिकारी इस नेटवर्क के काम में सहयोग दे रहे थे। मुख्यालय में चुनाव मीडिया केन्द्र ने देश भर में प्राप्त चुनाव-संबंधी सूचनाओं के समन्वय और इनकी जानकारी लोगों तक पहुंचाने का काम किया। चुनाव प्रक्रिया संपन्न हो जाने तक सभी मीडिया सैंटर दिन-रात काम करते रहे।

5.2.6 चुनावों के दौरान 11 क्षेत्रीय केन्द्रों को शामिल करते हुए 25 वीडियो कांफ्रेंसिंग सेशन आयोजित किए गए। इनमें करीब 150 पत्रकारों, राजनैतिक विश्लेषकों और विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. एम.एस. गिल सहित अनेक अति महत्वपूर्ण व्यक्ति मीडिया सेंटर में पधारे और इन्होंने टेली कांफ्रेंसिंग के जरिए दिल्ली से बाहर के पत्रकारों से बातचीत की। पत्र सूचना कार्यालय ने चुनावों के बारे में 4 चुनाव हैंडबुक, 54 बैकग्राउंडर और एक सौ से ज्यादा विश्लेषणात्मक रिपोर्टें जारी कीं। मीडिया सेंटर में चुनाव संबंधी आंकड़ों के प्रदर्शन के विशेष प्रबंध किए गए। इस अवसर पर, पत्र सूचना कार्यालय के इतिहास और प्रगति के बारे में मीडिया सेंटर में प्रदर्शनी भी लगाई गई।

5.2.7 1997-98 के दौरान गणतंत्र दिवस समारोह, एस यू-30 विमानों का भारतीय वायुसेना में शामिल किया जाना, नौसैनिक जहाज आईएनएस दिल्ली का जलावतरण, संयुक्त राष्ट्र

अंगोला जांच मिशन (यूएनएवीईएम-III) पर गई भारतीय बटालियन के लिए संयुक्त राष्ट्र पदक, विशेष कमीशंड ऑफिसर के रूप में सेना में कमीशन प्राप्त करने के नये तरीके सेना और वायुसेना के लिए पृथ्वी प्रक्षेपास्त्र का विकास, डॉ० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को भारत-रत्न से सम्मानित किया जाना और कम दूरी तक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल 'त्रिशूल' की परीक्षण उड़ानों का सफलतापूर्वक पूरा होना जैसी घटनाओं पर बल दिया गया।

5.2.8 संवाददाताओं को कुछ महत्त्वपूर्ण और ताजा घटनाओं की जानकारी दी गई। तीनमूर्ति पर आयोजित विज्ञान-प्रदर्शनी के लिए व्यापक प्रचार की व्यवस्था की गई। इसका आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्वाधीनता की 50वीं वर्षगांठ समारोह के अंग के रूप में किया गया था। जुलाई 1997 में बाल मजदूरी और प्रस्तावित कृषि-श्रमिक अधिनियम के बारे में राज्यों के श्रम मंत्रियों के सम्मेलन का प्रचार किया गया। चुनाव-सुधारों पर विचार करने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित सर्वदलीय बैठक, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव और दोषारोपित व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से रोकने के उपाय आदि का प्रचार किया गया। महिलाओं को अधिकार देने, सबके लिए प्राथमिक शिक्षा, बालिकाओं की बेहतर देख-रेख पोषाहार शिक्षण की आवश्यकता, लड़कियों के स्तर में सुधार, बिना बारी आबंटित मकानों को नियमित करने के बारे में राष्ट्रपति के अध्यादेश, दिल्ली भवन कानूनों में परिवर्तन, आदि अनेक विषयों का भी प्रचार किया गया।

5.2.9 चौथे राष्ट्रीय खेलों और संस्कृति एवं कृष्ण-चेतना विकास केन्द्र का उद्घाटन, महिला प्रधान केन्द्रीय बचत योजना दिवस का रजत जयंती समारोह आदि की मल्टी-मीडिया कवरेज की गई। प्रसारण विधेयक, 1997 के बारे में संयुक्त संसदीय समिति और आजादी की 50वीं वर्षगांठ के सिलसिले में आयोजित 10 दिन की बहुमाध्यम प्रदर्शनी, हैदराबाद में 14 से 23 नवम्बर, 1997 के बीच आयोजित बाल एवं किशोर फिल्मोत्सव का विशेष प्रचार किया गया।

5.2.10 वर्ष के दौरान भारत की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती समारोह के सिलसिले में कई कार्यशालाओं और विचार गोष्ठियों का आयोजन किया गया। नई दिल्ली और लखनऊ में उर्दू पत्रकारों के लिए दो कम्प्यूटर कार्यशालाएं आयोजित की गईं। व्यापार पत्रकारिता के बारे में हफ्ते भर का प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्यालय में 'रायटर' के सहयोग से आयोजित किया गया।

5.2.11 ब्यूरो के मुख्यालय क्षेत्रीय/शाखा कार्यालयों द्वारा लगभग 67 प्रेस टुअर आयोजित किए गए।

5.2.12 जयपुर कार्यालय से मासिक पत्रिका 'मरुगंधा' का नियमित रूप से प्रकाशन किया गया। अगस्त में स्वाधीनता की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए इस पत्रिका का विशेषांक निकाला गया।

5.2.13 10 से 20 जनवरी, 1998 के बीच नई दिल्ली में आयोजित भारत के 29वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह की मीडिया कवरेज के लिए पत्र सूचना कार्यालय ने मीडिया केन्द्र स्थापित किया। सूचनाओं के संप्रेषण, प्रेस विज्ञप्तियों, फिल्मों के सिनोप्सिस, फोटो कवरेज और प्रतिनिधियों तथा अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों के संवाददाता सम्मेलनों के आयोजन के लिए पी आई बी द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए।

6

समाचारपत्रों का पंजीयन

भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक

6.1.1 भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक का कार्यालय सूचना और प्रसारण मंत्रालय का एक संबद्ध संगठन है। अपने सांविधिक कार्यों के एक अंग के रूप में यह कार्यालय समाचारपत्रों के शीर्षकों की उपलब्धता की जांच और उनका विनियमन करता है, उनका पंजीकरण करता है, प्रसारण संबंधी दावों का सत्यापन करता है और समाचारपत्रों पर विस्तृत सूचना के साथ एक वार्षिक रिपोर्ट 'प्रेस इन इंडिया' निकालता है। गैर-सांविधिक कार्यों के अंग के रूप में पंजीयक का कार्यालय समाचारपत्रों को अखबारी कागज के आयात के लिए प्रमाणपत्र जारी करता है और देसी अखबारी कागज मिलों से न्यूज प्रिंट की खरीद के लिए अधिकार-पत्र भी जारी करता है। इसके अलावा समाचारपत्रों को प्रिंटिंग मशीनरी की आयात की जरूरत और संबद्ध सामग्री की आवश्यकताओं का भी सत्यापन करता है।

6.1.2 1997-98 के दौरान पंजीयक के कार्यालय ने समाचारपत्रों के शीर्षकों की उपलब्धता संबंधी 19,494 आवेदनों की जांच की, जिनमें से 8,599 शीर्षकों को आबंटित किया गया। बाकी शीर्षक उपलब्ध नहीं थे। इसी अवधि के दौरान 3,082 (2,273 नये और 809 संशोधित प्रमाणपत्र) समाचारपत्रों/पत्रिकाओं को पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी किए गए तथा 1,651 समाचारपत्रों/पत्रिकाओं के प्रसार संबंधी दावों की जांच की गई।

6.1.3 प्रिंट मीडिया पर सूचना की वार्षिक रिपोर्ट 'प्रेस इन इंडिया 1996' का मुद्रण कराया गया और उसे बिक्री के लिए जारी किया गया। 'प्रेस इन इंडिया-1997' के जून 1998 तक बिक्री के लिए जारी कर दिए जाने की उम्मीद है।

अखबारी कागज

6.2.1 समाचारपत्रों के प्रकाशन के लिए अखबारी कागज एक बहुत ही अहम सामग्री है। अखबारों के लिए यह लगभग अनिवार्य वस्तु है। 1994-95 तक अखबारी कागज का आबंटन अखबारी कागज नियंत्रण आदेश, 1962 तथा सरकार द्वारा हर वर्ष घोषित की जाने वाली अखबारी कागज आयात नीति द्वारा नियमित किया जाता था। समाचारपत्रों को कागज के आयात और अनुसूचित देसी अखबारी कागज मिलों से खरीद के लिए अधिकार-पत्र जारी किए जाते थे। हालांकि सरकार की आयात नीति के मद्देनजर प्रत्येक वर्ष अखबारी कागज नीति को संशोधित किया जाता रहा है।

6.2.2 पहली मई, 1995 से अखबारी कागज को 'सामान्य खुला लाइसेंस' के तहत ला दिया गया और ग्लेज्ड कागज सहित सभी तरह के अखबारी कागजों का आयात किसी भी नागरिक के लिए बिना किसी सीमा शुल्क के पूरी तरह मुक्त कर दिया गया। यह नीति 28 अक्तूबर, 1996 तक जारी रही। लेकिन 29 अक्तूबर, 1996 से अखबारी कागज के आयात पर वित्त मंत्रालय ने दस प्रतिशत सीमा शुल्क लगा दिया है। पंजीयक के कार्यालय में पंजीकृत समाचारपत्रों द्वारा देसी मिलों से खरीदे गए अखबारी कागज को उत्पात शुल्क से मुक्त रखा गया है। छोटे और मझोले समाचारपत्रों के हितों की रक्षा के लिए उद्योग मंत्रालय के औद्योगिक नीति और प्रोन्नति विभाग ने अनुसूचित मिलों के खुले अखबारी कागज के उत्पादन का एक तिहाई हिस्सा आरक्षित कर दिया है। इस नीति के तहत पंजीयक का कार्यालय अनुसूचित मिलों से आरक्षित कोटे से देसी अखबारी कागज की खरीद के लिए उन समाचारपत्र/पत्रिकाओं को अधिकार-पत्र जारी करता है, जिनकी अखबारी कागज की कुल वार्षिक जरूरत 200 मीट्रिक टन से कम है और जिनकी प्रसार संख्या 75,000 प्रतियां प्रति प्रकाशन दिवस से कम है। यह अधिकार-पत्र इस श्रेणी के समाचारपत्रों से आवेदन प्राप्त होने पर ही जारी किए जाते हैं।

6.2.3 1997-98 के दौरान 107 प्रमाणित पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी किए गए और सात ऐसे समाचारपत्रों से उत्पाद शुल्क की छूट संबंधी आवेदनों पर निर्णय लिए गए, जिनकी कुल अखबारी कागज की मात्रा 892.785 मीट्रिक टन थी।

प्रिंटिंग मशीनरी

6.3 1997-98 के दौरान प्रिंटिंग मशीनरी तथा संबद्ध उपकरणों के आयात पर रियायती दर से सीमा शुल्क लगाने के सात प्रतिष्ठनों के आवेदनों की अनुशंसा की गई।

इसी अवधि के दौरान दस प्रकाशनों को 'बी' श्रेणी का प्रमाणपत्र जारी किया गया और एल.पी.जी. कोटा के लिए दो आवेदनों को अंतिम रूप दिया गया।

7

प्रकाशन

प्रकाशन विभाग

7.1.1 प्रकाशन विभाग देश के सबसे बड़े प्रकाशन संस्थानों में से एक है। इसकी स्थापना सन् 1941 में ब्यूरो ऑव पब्लिक इंन्फॉर्मेशन की एक शाखा के रूप में हुई। इसे वर्तमान स्वरूप 1944 में मिला। विभाग का लक्ष्य आम लोगों में सूचना का प्रसार करना और विभिन्न भाषाओं में अपने प्रकाशनों के जरिए उचित कीमत पर जानकारीपूर्ण और शिक्षाप्रद साहित्य उपलब्ध कराना है। यह विभिन्न क्षेत्रों, मत-मतांतरों और अन्य प्रकार के लोगों के बीच जागरूकता फैलाकर राष्ट्रीय एकता बनाए रखने के दायित्व का भी निर्वहन करता है। विभाग ने अब तक लगभग 7,000 पुस्तकें प्रकाशित की हैं जिनमें से लगभग 2,000 पुस्तकें अभी भी उपलब्ध हैं।

7.1.2 विभाग को 'संपूर्ण गांधी वाङ्मय' जो अब तक की संभवत: सबसे ज्यादा खंडों वाली परियोजना है, को प्रकाशित करने का गौरव प्राप्त है। अंग्रेजी में इसके 100 खंड तथा हिन्दी में अब तक 87 खंड प्रकाशित किए जा चुके हैं। इनमें से चार खंड इस वर्ष प्रकाशित किए गए। विभाग इस समय भारत की स्वतंत्रता के पचासवें वर्ष के अवसर पर गांधीजी पर एक

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में प्रकाशन विभाग के बिक्री काउंटर पर पुस्तक प्रेमी

मल्टी मीडिया इंटैरैक्टिव कॉम्पैक्ट डिस्क (सीडी) के प्रस्ताव पर काम कर रहा है। यह कॉम्पेक्ट डिस्क 'संपूर्ण गांधी वाङ्मय' पर आधारित होगा। इसके अलावा प्रकाशन विभाग संपूर्ण गांधी वाङ्मय पर एक इलेक्ट्रॉनिक पुस्तक भी प्रकाशित कर रहा है।

पुस्तकें

7.2.1 भारत की स्वतंत्रता के 50वें वर्ष के अवसर पर प्रकाशन विभाग ने स्वतंत्रता सेनानियों के संस्मरणों वाली दो पुस्तकें—एक हिन्दी और एक अंग्रेजी में प्रकाशित कीं। इनमें जीवित स्वतंत्रता सेनानियों के साक्षात्कार संकलित किए गए हैं। 'याद कर लेना कभी' शीर्षक से एक अन्य पुस्तक भी प्रकाशित की गई जिसमें शहीदों के पत्रों को शामिल किया गया है। इन पुस्तकों को प्रकाशित करने का मकसद आज की युवा पीढ़ी के मन में स्वतंत्रता संग्राम का जोश पैदा करना है। विशेष रूप से आयोजित एक समारोह में सूचना और प्रसारण मंत्री ने इन पुस्तकों का लोकार्पण किया। पांच स्वतंत्रता सेनानियों, जिनके साक्षात्कार संस्मरणों की पुस्तक 'यादों के झरोखे' में शामिल किए गए थे, को इस समारोह में सम्मानित भी किया गया।

7.2.2 स्वतंत्रता की स्वर्णजयंती समारोहों के सिलसिले में हिन्दी में डॉ० ताराचंद की पुस्तक 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास' चार खंडों में और बच्चों के लिए 'हिस्ट्री ऑव इंडिया' तथा '1857 : ए पिक्टोरियल प्रेजेंटेशन' का पुनर्मुद्रण भी किया गया। आजादी की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर श्रद्धांजलि स्वरूप एक सचित्र 'प्लानर 1998' भी प्रकाशित किया गया।

7.2.3 1997-98 के दौरान हिन्दी, अंग्रेजी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में 154 पुस्तकें प्रकाशित हुईं। अंग्रेजी में प्रकाशित कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकों के नाम इस प्रकार हैं : 'सिटिजंस एंड द कंस्टीट्यूशन', 'इंडियन प्रेस सिंस 1955', 'कॉमन मेन्स गाइड टू राइट्स एंड फैसिलिटिज', 'कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी एंड डेवलपमेंट', 'इंडिया 1998--ए रेफरेंस एनुअल' और 'प्रेस इन इंडिया; 1996'। अन्य महत्वपूर्ण प्रकाशनों में 'इंडिया इन ऑर्बिट', 'लाइफ एंड एनवायरनमैंट--ए फोटो एलबम' और डॉ. नगेन्द्र सिंह : एमेनी स्पलेंडर्ड लाइफ' शामिल हैं। 'स्टेट्स सीरिज़' में हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा और मिज़ोरम पर पुस्तकें प्रकाशित की गईं। 'सिटी सीरिज' के तहत हैदराबाद और बंगलौर पर पुस्तकें प्रकाशित हुईं। रिपोर्ट की अवधि के दौरान जिन महत्वपूर्ण पुस्तकों का पुनर्मुद्रण हुआ उनमें अंग्रेजी में प्रकाशित 'गॉस्पेल ऑव बुद्धा, 2500 इयर्स ऑव बुद्धिज्म', 'चिल्ड्रेन्स हिस्ट्री ऑव इंडिया', 'एडवेंचर्स ऑव ए स्पेसक्राफ्ट' तथा 'हिस्ट्री ऑव इंडियन जर्नलिज्म' और हिन्दी की 'राजस्थान के नारी रत्न', 'स्वामी विवेकानंद', 'सरोजिनी नायडू', 'बालगंगाधर तिलक', 'चितरंजन दास', 'उत्तर प्रदेश की लोककथाएं', 'बौद्ध धर्म के 2500 वर्ष', 'विश्व की श्रेष्ठ लोककथाएं', 'भारत के महान शिक्षाशास्त्री', 'क्रांतिकारियों का बचपन' और 'भारत के लोकगाथा गीत' शीर्षक पुस्तकें शामिल हैं।

7.2.4 हिन्दी में प्रकाशित महत्वपूर्ण पुस्तकों में 'हिन्दी : राष्ट्रभाषा से राजभाषा तक', 'लोकगीतों में क्रांतिकारी चेतना', 'भारतीय चित्रकला में संगीत तत्व', 'उत्तर-मध्य क्षेत्र की लोक संस्कृति', 'भारतीय जनजातियां : अतीत के झरोखे से', 'भारत का संक्षिप्त इतिहास', 'शांतिदूत गांधी', 'आचार्य विनोबा भावे', 'मजहरुल हक' और 'बिपिनचंद्र पाल' शामिल हैं। बाल-साहित्य के अंतर्गत सत्यजित राय की कहानियों के हिंदी रूपांतरों के दो संकलन--'हंसने वाला कुत्ता और 'बाघ की तलाश' प्रकाशित किए गए।

7.2.5 विभाग द्वारा प्रकाशित अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकों में उर्दू में प्रकाशित 'बदरुद्दीन तैयबजी', 'मजहरुल हक', 'जवाहरलाल नेहरू', गुजराती में 'धनुवां राजा', 'स्वामी दयानंद सरस्वती', 'मैडम भीकाजी रुस्तम कामा' 'मराठी में प्रकाशित 'डा० एन.एस. हार्डीकर', 'आर.एन. टैगोर' और तमिल में 'कोटेबल कोट्स : सुब्रह्मण्यम भारती' शामिल हैं। अंग्रेजी पुस्तक 'एन आउटलाइन हिस्ट्री ऑफ इंडियन पीपुल' के तमिल, बांग्ला, मराठी और गुजराती संस्करण भी प्रकाशित किए गए।

7.2.6 विभाग इस समय नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की रचनाओं तथा पत्र-व्यवहार आदि के संकलन की 'नेताजी सम्पूर्ण वाङ्मय' परियोजना के तहत हिन्दी में नौ खंडों के प्रकाशन के लिए काम कर रहा है। इनमें से आठ खंड प्रकाशित हो चुके हैं।

7.2.7 विभाग भारतीय भाषाओं में अधिक से अधिक पुस्तकें उपलब्ध कराने पर जोर दे रहा है। मूल हिन्दी/अंग्रेजी से अनूदित

संस्करणों के अलावा बड़ी संख्या में क्षेत्रीय भाषाओं की नई पुस्तकें प्रकाशित की जा रही हैं। इनमें से एक योजना श्रेष्ठ आधुनिक भारतीय कृतियों का क्षेत्रीय भाषाओं में संक्षिप्त और सहज संस्करण प्रकाशित करने की है। उनका बाद में दूसरी भाषाओं में अनुवाद कराया जाएगा। इसका मकसद एक क्षेत्रीय भाषा में प्रकाशित पुस्तकों को अन्य भाषाओं के पाठकों तक पहुंचाना है।

7.2.8 प्रकाशन विभाग अपने प्रकाशनों के अतिरिक्त नेशनल बुक ट्रस्ट, साहित्य अकादमी, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारतीय राष्ट्रीय कला और संस्कृति ट्रस्ट, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, राष्ट्रीय संग्रहालय, राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी, भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण, रक्षा मंत्रालय, विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय और लघु उद्योग विकास कमिश्नर का कार्यालय जैसे अन्य सरकारी एवं अर्द्धसरकारी संस्थानों द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की बिक्री का कार्य भी करता है।

पत्रिकाएं

7.3.1 पुस्तकों के अलावा प्रकाशन विभाग हिन्दी, अंग्रेजी तथा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में 'इंप्लायमेंट न्यूज' सहित 21 पत्रिकाएं भी प्रकाशित करता है।

7.3.2 विभाग की एक महत्वपूर्ण मासिक पत्रिका 'योजना' समाज के सभी वर्गों में नियोजन के संदेश और देश में हो रहे सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का प्रचार करती है। यह पत्रिका 13 भाषाओं—असमिया, बांग्ला, अंग्रेजी, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू में प्रकाशित की जाती है। इस वर्ष इसके स्वतंत्रता दिवस विशेषांक का विषय 'विकास और पर्यावरण' था। इसमें सरकारी क्षेत्र, निजी क्षेत्र, स्वयंसेवी संगठनों और पत्रकारिता आदि क्षेत्रों के विशेषज्ञ लेखकों के लेखों के जरिए विभिन्न क्षेत्रों में इन दोनों के अंतर्संबंधों को उजागर किया गया था। इंदिरा महिला योजना, ग्रामीण आवास और जीवनस्तर में सुधार, बाल-श्रम का उन्मूलन, महिलाओं को अधिकार और ग्रामीण विकास, गांवों में निर्धनता और सार्वजनिक वितरण प्रणाली तथा मिलियन वेल्स योजना जैसे खास क्षेत्रों में सरकार द्वारा दिए जा रहे विशेष बल पर लेख प्रकाशित किए गए।

7.3.3 नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जन्म शताब्दी और श्री अरविंद की 125वीं जयंती के अवसर पर विशेष लेख मंगाए गए जिनमें स्वाधीनता संघर्ष में उनके योगदान का वर्णन था। देश की स्वतंत्रता की स्वर्णजयंती के मौके पर विभाग द्वारा दिया गया मीडिया समर्थन वर्ष की उल्लेखनीय घटना रही। 'योजना' का गणतंत्र दिवस विशेषांक 'बुनियादी ढांचागत क्षेत्र' पर आधारित था जिसमें आर्थिक विकास में इस क्षेत्र के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसके अलावा, अर्थव्यवस्था, कृषि, विदेश व्यापार तथा उद्योग जैसे विषयों पर विशेष लेख प्रकाशित किए गए।

7.3.4 ग्रामीण विकास को समर्पित पत्रिका 'कुरुक्षेत्र' हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित की जाती है। इसे ग्रामीण क्षेत्र एवं रोजगार मंत्रालय के लिए प्रकाशित किया जाता है। आजादी की स्वर्णजयंती के उपलक्ष्य में इस पत्रिका का एक स्वर्णजयंती अंक प्रकाशित किया गया ताकि देश की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला जा सके। अप्रैल 1997 अंक में नौवीं पंचवर्षीय योजना के दृष्टिकोण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। 'कुरुक्षेत्र' के हिन्दी संस्करण में ग्रामीण बैंक, पर्यावरणीय प्रदूषण, ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धनता और महिलाओं की भूमिका जैसे मुद्दों को शामिल किया गया। इसने बाल श्रम, नौवीं योजना और पंचायती राज पर अपने विशेषांक भी निकाले।

7.3.5 विभाग द्वारा प्रकाशित हिन्दी की लोकप्रिय बाल पत्रिका 'बालभारती' का प्रकाशन जून 1948 से किया जा रहा है। जून 1997 में इस पत्रिका ने अपने प्रकाशन के पचासवें वर्ष में प्रवेश किया। इस अवसर पर एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया जिसमें माननीय सूचना और प्रसारण मंत्री ने पत्रिका के स्वर्ण जयंती अंक का लोकार्पण किया। पत्रिका का अगस्त 1997 अंक स्वतंत्रता संघर्ष की गाथा को समर्पित था जबकि फरवरी 1998 अंक विज्ञान पर केन्द्रित था। यह अंक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में प्रकाशित किया गया जो हर वर्ष 27 फरवरी को मनाया जाता है।

7.3.6 साहित्यिक-सांस्कृतिक मासिक पत्रिका 'आजकल' का प्रकाशन हिन्दी और उर्दू में किया जाता है। 'आजकल' (हिन्दी) ने कई विशेषांक प्रकाशित किए। इसने अपने फरवरी-मार्च 1997 अंक में प्रख्यात उर्दू कवि फ़िराक गोरखपुरी पर विशेष लेख प्रकाशित किए। जून अंक में सुभाषचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज पर भी सामग्री प्रकाशित की गई जो वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी कैप्टन लक्ष्मी सहगल के साक्षात्कार पर

आधारित था। जुलाई अंक अग्रणी हिन्दी कवि पं. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की जन्मशती पर केन्द्रित था। अगस्त 1997 अंक 'आजकल' का एक अन्य विशेषांक था जो स्वाधीनता के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में था। अक्तूबर 97 अंक में प्रख्यात कन्नड़ लेखक के. शिवराम कारंत को शामिल किया गया था। पत्रिका का दिसंबर 1997 अंक महान उर्दू कवि मिर्ज़ा ग़ालिब की दूसरी जन्मशताब्दी के मौके पर इस महान कवि को समर्पित था।

7.3.7 हिन्दी और उर्दू में प्रत्येक सप्ताह प्रकाशित होने वाला 'रोज़गार समाचार' तथा अंग्रेजी में प्रकाशित 'एम्प्लायमेंट न्यूज' इस समय सबसे ज्यादा प्रसारित होने वाला कैरियर गाइड है। केन्द्र तथा राज्य सरकारों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निजी संगठनों के रोजगार के अवसरों संबंधी सभी विज्ञापन इस पत्र में प्रकाशित किए जाते हैं। इसमें सिविल सेवा परीक्षा पाठ्यक्रम तथा अन्य प्रतियोगियों/छात्रों के लिए उपयोगी सूचनाप्रद लेख तथा स्तंभ प्रकाशित होते हैं। राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं और समसामयिक विषयों पर केन्द्रित स्तंभ 'डायरी ऑव इवेंट्स' के अतिरिक्त इस साप्ताहिक पत्र में कम्पयूटर, इंटरनेट, पर्यावरण, जनसंख्या नियंत्रण आदि पर नियमित स्तंभ प्रकाशित किए गए। हिन्दी, उर्दू और अंग्रेजी को मिलाकर इस पत्रिका की प्रसार संख्या 5.50 लाख प्रतियों से भी ज्यादा हैं। निकट भविष्य में इस पत्र की प्रत्येक जिले में बिक्री केन्द्र खोलने की योजना है ताकि और अधिक रोजगार की तलाश करने वाले लोगों तक यह पहुंच सके और उन्हें लाभान्वित कर सके।

विपणन

7.4 प्रकाशन विभाग अपने प्रकाशनों तथा अन्य सरकारी और अर्द्ध-सरकारी संगठनों के पुस्तकों की बिक्री नई दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, कलकत्ता, लखनऊ, चेन्नई, पटना और तिरुअनंतपुरम स्थित अपने बिक्री केन्द्रों और एजेंटों के जरिए करता है। विभाग ने पत्र सूचना कार्यालय के सहयोग से भोपाल, इंदौर और जयपुर में भी अपने बिक्री केन्द्र खोले। एक और बिक्री केन्द्र 'योजना' पत्रिका के बंगलौर स्थित कार्यालय में खोला गया है। विभाग ने पुस्तकों-पत्रिकाओं की बिक्री और विज्ञापनों के जरिए 1997-98 के दौरान 19.61 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। इसमें 'एम्प्लायमेंट न्यूज' इकाई द्वारा अर्जित राजस्व भी शामिल है।

प्रदर्शनियां

7.5 रिपोर्ट की अवधि के दौरान विभाग ने देशभर में लगभग 70 प्रदर्शनियों/पुस्तक मेलों में भाग लिया अथवा उन्हें आयोजित किया। इस साल विभाग ने चंडीगढ़, अमृतसर, लुधियाना, पुणे और दिल्ली में स्वतंत्र रूप से भी प्रदर्शनियां आयोजित कीं।

पुरस्कार

7.6 प्रकाशन विभाग ने भारतीय प्रकाशक संघ से विभिन्न वर्गों के तहत पुस्तक प्रकाशन के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए कई पुरस्कार जीते। 'ए मोमेंट इन टाइम विद लेजेंड्स ऑव इंडियन आर्ट' नामक पुस्तक को कला पुस्तक वर्ग में द्वितीय पुरस्कार और जैकेट्स वर्ग में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। संदर्भ पुस्तक वर्ग में 'फॉरगॉटन मॉन्यूमेंट्स ऑव उड़ीसा' को पहला पुरस्कार मिला। कला पुस्तक वर्ग में 'ग़ालिब--ए हंड्रेड मूडस' को उत्कृष्टता प्रमाणपत्र तथा जैकेट्स के वर्ग में 'हिन्दी : मत-अभिमत' को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

8

क्षेत्रीय प्रचार

क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय

8.1.1 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय मंत्रालय का अंतर-वैयक्तिक संचार माध्यम है जो मुख्य रूप से सबसे निचले स्तर पर कार्यरत है। इसकी स्थापना 1953 में 'पंचवर्षीय योजना प्रचार संगठन' नाम से की गई थी और पंचवर्षीय योजनाओं का प्रचार करना इसका प्रमुख उद्देश्य था। बाद में इसका कार्य संचालन क्षेत्र योजना संबंधी प्रचार कार्यों की सीमाओं से आगे बढ़ गया तथा सरकार की सभी नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं का प्रचार कार्य इसके दायरे में आ गया। दिसंबर 1959 में इस संगठन का नाम 'क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय' रखा गया।

8.1.2 निदेशालय ने राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाई है। इस संगठन की क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों के व्यापक तंत्र ने देश के उन दूर-दराज के गांवों में भी पहुंचने में सहायता की है जहां जनसंचार के अन्य माध्यम अब भी पहुंच नहीं पाए हैं। सामूहिक चर्चाओं, फिल्म-प्रदर्शन, सार्वजनिक सभाओं, प्रदर्शनियों, सेमीनार, संगोष्ठियों और मनोरंजक कार्यक्रमों आदि के जरिए निदेशालय लोगों तक अपने संदेश पहुंचाता है और विकास की प्रक्रिया में सहभागी बनने के लिए उन्हें प्रेरित करता है। यह सरकार की नीतियों तथा विभिन्न कार्यक्रमों के प्रति लोगों की प्रतिक्रियाएं एकत्र करता है और उपयुक्त कार्रवाई तथा सुधार के उपायों पर

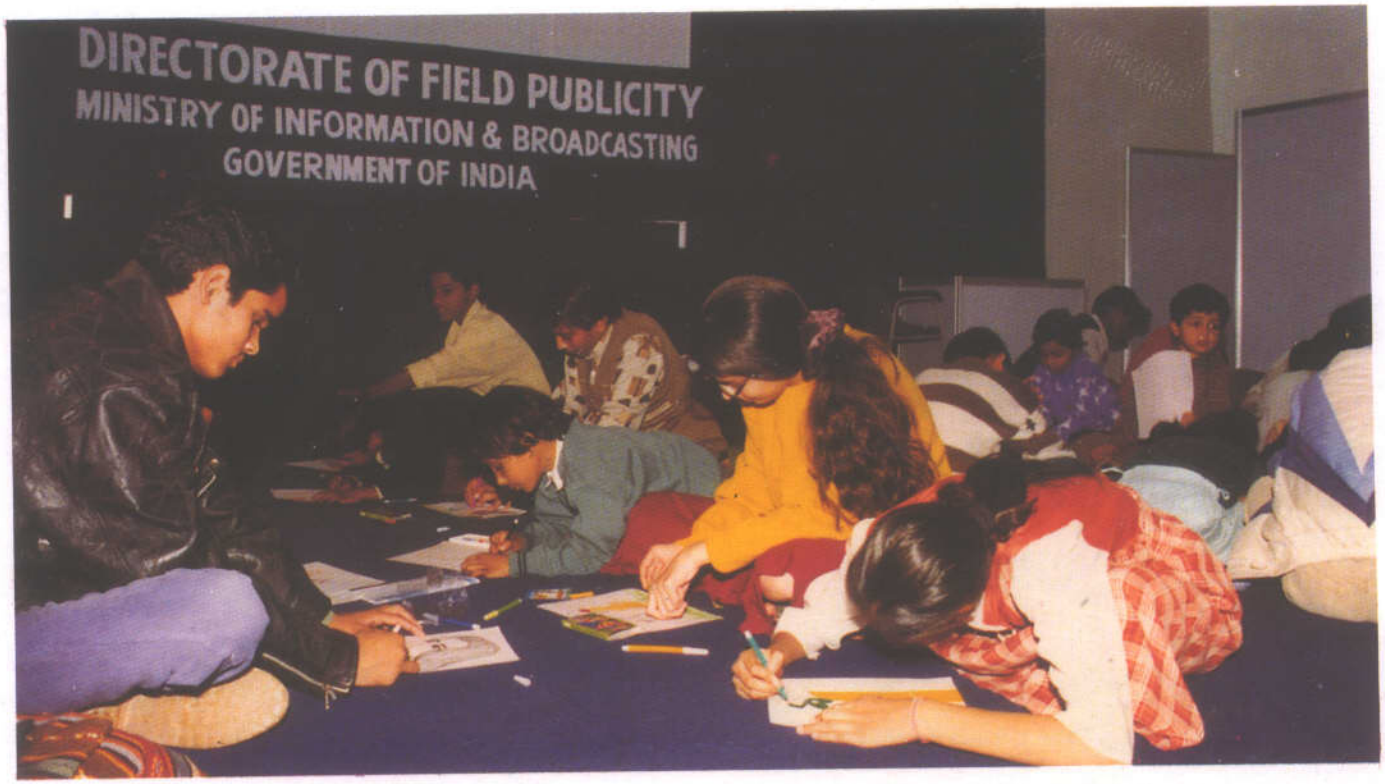

स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती समारोहों के दौरान क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय द्वारा आयोजित बाल चित्रकला प्रतियोगिता का एक दृश्य

सरकार को रिपोर्ट भेजता है। इस प्रकार यह निदेशालय लोगों तथा सरकार के बीच दोतरफा सेतु का काम करता है।

संगठन

8.2 निदेशालय का मुख्यालय नई दिल्ली में है और इसके 22 क्षेत्रीय कार्यालय तथा 268 क्षेत्रीय प्रचार इकाइयां हैं। इनमे 166 सामान्य इकाइयां, 72 सीमावर्ती इकाइयां तथा 30 परिवार कल्याण इकाइयां हैं। क्षेत्रीय कार्यालयों और क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों की सूची अध्याय के अंत में दी गई है।

कार्य निष्पादन

8.3 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय की इकाइयां लोगों तक मुख्य रूप से संचार के मौखिक अंतर-वैयक्तिक तरीकों जैसे सामूहिक चर्चाओं, जनसभाओं, संगोष्ठियों तथा परिचर्चाओं आदि के जरिए पहुंचती हैं। फिल्मों, फोटो प्रदर्शनियों और लोक कलाओं तथा नाटक कार्यक्रमों के जरिए इसे दृश्यगत सहायता उपलब्ध कराई जाती है। अधिक से अधिक लोगों को सहभागी बनाकर प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से परिचर्चाएं, चित्रकला, गायन, भाषण, नारे लिखने, संगोष्ठी, रंगोली, खेल तथा अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं।

1997-98 में आयोजित प्रमुख प्रचार कार्यों का विषय-वार लेखा निम्नलिखित है :

क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों का कार्य
(अप्रैल 1997— मार्च 1998)

फिल्म प्रदर्शन	49,958
मौखिक संप्रेषण	60,934
विशेष कार्यक्रम	10,372
फोटो प्रदर्शनियां	33,329
यात्रा दिवस	25,981

भारत की स्वतंत्रता की स्वर्णजयंती पर समारोह

8.4.1 इस वर्ष के दौरान निदेशालय का यह एक सर्वाधिक प्रमुख कार्य रहा। इसकी पूर्व-पाठिका के रुप में निबंध और भाषण प्रतियोगिताओं, परिचर्चाओं तथा संगोष्ठियों, देशभक्ति गीत, प्रतियोगिताओं और फिल्म शो जैसे विशेष कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वर्ष-पर्यंत चलने वाले समारोहों की विधिवत शुरुआत की गई। इसके उपलक्ष्य में क्षेत्रीय इकाइयों ने देशभर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। विभिन्न विशेष कार्यक्रमों के आयोजन के अलावा कर्नाटक क्षेत्र की सभी ग्यारह क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों ने अपने अधिकार क्षेत्र के दायरे में एक-एक पिछड़े गांव को अपनाया ताकि सरकारी और गैर-सरकारी विकास एजेंसियों को शामिल करके और बार-बार उनको जानकारी देकर उन्हें विकास की मुख्य धारा में सम्मिलित किया जा सके। इसके परिणामस्वरूप कई विकास योजनाओं की घोषणा की गई और इनमें से कुछ गांवों में काम चल रहा है।

8.4.2 वर्षभर चलने वाले समारोहों के एक अंग के रूप मे विभिन्न क्षेत्रों की क्षेत्रीय इकाइयां जिला स्तर पर पेंटिंग, निबंध लेखन और नारे लिखने जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कर रही हैं। अंतिम प्रतियोगिताएं संबद्ध क्षेत्रीय मुख्यालयों में आयोजित की जाएंगी। समूची शृंखला 14 अगस्त, 1998 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर की चित्रकला प्रतियोगिता के रूप में सम्पन्न होगी। क्षेत्रीय इकाइयां विभिन्न जिला मुख्यालयों में 12 दिवसीय फिल्म समारोहों का भी आयोजन कर रही हैं। इनमें दिखाई जाने वाली फिल्मों में 'तमस', 'मेकिंग ऑफ द महात्मा', और 'नेहरू' शामिल हैं।

राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव

8.5 राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव का विषय क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के कार्यक्रमों का एक प्रमुख नियमित घटक है। देशभर में, विशेषकर उपद्रवग्रस्त और जातीय या सांप्रदायिक गड़बड़ी वाले इलाकों में बड़े पैमाने पर फिल्म शो और फोटो प्रदर्शनियां आयोजित की गईं। प्रमुख स्थानीय मेलों और त्यौहारों तथा विशेष अवसरों जैसे सद्भावना दिवस, कौमी एकता दिवस, स्वतंत्रता दिवस, आतंकवाद-विरोधी दिवस और महात्मा गांधी तथा आम्बेडकर जैसे राष्ट्रीय नेताओं के जन्म दिवसों के मौके पर ऐसे विषयों की ओर विशेष ध्यान दिया गया।

ग्रामीण विकास और पंचायती राज

8.6 ग्रामीण विकास और पंचायती राज निदेशालय के लिए प्रचार का प्रमुख विषय रहा है। फिल्म शो, फोटो प्रर्दशनियों तथा प्रचार सामग्री के वितरण के साथ-साथ इस वर्ष के दौरान किसान सम्मेलनों, महिला सम्मेलनों, गोष्ठियों, समूह चर्चाओं, रैलियों, जनसभाओं, प्रश्नोत्तर कार्यक्रमों जैसी विभिन्न गतिविधियां चलती रहीं ताकि ग्रामीण विकास कार्य में लोगों की भागीदारी को

प्रोत्साहन दिया जा सके। कार्यक्रमों का मुख्य जोर 'राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम' पर था। क्षेत्रीय इकाइयों ने जून-जुलाई 1997 के दौरान दो महीने तक सघन बहु-माध्यम प्रचार अभियान चलाया और उसे देश के अत्यंत दुर्गम भागों के अत्यंत पिछड़े इलाकों में प्रचारित किया गया। अभियान अवधि में कुल 4,596 मौखिक संप्रेषण कार्यक्रम, संगोष्ठियों, परिचर्चाओं, प्रतियोगिताओं आदि जैसे 1,551 विशेष कार्यक्रम, 1,791 फोटो प्रदर्शनियां और 416 गीत और नाटक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, असम, उड़ीसा, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तरप्रदेश और जम्मू और कश्मीर राज्यों में सर्वाधिक सघन प्रचार किए गए।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण

8.7.1 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय ने आमतौर पर होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और परिवार कल्याण के विभिन्न पहलुओं के बारे में सामान्य जागरूकता पैदा करने के लिए सघन प्रचार अभियान चलाया। स्वास्थ्य के मोर्चे पर एड्स के बारे में जागरूकता पैदा करने के मसले की ओर एक बार फिर सबसे ज्यादा ध्यान दिया गया। भोपाल और लखनऊ क्षेत्रीय कर्यालयों ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार के क्षेत्र प्रचार अधिकारियों और क्षेत्र प्रचार सहायकों के लिए ओरिएंटेशन कार्यशालाएं आयोजित कीं। प्रत्येक क्षेत्रीय इकाई ने इस विषय पर सामूहिक जागरूकता कार्यक्रम चलाए जिनमें युवाओं, महिलाओं, देह व्यापार में लगे व्यक्तियों, ट्रक चालकों, औद्योगिक तथा प्रवासी मजदूरों आदि जैसे रोग की आशंका वाले लोगों को लक्ष्य करके प्रचार अभियान चलाया गया। खासतौर पर पूर्वोत्तर राज्यों, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश और उड़ीसा के भागों, मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल में सघन प्रचार प्रयास किए गए। प्रमुख कार्यक्रमों में आंध्र प्रदेश की कुडप्पा, गुंटूर, कुर्नूल और नेल्लौर इकाइयों द्वारा तटवर्ती क्षेत्रों और राजमार्गों के किनारे बसे गांवों में सप्ताह भर का सघन अभियान, उड़ीसा प्रादेशिक कार्यालय द्वारा आयोजित एड्स के लिए संचार रणनीति पर प्रादेशिक कार्यशाला, केरल की क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों द्वारा नाइयों और नारियल के रेशों के काम में लगे श्रमिकों के लिए कार्यशालाएं, महाराष्ट्र के कुछ भागों में ट्रक चालकों, रिक्शाचालकों और अध्यापकों के लिए संगोष्ठियां तथा पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश और कर्नाटक में स्कूलों-कालेजों के छात्रों के लिए अनेक प्रतियोगिताओं के आयोजन शामिल थे। मध्यप्रदेश और उड़ीसा में प्रचार अभियान मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे स्थित ढाबों, गांवों और जनजातीय इलाकों में चलाए गए।

8.7.2 कुछ क्षेत्रीय इकाइयों ने मच्छरजनित रोगों जैसे—मलेरिया और डेंगू आदि की रोकथाम के लिए प्रचार कार्य किए। अक्तूबर में जब पश्चिम बंगाल में मलेरिया और कालाज़ार की महामारी बड़े जोरों की फैली थी, उस दौरान कलकत्ता क्षेत्र की क्षेत्रीय इकाइयों ने तीन रोगों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सघन जागरूकता अभियान चलाया। उड़ीसा में क्षेत्रीय इकाइयों ने 'यूनीसेफ' के साथ तालमेल रखते हुए पानी की स्वच्छता के लिए प्रचार अभियान चलाया। इन इकाइयों ने अक्तूबर में क्योंझर और संभलपुर जिलों के जनजातीय लोगों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाए। प्रत्येक क्षेत्रीय इकाई ने दिसंबर 97 तथा जनवरी 98 के पल्स पोलियो प्रतिरक्षण कार्यक्रम के लिए प्रचार कार्य किया और अक्तूबर 1997 में स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा देशभर में बड़े पैमाने पर नेत्र शिविर लगाए। इसके अलावा स्वास्थ्य के पोषाहार पक्ष की ओर विशेष ध्यान दिया गया और विश्व स्तनपान सप्ताह तथा राष्ट्रीय पोषाहार सप्ताह के दौरान विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त विश्व स्वास्थ्य दिवस, नेत्रदान पखवाड़ा, रक्तदान सप्ताह और अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य तस्करी निरोधक दिवस के अवसरों पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

8.7.3 परिवार कल्याण प्रचार के बाद क्षेत्रीय दृष्टिकोण योजना भी चलाई गई जिसमें क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय द्वारा 90 कमजोर जिलों और 24 साधन सम्पन्न जिलों को भी प्रचार के लिए चुना गया। विश्व जनसंख्या दिवस पर विशेष प्रचार अभियान चलाया गया। दिल्ली स्थित क्षेत्रीय इकाइयों ने सरकार के मातृ सुरक्षा अभियान में हिस्सा लिया। हिन्दी-भाषी राज्यों से क्षेत्रीय प्रचार अधिकारियों और क्षेत्रीय प्रचार सहायकों ने लखनऊ स्थित राष्ट्रीय सार्वजनिक सहकारिता और बाल विकास संस्थान निदेशालय में मातृ सुरक्षा तथा बाल विकास के बारे में पुनश्चर्या कार्यशाला में हिस्सा लिया।

महिला तथा बाल विकास

8.8.1 बाल विवाह, दहेज तथा लड़कियों के खिलाफ भेदभाव जैसी सामाजिक बुराइयों और महिलाओं को अधिकार देने के लिए प्रोत्साहन देने वाले जन-शिक्षा कार्यक्रमों के अलावा निदेशालय की

क्षेत्रीय प्रचार इकाइयां महिलाओं के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण हेतु प्रोत्साहन देने के वास्ते देशभर में चलाए जा रहे एक वर्ष के अभियान में भाग ले रही हैं। दो अक्तूबर, 1997 को महिला तथा बाल विकास विभाग द्वारा शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं के प्रति लोगों के रवैये में परिवर्तन लाना और उन पर किए जा रहे अत्याचारों की रोकथाम करना है। महिला समृद्धि योजना और पंचायती राज सहित ग्रामीण विकास योजनाओं में महिलाओं के लिए विभिन्न संघटकों के बारे में भी प्रचार अभियान आयोजित किए गए।

8.8.2 यूनीसेफ के साथ मिलकर निदेशालय ने जून में शिलांग में तथा सितंबर 97 में चंडीगढ़ में बाल अधिकारों पर कार्यशालाओं के आयोजन किए। जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा इकाई ने बच्चों के अस्तित्व तथा शैक्षिक अधिकारों के बारे में गोष्ठियां आयोजित की। चंडीगढ़ क्षेत्र में लुधियाना, जालंधर, फिरोजपुर, नाहन और अम्बाला इकाइयों ने इस सिलसिले में रैलियां और जनसभाएं की। उड़ीसा में कटक, ढेंकानाल, कांधमल और क्योंझर जिलों में व्यापक प्रचार अभियान चलाए गए। क्षेत्रीय इकाइयों ने बालदिवस पर भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। नवंबर 1997 और जनवरी 1998 के बीच प्रत्येक इकाई ने इस विषय पर बड़े पैमाने पर एक कार्यक्रम और छोटे पैमाने पर दो विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। बाल अधिकारों, विशेषकर बालिकाओं के अधिकारों पर मेलों और समारोहों के दौरान विशेष प्रचार किया गया।

नई आर्थिक नीति और संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली

8.9 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय ने उदारीकृत आर्थिक नीतियों तथा संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के बारे में आम लोगों को जानकारी देने का कार्य जारी रखा। प्रत्येक क्षेत्रीय इकाई ने इस बारे में अनेक सामूहिक चर्चाएं, गोष्ठियां तथा संगोष्ठियां और फिल्म शो आदि आयोजित किए तथा उपभोक्ता अधिकारों और सरकार द्वारा किए गए उपभोक्ता संरक्षण उपायों से उन्हें अवगत कराया।

साक्षरता

8.10 निदेशालय की क्षेत्रीय इकाइयों ने विभिन्न राज्यों में समग्र साक्षरता अभियानों के लिए प्रचार सहयोग दिया। जम्मू

राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम पर क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय की इकाई द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के सहभागी

और कश्मीर में कुपवाड़ा, श्रीनगर, शोपियां, उधमपुर और पुंछ में नियमित रूप से गोष्ठियों, संगोष्ठियों, फिल्म शो और परिचर्चाओं के आयोजन किए गए जिनमें प्राथमिक शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया। साक्षरता दिवस और शिक्षक दिवस के अवसर पर प्राथमिक शिक्षा और सभी के लिए कामचलाऊ शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया गया।

पर्यावरण तथा वानिकी

8.11 निदेशालय की अनेक क्षेत्रीय इकाइयों ने पर्यावरण संबंधी मसलों पर लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए। उन्होंने इसके लिए विश्व पर्यावरण दिवस, विश्व आवास दिवस, वन्य जीवन सप्ताह तथा वन महोत्सव सप्ताह आदि अवसरों का भरपूर उपयोग किया। मंगलौर इकाई ने दक्षिण कन्नड़ जिले के कुण्डापुर तालुक में 'मंकी फॉरेस्ट डिजीज' यानी 'क्यासानूर' के बारे में जागरूकता कार्यक्रम चलाए। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केरल की वायनाड इकाई ने जनजातीय विकास और पर्यावरण संरक्षण पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

प्रायोजित दौरे

8.12 वर्ष के दौरान सात प्रायोजित दौरों का आयोजन किया गया जिसमें एक प्रदेश के किसानों, स्कूल अध्यापकों, छात्रों और सामाजिक कार्यकर्ताओं आदि सहित जनमत तैयार करने वाले लोगों को दूसरे प्रदेश की संस्थाओं, औद्योगिक और कृषि इकाइयों, परियोजनाओं और ऐतिहासिक महत्व के स्थानों को दिखाया गया। ऐसे दो दौरों के समय जनमत तैयार करने वाले राजस्थान और बिहार के कुछ लोगों को पूर्वोत्तर राज्यों की यात्रा पर ले जाया गया। इसी प्रकार एक अन्य दौरे में जनमत तैयार करने वाली नगालैंड और मणिपुर की महिलाओं को महाराष्ट्र तथा गोवा के कुछ स्थानों की यात्रा कराई गई। इसी तरह अरुणाचल प्रदेश के कुछ नेताओं को नगालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम, मेघालय, त्रिपुरा, असम का भ्रमण कराया गया। लखनऊ के भ्रमण दल को राजस्थान के कुछ भागों को दिखाया गया। जबकि मध्यप्रदेश के रायपुर क्षेत्र के एक दल को राजस्थान, दिल्ली और पश्चिम उत्तरप्रदेश की यात्रा कराई गई। कर्नाटक के एक दल ने आंध्रप्रदेश, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश का दौरा किया।

मेले तथा समारोह

8.13 विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख मेलों और समारोहों में भीड़ वाले स्थानों पर राष्ट्रीय कार्यक्रमों, पिछले 50 वर्षों में देश की उपलब्धियों, एड्स के प्रति जागरूकता आदि के बारे में प्रचार अभियान चलाए गए। ऐसे जिन मेलों और समारोहों में प्रचार अभियान चलाया गया उनमें नई दिल्ली में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, पुरी की रथयात्रा, नैनीताल का कुमाऊं समारोह, जम्मू का नवरात्रि समारोह, मेरठ का नौचंदी मेला, हिमाचल प्रदेश का कुल्लू दशहरा, महाराष्ट्र का गणेशोत्सव, केरल का त्रिशूरपुरम समारोह और अरुणाचल प्रदेश के चिंदांग और सोलुंग समारोह शामिल हैं।

मद्यनिषेध तथा मादक पदार्थों का दुरुपयोग

8.14 क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों ने शराब पीने की बुराइयों और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के बारे में जानकारी देने तथा मद्यनिषेध को प्रोत्साहन के उद्देश्य को लेकर 'अल्कोहलिक ड्रिंक', 'बूंद-बूंद जहर', 'जाम और अंजाम', और 'बॉटल्ड कैनिबाल्स' सहित अनेक फिल्मों का प्रदर्शन किया। नशीले पदार्थों की चोरी रोकने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय दिवस का खास तौर पर उपयोग किया गया।

अस्पृश्यता उन्मूलन

8.15 अस्पृश्यता को निरुत्साहित करने तथा समानता को प्रोत्साहन देने के लिए कई क्षेत्रीय कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। इस उद्देश्य से आम्बेडकर जयंती, संत रविदास जयंती, गांधी जयंती और बुद्ध पूर्णिमा जैसे अवसरों का उपयोग किया गया। 'संत रविदास', 'क्राई फार जस्टिस', 'एन एंसिएंट कर्स', आदि जैसी फिल्में प्रदर्शित की गईं। आम्बेडकर जयंती के अवसर पर महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक की क्षेत्रीय इकाइयों ने अनेक जनसभाओं, भाषणों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन किए। मदुरै, सलेम और जालंधर की इकाइयों की ओर से रैलियां आयोजित की गईं।

हिन्दी को प्रोत्साहन

8.16 केन्द्र सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार निदेशालय हिन्दी के इस्तेमाल को प्रोत्साहन देता रहा है। सभी क्षेत्रीय इकाइयों ने हिन्दी दिवस और हिन्दी पखवाड़ा मनाया। विभिन्न स्थानों पर क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के कर्मचारियों के लिए टंकण, टिप्पणी लेखन, निबंध लेखन और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। हिन्दी पखवाड़ा समारोह के अंतर्गत क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के मुख्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय तथा क्षेत्रीय प्रचार इकाइयां

आंध्र प्रदेश

1. **हैदराबाद**
2. कुडप्पा
3. गुंटूर
4. काकिनाड़ा
5. कुर्नूल
6. मेदक
7. नलगोंडा
8. नेल्लूर
9. निज़ामाबाद
10. श्रीकाकुलम्
11. विशाखापत्तनम्
12. वारंगल

अरुणाचल प्रदेश

1. **ईटानगर**
2. अनिनी
3. एलोंग
4. बोम्डिला
5. खोन्सा
6. नाम्पोंग
7. डापोरिजो
8. पासीघाट
9. सेप्पा
10. तवांग
11. तेज़ू
12. ज़िरो
13. यिंगकिओंग

असम

1. **गुवाहाटी**
2. धुबरी
3. डिब्रूगढ़
4. दीफू
5. बारपेटा
6. हाफलौंग
7. जोरहाट
8. नलबाड़ी
9. उत्तर-लखीमपुर
10. नौगांव
11. सिलचर
12. तेज़पुर
13. धेमाजी

बिहार-उत्तरी

1. **पटना**
2. बेगूसराय
3. छपरा
4. दरभंगा
5. भागलपुर
6. किशनगंज
7. मुंगेर
8. मोतिहारी
9. मुजफ्फरपुर
10. फारबिसगंज
11. सीतामढ़ी

बिहार-दक्षिणी

1. **रांची**
2. धनबाद
3. दुमका
4. गया
5. गुमला
6. हजारीबाग
7. जमशेदपुर
8. डाल्टनगंज
9. चाईबासा

गुजरात

1. **अहमदाबाद**
2. अहवा
3. भावनगर
4. भुज
5. गोधरा
6. हिम्मतनगर
7. जूनागढ़
8. पालनपुर
9. राजकोट
10. सूरत
11. वड़ोदरा

जम्मू और कश्मीर

1. **जम्मू**
2. बारामूला
3. चदूरा
4. डोडा
5. अनंतनाग
6. कंगन
7. कारगिल
8. कठुआ
9. कुपवाड़ा
10. लेह
11. पूंछ
12. राजौरी
13. शोपियां
14. श्रीनगर
15. ऊधमपुर

कर्नाटक

1. **बंगलौर**
2. बेलगाम
3. बेल्लारी
4. बीजापुर
5. चित्रदुर्ग
6. धारवाड़
7. गुलबर्गा
8. हासन
9. मंगलौर
10. मैसूर
11. शिमोगा

केरल

1. **तिरुअनंतपुरम्**
2. कन्नानूर
3. एर्नाकुलम्
4. वायनाड
5. कोट्टायम
6. कोज़िकोड
7. मल्लापुरम्
8. पालघाट
9. क्विलोन
10. त्रिशूर
11. अलेप्पी
12. कवारत्ती

मध्य प्रदेश-पूर्व

1. **रायपुर**
2. बालाघाट
3. बिलासपुर
4. दुर्ग
5. जबलपुर
6. जगदलपुर
7. कांकेर
8. अंबिकापुर
9. रीवां
10. शहडोल
11. सीधी

मध्य प्रदेश—पश्चिम

1. **भोपाल**
2. छत्तरपुर
3. छिंदवाड़ा
4. गुना
5. ग्वालियर
6. होशंगाबाद
7. इंदौर
8. झाबुआ
9. मंदसौर
10. सागर
11. उज्जैन

महाराष्ट्र और गोवा

1. **पुणे**
2. अमरावती
3. औरंगाबाद
4. मुंबई
5. चन्द्रपुर
6. जलगांव
7. कोल्हापुर
8. नागपुर
9. नांदेड़
10. नासिक
11. अहमदनगर
12. रतनागिरि
13. सतारा
14. शोलापुर
15. वर्धा
16. पणजी

मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा

1. **शिलांग**
2. आईजोल
3. जोवाई
4. विलियमनगर
5. कैलाशहर
6. लुंगलेई
7. सैहा
8. अगरतला
9. तुरा
10. उदयपुर
11. नोंगस्टैंन

नगालैंड तथा मणिपुर

1. **कोहिमा**
2. चूड़ाचांदपुर
3. इंफाल
4. चंदेल
5. मोकोकचुंग
6. मोन
7. तामेंगलोंग
8. त्वेनसांग
9. उखरूल
10. सेनापति

उत्तर-पश्चिम

1. **चंडीगढ़**
2. अमृतसर
3. अम्बाला
4. धर्मशाला
5. फिरोजपुर
6. हमीरपुर
7. हिसार
8. जालंधर
9. रिकांग पियो
10. लुधियाना
11. मंडी
12. नाहन
13. नारनौल
14. नई दिल्ली (I)
15. नई दिल्ली (II)
16. पठानकोट
17. रोहतक
18. शिमला
19. चम्बा

उड़ीसा

1. **भुवनेश्वर**
2. बारीपाड़ा
3. बरहमपुर
4. भवानीपटना
5. बालेश्वर
6. कटक
7. ढेंकानाल
8. जैपोर
9. क्योंझर
10. फूलबनी
11. पुरी
12. संभलपुर

राजस्थान

1. **जयपुर**
2. अलवर
3. बाड़मेर
4. बीकानेर
5. अजमेर
6. जैसलमेर
7. जोधपुर
8. कोटा
9. डूंगरपुर
10. सीकर
11. श्रीगंगानगर
12. उदयपुर
13. सवाईमाधोपुर
14. सिरोही

तमिलनाडु तथा पांडिचेरी

1. **चेन्नई**
2. धर्मपुरी
3. कोयम्बटूर
4. मदुरै
5. पांडिचेरी
6. रामनाथपुरम्
7. सेलम
8. तंजावूर
9. तिरुचिरावेल्लि
10. तिरुनेलवेल्लि
11. वेल्लूर

उत्तर प्रदेश (मध्य पूर्व)

1. **लखनऊ**
2. आज़मगढ़
3. बांदा
4. गोंडा
5. गोरखपुर
6. झांसी
7. कानपुर
8. लखीमपुर खीरी
9. इलाहाबाद
10. मैनपुरी
11. रायबरेली
12. सुल्तानपुरी
13. वाराणसी

उत्तर प्रदेश (उत्तर पश्चिम)

1. **देहरादून**
2. अलीगढ़
3. बरेली
4. आगरा
5. गोपेश्वर
6. मेरठ
7. मुरादाबाद
8. मुजफ्फरनगर
9. नैनीताल
10. पौड़ी
11. पिथौरागढ़
12. रानीखेत
13. उत्तरकाशी

पश्चिम बंगाल (उत्तर)

1. **सिलीगुड़ी**
2. गंगतोक
3. जलपाईगुड़ी
4. जोरथांग
5. कालिंपोंग
6. मालदा
7. रायगंज
8. कूच बिहार

पश्चिम बंगाल (दक्षिण)

1. **कलकत्ता**
2. बैरकपुर
3. बेहरामपुर
4. बर्दवान
5. बांकुड़ा
6. कार निकोबार
7. चिनसुरा
8. मिदनापुर
9. पोर्ट ब्लेयर
10. राणाघाट
11. कलकत्ता (प.क.)

9

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय

9.1.1 विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय, केन्द्र सरकार की प्रमुख बहु-प्रचार माध्यम विज्ञापन एजेंसी है, जो लोगों को सरकार की गतिविधियों, नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देती है और उन्हें विकास गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करती है। निदेशालय ग्राहक मंत्रालयों और विभागों के साथ-साथ कुछ स्वायत्तशासी निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों की विभिन्न भाषाओं में संचार सम्बन्धी आवश्यकताओं को मुद्रित सामग्री, प्रेस विज्ञापनों, रेडियो व टेलीविजन पर दृश्य-श्रव्य प्रचार कार्यक्रमों, बाह्य प्रचार और प्रदर्शनियों के जरिए पूरी करता है। निदेशालय द्वारा ग्रामीण विकास कार्यक्रमों, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, बालिकाओं का कल्याण, ग्रामीण विकास, जनसंख्या, हस्तशिल्प, प्रतिरक्षीकरण, स्त्री एवं बाल विकास, राष्ट्रीय अखंडता और साम्प्रदायिक सद्भाव, रक्षा, नई आर्थिक नीति, पर्यावरण, साक्षरता, रोजगार, एड्स, नशीले पदार्थों की बुराई और नशाबंदी, सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, आयकर, ऊर्जा संरक्षण और भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष पर होने वाले समारोहों जैसे विषयों से सम्बन्धित प्रचार पर जोर दिया जाता है।

9.1.2 विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय के मुख्यालय में प्रचार अभियान, विज्ञापन, बाह्य प्रचार, मुद्रित प्रचार, प्रदर्शनी, इलेक्ट्रॉनिक डेटा प्रोसेसिंग केन्द्र, मास मेलिंग, दृश्य श्रव्य प्रकोष्ठ, स्टूडियो और कापी विंग जैसी कई शाखाएं हैं।

9.1.3 निदेशालय के देशभर में कार्यालय हैं। इसके बंगलौर और गुवाहाटी में दो प्रादेशिक कार्यालय हैं, जो क्षेत्र में निदेशालय की गतिविधियों को समन्वित करते हैं। कलकत्ता और चेन्नई के दो प्रादेशिक वितरण केन्द्र क्रमश: पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों में प्रचार सामग्री के वितरण का काम सम्भालते हैं। निदेशालय की 35 क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां हैं, जिनमें सात सचल प्रदर्शनी वाहन, सात परिवार कल्याण इकाइयां और 21 सामान्य क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां शामिल हैं।

स्वतंत्रता के 50 वर्ष

9.2.1 देश की स्वतंत्रता के 50 वर्ष से संबंधित समारोहों के सिलसिले में, विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय ने देशभर में कई प्रदर्शनियां आयोजित कीं, जिनमें देश और जनजीवन, स्वतंत्रता

क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां

(विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय)

संख्या	इकाई का नाम	इकाई	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश का नाम	क्षेत्राधिकार
1.	अगरतला	सामान्य	त्रिपुरा	त्रिपुरा, मिज़ोरम
2.	अहमदाबाद	सामान्य	गुजरात	गुजरात, राजस्थान, दमन व दीव, दादरा और नागर हवेली
3.	बंगलौर	सामान्य	कर्नाटक	कर्नाटक
4.	भुवनेश्वर	सामान्य	उड़ीसा	बिहार (दक्षिणी)
5.	मुम्बई	सामान्य	महाराष्ट्र	महाराष्ट्र और गोवा
6.	कलकत्ता	सामान्य	पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल, सिक्किम और बिहार (पूर्वी)
7.	चंड़ीगढ़	सामान्य	केन्द्र शासित प्रदेश	चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा
8.	गुवाहाटी	सामान्य	असम	निचला असम और मेघालय
9.	मुख्यालय-I	सामान्य	नई दिल्ली	दिल्ली और देशभर में विशेष कार्यभार
10.	मुख्यालय-II	सामान्य	नई दिल्ली	दिल्ली और देशभर में विशेष कार्यभार
11.	हैदराबाद	सामान्य	आंध्र प्रदेश	आंध्र प्रदेश
12.	इंदौर	सामान्य	मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश
13.	इंफाल	सामान्य	मणिपुर	मणिपुर
14.	जम्मू	सामान्य	जम्मू-कश्मीर	जम्मू-कश्मीर
15.	जोरहाट	सामान्य	असम	ऊपरी असम
16.	कोहिमा	सामान्य	नगालैंड	नगालैंड
17.	लखनऊ	सामान्य	उत्तर प्रदेश	उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बिहार
18.	चेन्नई	सामान्य	तमिलनाडु	तमिलनाडु, पांडिचेरी
19.	शिमला	सामान्य	हिमाचल प्रदेश	हिमाचल प्रदेश
20.	तिरुअनंतपुरम	सामान्य	केरल	केरल
21.	तुरा	सामान्य	मेघालय	गारो पहाड़ियां, असम के निकटवर्ती जिले
22.	जयपुर	परिवार कल्याण	राजस्थान	राजस्थान, गुजरात
23.	भोपाल	परिवार कल्याण	मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश और राजस्थान
24.	कलकत्ता	परिवार कल्याण	पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, सम्पूर्ण पूर्वोत्तर क्षेत्र
25.	वाराणसी	परिवार कल्याण	उत्तर प्रदेश	पूर्वी उत्तर प्रदेश

26.	लखनऊ	परिवार कल्याण	उत्तर प्रदेश	उत्तर प्रदेश और बिहार
27.	नई दिल्ली	परिवार कल्याण	नई दिल्ली	दिल्ली तथा निकटवर्ती क्षेत्र तथा विशेष कार्यभार
28.	पटना	परिवार कल्याण	बिहार	बिहार
29.	अहमदाबाद	वाहन	गुजरात	गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दमन व दीव, दादरा और नगर हवेली
30.	आइज़ोल	वाहन	मिज़ोरम	मिज़ोरम
31.	बीकानेर	वाहन	राजस्थान	राजस्थान
32.	कलकत्ता	वाहन	पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल
33.	ईटानगर	वाहन	अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल प्रदेश
34.	पोर्ट ब्लेयर	वाहन	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह
35.	शिलांग	वाहन	मेघालय	असम और मेघालय

संग्राम और पिछले 50 वर्षों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में विकास को प्रदर्शित किया गया। सबसे पहली प्रदर्शनी 9 अगस्त, 1997 को क्रांति मैदान के निकट ऐतिहासिक तेजपाल हॉल में 'स्वतंत्रता संग्राम—भारत छोड़ो आंदोलन' विषय पर आयोजित की गई, जिसका उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री, श्री इंद्रकुमार गुजराल ने किया। इसके बाद 15 अगस्त, 97 या उसके आस-पास 'भारत--स्वतंत्रता के 50 वर्ष' शीर्षक प्रदर्शनियां हैदराबाद, तामलुक, जम्मू, अहमदाबाद, बंगलौर, गुवाहाटी, त्रिवेंद्रम, भुवनेश्वर, वाराणसी, लखनऊ, भोपाल, चंडीगढ़, चेन्नई और जयपुर में लगाई गईं। एक गौरवपूर्ण प्रदर्शनी दिल्ली के लाल किले में लगाई गई, जिसका उद्घाटन सूचना और प्रसारण मंत्री ने 20 अगस्त, 1997 को किया। इस प्रदर्शनी में स्वतंत्रता संग्राम गाथा और पिछले 50 वर्षों में हुए विकास को लगभग 600 फोटोग्राफों, मॉडलों, पैनलों और अन्य दृश्य माध्यमों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इस प्रदर्शनी में देश के महान नेताओं के भाषणों को सुनवाने की सुविधा भी प्रदान की गई। भारी संख्या में दर्शक प्रतिदिन प्रदर्शनी देखने के लिए आए। निदेशालय ने भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष के उपलक्ष्य में अब तक 55 प्रदर्शनियां लगाई; जो कुल मिलाकर 525 दिन चलीं।

9.2.2 छह पोस्टरों की एक शृंखला, एक फोल्डर 'भारत तथ्य--1997' और एक पुस्तिका, 'भारत छोड़ो आंदोलन' मुद्रित की गई है। 'भारत छोड़ो आंदोलन' पुस्तिका भारी संख्या में मुम्बई में 9 अगस्त, 97 को आयोजित प्रदर्शनी में वितरित की गई। स्टिकरों की तीन लाख प्रतियां छपवाई गई हैं और इन्हें विभिन्न स्कूलों-कालेजों में वितरित किया गया है तथा अल्युमिनियम के 1.5 लाख बिल्ले बनवाए गए हैं और पिछड़े जिलों के प्राथमिक स्कूलों और प्रदर्शनी में आने वाले बच्चों में बांटे गए। बाह्य प्रचार के अंतर्गत देशभर में 170 से अधिक होर्डिंग, बस पैनल, कियोस्क, कार्टून प्रदर्शन, सज्जापूर्ण रेलिंग प्रदर्शित की जा चुकी हैं। आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बस टिकटों के पीछे की तरफ स्वतंत्रता के 50 वर्ष का संदेश छपवाया गया। दूरदर्शन/आकाशवाणी से प्रसारण के लिए नौ दृश्य और दो श्रव्य स्पॉट्स तैयार करवाए गए हैं। क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय और विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय की क्षेत्रीय इकाइयों को भी प्रचार सामग्री उपलब्ध कराई गई है।

9.2.3 पंद्रह अगस्त, 1997 को प्रधानमंत्री श्री इंद्रकुमार गुजराल के भाषण को 'शांति, समृद्धि और सामाजिक न्याय' शीर्षक पुस्तिका के रूप में मुद्रित करवाया गया। एक पुस्तिका — 'सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा स्वतंत्रता के 50 वर्ष पर समारोहों का आयोजन' मुद्रित करवाई गई है, जिसमें वर्ष के दौरान देशभर में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में पूरा विवरण दिया गया है।

9.2.4 निदेशालय ने 'भारत छोड़ो आंदोलन, 9 अगस्त, 1997' और 'स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त, 1997' के अवसर पर भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष के सिलसिले में अखिल भारतीय स्तर पर

प्रदर्शनियां

भारत : स्वतंत्रता के 50 वर्ष

स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में लालकिले पर विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का मुख्य द्वार

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में दर्शकगण

हिंदी, अंग्रेजी तथा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में प्रेस विज्ञापन जारी किए। एक विज्ञापन, 'राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता—भारत आज 50 का हुआ' जारी किया गया, जिसके माध्यम से जनसाधारण से राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता के लिए 15 अगस्त, 1997 की मध्यरात्रि से अगली मध्यरात्रि तक फोटो खींचने का आह्वान किया गया। इसके अतिरिक्त, निदेशालय द्वारा जारी किए जाने वाले सभी डिस्प्ले विज्ञापनों में भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष का प्रतीक चिन्ह प्रदर्शित किया जा रहा है।

9.2.5 निदेशालय ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में विषय--आधारित मंडप लगाया। इंदिरा विजन हाल में 'भारत : स्वतंत्रता के 50 वर्ष' विषय पर प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें गीत एवं नाटक प्रभाग, प्रकाशन विभाग, फोटो प्रभाग और क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय ने भी भाग लिया। यह परस्पर सम्पर्क वाली एक बहु-प्रचार माध्यम प्रदर्शनी थी, जिसे व्यापार मेले में भारी संख्या में दर्शकों ने देखा। राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता के विजेताओं को 14 नवम्बर, 1997 को भी एक समारोह में पुरस्कृत किया गया। एक विशेष प्रकाशन, 'भारत आज 50 का हुआ' छपवाया गया, जिसमें पुरस्कृत चित्रों को दर्शाया गया। प्रदर्शनी के दौरान 'प्रदर्शनी—एक परिचय', 'भारत : स्वतंत्रता के 50 वर्ष' शीर्षक से एक पृष्ठ की सामग्री, 'भारत : तथ्य' तथा अन्य प्रकाशनों का वितरण किया गया।

9.2.6 निदेशालय की प्रदर्शनी में स्वतंत्रता संग्राम के साथ-साथ पिछले 50 वर्षों में कृषि, उद्योगों, विज्ञान, अंतरिक्ष, अनुसंधान, ग्रामीण विकास तथा आर्थिक प्रगति जैसे विभिन्न क्षेत्रों की प्रगति को भी दर्शाया गया। इसके अलावा, मॉडल और दृश्य प्रदर्शनों, देश के महान नेताओं के भाषणों को सुनने की सुविधा भी प्रदर्शनी में उपलब्ध कराई गई।

9.2.7 प्रदर्शनी के दौरान गीत एवं नाटक प्रभाग ने देशभक्तिपूर्ण गीतों, तथा विभिन्न प्रदेशों के नृत्य व संगीत के पांच कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रकाशन विभाग के पुस्तक काउंटर पर स्वतंत्रता संग्राम और स्वतंत्रता सेनानियों से सम्बद्ध प्रकाशनों सहित भारी संख्या में प्रकाशन उपलब्ध थे। फोटो प्रभाग ने 14-15 अगस्त, 1997 की अर्द्धरात्रि के दौरान स्वर्णजयंती समारोहों के शुभारंभ के अवसर पर खींचे गए फोटोग्राफों को प्रदर्शित किया। ये फोटोग्राफ शौकिया और व्यावसायिक फोटोग्राफरों ने फोटो प्रभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के लिए भेजे थे।

निदेशालय के मंडप को केन्द्र सरकार प्रतिष्ठानों में दूसरा सर्वश्रेष्ठ मंडप घोषित किया गया है और आई.टी.पी.ओ. ने इसे रजत पदक प्रदान किया है।

प्रचार सामग्री का मुद्रण

9.3.1 वर्ष के दौरान निदेशालय ने ग्रामीण विकास प्रतिरक्षीकरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, महिला एवं बाल विकास, राष्ट्रीय अखंडता और सांप्रदायिक सद्भाव, आयकर, केन्द्रीय बजट 1997-98, एड्स, नशीले पदार्थों की बुराई और नशाबंदी, खाद्य और पोषक आदि से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों के बारे में फोल्डर, ब्रोशर, पुस्तिकाएं, पोस्टर, स्टिकर, वाल हैंगिंग आदि प्रकाशित किए।

9.3.2 नई दिल्ली में 2 जून, 1997 को पूर्व राष्ट्रपति डा० शंकर दयाल शर्मा के राज्यपाल सम्मेलन के उद्घाटन भाषण को 'संवैधानिक प्रमुख की भूमिका' शीर्षक की एक पुस्तिका के रूप में प्रकाशित किया गया।

9.3.3 प्रधानमंत्री के विभिन्न अवसरों पर दिए गए भाषणों को पुस्तिका/फोल्डर के रूप में प्रकाशित किया गया। ये भाषण 'एक नई विश्व व्यवस्था', 'स्वास्थ्य सेवाओं में गुणात्मक सुधार की आवश्यकता', 'बुनियादी न्यूनतम सेवाओं के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी', 'उच्च प्रगति दर के लिए सामूहिक रणनीति की आवश्यकता', 'जम्मू-कश्मीर के लिए एक नया पैकेज', 'आर्थिक सुधार जारी रहेंगे', 'सार्क-विकास की नई नीति', 'प्रभावी और संवेदनशील सरकार की जरूरत', 'भारत-अमरीका सम्बन्ध—एक नई मैत्री की शुरूआत', 'विकास, शांति और स्थायित्व के बारे में आम सहमति की आवश्यकता', 'असम के बारे में मीडिया को प्रधानमंत्री का वक्तव्य', 'शांति, समृद्धि और सामाजिक न्याय', 'शांति, समृद्धि और स्थायित्व', 'भारत के 50 वर्ष—अगली सहस्राब्दि के लिए आशा', 'संयुक्त राष्ट्र की भावी चुनौतियां—संयुक्त राष्ट्र का 52वां सम्मेलन', 'भारत और अफ्रीका के बीच मैत्री सम्बन्धों को मजबूत करने की आवश्यकता', 'भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अधिक आर्थिक सहयोग की आवश्यकता', 'भारत-दक्षिण अफ्रीका मैत्री', 'सभ्य समाज के मूल्यों पर आम सहमति', 'सत्ता के वास्तविक हस्तांतरण की आवश्यकता', 'भारतीय नैतिक सिद्धांत और विरासत', 'भारत और विश्व', 'विकास, शांति और स्थायित्व पर आम-सहमति की जरूरत' और 'सभ्य समाज के मूल्यों पर सहमति' शीर्षक

विषय पर थे।

9.3.4 डाक टिकट फोल्डरों की श्रृंखला भी मुद्रित की गई। ये फोल्डर 'राम मनोहर लोहिया', 'स्वामी ब्रह्मानंद', 'रामसेवक यादव', 'शिवनाथ बैनर्जी', 'रुक्मणी लक्ष्मीपति', 'स्वतंत्र भारत', 'भारत का स्वतंत्रता संग्राम', 'फ़िराक़ गोरखपुरी', 'बीरबल साहनी संस्थान लखनऊ', 'इंडिपेक्स' 97 — विश्व डाकटिकट संग्रह प्रदर्शनी', 'वी.के. कृष्णमेनन', 'सर विलियम जोन्स', 'दि लारेंस स्कूल, सनोवर', 'आई.सी.पी.ओ. -- 'इंटरपोल' की 66वीं आम सभा', 'ग्रामीण भारतीय महिलाएं', 'बालदिवस', 'प्रत्येक जीवन के प्रति सम्मान विषयक विश्व-समागम', 'भारतीय चिकित्सीय पौंधे और पंडित ओंकारनाथ ठाकुर' 'नानक सिंह', 'मोगराजि पट्टामि सीतारमैया', 'इलेवन गोरखा राइफल', 'रोटरी इंटरनेशनल', 'महाराणा प्रताप' और 'महात्मा गांधी' के बारे में थे।

9.3.5 'गरीबी उन्मूलन और आर्थिक प्रगति की दिशा में नए प्रयास', 'इंडिपेक्स-1997', 'सबके लिए प्रतिरक्षीकरण कार्यक्रम पर 20 सवाल', 'अल्पसंख्यकों के लिए शिक्षा', 'राजभाषा कैलेंडर-1997-98', 'नेताजी सुभाषचंद्र बोस', 'संवैधानिक प्रमुख की भूमिका', 'दादा साहेब फाल्के पुरस्कार', 'गर्भवती स्त्रियों के लिए आहार', 'भारतीय वायुसेना ब्रोशर', 'महात्मा गांधी', 'तेलुगु दोहे', 'आकाशवाणी संगीत सम्मेलन', 'उत्कृष्ट उद्यमियों और गुणवत्ता उत्पादों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार', 'रक्त की कमी से किसी को न मरने दिया जाए', 'सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन व कृतित्व', 'डा० राजेन्द्र प्रसाद', 'आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत अनिवासियों के लिए अंतिम फैसले की योजना' और 'नशीले पदार्थों का सेवन और रोकथाम' शीर्षक से प्रकाशन छपवाए गए। पोषण के बारे में चार स्टिकरों की एक श्रृंखला भी छपवाई गई। एड्स के बारे में 4 पुस्तिकाएं और शिक्षक दिवस 97 पर एक पोस्टर मुद्रित किया गया। 'डेंगू ज्वर और डेंगू रक्तस्रावी ज्वर' के बारे में एक विशेष प्रकाशन भी निकाला गया।

9.3.6 1997-98 के केन्द्रीय बजट की विशेषताओं पर ध्यान आकृष्ट करने के लिए निदेशालय ने 'आर्थिक स्थायित्व वाले विकास को बढ़ावा—निर्धनता उन्मूलन और मानव विकास पर जोर—केन्द्रीय बजट 1997-98' शीर्षक से एक फोल्डर प्रकाशित किया। इसे हिंदी, अंग्रेजी तथा सभी प्रादेशिक भाषाओं में छपवाया गया।

9.3.7 निदेशालय ने करदाताओं के लिए पांच प्रकार के सूचना फोल्डर निकाले। ये थे—'लागत स्फीति सूचकांक', 'प्रत्यक्ष करों के साथ साक्षात्कार', 'कर अनुपात', 'आयकर अधिनियम के अंतर्गत जुर्माने व मुकदमे' और 'कर से छूट वाली आय'। 'अंतिम फैसले पर पुस्तिका' और 'साझेदारी फर्मों का आकलन' नामक प्रकाशन भी निकाले गए हैं। स्वैच्छिक आय घोषणा योजना के बारे में भी एक पुस्तक प्रकाशित की गई है। 'पूंजीगत लाभों की गणना कैसे करें' पुस्तिका भी प्रकाशित की गई है। अपने आप में पूर्ण एक ब्रोशर 'दूरदर्शन 1997' प्रकाशित किया गया, जिसमें दूरदर्शन की विभिन्न गतिविधियों, इसके कम शक्ति ट्रांसमीटरों और उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों के स्थलों व अन्य सम्बद्ध विवरण को रेखांकित किया गया है। मदर टेरेसा पर 'मदर--शांति, प्रेम और मानवता की देवदूत' शीर्षक से एक फोल्डर प्रकाशित किया गया, जिसमें उनके प्रारंभिक जीवन और प्रेम के दूत के रूप में उनके मिशन की यात्रा को चित्रित किया गया है।

मुद्रित सामग्री
1997-98

मुद्रित प्रकाशन	-- 834
प्रतियां छापी गईं	-- 2.01 करोड़
प्रयुक्त भाषाएं	-- हिंदी, अंग्रेजी तथा अन्य क्षेत्रीय भाषाएं

9.3.8 भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह 1998 के लिए विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने दो प्रकाशन निकाले, ये हैं--'इंडियन सिनेमा-1997' और 'सिनेमा ऑफ दि वर्ल्ड-1998, निदेशालय ने 11 से 20 जनवरी 1998 तक दैनिक बुलेटिन भी निकालें जिनमें दिखाई जाने वाली फिल्मों का विवरण, फिल्म प्रदर्शन कार्यक्रम, फिल्म जगत के प्रमुख व्यक्तियों के साक्षात्कार और फिल्मों पर आलेख/समीक्षाएं होती थीं, 'इंडियन पैनोरमा 98' और भारत का 29वां अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह' पर दो पोस्टर भी निकाले गए।

9.3.9 निदेशालय ने 1998 के आम चुनावों के लिए एक हैंडबुक--आम चुनाव 1998 प्रकाशित की जिसमें भारत में अब तक हुए चुनावों के बारे में जानकारी दी गई है। आम चुनावों के दौरान विभिन्न संदेश देने वाले पोस्टर भी निकाले गए जैसे--'वोट दें--हमारे लोकतंत्र को मजबूत बनाएं', 'आपका मतदान केन्द्र करीब ही है' और 'निर्भय होकर वोट दें,'

प्रकाशनों पर एक नजर

वित्त

— केन्द्रीय बजट 1997-98
— टैक्स क्लीयरेंस-1977
— अग्रिम फैसले पर हैंडबुक
— साझेदारी फर्मों का आकलन
— लागत स्फीति सूचकांक
— डेट विद डायरेक्ट टैक्सेज
— कर दरें
— आयकर अधिनियम में दंड व मुकदमे
— कर से छूट प्राप्त आय
— स्वैच्छिक आय घोषणा योजना

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण

— सार्वभौमिक प्रतिरक्षीकरण कार्यक्रम पर 20 सवाल
— गर्भवती स्त्रियां
— मां का दूध
— एड्स--सरकारी और गैर-सरकारी संगठन तथा एस.ए.पी.ओ.
— मलेरिया
— आइए रक्त की कमी से किसी को न मरने दें

खाद्य व पोषण

— पोषण पर पांच स्टिकरों की शृंखला
— गर्भवती स्त्रियों के लिए आहार

विख्यात महापुरुष

— डा० राजेन्द्र प्रसाद
— सरदार वल्लभभाई पटेल
— मदर टेरेसा
— महात्मा गांधी
— नेताजी सुभाषचंद्र बोस

सूचना और संचार

— संवैधानिक प्रमुख की भूमिका
— आकाशवाणी
— तुर्की फिल्म समारोह
— प्रत्यायन सूची-1997 (एक्रेडिटेशन इंडेक्स--1997)
— राष्ट्रीय फिल्म समारोह
— दूरदर्शन 1997
— दादा साहेब फाल्के पुरस्कार
— आकाशवाणी संगीत सम्मेलन 1997
— उत्कृष्ट उद्यमियों और गुणवत्ता वाले उत्पादों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

डाक

— इंडिपेक्स 1997

डाक टिकट फोल्डर

— राम मनोहर लोहिया
— पंडित ओंकारनाथ ठाकुर
— स्वामी ब्रह्मानंद
— रुक्मणी लक्ष्मीपति
— भारत का स्वतंत्रता संग्राम
— फिराक़ गोरखपुरी
— भारत के समुद्रतट
— भारतीय ग्रामीण महिलाएं

भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष

— भारत तथ्य-1997 (इंडिया फैक्ट्स-1997)
— राष्ट्रीय अखंडता और सांप्रदायिक सद्भाव पर 5 पोस्टर
— भारत छोड़ो आंदोलन 1942
— तीन लाख स्टिकर
— एक लाख बिल्ले
— शांति, समृद्धि और सामाजिक न्याय--प्रधानमंत्री का 15 अगस्त, 97 का भाषण
— सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा स्वतंत्रता के 50 वर्ष के समारोहों का आयोजन
— भारत आज 50 का हुआ
— भारत : स्वतंत्रता के 50 वर्ष प्रदर्शनी का एक परिचय

हिंदी, अंग्रेजी तथा क्षेत्रीय भाषाओं में छपे ये पोस्टर देश भर में बांटे गए।

9.3.10 निदेशालय ने स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण से जुड़े विषयों पर अनेक प्रकाशन जारी किए। 'ट्यूमेटिक ज्वर', 'एड्स', रति-संक्रमित रोगों से एच.आई.बी. ग्रस्त होने की आशंका बढ़ जाती है, 'रक्तदान दिवस' जैसे विषयों पर प्रकाशन निकाले गए। एड्स के बारे में निदेशालय ने 'रक्त जीवनदान दे, एड्स नहीं', 'एड्स-मुक्त सेक्स', 'कंडोम का प्रयोग करे', 'रति-संक्रमित रोगों का इलाज संभव है', कंडोम आपको एड्स से बचाता है', 'दूसरे की इस्तेमाल की गई सुई का इस्तेमाल जानलेवा हो सकता है', 'महज सेक्स नहीं, एड्स-मुक्त सेक्स', तथा 'एच.आई.वी./एड्स ग्रस्त व्यक्ति से दोस्ताना व्यवहार करें' प्रकाशन निकाले।

प्रेस विज्ञापन

9.4.1 निदेशालय ने विभिन्न मंत्रालयों/विभागों कुछ स्वायत्तशासी निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों की ओर से प्रेस विज्ञापन जारी किए। वर्ष दौरान 'ई. एम. एस.—स्पीड पोस्ट', 'अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत', 'नशीले पदार्थों की बुराई और इनके अवैध व्यापार के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस', 'आयकर', 'साक्षरता'। 'प्रौढ़ शिक्षा के बारे में 5वीं राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता', 'विश्व तम्बाकू रहित दिवस', 'महावृक्ष पुरस्कार-1996', 'विश्व स्वास्थ्य मेला', 'वायरल मस्तिष्क ज्वर', 'जनसंख्या', 'इंदिरा गांधी पर्यावरण पुरस्कार 1997', 'राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना', 'दूरदर्शन—ग्रामीण क्षेत्रों पर अधिक ध्यान', 'दूरदर्शन और आकाशवाणी—ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बेहतर गुणवत्ता वाली सेवा', 'एड्स', 'राष्ट्रीय साक्षरता मिशन', 'तपेदिक', 'प्रदूषण नियंत्रण', 'राष्ट्रीय बचत संगठन', 'परफेक्ट स्वास्थ्य मेला—स्वास्थ्य के क्षेत्र में उपलब्धियों के 50 वर्ष', 'जनसंख्या नियंत्रण', 'बालिका शिशु', 'अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत', 'स्वैच्छिक आय घोषणा योजना', 'संचायिका', 'किसान विकास पत्र', 'डेंगू की रोकथाम', 'ग्रामीण गरीबों को अधिकार देना और रोजगार उत्पन्न करना', 'भारतीय कृषि के 50 वर्ष', 'भारत को आत्मनिर्भर बनाने में किसानों का योगदान', 'तेरहवीं टेलीफोन अदालत', 'भारतीय वायुसेना—एक शानदार कैरियर', 'रौबदार जीवनशैली', 'स्वस्थ लोग, स्वस्थ राष्ट्र' और 'भारत--राष्ट्र संख्याओं के नहीं बल्कि गुणवत्ता के पक्ष में—जनसंख्या नियंत्रण' पर प्रेस विज्ञापन जारी किए गए। भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह-1998 और 1998 के आम चुनावों के बारे में भी प्रेस विज्ञापन जारी किए गए।

9.4.2 'ग्रामीण निर्धनों को अधिकार देना और रोजगार उत्पन्न करना' विषय पर बिहार, गोवा, उड़ीसा, मिज़ोरम, मणिपुर, मेघालय, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में एक विज्ञापन श्रृंखला जारी की गई।

9.4.3 8 सितंबर, 1997 को 31वें साक्षरता दिवस के अवसर पर निदेशालय ने 30 अगस्त से 8 सितम्बर, 1997 के दौरान देश के प्रमुख समाचारपत्रों व पत्रिकाओं में 10 विज्ञापन जारी किए। 'राष्ट्रीय पोषाहार सप्ताह' (1-7 सितम्बर, 97), 'विश्व मितव्ययिता दिवस' (28 अक्तूबर, 97), 'विश्वव्यापी आयोडीन की कमी दिवस' (21 अक्तूबर, 1997), 'विश्व स्तनपान सप्ताह' (1-7 अगस्त, 97), 'झंडा दिवस' (25 नवम्बर, 1997), 'विश्व एड्स दिवस' (1 दिसम्बर, 97), 'बाल दिवस' (14 नवम्बर, 97), 'विश्व डाक दिवस' (9 अक्तूबर, 97) और 'विश्व आपदा कमी दिवस' (8 अक्तूबर, 97) 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती--23 जनवरी', 'गणतंत्र दिवस-26 जनवरी', 'शहीदी दिवस-30 जनवरी', 'राष्ट्रीय स्वच्छता दिवस-30 जनवरी' और कोस्ट गार्ड्स वर्षगांठ-1 फरवरी के अवसर पर भी प्रेस विज्ञापन जारी किए गए। भर्तियों और संविदा अधिसूचना के बारे में भी प्रमुख समाचारपत्रों व पत्रिकाओं में विज्ञापन दिए गए।

प्रेस विज्ञापन
(1997-98)

वर्गीकृत विज्ञापन जारी किए	--	15,279
प्रदर्शन विज्ञापन जारी किए	--	463
कुल जारी विज्ञापन	--	15,742
प्रयुक्त भाषाएं	--	हिंदी, अंग्रेजी तथा क्षेत्रीय भाषाएं
पैनल पर समाचारपत्र	--	6,337

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के पैनल में शामिल समाचारपत्र
(1997-98)

प्रदर्शनियां

9.5.1 निदेशालय ने अपनी 35 क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयों के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों के प्रचार के उद्देश्य से देश के विभिन्न हिस्सों में कई प्रदर्शनियां लगाईं। इन इकाइयों में सात सचल प्रदर्शनी वाहन, सात परिवार कल्याण इकाइयां और 21 सामान्य प्रदर्शनी इकाइयां शामिल हैं।

9.5.2 भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष के सिलसिले में लगाई गई प्रदर्शनियों के अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, मेघालय, दिल्ली, चंडीगढ़, उड़ीसा, असम, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय अखंडता और सांप्रदायिक सद्भाव विषय पर 'एक राष्ट्र, एक प्राण' नामक लगभग 125 प्रदर्शनियां आयोजित कीं। परिवार कल्याण विषय पर 35 प्रदर्शनियां लगाई गईं। 'छोटा परिवार, सुखी परिवार' नामक ये प्रदर्शनियां बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, मध्य प्रदेश और राजस्थान में लगाई गईं। गुजरात, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में 'गांव विकास की ओर' नामक 21 प्रदर्शनियां ग्रामीण विकास विषय पर लगाई गईं। नेताजी सुभाषचंद्र बोस पर 15 प्रदर्शनियां गुजरात, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में आयोजित की गईं। अन्य प्रदर्शनियों में 'स्वामी विवेकानंद', 'महात्मा गांधी', 'स्त्री एवं विकास', 'पूर्वोत्तर, प्रगति पथ पर' और 'डा. बी.आर. आम्बेडर' शामिल थीं।

प्रदर्शनियां
(1997-98)

कुल प्रदर्शनियां	-- 289
कुल प्रदर्शनी-दिवस	-- 1,622
प्रदर्शनियों का क्षेत्र	-- पूरे देश में

श्रव्य एवं दृश्य प्रचार

9.6.1 निदेशालय ने नौ साप्ताहिक रेडियो प्रायोजित कार्यक्रम तैयार व प्रसारित किए। ये कार्यक्रम थे—ग्रामीण विकास पर 'गांव विकास की ओर', 'चलो गांव की ओर', परिवार कल्याण पर 'ये भी खूब रही' और 'हसीन लम्हे', अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत पर 'नई राह अपनाओ', कल्याण संबंधी विषयों पर 'आओ हाथ बढ़ाएं', स्त्री एवं बाल विकास पर 'नया सवेरा' और खाद्य एवं पोषण पर 'पोषण और स्वास्थ्य'। ये प्रायोजित कार्यक्रम हिन्दी तथा सभी प्रादेशिक भाषाओं में तैयार किए जा रहे हैं तथा आकाशवाणी के विविध भारती केन्द्र से इनका प्रसारण किया जा रहा है। ग्रामीण विकास के प्रायोजित कार्यक्रम 'गांव विकास की ओर' और 'चलो गांव की ओर' पूर्वोत्तर क्षेत्र में भी उनकी प्रादेशिक भाषाओं/बोलियों में प्रसारित किए जा रहे हैं।

9.6.2 श्रव्य तथा दृश्य कार्यक्रम खाद्य एवं पोषाहार, कुष्ठरोग और आयकर सहित अन्य विषयों पर भी तैयार किए गए हैं। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह, 1-7 सितंबर 1997 के दौरान 30-30 सेकेंड के तीन ऑडियो स्पॉट और 60-60 सेकेंड के 2 वीडियो स्पॉट आकाशवाणी/दूरदर्शन से प्रसारित किए गए। क्रिकेट खिलाड़ी सौरभ गांगुली, रोबिन सिंह और राजेश चौहान के जरिए रक्तदान के महत्व को रेखांकित करने वाले वीडियो स्पॉट भी दूरदर्शन पर व्यापक स्तर पर दिखाए गए।

9.6.3 निदेशालय ने 'राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम' पर 72 वीडियो स्पॉट तैयार किए। वे हिंदी के अलावा प्रादेशिक भाषाओं में बनाए गए। दूरदर्शन के साथ-साथ इन कार्यक्रमों को सीसीटीवी नेटवर्क के जरिए भी प्रसारित किया गया।

श्रव्य तथा दृश्य कार्यक्रम
(1997-98)

श्रव्य कार्यक्रम	-- 6,817
रेडियो प्रसारण	-- 43,702
वीडियो कार्यक्रम	-- 244
टेलीविजन प्रसारण	-- 3,969
प्रयुक्त भाषाएं	-- हिंदी अंग्रेजी तथा सभी क्षेत्रीय भाषाएं

9.6.4 'राजभाषा हिंदी' और 'नई मंजिल की नई राह' वीडियो फिल्में और 'वाइडनिंग ऑफ टैक्स बेस' ऑडियो स्पॉट बनाया गया।

9.6.5 'वोट कैसे दें', 'हमें अवश्य वोट देना चाहिए', 'निडर होकर वोट दें', और 'पुरुषों तथा महिलाओं को वोट देने का समान अधिकार' वीडियो स्पॉट भी प्रसारित किए गए।

बाह्य प्रचार

9.7.1 बाह्य मीडिया में राष्ट्रीय अखंडता एवं सांप्रदायिक सद्भाव, नशीले पदार्थों का दुरुपयोग, अस्पृश्यता, नेताजी सुभाष चंद्र बोस,

विज्ञापन एक नज़र में

महत्वपूर्ण विषय/कार्यक्रम

— भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष
— पांचवीं राष्ट्रीय साक्षरता एवं प्रौढ़ शिक्षा फोटो प्रतियोगिता
— स्वास्थ्य के क्षेत्र में उपलब्धियों के 50 वर्ष
— भारतीय कृषि के 50 वर्ष और भारत को आत्मनिर्भर बनाने में किसानों का योगदान
— एड्स रोकथाम
— डेंगू रोकथाम
— दूरदर्शन--ग्रामीण क्षेत्रों पर अधिक ध्यान
— दूरदर्शन और आकाशवाणी—ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बेहतर गुणवत्ता वाली सेवा
— बालिका शिशु--उत्थान व विकास
— रोजगार आश्वासन योजना
— ग्रामीण निर्धनों को अधिकार देना और रोजगार उत्पन्न करना—विज्ञापन शृंखला
— ई.एम.एस.—स्पीड पोस्ट
— स्वस्थ लोग, स्वस्थ राष्ट्र
— आयकर
— भारतीय वायुसेना—एक शानदार कैरियर, एक रौबदार जीवनशैली
— भारत--संख्या नहीं, राष्ट्र के लिए गुणवत्ता महत्वपूर्ण--जनसंख्या नियंत्रण
— भारत 50 का हुआ—फोटो प्रतियोगिता
— किसान विकास पत्र
— साक्षरता
— राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना
— राष्ट्रीय बचत संगठन
— नेताजी सुभाषचंद्र बोस
— अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत
— जनसंख्या नियंत्रण
— संचयिका
— भ्रूण का लिंग परीक्षण अवैध
— तपेदिक
— वायरल मस्तिष्क ज्वर
— स्वैच्छिक आय घोषणा योजना

महत्वपूर्ण दिन/घटनाएं

— वायुसेना दिवस--8 अक्तूबर, 1993
— बाल दिवस--14 नवंबर, 1993
— झंडा दिवस--25 नवम्बर, 1997
— विश्वव्यापी आयोडीन कमी विकृति निवारण --21 अक्तूबर, 97
— अंतर्राष्ट्रीय नशीले पदार्थों का दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार निवारण अंतर्राष्ट्रीय दिवस--26 जून, 1997
— स्वतंत्रता दिवस—15 अगस्त, 97
— अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस--1 अक्तूबर, 97
— अंतर्राष्ट्रीय विकलांग व्यक्ति दिवस—3 दिसंबर, 1997
— क्रांति दिवस--8 अगस्त, 1997
— गांधी जयंती—2 अक्तूबर, 1997
— राष्ट्रीय पोषाहार दिवस--1-7 सितंबर, 1997
— विश्व स्वास्थ्य दिवस--7 अप्रैल, 97
— विश्व तम्बाकू सेवन निषेध दिवस--31 मई, 1997
— विश्व स्तनपान दिवस-1-7 अगस्त, 97

निवारण

— विश्व मितव्ययिता दिवस--28 अक्तूबर, 97
— विश्व आपदा कमी दिसंबर--8 अक्तूबर, 1997
— विश्व एड्स निवारण दिवस--1 दिसंबर, 97
— 31वां अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस--8 सितंबर, 97--विज्ञापन शृंखला
— विश्व डाक दिवस -- 9 अक्तूबर, 1997
— भारत का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह--10 से 20 जनवरी 1998
— गणतंत्र दिवस--26 जनवरी, 1998
— शहीदी दिवस--30 जनवरी, 1998
— नेताजी सुभाष चंद्र बोस जन्म दिवस--23 जनवरी, 1998
— राष्ट्रीय स्वच्छता दिवस--30 जनवरी, 1998
— तटरक्षक बल की वर्षगांठ--21 जनवरी, 1998
— उपभोक्ता अधिकार दिवस--15 मार्च, 1998

बाह्य प्रचार सामग्री
(1997-98)

होर्डिंग	--	402
कियोस्क	--	6,910
सज्जित रेलिंगें	--	550
वॉल पेंटिंग	--	3,740
बस पैनल	--	7,385
बैनर	--	868
सिनेमा स्लाइड	--	36,227
बैज	--	1.50 लाख
बस टिकट	--	50 लाख
प्रयुक्त भाषाएं	--	हिंदी, अंग्रेजी और सभी क्षेत्रीय भाषाएं
प्रचार-क्षेत्र	--	देशभर में

स्वास्थ्य व सफाई, ग्रामीण विकास तथा राष्ट्रीय फिल्म समारोह के बारे में होर्डिंग, कियोस्क, बस पैनल, वॉल पेंटिंग्स प्रदर्शित किए गए।

9.7.2 मेरठ के नौचंदी मेले में निदेशालय ने 200 कियोस्क, 20 होर्डिंग और 15 बस पैनल लगाए, जिससे राष्ट्रीय अखंडता और सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश प्रसारित किया गया। राष्ट्रीय अखंडता के बारे में एक सौ सिनेमा स्लाइड भी बनाए गए और सिनेमाहालों में प्रदर्शित किए गए।

9.7.3 राष्ट्रीय अखंडता और सांप्रदायिक सद्भाव विषय पर निदेशालय ने दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में 700 कियोस्क प्रदर्शित किए। बिहार, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, असम, चंड़ीगढ़ और पश्चिम बंगाल में 85 होर्डिंग लगाए और आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और पांडिचेरी में 250 भित्ति चित्र प्रदर्शित किए गए। राष्ट्रीय अखंडता और सांप्रदायिक सद्भाव विषय पर हिन्दी, अंग्रेजी तथा सभी प्रादेशिक भाषाओं में 9,100 सिनेमा स्लाइडों की एक पूरी शृंखला तैयार की गई और देशभर में सिनेमाहालों में दिखाई गई।

9.7.4 ग्रामीण विकास विषय पर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में कियोस्क प्रदर्शित किए गए। दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में बस पैनलों पर संदेश प्रचारित किए गए। दस स्थानों पर कार्टून प्रदर्शनों की व्यवस्था की गई, जिनमें से दिल्ली में चार लाल किले पर, तीन आई.टी.ओ. चौराहे पर और तीन उत्तर प्रदेश के नोएडा में लगाए गए। कार्टूनों के जरिए राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम का संदेश दिया गया।

9.7.5 भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह-1998 के लिए निदेशालय ने 800 कियोस्को, 200 बस पैनलों, 230 बैनरों, 300 सज्जित साटिन बंटिंग तथा होर्डिंगों के जरिए प्रचार सामग्री प्रदर्शित की। सिनेमा स्लाइडें भी बनाई और दिखाई गईं।

मास मेलिंग

9.8.1 मास मेलिंग में 15 लाख से अधिक पते हैं जो 545 श्रेणियों के अंतर्गत आते हैं। इन श्रेणियों में स्कूल, कालेज, अस्पताल, सामाजिक व स्वयंसेवी संगठन, राज्य सूचना विभाग, खंड विकास कार्यालय, क्षेत्रीय प्रचार कार्यालय, महत्वपूर्ण व्यक्ति, विधायक, सांसद आदि शामिल हैं।

प्रेषित सामग्री
(1997-98)

प्रेषित सामग्री	--	1.88 प्रतियां
पुराने पतों का नवीकरण	--	66,796 पते
नये पते शामिल किए	--	25,244 पते
कुल पते	--	15 लाख
कुल वर्ग	--	545
प्रचार-क्षेत्र	--	पूरा देश

10

फोटो प्रचार

फोटो प्रभाग

10.1.1 फोटो प्रभाग का मुख्य कार्य देश में हो रहे विकास और विशिष्ट परिवर्तनों का फोटोग्राफों के जरिए दस्तावेज तैयार करना और गतिविधियों को दृश्यगत समर्थन देना है। प्रभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय के विभिन्न माध्यम एककों तथा केंद्र और राज्य सरकारों के अन्य मंत्रालयों/विभागों को फोटो उपलब्ध कराता है। इसमें राष्ट्रपति सचिवालय, उप-राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय तथा उनके निवास, लोकसभा/राज्यसभा सचिवालयों और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावास शामिल हैं। इन दूतावासों को विदेश मंत्रालय के विदेश प्रचार प्रभाग द्वारा सामग्री भेजी जाती है। प्रभाग प्रचार कार्य न करने वाले संगठनों और आम लोगों को भी श्वेत-श्याम तथा रंगीन फोटोग्राफ सशुल्क उपलब्ध कराता है। 1997-98 के दौरान प्रभाग ने फोटो सप्लाई करके 12.19 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया।

10.1.2 प्रभाग के दिल्ली स्थित मुख्यालय में विभिन्न प्रकार के फोटोग्राफिक कार्यों के लिए सुसज्जित प्रयोगशालाएं और उपकरण हैं। प्रभाग के सूचना भवन, दिल्ली में स्थित मुख्यालय में एक फोटो डेटा बैंक भी स्थापित किया गया है। इस बैंक को क्षेत्रीय कार्यालयों से जोड़ने के नेटवर्क पर भी काम चल रहा है। फोटो डेटा बैंक में फोटोग्राफ रिकार्ड करने का काम भी प्रगति पर है। मुंबई, कलकत्ता, चेन्नई और गुवाहाटी में प्रभाग के चार क्षेत्रीय कार्यालय हैं।

स्वतंत्रता के 50 वर्ष

10.2.1 देशभर में मनाए जा रहे स्वतंत्रता के 50वें वर्ष के अवसर पर प्रभाग ने अपने संग्रहालय से कुछ खास फोटोग्राफों का चयन किया ताकि पिछले पचास सालों में देश में हुई उन्नति और विकास पर प्रकाश डाला जा सके। पत्र सूचना कार्यालय के सहयोग से इन फोटोग्राफों को देश के भीतर और विदेशों में प्रचार के लिए समाचारपत्रों को जारी किया गया। फोटो प्रभाग और विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय ने संयुक्त रूप से पिछले पचास सालों के दौरान राजनीतिक घटनाक्रम के साथ-साथ देश में हुई प्रगति पर एक विशेष प्रदर्शनी आयोजित की। मुख्य प्रदर्शनी लाल किला में 15 अगस्त, 1997 से लगाई गई। ऐसी ही एक अन्य प्रदर्शनी व्यापार मेले के दौरान 14 नवम्बर से प्रगति मैदान में लगाई गई।

10.2.2 फोटो प्रभाग ने एक अखिल भारतीय फोटो प्रतियोगिता आयोजित की जिसमें देशभर में फोटोग्राफरों को आज़ादी के 50वें वर्ष पर आयोजित समारोहों के फोटोग्राफ लेने के लिए आमंत्रित किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय 'आजाद भारत के पचास वर्ष आज' था। इस प्रतियोगिता में भाग लेने की शर्त यह थी कि इस विशिष्ट प्रदर्शनी के लिए भेजी जाने वाली प्रविष्टियों की तस्वीरें 14-15 अगस्त, 1997 की मध्यरात्रि से लेकर अगली रात्रि के बारह बजे के बीच खींची गई हों। इसके विषय का क्षेत्र काफी व्यापक था जिससे प्रतियोगियों को अपने-अपने विषय चुनने के लिए व्यापक फलक मिला। प्रतियोगिता देशभर में काफी लोकप्रिय हुई और प्रभाग को 4,346 प्रतिभागियों से 7,650 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। श्री एस. पॉल, श्री प्रवीण जैन और श्री ओ.पी. जोरा की चयन समिति ने इनमें से 194 फोटोग्राफों को विशेष प्रदर्शनी के लिए चुना। 26 फोटोग्राफों को पुरस्कार के लिए चुना गया। इनमें श्वेत-श्याम तथा रंगीन दोनों ही वर्गों को 13-13 प्रविष्टियां थीं। यह निर्णय लिया गया कि नई दिल्ली के अलावा इनकी प्रदर्शनी कलकत्ता, चेन्नई और मुंबई में भी लगाई जाए। पुरस्कृत और चयनित फोटोग्राफों की उद्घाटन प्रदर्शनी नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 14 से 23 नवंबर, 1997 के दौरान लगाई गई। सूचना और प्रसारण सचिव ने पुरस्कार वितरित किए। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, प्रभाग ने 'इंडिया टर्न्स फिफ्टी टुडे' विषय पर कलकत्ता में 18 से 21 फरवरी 1998 तक फोटो प्रदर्शनी आयोजित की।

प्रमुख कवरेज

10.3.1 फोटो प्रभाग ने समय-समय पर राष्ट्रपति के कार्यक्रमों का व्यापक फोटो कवरेज किया। प्रभाग ने प्रधानमंत्री की नेपाल, तंजानिया, अमरीका, इटली, युगांडा, दक्षिण अफ्रीका अंगोला और मिस्र यात्रा की भी व्यापक कवरेज की।

उप-राष्ट्रपति की सिंगापुर यात्रा की भी कवरेज की गई। प्रभाग द्वारा की गई फोटो कवरेज में माले में हुए सार्क सम्मेलन और संयुक्त राष्ट्र अधिवेशनों में भारत की भागीदारी भी शामिल है। ये फोटोग्राफ पत्र सूचना कार्यालय के जरिए देश भर में समाचारपत्रों को जारी किए गए। विदेशों में ये वहां स्थित भारतीय राजदूतावासों के जरिए वितरित किए जाते हैं। यह कार्य विदेश मंत्रालय के विदेश प्रचार प्रभाग के माध्यम से किया जाता है।

10.3.2 फोटो प्रभाग ने विदेशी राज्याध्यक्षों/शासनाध्यक्षों सहित विदेशी गणमान्य लोगों की भारत यात्रा की भी फोटो कवरेज की।

10.3.3 प्रभाग ने देश के विभिन्न इलाकों में स्वतंत्रता के 50 वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित समारोहों को कवर किया। इसने संसद के केन्द्रीय सदन में आयोजित मध्यरात्रि सत्र की कवरेज के साथ-साथ अन्य स्थानों पर आयोजित समारोहों के आयोजन के दौरान उपयोग के लिए मंत्रालय के अन्य माध्यम एककों को रिकार्ड संख्या में फोटोग्राफ उपलब्ध कराए।

10.3.4 फोटो प्रभाग ने नई दिल्ली में आयोजित भारत के 29वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह, 1998 की व्यापक कवरेज की। प्रभाग ने 1998 में हुए आम चुनावों की भी व्यापक कवरेज की।

प्रभाग का आधुनिकीकरण

10.4.1 नौवीं पंचवर्षीय योजना (1997-2002) में फोटो प्रभाग से संबंधित केवल एक कार्यक्रम शामिल किया गया है जो इसके 'आधुनिकीकरण' से संबंधित है। इसका कुल प्रस्तावित परिव्यय 400 लाख रुपये का है।

10.4.2 योजना के पहले वर्ष (1997-98) के दौरान एक 'प्रिजर्वर' (डिजीटल फोटो लाइब्रेरी) खरीदने का प्रस्ताव है जिस पर 75 लाख रुपये का खर्च आएगा। 'प्रिजर्वर' अत्याधुनिक तकनीक वाला एक उपकरण है जो प्रभाग में उपलब्ध अभिलेखीय और ऐतिहासिक महत्व के लगभग 10 लाख निगेटिवों के संरक्षण में मददगार साबित होगा। यह उपकरण बहुत ही कम समय में फोटोग्राफों का सुधार करने और उत्पादन में भी उपयोगी होगा।

11

गीत और नाटक

गीत और नाटक प्रभाग

11.1 गीत और नाटक प्रभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय का माध्यम एकक है जिसका कार्य मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में विकास के लिए संचार माध्यमों का उपयोग करना है। अभिनय कलाओं को संचार माध्यम के रूप में प्रयोग करने वाला यह देश का, और संभवत: एशिया का सबसे बड़ा संगठन है। यह लोक तथा परंपरागत नाटक, लोकगाथा गीत, नृत्य, नृत्यनाटिका, लोक तथा परंपरागत वाचन, कठपुतली, और तो और युगों पुरानी परंपरा वाली जादूगरी के कौशल जैसे लोक और परंपरागत माध्यमों की व्यापक श्रृंखला का उपयोग करता है। इसके अलावा, सांप्रदायिक सद्भाव, धर्मनिरपेक्षता, सांस्कृतिक धरोहर का उत्थान, स्वास्थ्य, पर्यावरण, शिक्षा आदि जैसे व्यापक राष्ट्रीय विषयों पर कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए प्रभाग आधुनिक तकनीक और सैकड़ों कलाकारों से युक्त ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रमों का उपयोग भी करता है।

संगठनात्मक ढांचा

11.2 दिल्ली में स्थित मुख्यालय के साथ-साथ प्रभाग के दस

आजादी के 50वें वर्ष के उपलक्ष्य में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए गीत और नाटक प्रभाग के जनजातीय कलाकार

क्षेत्रीय कार्यालय, सात सीमावर्ती केन्द्र, छह विभागीय नाटक मंडलियां, सशस्त्र बल मनोरंजन विंग की नौ मंडलियां, तीन ध्वनि और प्रकाश इकाइयां और रांची में एक जनजातीय प्रायोगिक परियोजना है। इसके अलावा, विभिन्न वर्गों की लगभग 700 पंजीकृत मंडलियां और 1,000 सूचीबद्ध कलाकार हैं।

सीमा और प्रचार मंडलियां

11.3 प्रभाग के पास 28 सीमा प्रचार मंडलियां हैं जो इंफाल, जम्मू, शिमला, नैनीताल, दरभंगा, जोधपुर और गुवाहाटी स्थित सात सीमावर्ती केन्द्रों में स्थित हैं। इन मंडलियों ने दूरस्थ सीमावर्ती इलाकों में विभिन्न विकास परियोजनाओं के बारे में शिक्षित करने और सीमापार से होने वाले दुष्प्रचार का मुकाबला करने के लिए प्रचार किया है। वर्ष 1997-98 के दौरान इन मंडलियों द्वारा एस.एस.बी., सीमा सुरक्षा बल तथा अन्य सरकारी एजेंसियों के सहयोग से 1,800 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विभागीय नाटक मंडलियां

11.4 वर्ष के दौरान पुणे, पटना, हैदराबाद, भुवनेश्वर, श्रीनगर और दिल्ली स्थित विभागीय नाटक मंडलियों ने परिवार कल्याण, एड्स, नशाखोरी, राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सद्भाव, पर्यावरण मुद्दे आदि जैसे विभिन्न विषयों पर नाटकों के 400 प्रदर्शन किए। इन मंडलियों ने खास तौर पर स्थानीय मेलों और त्यौहारों में, जहां लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा होते हैं, नाटक प्रदर्शित किए। महाराष्ट्र के गणेशोत्सव, उड़ीसा के कार महोत्सव, हैदराबाद के चारमीनार उत्सव जैसे प्रसिद्ध समारोहों को भी कवर किया गया।

सशस्त्र सेना मनोरंजन मंडलियां

11.5 प्रभाग की सशस्त्र सेना मनोरंजन विंग अग्रिम इलाकों में तैनात जवानों को मनोरंजन प्रदान करती है। दिल्ली और चेन्नई में इसकी नौ मंडलियां हैं। 1996-97 के दौरान इन मंडलियों ने 300 कार्यक्रम प्रस्तुत किए। ये कार्यक्रम सैन्य अधिकारियों के सहयोग से आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त इन मंडलियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समारोहों में भी कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा लेह और लद्दाख में आयोजित सद्भावना समारोह, स्वर्ण जयंती समारोहों, शांति मार्च, पल्स पोलियो, इंदिरा महिला योजना, राष्ट्रीय सामाजिक

बंगलौर में आयोजित राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव में कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए गीत और नाटक प्रभाग के कलाकार

सहायता कार्यक्रम, एड्स की रोकथाम आदि पर प्रचार अभियानों में भी भाग लिया।

जनजातीय प्रचार

11.6 सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियों में जनजातीय सांस्कृतिक मंडलियों को शामिल करने के लिए स्थापित रांची जनजातीय केन्द्र को प्रोन्नत कर दिया गया है ताकि वह अपनी गतिविधियां बढ़ा सके और अधिकाधिक जनजातीय लोगों को विकास की प्रक्रिया में शामिल कर सके। 1997-98 के दौरान इन मंडलियों द्वारा बिहार, उड़ीसा और मध्य प्रदेश के जनजातीय इलाकों में जनजातीय लोगों से संबद्ध विभिन्न परियोजनाओं के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए 648 कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न आदिवासी उत्सवों को विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर कवर किया गया। पूर्वोत्तर राज्यों की जनजातीय आबादी तक पहुंचने के लिए गुवाहाटी क्षेत्रीय केन्द्र में विकास संबंधी मुद्दों पर प्रचार हेतु मंडलियां तैनात कर विशेष प्रयास किए गए।

ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम

11.7 आम लोगों को और विशेष रूप से युवाओं को देश की गौरवपूर्ण विरासत और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों के बारे में शिक्षा देने के उद्देश्य से प्रभाग की ध्वनि और प्रकाश इकाइयों ने भव्य ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम आयोजित किए जिसे हजारों दर्शकों ने देखा। दिल्ली इकाई ने महरौली में आयोजित होने वाले 'फूल वालों की सैर' समारोह में 'वो रहगुजर वो राहगीर,' मेरठ में 'मंजिलें और भी हैं' और अमृतसर में 'सुनहरे वर्क' नामक कार्यक्रम आयोजित किया। बंगलौर इकाई ने वेदारण्यम में 'सुब्रह्मयम भारती' तथा मैसूर और हंपी में 'कर्नाटक वैभव' का आयोजन किया। वर्ष 1997-98 के दौरान तक इन इकाइयों ने 73 कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

व्यावसायिक और विशेष सेवाएं

11.8 प्रभाग लोक और परंपरागत कलाकारों वाली सांस्कृतिक मंडलियों को अपने निजी सांस्कृतिक संदर्भों के साथ लोगों से संवाद स्थापित करने के लिए तैनात करता है। निजी मंडलियों का पंजीकरण कर उन्हें ग्रामीण लोगों के बीच विकास संबंधी विषयों का प्रचार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। 700 से भी ज्यादा मंडलियों के लगभग 7,000 कलाकार और 1,000 से भी ऊपर सूचीबद्ध कलाकार सूचना, शिक्षा तथा संचार गतिविधियों में संलग्न हैं। दिसंबर 1997 तक इन कलाकारों ने 35,000 से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए। इन मंडलियों ने एड्स जागरूकता, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सद्भाव, नई आर्थिक नीति, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम और इंदिरा महिला योजना आदि विषयों पर प्रभाग द्वारा आयोजित प्रचार अभियानों में भाग लिया।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण

11.9 स्वास्थ्य रक्षा, छोटा परिवार, मां और शिशु, सफाई, टीकाकरण आदि के विभिन्न पहलुओं का प्रचार करने के लिए प्रभाग कलाकारों द्वारा प्रस्तुत कलाओं के विभिन्न रूपों का इस्तेमाल करता है ताकि उन सुदूरवर्ती और पिछड़े इलाकों में भी पहुंचा जा सके जहां इलेक्ट्रॉनिक और मुद्रित समाचार माध्यमों की पहुंच नहीं है। इन कार्यक्रमों के बारे में प्रभाग के अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर और मंडलियों के लिए राज्य स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की गईं। पल्स पोलियो टीकाकरण पर एक प्रचार अभियान चलाया गया जिसमें 2,000 कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले सहित महत्वपूर्ण मेलों और समारोहों में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विषय पर 11,000 से भी अधिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

प्रमुख गतिविधियां

11.10 प्रभाग ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, इंदिरा महिला योजना, एड्स की रोकथाम, पल्स पोलियो, नशाखोरी, राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव, संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली और नई आर्थिक नीति पर प्रमुखता से प्रचार अभियान चलाए। प्रभाग द्वारा इस वर्ष आयोजित किए गए प्रतिष्ठापूर्ण कार्यक्रमों में सद्भावना समारोह, भारत की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती समारोह, महात्मा गांधी पर 'युग पुरुष', स्वतंत्रता संघर्ष पर 'सुनहरे वर्क', मंजिलें अभी और भी हैं', कर्नाटक के इतिहास और संस्कृति पर 'कृष्णदेव राय एंड विजय नगर एंपायर', 'कर्नाटक वैभव' नाम से ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम शामिल हैं। विजय दिवस के मौके पर प्रभाग ने एक विशाल ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम प्रस्तुत किया। पूर्वोत्तर राज्यों, जम्मू और कश्मीर, पंजाब तथा देश के अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के संवेदनशील भीतरी इलाकों में विशेष प्रचार चलाया गया। इन प्रचार कार्यों में जनजातीय, अनुसूचित जाति और अल्पसंख्यक वर्गों की सांस्कृतिक

मंडलियों को शामिल किया गया। प्रभाग की गतिविधियां विभिन्न योजना और गैर-योजनागत कार्यक्रमों के तहत चलाई जाती हैं।

भारत की स्वाधीनता का स्वर्णजयंती वर्ष

11.11 भारत की स्वाधीनता की स्वर्णजयंती समारोहों पर अपनी गतिविधियों के एक अंग के रूप में प्रभाग ने अगस्त 1997 से देश के विभिन्न इलाकों में कार्यक्रम आयोजित किए। सौ-सौ कलाकारों के पांच दलों ने छह स्थानों पर हमारी आजादी की लड़ाई से जुड़े गांवों, कस्बों और नगरों में देशभक्ति गीत गाते हुए मार्च किया। ये मार्च निम्नलिखित स्थानों तक आयोजित किए गए : 1. पंजाब में कटकलकलां से जलियांवाला बाग तक, 2. उत्तर प्रदेश में काकोरी से इलाहाबाद तक, 3. गुजरात में साबरमती से दांडी तक, 4. महाराष्ट्र में मुंबई से पुणे तक, 5. आंध्र प्रदेश में काकीनाड़ा से गुंटूर तक और 6. तमिलनाडु में त्रिचुरापल्ली से वेदारण्यम तक।

ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम

11.12.1 गीत और नाटक प्रभाग ने निम्नलिखित ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम भी आयोजित किए :

(क) अमृतसर (पंजाब)—भारत की स्वतंत्रता हासिल करने में पंजाब का योगदान दर्शाने वाला कार्यक्रम 'सुनहरे वर्क'।

(ख) मेरठ (उत्तर प्रदेश)—1857 में हुई आजादी की पहली लड़ाई पर विशेष बल देते हुए हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रस्तुत करने वाला कार्यक्रम 'मंजिलें और भी हैं'।

(ग) वेदारण्यम (तमिलनाडु)—आजादी हासिल करने में महाकवि सुब्रह्मण्यम भारती के योगदान को प्रस्तुत करने वाला ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम 'सुब्रह्मण्यम भारती'।

11.12.2 जम्मू और कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र में एक सद्भावना समारोह आयोजित किया गया। जम्मू और कश्मीर के ही राजौरी, पुंछ, कठुआ और ऊधमपुर जिलों में आयोजित सांप्रदायिक सद्भाव अभियानों के दौरान लगभग 1,500 कार्यक्रम आयोजित किए गए। असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के संवेदनशील इलाकों में राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव पर ऐसे ही अभियान राजस्थान, गुजरात, पंजाब और उत्तर प्रदेश में भी चलाए गए।

11.12.3 इंदिरा महिला योजना पर एक विशेष अभियान के दौरान पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के पहचान किए गए जिलों में 900 कार्यक्रम आयोजित किए गए। हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों में राज्य सरकारों के सहयोग से मद्यनिषेध और नशाबंदी पर विशेष अभियान चलाए गए। ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय के सहयोग से देश के ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम पर 2,800 से भी ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रभाग ने सरकार द्वारा लागू किए जा रहे नए आर्थिक उपायों पर भी प्रचार चलाए। इस सिलसिले में प्रभाग ने लगभग 5,000 कार्यक्रम आयोजित किए। इसी प्रकार जनजातीय और निर्दिष्ट इलाकों में संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मेले, उत्सव और जन्मदिवस

11.13 प्रभाग ने लगभग सभी प्रमुख मेलों और उत्सवों में कार्यक्रम आयोजित किया। उड़ीसा के कार उत्सव, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल के दशहरा समारोह, केरल में ओणम का त्यौहार, पंजाब में बैशाखी, तमिलनाडु में पोंगल, असम में बिहू, मणिपुर में रास और याक्चुंग, महाराष्ट्र में गणेशोत्सव, पश्चिम बंगाल के होली और दुर्गा पूजा समारोह, नई दिल्ली में आयोजित होने वाला भारत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, सोनपुर मेला, माघ मेला, अल्मोड़ा के मासी मेले आदि में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। गांधी जयंती, बाल दिवस, सद्भावना दिवस, शिक्षक दिवस, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, विनोबा भावे, डॉ० बी.आर. आंबेडकर, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, स्वामी विवेकानंद तथा अन्य नेताओं के जन्मदिवस भी मनाए गए।

12

गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण

गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग

12.1.1 गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय, इसकी मीडिया इकाइयों और उनके क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए सूचनाओं का संसाधन करने वाली एजेंसी के रूप में कार्य करता है। यह मीडिया इकाइयों के लिए सूचना बैंक और सूचनाएं जुटाने वाली इकाई के रूप में कार्य करता है और कार्यक्रम बनाने तथा प्रचार अभियानों में उनकी सहायता करता है। प्रभाग जनसंचार माध्यमों के क्षेत्र में प्रवृत्तियों का अध्ययन भी करता है और इस विषय पर संदर्भ तथा प्रलेखन कार्य करता है। यह मंत्रालय, इसकी मीडिया इकाइयों तथा जन संचार के क्षेत्र में काम कर रहे अन्य संगठनों के उपयोग के लिए पृष्ठभूमि सामग्री, अनुसंधान व संदर्भ सामग्री तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराता है। प्रभाग भारतीय जन संचार संस्थान के सहयोग से भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था करता है जिससे जनशक्ति नियोजन और विकास पर मंत्रालय द्वारा दिया जा रहा जोर रेखांकित होता है।

भारतीय जनसंचार संस्थान के 29वें गुटनिरपेक्ष समाचार एजेन्सी पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले प्रशिक्षार्थियों को राज्यसभा की उप-सभापति डॉ० नजमा हेपतुल्ला ने प्रमाणपत्र प्रदान किया

12.1.2 प्रभाग ने सूचना प्रबंध और स्थापित करने के लिए कंप्यूटरीकरण आरंभ किया है। शुरू में 14 अधिकारियों को इस कार्यक्रम का प्रशिक्षण दिया गया है और पुस्तकालय के 32 हजार से भी अधिक रिकॉर्डों को परिवर्तित किया गया है।

12.1.3 प्रभाग दो वार्षिक संदर्भ ग्रंथों का संकलन करता है 'भारत : एक संदर्भ ग्रंथ' भारत के बारे में एक प्रामाणिक संदर्भ ग्रंथ है जबकि 'भारत में जनसंचार' देश में जनसंचार की स्थिति पर एक प्रकाशन है।

संदर्भ पुस्तकालय

12.2 प्रभाग का एक सुसज्जित लाइब्रेरी है जिसमें विभिन्न विषयों पर बड़ी संख्या में दस्तावेज तथा चुनी हुई पत्रिकाओं और मंत्रालयों, आयोगों तथा समितियों की विभिन्न रिपोर्टों के जिल्दबंद खंड उपलब्ध हैं। इसके संग्रह में पत्रकारिता, जन-संपर्क, विज्ञापन तथा दृश्य-श्रव्य माध्यम, सभी प्रमुख विश्वकोष, वार्षिक संदर्भ ग्रंथ और समसामयिक लेख उपलब्ध रहते हैं। पुस्तकालय की सुविधाएं भारत तथा विदेशी समाचार माध्यमों के संवाददाताओं और सरकारी कर्मचारियों के लिए उपलब्ध हैं। इस वर्ष पुस्तकालय में करीब 565 पुस्तकें आईं जिनमें विभिन्न विषयों पर हिन्दी में 165 किताबें भी शामिल हैं।

जनसंचार पर राष्ट्रीय प्रलेखन केन्द्र

12.3.1 मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिश पर 1976 में जनसंचार के बारे में राष्ट्रीय प्रलेखन केन्द्र स्थापित किया गया। इसका उद्देश्य जनसंचार के क्षेत्र में घटनाओं तथा प्रवृत्तियों के बारे में सूचनाओं का संकलन, विश्लेषण और प्रसार-प्रचार करना है। राष्ट्रीय जनसंचार प्रलेखन केन्द्र जनसंचार के बारे में उपलब्ध तमाम समाचारों, लेखों और अन्य सूचनात्मक सामग्री का प्रलेखन तथा सूचीकरण करता है।

12.3.2 राष्ट्रीय जनसंचार प्रलेखन केन्द्र द्वारा संकलित सामग्री नियमित सेवा के जरिए प्रसारित की जाती है। इनमें 'समसमायिक जानकारी सेवा', 'ग्रंथ सूची सेवा', 'फिल्म बुलेटिन', 'जनसंचार के क्षेत्र में कौन क्या है' और 'जनसंचार कर्मियों को प्रदत्त सम्मान' शामिल हैं। इस केन्द्र ने वर्ष के दौरान 29 पर्चे प्रकाशित किए।

12.3.3 वर्ष के दौरान प्रभाग ने हिन्दी और अंग्रेजी में 90 संदर्भ पत्र प्रकाशित किए। इनमें आजादी के 50 वर्ष पूरे होने के सिलसिले में प्रकाशित पत्र भी शामिल हैं। कुछ प्रमुख पत्र इस प्रकार हैं : 'राष्ट्रीय ध्वज', 'राष्ट्रीय गीत बंदे मातरम', 'स्वाधीनता संग्राम में पूर्वोत्तर की भूमिका', 'रानी लक्ष्मीबाई', 'डॉ० जाकिर हुसैन एक महान शिक्षा शास्त्री', 'सरदार बल्लभ भाई पटेल', 'शहीद बाघा जतिन', 'मदर टेरेसा : एक कर्मयोगिनी', 'प्रसार भारती', 'मानवाधिकार' और 'तेल संरक्षण'। हिन्दी और अंग्रेजी में राष्ट्रीय घटनाओं की पाक्षिक डायरी भी नियमित रूप से निकाली जा रही है। चालू वर्ष के दौरान 'भारत : एक संदर्भ ग्रंथ' का 42वां अंक विक्रय के लिए जारी किया गया। इस वार्षिक संदर्भ ग्रंथ में देश की 50 वर्ष की उपलब्धियों के बारे में एक संक्षिप्त अध्याय दिया गया है।

प्रशिक्षण

12.3.4 प्रभाग ने भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए कई कदम उठाये। भारतीय सूचना सेवा के वर्ग 'क' के चार प्रोबेशनरों ने भारतीय जनसंचार संस्थान नई दिल्ली में 11 महीने का पाठ्यक्रम नवम्बर 1977 में पूरा किया। बाद में उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए विभिन्न मीडिया इकाइयों से संबद्ध किया गया। भारतीय सूचना सेवा के 'क' वर्ग के 18 प्रोबेशनरों के बैच ने ओरिएंटेशन कोर्स के लिए भारतीय जनसंचार संस्थान में दाखिला लिया है। वर्ष के दौरान वर्ग 'क' और 'ख' के अधिकारियों के लिए भी कुछ अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए।

भारतीय जनसंचार संस्थान

12.4.1 जनसंचार के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च अध्ययन, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए 1965 में भारतीय जनसंचार संस्थान गठित किया गया था। यह एक स्वायत संस्था है और इसे भारत सरकार से सूचना और प्रसारण मंत्रालय के जरिए सीधे धन प्राप्त होता है। 22 जनवरी, 1966 को भारतीय समिति पंजीकरण अधिनियम (21) 1960 के अधीन इसका पंजीकरण कराया गया।

12.4.2 भारतीय जनसंचार संस्थान अध्यापन और प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है, सेमिनार आयोजित करता है और भारत तथा अन्य विकासशील देशों के लिए सूचना संबंधी उपयुक्त बुनियादी ढांचा खड़ा करने में मदद करता है। 1997-98 में संस्थान ने जो नौ नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम और चालीस लघु डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए। जिनमें निम्नलिखित प्रमुख हैं: (1) भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों (वर्ग 'क' और वर्ग 'ख') के लिए

भारतीय जनसंचार संस्थान के दीक्षांत समारोह में डिप्लोमा प्रदान करती हुईं सूचना और प्रसारण मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज

ओरिएंटेशन कोर्स; (2) आकाशवाणी तथा दूरदर्शन के कर्मचारियों के लिए प्रसारण पत्रकारिता पाठ्यक्रम; (3) नई दिल्ली और ढेंकानाल में पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी); (4) पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (हिंदी); (5) विज्ञापन और जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, (6) गुट-निरपेक्ष देशों के लिए समाचार एजेंसी पत्रकारिता में डिप्लोमा पाठ्यक्रम। रेडियो और टेलीविजन पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम।

12.4.3 सरकारी विभागों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में काम करने वाले जनसंचार कर्मियों के प्रशिक्षण की बढ़ती हुई जरूरतों को पूरा करने के लिए संस्थान भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों के लिए कई पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और विशेष अल्पावधि पाठ्यक्रम भी आयोजित करता है।

दीक्षांत समारोह

12.5 23 अप्रैल, 1997 को आयोजित संस्थान के 30वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में 140 विद्यार्थियों को डिप्लोमा प्रदान किए गए। इनमें गुट निरपेक्ष देशों के लिए समाचार एजेंसी पत्रकारिता डिप्लोमा पाठ्यक्रम के 22 प्रतिभागियों समेत तीनों स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के छात्र शामिल थे। इसके अलावा उड़ीसा स्थित भारतीय जनसंचार संस्थान की ढेंकानाल शाखा में 9 मई 1997 को चौथे दीक्षांत समारोह में स्नातकोत्तर पत्रकारिता पाठ्यक्रम (अंग्रेजी) के 38 छात्रों को भी डिप्लोमा प्रदान किए गए।

1997-98 का शैक्षिक सत्र

12.6.1 इस सत्र में 38 विद्यार्थियों को पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी), 41 को पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (हिंदी) और 45 को विज्ञापन तथा जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया। गुटनिरपेक्ष देशों के लिए समाचार एजेंसी पत्रकारिता में 29वां डिप्लोमा पाठ्यक्रम 7 जुलाई से 26 नवंबर, 1997 तक चला। गुट निरपेक्ष देशों के लिए समाचार एजेंसी पत्रकारिता में 30वां डिप्लोमा पाठ्यक्रम 15 दिसंबर, 1997 को शुरू हुआ।

12.6.2 भारतीय जनसंचार संस्थान, ढेंकानाल के पत्रकारिता में पांचवें स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 42 छात्रों को प्रवेश दिया गया। इसके अलावा संस्थान ने 31 मार्च, 1998 तक 42 अल्पकालीन पाठ्यक्रम, कार्यशालाएं और सेमिनार भी आयोजित किए।

12.6.3 भारत की स्वतंत्रता के स्वर्ण जयंती वर्ष में संस्थान ने वर्ष 1997-98 से रेडियो और टेलीविजन पत्रकारिता में एक नया पूर्णकालिक पाठ्यक्रम शुरू किया है। अगस्त 1997 से शुरू हुए इस पाठ्यक्रम में 28 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

अनुसंधान और मूल्यांकन अध्ययन

12.7 संस्थान ने 1997-98 में निम्नलिखित अनुसंधान और मूल्यांकन अध्ययन आयोजित किए :

(1) भारत सरकार के ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत राजीव गांधी राष्ट्रीय पेयजल मिशन के तत्वावधान में 25 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के 65 जिलों में पानी और स्वच्छता के बारे में आधार रेखा सर्वेक्षण। (60 जिलों में क्षेत्रीय कार्य पूरा हो चुका है और बाकी जिलों में प्रगति पर है।)

(2) सूचना और प्रसारण मंत्रालय के फिल्म सेंसर बोर्ड के तत्वाधान में फिल्मों में सेक्स और हिंसा के बारे में अध्ययन।

(3) सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत आकाशवाणी द्वारा प्रायोजित अपने कार्यक्रमों का मूल्यांकन।

(4) एड्स जागरूकता अभियान का मूल्यांकन—यह अध्ययन पूरा हो चुका है।

प्रकाशन

12.8 संस्थान 'कम्यूनिकेटर' (अंग्रेजी) और 'संचार-माध्यम' (हिंदी) नाम की दो त्रैमासिक पत्रिकाएं भी प्रकाशित करता है। स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के छात्रों तथा समाचार एजेंसी पत्रकारिता डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों ने अपनी शैक्षिक चर्या के भाग के रूप में लैबोरेटरी जर्नल प्रकाशित किए।

भारतीय जनसंचार संस्थान की शाखाएं

12.9 भारतीय जनसंचार संस्थान ने क्षेत्रीय आधार पर देश में अपनी शाखाएं खोलने का फैसला किया है। 14 अगस्त 1993 को ढेंकानाल (उड़ीसा) में स्थापित पहली शाखा ने पत्रकारिता (अंग्रेजी) में चार स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए हैं। पांचवां पाठ्यक्रम जारी है। संस्थान की बाकी तीन शाखाएं कोट्टायम (केरल), झाबुआ (मध्य प्रदेश) और दीमापुर (नगालैंड) में स्थापित किए जा रहे हैं और उनके लिए जमीन के अधिग्रहण/भवन निर्माण का कार्य अलग-अलग चरणों में पहुंच गया है। लेकिन इन शाखाओं ने अल्पकालीन पाठ्यक्रम संचालित करना पहले ही शुरू कर दिया है।

13
योजना और गैर-योजना कार्यक्रम

नौंवीं पंचवर्षीय योजना परिव्यय

13.1.1 योजना आयोग ने नौंवीं पंचवर्षीय योजना के पहले वर्ष 1997-98 के लिए 619.80 करोड़ रुपये का वार्षिक योजना परिव्यय मंजूर किया है। नौंवीं पंचवर्षीय योजना (1997-2002) और वार्षिक योजना 1997-98 का क्षेत्रवार परिव्यय नीचे दिया जा रहा है :

13.1.2 सूचना और प्रसारण मंत्रालय और इसकी माध्यम इकाइयों के बारे में 1997-98 और 1998-99 के योजना और गैर-योजना बजट का विवरण परिशिष्ट में दिया गया है।

13.1.3 वर्ष 1997-98 के दौरान प्रचार इकाइयों की योजना-कार्यक्रम के वास्तविक क्रियान्वयन से सम्बन्धित इकाइयों की उपलब्धियां नीचे दर्शाई गई हैं :

(करोड़ रुपये में)

	क्षेत्र	आठवीं पंचवर्षीय योजना परिव्यय (1992-97)				परिव्यय		
		मूल	संशोधित	स्वीकृत	उपयोग	मूल	नौंवी योजना सं.अ.	अंतिम
1.	प्रसारण माध्यम							
	दूरदर्शन	2300.00	2300.00	1345.32	1262.56	1648 34	415.60	364.00
	आकाशवाणी	1134.95	1134.95	835.32	659.30	1036.00	143.20	99.06
2.	फिल्म माध्यम	123.65	149.79	147.52	129.69	187.70	42.00	28.58
3.	सूचना माध्यम	75.40	87.68	65.02	42.79	98.30	19.00	13.25
	कुल	3634.00	3672.42	2393.21	2094.34	2970.34	619.80	504.89

प्रसारण खंड

आकाशवाणी

13.2.1 वर्ष 1997-98 के दौरान आकाशवाणी के नेटवर्क में आठ नए रेडियो स्टेशन जोड़े गए। उनके विवरण इस प्रकार हैं: हिमाचल प्रदेश में कुल्लू और काल्पा में; उत्तर प्रदेश में पिथौरागढ़ और उत्तरकाशी में; राजस्थान में माउंट आबू; जम्मू कश्मीर में कारगिल; पश्चिम बंगाल में आसनसोल और कर्नाटक के बीजापुर में एक-एक। इसके अतिरिक्त जगदलपुर (मध्य प्रदेश), रामपुर (उत्तर प्रदेश), कोयम्बटूर (तमिलनाडु), दिल्ली और जालंधर (पंजाब) में स्थित मौजूदा ट्रांसमीटरों की शक्ति को उन्नत किया गया है। इनके अलावा कलकत्ता, हैदराबाद और अलेप्पी में 200 कि.वा. के उच्चशक्ति ट्रांसमीटर और जेपोर में 50 कि.वा. का एक शार्टवेव ट्रांसमीटर भी लगाया गया है। आकाशवाणी के अब 195 केन्द्र हैं। आकाशवाणी के 300 ट्रांसमीटरों का नेटवर्क (मी.वे.-143, शा.वे.-54 और एफ.एम.-103) देश के 90 प्रतिशत से अधिक भू-भाग में फैली 97.3 प्रतिशत जनसंख्या तक आकाशवाणी के कार्यक्रम पहुंचाता है।

13.2.2 हिसार (हरियाणा), चमोली (उत्तर प्रदेश), कोकराझार (असम), तेज़पुर (असम), ज़िरो (अरुणाचल प्रदेश) और

कोडई कनाल (तमिलनाडु) में एक-एक रेडियो स्टेशन स्थापित करने का कार्य पूरा हो चुका है तथा काम-काज की जांच और निरीक्षण के बाद इन्हें शीघ्र ही 'तकनीकी दृष्टि से तैयार' घोषित कर दिया जाएगा। आकाशवाणी की सेप्पा (अरुणाचल प्रदेश), खोंसा (अरुणाचल प्रदेश), नोंगरटाइन (मेघालय) चम्फई (मिज़ोरम), सैहा (मिज़ोरम), मौन (नगालैंड), फेक (नगालैंड), तुएनसांग (नगालैंड) और नूतन बाज़ार (त्रिपुरा) में 1998-99 के दौरान नौ सामुदायिक रेडियो स्टेशन खोलने की योजना है। जयपुर, लखनऊ तथा आइजोल की एफ.एम. स्टीरियो परियोजनाओं के भी शीघ्र पूरे होने की आशा है। इसके अतिरिक्त, दिल्ली में 250-250 कि.वा. के 5 उच्च शक्ति शार्टवेव ट्रांसमीटरों की स्थापना के कार्य की वर्ष के दौरान पूरे हो जाने की आशा है। इनसे विदेश प्रसारण सेवाएं सुदृढ़ होंगी।

दूरदर्शन

13.3.1 प्राथमिक चैनल (डी डी-1) के प्रसारण दायरे को बढ़ाने के उद्देश्य से दूरदर्शन के 32 ट्रांसमीटरों ने काम करना शुरू किया। इनमें फाजिल्का में एक उच्चशक्ति ट्रांसमीटर (अंतरिम व्यवस्था), आंचमपेट (आंध्र प्रदेश), कैलासहर (त्रिपुरा) नौशेरा, खल्तसी और तांग्स्ते (तीनों जम्मू कश्मीर में) में एक-एक निम्नशक्ति ट्रांसमीटर (कुल पांच), तथा सिंगरौली, कोयली बेड़ा, बीजापुर (तीनों मध्य प्रदेश में) मल्कापुर (महाराष्ट्र), सागवाड़ा (गुजरात), साहिया, बासोत (दोनों उत्तर प्रदेश में), कोटखाई (हिमाचल प्रदेश), नागची, बारापल्ली (दोनों उड़ीसा में), रांग्यो (सिक्किम), सीतमपेटा (आंध्र प्रदेश), गोकू, भारियांग, नाम्पोंग, गेंसी, बोलेंग, लिरोम्बा, तिरबिन, रूपा, साईजोसा, बारीरिजो, केथिंग, पांलिन, ईंकीयोंग और तामिहा (सभी अरुणाचल प्रदेश) में स्थापित ट्रांसमीटर शामिल हैं। मेट्रो चैनल (डी डी-2) के कार्यक्रमों का दायरा बढ़ाने के लिए बंगलौर और हैदराबाद में एक-एक उच्चशक्ति ट्रांसमीटर तथा पांडिचेरी, सिल्चर और मऊ में एक-एक निम्नशक्ति ट्रांसमीटर चालू किए गए। इनके अतिरिक्त प्राइमरी कवरेज (डी डी-1) के लिए 78 ट्रांसमीटरों (उच्चशक्ति ट्रांसमीटर-3; निम्नशक्ति ट्रांसमीटर-58: अति निम्नशक्ति ट्रांसमीटर-17) तथा मेट्रो चैनल (डी डी-2) कवरेज के लिए 3 निम्न शक्ति ट्रांसमीटरों की स्थापना का कार्य पूरा किया गया।

13.3.2 वर्ष के दौरान, मऊ के स्टूडियो केन्द्र में स्टूडियो सुविधाएं तथा संसद भवन में दूर संचालित (रोबोटिक) कैमरा प्रणाली वाली स्टूडियो सुविधाएं चालू की गईं। नागपुर, इंदौर, ग्वालियर और जगदमपुर में स्टूडियो परियोजनाएं काफी हद तक पूरी की गईं (बकाया काम शीघ्र ही पूरा हो जाएगा)। तिरुअनंतपुरम, चेन्नई और पटना में तीन भू-केन्द्र चालू किए गए। जालंधर में भू-केन्द्र की स्थापना का काम पूरा किया गया।

पत्र सूचना कार्यालय

13.4 वर्ष 1997-98 के दौरान पत्र सूचना कार्यालय ने सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों से सम्बन्धित सूचना के प्रसार के लिए नेटवर्क में सुधार के निरंतर प्रयास किए। ग्यारह शाखा कार्यालयों के कम्प्यूटरीकरण के अलावा इस कार्यालय में मौजूदा कम्प्यूटरों को उन्नत बनाने का काम हाथ में लिया, जिसके लिए 80,286 और 80,386 प्रणालियों को बदलने तथा सन कार्य स्टेशनों की स्थापना आदि जैसे कार्य शुरू किए गए। 'प.सू.का. की गतिविधियों के आधुनिकीकरण और कम्प्यूटरीकरण' की योजना के अंतर्गत, आधुनिकतम उपकरणों की पूर्ति तथा संचार नेटवर्क को अद्यतन बनाने के लिए ब्यूरो की कार्यशैली को आधुनिक स्वरूप देने का प्रस्ताव है। पत्र सूचना कार्यालय, नागपुर और अहमदाबाद में दो लघु मीडिया सेंटर चालू वर्ष में खोले जा रहे हैं। अहमदाबाद का काम पूरा किया जा रहा है, जबकि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग प.सू.का., नागपुर का सिविल और विद्युत कार्य शुरू करने वाला है।

प्रकाशन विभाग

13.5 'प्रकाशन विभाग का आधुनिकीकरण' योजना के अंतर्गत विभाग ने चालू वर्ष के 40 लाख रुपये के बजट अनुदान से निम्नलिखित मदें प्राप्त कीं: (1) कम्प्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की खरीद; (2) फैक्स मशीनें और इलेक्ट्रॉनिक टाइपराइटर/फोटोकापियर मशीनें/पर्सनल कम्प्यूटर आदि की खरीद; और (3) सम्मेलन कक्ष का नवीनीकरण, इ.पी.ए.बी. एक्स को बदलना आदि। ई.टी. एंड टी. द्वारा विभाग के कर्मचारियों के लिए कम्प्यूटर उपयोग संबंधी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए हैं। वर्ष 1995-96 के दौरान 'सचल पुस्तक दुकान' के लिए दो चैसिस खरीदे गए (स्वीकृत बजट अनुदान-6 लाख रुपये)। इनमें से एक पूरी तरह से तैयार की गई वैन, वर्ष के दौरान गुवाहाटी को भेज दी गई है।

फोटो प्रभाग

13.6 1997-98 की वार्षिक योजना के लिए 75 लाख रुपये के अनुमोदित परिव्यय वाली 'फोटो प्रभाग के आधुनिकीकरण' की योजना का लक्ष्य फोटो प्रभाग को नवीनतम आधुनिक उपकरणों से सज्जित करना है ताकि फोटोग्राफी उद्योग की आधुनिकतम तकनीकों के साथ प्रभाग तालमेल रख सके।

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय

13.7 विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय की वार्षिक योजना 1997-98 के लिए 160 लाख रुपये का आबंटन किया गया। यह प्रावधान ग्रामीण क्षेत्र के लिए विकासोन्मुख प्रचार कार्यक्रमों तथा निदेशालय के कम्प्यूटरीकरण सहित इसे सुदृढ़ बनाने से सम्बन्धित योजनाओं के लिए किया गया। विकासोन्मुख प्रचार कार्यक्रमों के तहत 'भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष' पर प्रचार कार्यक्रम शुरू किए गए, जिनके लिए देशभर में जन साधारण तक देशभक्ति, सद्भाव और स्वतंत्रता प्राप्ति के 50 वर्षों में देश की उपलब्धियों की जानकारी दी गई। संदेश फैलाने के उद्देश्य से प्रदर्शनियों, बाह्य प्रचार और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम का प्रयोग किया गया। निदेशालय को सुदृढ़ करने की योजना के तहत डी.टी.पी. के लिए सॉफ्टवेयर संरचनाएं खरीदी जा रही हैं।

गीत और नाटक प्रभाग

13.8 गीत और नाटक प्रभाग के लिए वर्ष 1997-98 का योजना परिव्यय 175 लाख रुपये है। प्रभाग की विभिन्न योजना स्कीमों के अंतर्गत सूचना, शिक्षा और संचार संबंधी विभिन्न गतिविधियां चलाई जाती हैं। संवेदनशील इलाकों और इनर लाइन प्रचार योजना तथा सीमावर्ती इलाकों के लिए विशेष प्रचार योजना के अंतर्गत प्रभाग ने पूर्वोत्तर राज्यों, जम्मू-कश्मीर, पंजाब तथा देश के अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष प्रचार अभियान चलाए। इन योजनाओं के तहत मार्च 1998 तक लगभग 1810 कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रभाग ने लेह (लद्दाख) में सद्भावना समारोह; पूर्वोत्तर में सद्भावना पखवाड़ा; तथा जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा, राजौरी, पुंछ और उधमपुर जिलों में राष्ट्रीय अखंडता एवं साम्प्रदायिक सद्भाव अभियान आयोजित किए। प्रभाग की ध्वनि-प्रकाश इकाइयां दिल्ली और बंगलौर में कार्य कर रही हैं। बंगलौर इकाई ने भारत की स्वर्ण जयंती समारोहों के सिलसिले में वेदारण्यम (तमिलनाडु) में, तमिल में 'सुब्रह्मण्य भारती' कार्यक्रम आयोजित किया। मैसूर में 'श्री कृष्णदेवराय' और हम्पी में 'कर्नाटक वैभव' प्रस्तुत किए गए। इकाई ने मार्च, 1998 तक 21 प्रस्तुतियां कीं। दिल्ली की ध्वनि-प्रकाश इकाई ने मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) में गांधीजी पर 'युग पुरुष' और अमृतसर में 'सुनहरे वर्क' का मंचन किया। मार्च 1998 तक इकाई 20 प्रस्तुतियां कर चुकी थीं। प्रभाग ने 8 से 15 अगस्त, 1997 के दौरान संस्थानों पर 'फ्रीडम मार्च' आयोजित किए। रांची के जन-जातीय केन्द्र ने मार्च 1998 तक 648 कार्यक्रमों का आयोजन किया जिनका उद्देश्य जन-जातियों को उनके लिए बनाई गई विभिन्न विकास योजनाओं की जानकारी देना था।

क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय

13.9 वर्ष 1997-98 के लिए क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय का अनुमोदित परिव्यय 3 करोड़ रुपये का था। इस अवधि में निदेशालय ने 19 वीडियो वृत्तचित्रों के 1078 कैसेट और 32 फीचर फिल्मों के 1078 कैसेट प्राप्त किए। 1997-98 के दौरान 7 प्रायोजित भ्रमण (कंडक्टेड टूर) आयोजित किए गए। कोहिमा, ईटानगर, रायपुर, जयपुर, पटना, लखनऊ और बंगलौर के प्रादेशिक कार्यालयों ने अपने-अपने इलाकों के जनमत को प्रभावित करने वाले नेताओं के लिए देश के विभिन्न भागों में भ्रमण के कार्यक्रम प्रायोजित किए। वर्ष के दौरान देश में 8 नई इकाइयां भी खोली गईं। इनमें असम में ढेमा जी, मणिपुर में सेनापति, मेघालय में नोंगस्टोइन, अरुणाचल प्रदेश में यिंग कियोंग, बिहार में चाईबासा, मध्य प्रदेश में बस्तर, राजस्थान में सिरोही और हिमाचल प्रदेश में चम्बा इकाइयां शामिल हैं। अप्रैल 1997 से मार्च 1998 तक क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों ने 49,958 फिल्म शो, 60,934 मौखिक संवाद कार्यक्रम, 33,329 फोटो प्रदर्शनियां और 10,372 विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया। ये इकाइयां कुल मिलाकर 25,981 दिन यात्रा पर रहीं।

भारतीय जनसंचार संस्थान

13.10 संस्थान का 1997-98 की योजना स्कीमों के लिए 3.15 करोड़ रुपये का परिव्यय है। इस अवधि में, संस्थान ने चार अनुसंधान और आकलन अध्ययन शुरू किए, जिनमें से एक अध्ययन पूरा हो चुका है तथा शेष का काम जारी है। संस्थान ने मल्टीमीडिया प्रणाली खरीदी है, जिसमें पर्याप्त संख्या में टर्मिनल हैं, जिनसे ग्राफिक संचार, अंतर-संवादी (इंटरैक्टिव) संचार, मल्टीमीडिया लेखन (आथरिंग) तथा आन-लाइन सेवाओं जैसे विभिन्न श्रव्य-दृश्य संचार क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जा सकता है। इसके लिए कई एस.वी.एच.एस. आधारित वीडियो प्रणाली मंगाई गई हैं, जिनसे डेस्कटाप वीडियो निर्माण में मदद मिलेगी। संस्थान ने कम्प्यूटरों की नवीनतम पीढ़ी, अर्थात आई.बी.एम. और पेंटियम भी प्राप्त किए हैं, जिनके साथ 'विंडो 95' जैसे कई साफ्टवेयर भी हैं।

ब्राडकास्टिंग इंजीनियरिंग कंसल्टैंट्स इंडिया लिमिटेड (बेसिल)

13.11 वर्ष के दौरान 'बेसिल' की गतिविधियां श्रव्य व ध्वनि प्रणालियों, वीडियो प्रणालियों तथा उपग्रह लिंकिंग प्रणालियों के क्षेत्रों में केंद्रित रहीं। बेसिल, प्रतिष्ठापूर्ण संसद पुस्तकालय परियोजना के लिए केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग की ओर से ध्वनि डिजाइन, श्रव्य एवं ध्वनि प्रणालियों तथा सम्मेलन प्रणाली से सम्बन्धित कार्यों तथा राजस्थान विधान सभा, जयपुर के ऐसे ही कार्यों और लखनऊ में कई सभागृहों के काम में लगी हुई है। यह कम्पनी दूरदर्शन सहित कई अन्य प्रसारणकर्त्ताओं के लिए विभिन्न प्रकार के

खेलकूदों के लिए समर्पित खेल सॉफ्टवेयर पैकेजों के वर्सेटाइल टेक्स्ट व ग्राफिक प्रणालियों को समन्वित करने का कार्य भी कर रही है। दूरदर्शन और ई.टी.वी. को उपग्रह के जरिए एकसाथ एनेलॉग और डिजिटल सेवाओं के प्रसारण में मदद करने का काम भी इस कम्पनी ने शुरू किया है, जिसमें डिजीटल वीडियो सम्पीड़न प्रणाली के समन्वय का कार्य भी शामिल है। कम लागत वाले बहुभाषायी कैरेक्टर जेनेरेटर के विकास व समन्वय, चेन्नई, मसूरी और जबलपुर में दूरसंचार विभाग में कार्यक्रम निर्माण और निर्माणेतर कार्रवाई के लिए टेलीविजन स्टूडियो तथा आकाशवाणी के लिए अत्याधुनिक डिजिटल स्टूडियो ट्रांसमीटर लिंक के समन्वय, स्थापना और चालू करने जैसी कुछ प्रमुख परियोजनाओं का प्रारंभिक कार्य भी किया गया है।

सूचना भवन

13.12 सूचना भवन के निर्माण का चौथा चरण चल रहा है। मंत्रालय की विभिन्न प्रचार माध्यम इकाइयां इसी परिसर में स्थित होंगी। 31 मार्च, 1998 तक इस पर लगभग 19 लाख रुपये का खर्च किया जा चुका है।

वेतन एवं लेखा संगठन का कम्प्यूटरीकरण

13.13 वर्ष के दौरान सी.सी.ए. संगठन के लिए 25 लाख रुपये का आबंटन किया गया है, जो : (क) वेतन एवं लेखा कार्यालय (इर्ला) के कम्प्यूटरीकरण, और (ख) मंत्रालय के वेतन एवं लेखा कार्यालय (एम.एस.) के कम्प्यूटरीकरण के लिए है। एन.आई.सी. की सहायता से एक इन-हाउस साफ्टवेयर कार्यक्रम विकसित किया गया है, जो इस समय वेतन एवं लेखा कार्यालय में काम कर रहा है। पी.ए.ओ.-200 नामक एक परियोजना भी प्रगति पर है, जिसका उद्देश्य खातों के भुगतान व संकलन के वर्तमान में हाथ से किए जा रहे कार्यों का कम्प्यूटरीकरण करना है।

फिल्म खंड

फिल्म समारोह निदेशालय

13.14 44वें राष्ट्रीय फिल्म समारोह के निर्णायक मंडल के लिए स्क्रीनिंग अप्रैल 1997 में शुरू हुई। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के लिए 78 फीचर फिल्में, 59 गैर-फीचर फिल्में, 21 पुस्तकें और 16 फिल्म समालोचनाएं प्राप्त हुईं। भारत का 29वां अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह नई दिल्ली में 10 से 20 जनवरी, 1998 तक आयोजित हुआ। इस वर्ष प्रतियोगिता खंड फिर से शुरू किया गया। समारोह में भारतीय पैनोरमा खंड में प्रदर्शन के लिए 13 फीचर और 21 गैर-फीचर फिल्मों की सिफारिश की गई। निदेशालय ने वर्ष के दौरान विदेशों में आयोजित 66 अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भी भाग लिया। यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों अफ्रीका और अमरीका के कुछ शहरों में फिल्म सप्ताहों का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों के तहत निदेशालय ने मई और जुलाई/अगस्त 1997 के दौरान दिल्ली व भोपाल में तुर्कमेनिस्तान और दक्षिण कोरिया की फिल्मों के समारोह आयोजित किए। निदेशालय ने सितम्बर, 1997 में कलकत्ता में थाईलैंड फिल्म समारोह भी आयोजित किया।

फिल्म प्रभाग

13.15 वर्ष 1997-98 के लिए फिल्म प्रभाग का योजना परिव्यय 4.99 करोड़ रुपये का है। प्रभाग ने ग्रामीण दर्शकों के लिए विशेष रूप से लघु फीचर फिल्मों के निर्माण, सिनेमा उपकरणों में वृद्धि और उनको बदलने, गुलशन महल के नवीकरण और 'व्यावसायिक प्रशिक्षण व ओरिएंटेशन पाठ्यक्रम' की शुरूआत सम्बन्धी कार्य किए। वर्ष के दौरान प्रभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे पारिस्थितिक, सांस्कृतिक और विशेष परिवर्तनों को उजागर करने वाले 44 वृत्तचित्रों फिल्मों/लघु फिल्मों का निर्माण पूरा किया। राष्ट्रीय अखंडता, दहेज प्रथा, अस्पृश्यता, बंधुआ मजदूर, अनुसूचित जाति/जनजातियों के उत्थान, साक्षरता और अंधविश्वास जैसे विभिन्न विषयों पर 171 से अधिक फीचरेट निर्माणाधीन हैं। मार्च 1998 तक 2,668 कैसेटों और 22 प्रिंटों की बिक्री की गई। प्रभाग को वृत्तचित्रों, लघु व कार्टून फिल्मों के लिए मुम्बई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह के आयोजन का काम भी सौंपा गया है। यह आयोजन दो वर्ष में एक बार होता है। पांचवां समारोह 1 मार्च से 7 मार्च, 1998 तक मुम्बई में हुआ था।

राष्ट्रीय बाल एवं युवा फिल्म केन्द्र

13.16 केन्द्र ने दसवां अंतर्राष्ट्रीय बाल एवं युवा फिल्म समारोह 14-23 नवम्बर, 1997 को हैदराबाद में आयोजित किया। इसमें 31 देशों की 119 फिल्मों ने भाग लिया। केन्द्र द्वारा बनाई गई फिल्मों ने कई अंतराष्ट्रीय और राष्ट्रीय समारोहों में हिस्सा लिया। केन्द्र ने 1997-98 में तीन फीचर फिल्में और एक टीवी धारावाहिक तैयार किया तथा 12 फीचर फिल्मों को डब किया। बाल फिल्म समारोहों के आयोजन की अवधारणा को व्यापक स्वरूप दिया गया और इन्हें राज्य स्तरीय फिल्म समारोहों तक पहुंचाया गया। असम और त्रिपुरा राज्यों में प्रमुख फिल्म-पैकेजों का प्रदर्शन किया गया। इनके अलावा जिला स्तरों पर भी समारोहों का आयोजन किया गया। 1997-98 में तीन फीचर फिल्में और एक टी.वी. धारावाहिक तैयार किया गया तथा 12 फीचर फिल्मों को डब किया गया। बाल फिल्म समारोहों के आयोजन की अवधारणा को व्यापक स्वरूप दिया गया और इन्हें राज्य स्तरीय फिल्म समारोहों तक पहुंचाया

गया। असम और त्रिपुरा राज्यों में प्रमुख फिल्म-पैकेजों का प्रदर्शन किया गया। इनके अलावा जिला स्तरों पर भी समारोहों का आयोजन किया गया। 1997-98 के लिए पूर्वोत्तर राज्यों को केन्द्र के कार्यक्रमों के लिए विशेष रूप से चुना गया। अत: 2 अक्टूबर, 1997 से मिज़ोरम में मिज़ो भाषा में उपशीर्षकों वाले वी.एच.एस. कैसेटों के वितरण का एक विशेष कार्यक्रम शुरू किया गया। 1 जनवरी, 1997 से केन्द्र के कार्यक्रमों के वी.एच.एस. कैसेटों की डाक द्वारा बिक्री भी शुरू की गई। बाल फिल्म परिसर 'स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय बाल फिल्म परिसर' के केन्द्र के प्रस्ताव का काफी स्वागत हुआ है। आंध्र प्रदेश सरकार ने परिसर के लिए भूमि आबंटित कर दी है। यह परिसर समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा और परियोजना के स्वरूप को अंतिम रूप दे दिया गया है। जून 1998 तक इसका निर्माण कार्य शुरू हो जाने की आशा है।

भारत का राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार

13.17 भारत के राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार को वर्ष 1997-98 में आठ चालू योजनाओं और दो नई योजनाओं के लिए 220 लाख रुपये का बजट अनुदान दिया गया है। अभिलेखागार ने नागपुर के विस्फोटक विभाग द्वारा अनुमोदित रेखांकनों के आधार पर नाइट्रेट फिल्म वाल्टों के निर्माण के लिए 5 सितम्बर, 97 को फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान के साथ एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। वर्ष के दौरान अभिलेखागार ने 181 फिल्में, 171 वीडियो कैसेट, 425 पुस्तकें, 180 पटकथाएं, 139 डिस्क रिकार्ड, 106 रिकार्डिड ऑडियो कैसेट, 30 पुस्तिकाएं, 1408 स्थिर चित्र, 191 गीत पुस्तिकाएं, 404 दीवार-पोस्टर, 20 स्लाइड और 35 ऑडियो कम्पैक्ट डिस्क प्राप्त कीं। अभिलेखागार ने पुणे में मई-जून 1999 में चार सप्ताह का फिल्म समालोचना पाठ्यक्रम और अन्य केन्द्रों पर अल्पावधि पाठ्यक्रम भी चलाए।

भारत का फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, पुणे

13.18 फिल्म विंग में ध्वनि स्टूडियो के लिए भवन के ध्वनिक उपचार का काम वर्ष के दौरान चालू रहा। संस्थान के लिए किया गया 700 लाख रुपये का योजना प्रावधान मुख्यतया विभिन्न विभागों के पुराने पड़ गए उपकरणों को बदलने और फिल्म निर्माण और टेलीविजन कार्यक्रमों के निर्माण की नवीनतम तकनीकों का उपयोग करते रहने के लिए है।

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम

13.19 निगम की विभिन्न योजना स्कीमों के लिए वर्ष 1997-98 का स्वीकृत वार्षिक योजना परिव्यय 8.20 करोड़ रुपये है, जिसके लिए धन की व्यवस्था पूर्णतया निगम द्वारा जुटाए गए आंतरिक तथा अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से की गई है। निगम की कम बजट परंतु उत्कृष्ट क्वालिटी, विषयवस्तु और निर्माण मूल्यों वाली फिल्मों और इनसे जुड़े निर्माण दल और सहयोगकर्त्ताओं ने वर्ष के दौरान विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत तीन राष्ट्रीय/राज्य पुरस्कार जीते। निगम ने सात फिल्मों के निर्माण के लिए ऋण सहायता दी है तथा अपनी/सह-निर्माण श्रेणी के अंतर्गत आठ फिल्मों का निर्माण पूरा किया। निगम ने थियेटर तथा गैर-थियेटर अधिकारों के लिए 6 फिल्मों का, केबल व सैटलाइट अधिकारों के लिए 46 फिल्मों का और 101 टी.वी. धारावाहिक कड़ियों का आयात किया। निगम ने विभिन्न सर्किटों में तीन भारतीय फिल्में भी रिलीज़ कीं। 'ट्रेन टु पाकिस्तान' के विश्व प्रीमियर के अलावा विभिन्न सैटलाइट चैनलों पर 30 फिल्में दिखाई गईं। अहमदाबाद, नागपुर, तिरुअनंतपुरम और कलकत्ता में पैनोरमा सप्ताह, आयोजित किए गए। निगम ने 'एन.एफ.डी., सी.एन.ई.टी.' नाम से एक सॉफ्टवेयर विकसित किया है, जिससे टी.वी. पर अपने तथा दूरदर्शन द्वारा बिक्री किए जाने वाले कार्यक्रमों के लिए स्थान की बुकिंग और बिलिंग के लिए इंटरनेट के जरिए विभिन्न विज्ञापन एजेंसियों को जोड़ा जा सकता है। निगम की पांच प्रमुख परियोजनाएं हैं। ये हैं: लेजर एवं वीडियो उप-शीर्षक अंकन इकाई, वीडियो स्टूडियो/टी.वी. संपादन स्टूडियो तथा विशेष प्रभाव स्टूडियो, 16 कि.मी. फिल्म केन्द्र, कलकत्ता, चेन्नई में वीडियो केन्द्र और दिल्ली में एविड एयर प्ले प्रणाली।

सत्यजीत राय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, कलकत्ता

13.20 इस संस्थान के लिए 1997-98 का स्वीकृत वार्षिक योजना परिव्यय 1271.00 लाख रुपये का है। निर्देशन, चलचित्र छायांकन, सम्पादन तथा ध्वन्यांकन के क्षेत्र में दूसरा शिक्षा सत्र 1997 में शुरू हुआ। इस समय संस्थान में कुल 64 छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। 32 छात्रों के लिए एक अस्थायी छात्रावास भी बना लिया गया है। मुख्य समाचार/टी.वी. एवं फिल्म स्टूडियो जैसे अन्य निर्माण कार्य जारी हैं।

केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड

13.21 वर्ष 1997-98 के दौरान, बोर्ड के लिए वर्ष 1997-98 का अनुमोदित योजना परिव्यय 50 लाख रुपये का है। कम्प्यूटरीकृत प्रबंध प्रणाली की स्थापना की योजना के तहत, कलकत्ता कार्यालय में एक कम्प्यूटर लगाया गया है। बोर्ड के मुम्बई कार्यालय के लिए स्टीनबैक सम्पादन मशीन खरीदी गई है। हैदराबाद कार्यालय के लिए भी एक मशीन खरीदने की कार्रवाई शुरू की गई है।

जनजातीय उपयोजना/विशेष घटक योजना

प्रसारण क्षेत्र

प्रसार भारती : दूरदर्शन खंड

13.22 दूरदर्शन की योजना स्कीमें जन साधारण और विशेषरूप से ग्रामीण, जनजातीय और दुर्बल वर्गों के लोगों के लाभार्थ हैं।

टी.वी. के विस्तार की योजनाएं बनाते समय सदैव ही जनजातीय जनसंख्या की आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाता है। पहली अप्रैल, 97 से 31 दिसम्बर, 97 के दौरान जनजातीय उपयोजना जिलों में निम्नलिखित परियोजनाएं चालू/पूर्ण की गईं :

1. चालू की गई परियोजनाएं

(क) निम्नशक्ति ट्रांसमीटर, कैला सहर (त्रिपुरा)
(ख) अति निम्नशक्ति ट्रांसमीटर, सिंगरौली (मध्य प्रदेश)
(ग) भू-केन्द्र, तिरूअनंतपुरम (केरल)

2. पूर्ण परियोजनाएं

(क) निम्नशक्ति ट्रांसमीटर :
झगड़िया (गुजरात), राधनपुर (गुजरात), सताना (महाराष्ट्र), उमलय खेड (महाराष्ट्र), मुशाबनी (बिहार), तुनी (ए.पी.)
(ख) अति निम्नशक्ति ट्रांसमीटर, उदयपुर (हिमाचल प्रदेश)
(ग) उच्चशक्ति ट्रांसमीटर, अंतरिम-बालेश्वर (उड़ीसा)

प्रसार भारती : आकाशवाणी खंड

13.23 आकाशवाणी जनजातीय कल्याण संबंधी कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों से संबंधित केन्द्रीय व राज्य सरकार की विभिन्न कल्याण योजनाओं को आकाशवाणी केन्द्रों से प्रचारित किया जाता है। सॉफ्टवेयर स्कीमों के तहत 4 करोड़ रुपये के कुल आबंटन में से (i) समाज के वंचित वर्गों को सेवाएं प्रदान करने तथा (ii) पूर्वोत्तर के लिए विशेष कार्यक्रम श्रृंखला पर काफी धन खर्च किया गया है। गुवाहाटी में स्टूडियो सुविधाओं को सुधारा गया है और आधुनिकतम उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। तकनीकी दृष्टि से तैयार 17 में से 7 ट्रांसमीटर परियोजनाएं अनुसूचित जाति/अनूसूचित जनजाति-बहुल इलाकों में हैं।

सूचना माध्यम

पत्र सूचना कार्यालय

13.24 प.सू.का. ने 1997-98 में जनजातियों के लाभार्थ दो योजनाओं की पहचान की। इनमें से एक 'जनजातीय इलाकों में प्रेस दलों का समन्वय व आयोजन' के लिए 10 लाख रुपये की स्वीकृत परिव्यय है। इस योजना का उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों को राष्ट्रीय मुख्यधारा में आना और राष्ट्रीय अखंडता को प्रोत्साहित करना है। वर्ष के दौरान 5 प्रेस-यात्राएं आयोजित की गईं। दूसरी योजना 'टी.एस.पी. के अंतर्गत प.सू.का. के शाखा कार्यालयों की स्थापना के लिए इस वर्ष 10 लाख रुपये का स्वीकृत परिव्यय है। इस योजना का उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में सूचना ढांचे का विस्तार करना है, जिनके लिए पूर्वोत्तर राज्यों की भाषा/बोली के समाचारपत्रों तथा अन्य मीडिया में उपयोग पर बल दिया जा रहा है।

प्रकाशन विभाग

13.25 विभाग ने अपने 40 लाख रुपये के वार्षिक योजना परिव्यय में से 12 लाख रुपये की राशि जनजातीय जनसंख्या के लिए रखी है। सरकार की नीतियों व कार्यक्रमों के बारे में सूचना प्रचारित करने के उद्देश्य से 'डेस्क टॉप पब्लिशिंग को उन्नत बनाना', पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए सचल पुस्तक दुकानें और 'उड़िया में योजना के प्रकाशन' के कार्यक्रमों को चुना गया। सचल पुस्तक दुकान योजना के तहत तैयार एक वाहन गुवाहाटी भेज दिया गया है।

गीत और नाटक प्रभाग

13.26 1997-98 के दौरान प्रभाग ने अनुसूचित जातियों/जनजातियों के लाभार्थ चार विशिष्ट योजनाओं, यथा 'जन जातीय/पर्वतीय/मरूभूमि क्षेत्र में प्रचार' तथा 'संवेदनशील व सीमावर्ती इलाकों में प्रचार योजना का चयन किया है। इन योजनाओं के लिए कुल 87 लाख रुपये का परिव्यय है। इनका उद्देश्य जनजातियों को विभिन्न विभागीय योजनाओं से अवगत कराना; शिक्षा, स्वास्थ्य, सफाई और उनके उत्थान के लिए उन्हें जागरूक बनाना है। ऐसी जनसंख्या के लिए वर्ष 1997-98 के दौरान कुल मिलाकर 4294 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय

13.27 अनुसूचित जाति/जनजातियों को शिक्षित व जागरूक बनाने के उद्देश्य से, निदेशालय ने 1997-98 में जनजातीय क्षेत्रों में आठ नई इकाइयां खोलीं, जिनमें पूर्वोत्तर क्षेत्र में खोली गई चार इकाइयां भी शामिल हैं। 'नई क्षेत्रीय इकाइयों को खोलना व उनके रखरखाव' योजना के लिए 70 लाख रुपये का परिव्यय है।

14

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

भारत और यूनेस्को

14.1.1 भारत संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन—यूनेस्को का संस्थापक सदस्य है। यूनेस्को संयुक्त राष्ट्र की विशिष्ट एजेंसी है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा, विज्ञान और टेक्नोलॉजी, सामाजिक विज्ञान, संस्कृति और जनसंचार के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है। इसके अलावा विकासशील देशों की प्रचार संबंधी क्षमता को बढ़ाने के लिए 1981 में यूनेस्को के 21वें महाअधिवेशन में अंतर्राष्ट्रीय संचार विकास कार्यक्रम के गठन की मंजूरी दी गई। भारत ने इसकी स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह इस कार्यक्रम में शामिल विभिन्न देशों की सरकारों की परिषद और अंतर्राष्ट्रीय संचार विकास कार्यक्रम ब्यूरो का भी सदस्य है। भारत अंतर्राष्ट्रीय संचार विकास कार्यक्रम को नियमित रूप से अंशदान देता आ रहा है और बीते वर्षों में उसने इसकी विभिन्न गतिविधियों में भी अग्रणी भूमिका निभाई है। संस्थापक सदस्य होने के नाते मंत्रालय यूनेस्को और ब्यूरो/अंतर्राष्ट्रीय संचार विकास कार्यक्रम की बैठकों में भारत का प्रतिनिधित्व करता रहा है।

14.1.2 यूनेस्को की महासभा का 29वां अधिवेशन 21 अक्तूबर से

सार्क देशों के सूचना मंत्रियों के सम्मेलन के दौरान सूचना और प्रसारण मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ढाका में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ

12 नवंबर 1997 तक पेरिस में आयोजित किया गया और अंतर्राष्ट्रीय संचार विकास कार्यक्रम की अंतर-सरकारी परिषद की 36वीं ब्यूरो बैठक 1 से 4 दिसंबर, 1997 तक जमैका में किंग्स्टन में हुई।

14.1.3 अंतर्राष्ट्रीय संचार विकास कार्यक्रम की अंतर-सरकारी परिषद का 18वां अधिवेशन 24-27 मार्च, 1998 तक पेरिस में हुआ। इस बैठक की विशेषता यह थी कि इसमें लोक सेवा प्रसारण की राजनीतिक, आर्थिक और टेक्नोलॉजी संबंधी चुनौतियों पर बहस हुई।

सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम

14.2 भारत और चीन जनवादी गणराज्य के बीच सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत सूचना और प्रसारण सचिव के नेतृत्व में तीन सदस्यों के शिष्टमंडल ने जून 1997 में चीन की यात्रा की। भारतीय शिष्टमंडल ने चीन के फिल्म, रेडियो और टेलीविजन मंत्री, रेडियो और टेलीविजन उप-मंत्री और स्टेट काउंसिलर समेत वहां की सरकार के अनेक पदाधिकारियों के साथ बातचीत की। शिष्टमंडल की इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि चाइना सेंट्रल टेलीविजन और दूरदर्शन के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किया जाना रही।

भारत-मिस्र संबंध

14.3.1 भारत जनसंचार और सूचना के क्षेत्र में मिस्र के साथ घनिष्ठ संपर्क बनाए हुए है। इसके अंतर्गत (क) द्विपक्षीय सूचना समझौते, (ख) रेडियो और टेलीविजन के बारे में करार तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

14.3.2 11 अक्तूबर, 1997 को प्रधानमंत्री की मिस्र यात्रा के दौरान भारत और मिस्र के बीच सूचना समझौते की पुष्टि से संबंधित दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया।

भारत समाचार पूल डेस्क और गुट निरपेक्ष समाचार एजेंसी पूल

14.4.1 गुट निरपेक्ष समाचार एजेंसियों के पूल का विधिवत गठन 1976 में किया गया था। इसका उद्देश्य सूचनाओं के विश्व-व्यापी प्रवाह में असंतुलन दूर करना था। यह गुट निरपेक्ष देशों की राष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के बीच समाचारों तथा सूचनाओं के आदान-प्रदान की व्यवस्था है और इसमें एशिया, अफ्रीका, यूरोप तथा लातीनी अमरीका के देश शामिल हैं। इसके कामकाज की देखरेख एक समन्वय समिति करती है जिसका चयन हर तीन साल बाद किया जाता है। भारत गुट निरपेक्ष समाचार एजेंसी पूल का पहला अध्यक्ष (1976-79) बना था और इस समय इसका सदस्य है। 'पूल' को चलाने में जो खर्च आता है वह सदस्य देश जुटाते हैं। वे अपने ही खर्च पर समाचार एकत्र करके, उसे व्यवस्थित करके वितरित करते हैं।

14.4.2 भारत सरकार की ओर से प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया गुट-निरपेक्ष समाचार एजेंसी पूल के अंतर्गत इंडिया न्यूज पूल डेस्क (भारत समाचार पूल डेस्क) का संचालन करता है। भारत पूल नेटवर्क की दैनिक समाचार फाइल के लिए हर रोज काफी समाचार उपलब्ध कराता है। 1997-98 के दौरान पूल डेस्क पर करीब 20,000 शब्द प्रतिदिन की दर से समाचार प्राप्त हुए। वर्ष के दौरान खुद इंडिया न्यूज पूल डेस्क ने सहभोगी देशों को औसतन 7,000 शब्द प्रतिदिन की दर से खबरें दीं।

वर्ष की उपलब्धियां

14.5.1 पी.टी.आई. और मिडल ईस्ट न्यूज एजेंसी (मेना) के बीच समझौते के बाद भारत में मेना के संवाददाता तथा मिस्र में भारत के संवाददाता एक-दूसरे की समाचार सेवा का नि:शुल्क फायदा उठा सकते हैं।

14.5.2 काठमांडू में इनसेट उपग्रह के माध्यम से पी.टी.आई. के समाचार प्राप्त करने के लिए डिश एंटेना लगाया गया है। इसके अलावा समाचार भेजने और प्राप्त करने के लिए दो तरफा टेलीप्रिंटर सर्किट की सुविधा भी उपलब्ध है। नेपाल की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी—राष्ट्रीय समाचार संस्था के जरिए अब वहां भारत के बारे में अधिक खबरें दी जा रही हैं।

14.5.3 गुट निरपेक्ष समाचार एजेंसी पूल की समन्वय समिति की वार्षिक बैठक तथा पूल का 7वां महासम्मेलन अभी नहीं हो सका है। भारत ने ईरान की समाचार एजेंसी इरना को सूचित कर दिया है कि उसे गुट निरपेक्ष समाचार एजेंसी पूल का सातवां महा-सम्मेलन और समन्वय समिति की बैठक सीरियन अरब न्यूज एजेंसी (साना) द्वारा आयोजित किए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है।

14.5.4 भारतीय जनसंचार संस्थान में विभिन्न गुट निरपेक्ष देशों की समाचार एजेंसियों के पत्रकारों को प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम जारी है।

15

प्रशासन

कार्य नियमों के आबंटन के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय के पास सूचना, शिक्षा और मनोरंजन के संदर्भ में फिल्म सहित मुद्रित तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से संबंधित कार्यों को लागू करने के लिए विस्तृत अधिकार हैं।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के कार्य

- विदेशों में बसे भारतीयों सहित आम जनता के लिए आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के जरिए समाचार सेवाएं प्रदान करना।
- प्रसारण तथा टेलीविजन का विकास।
- फिल्मों का आयात एवं निर्यात।
- फिल्म उद्योग की उन्नति और विकास।
- फिल्मोत्सवों का आयोजन और इस उद्देश्य के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान।
- भारत सरकार की ओर से विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार।
- भारत सरकार की नीतियों को प्रस्तुत करना और इसके प्रकाशन के बारे में पुनर्निवेशन के लिए प्रेस संबंध बनाना।
- समाचार-पत्रों के संदर्भ में प्रेस और पुस्तिका पंजीकरण अधिनियम, 1867 का कार्यान्वयन।
- भारत में तथा बाहर, राष्ट्रीय महत्व की सूचनाओं का प्रकाशन के माध्यम से प्रचार।
- मंत्रालय की मीडिया इकाइयों के सहयोग के लिए शोध, संदर्भ तथा प्रशिक्षण।
- मंत्रालय के संस्थानों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले विशिष्ट कलाकारों, संगीतकारों, वाद्य कलाकारों, नर्तकों और नाट्य कलाकारों आदि के लिए वित्तीय सहायता।
- प्रसारण और समाचार सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।

15.1.2 मंत्रालय के कार्यों में मदद और सहयोग करने के लिए 14 संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालय, पांच स्वायत्त संगठन और दो सार्वजनिक उपक्रम हैं।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय का गठन

संबद्ध तथा अधीनस्थ संगठन

1. आकाशवाणी
2. दूरदर्शन
3. भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक का कार्यालय
4. विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय
5. पत्र सूचना कार्यालय
6. प्रकाशन विभाग
7. क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय
8. फिल्म समारोह निदेशालय
9. गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग
10. फिल्म प्रभाग
11. फोटो प्रभाग
12. गीत और नाटक प्रभाग
13. केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड
14. भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार
15. मुख्य लेखा नियंत्रक

स्वायत्त एवं सार्वजनिक उपक्रम

1. भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान
2. भारतीय जनसंचार संस्थान
3. राष्ट्रीय बाल एवं युवा चलचित्र केन्द्र
4. भारतीय प्रेस परिषद
5. भारतीय सत्यजित राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान
6. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम
7. भारतीय प्रसारण अभियांत्रिकी सलाहकार लिमिटेड

मुख्य सचिवालय

15.2 इस मंत्रालय के मुख्य सचिवालय का प्रमुख सचिव होता जिसके सहयोग के लिए एक अतिरिक्त सचिव, एक वित्तीय सलाहकार-सह-अतिरिक्त सचिव, तीन संयुक्त सचिव और एक मुख्य लेखा नियंत्रक होते हैं। मंत्रालय के विभिन्न विभागों में निदेशक/उपसचिव स्तर के 11 अधिकारी, अपर सचिव स्तर के 15 अधिकारी, 43 अन्य राजपत्रित अधिकारी और 285 अराजपत्रित अधिकारी हैं।

जनशिकायतें

15.3.1 प्रभावशाली और उत्तरदायी प्रशासन पर आयोजित मुख्य मंत्रियों के सम्मेलन में दिए गए सुझाव के अनुरूप सभी मंत्रालयों में व्यापक जनसंपर्क वाले संगठनों के लिए नागरिक अधिकारपत्र बनाने के उद्देश्य से कार्यदल गठित करने का निर्णय लिया गया। इन अधिकार-पत्रों का मकसद संबद्ध संगठनों द्वारा प्रदत्त सेवाओं के बारे में अधिकाधिक जानकारी उपलब्ध कराना और उन सेवाओं को प्राप्त करने के लिए आम जनता द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया और उसके मानदंडों की जानकारी देना है। इन अधिकारपत्रों का उद्देश्य यह बताना भी है कि प्रदत्त सेवाओं से संतुष्ट न होने की शिकायतें कैसे दूर की जाएं। मंत्रालय में कार्य दल (टास्क फोर्स) का गठन किया गया है जिसके अध्यक्ष संयुक्त सचिव (नीति और जनशिकायत) हैं तथा इसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ अधिकारी भी हैं। कार्य दल ने भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय के नागरिक अधिकारपत्र को अंतिम रूप दे दिया है। इसका सार संलग्नक 'क' में दिया गया है। इसका सार अनुलग्नक 'अ' में दिया गया है। विभिन्न सेवाओं के बारे में जानकारी देने के लिए तथा ऊपर वर्णित मानदंडों की जानकारी ब्रोशर भी तैयार किया जा रहा है जो शीघ्र ही उपलब्ध हो जाएगा।

15.3.2 मंत्रालय तथा इसकी सभी संघट इकाइयों की शिकायत निबटान प्रणाली को कारगर बनाने के लिए इस प्रणाली के अंतर्गत

आने वाली गतिविधियों की समय-सीमा निर्धारित कर दी गई है। मंत्रालय के सभी अधीनस्थ कार्यालयों में शिकायत अधिकारी नियुक्त किए गए हैं जिन्हें समय से शिकायतों को निपटाने की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं।

शिकायतों के निबटान में हुई प्रगति पर नजर रखने की जरूरत समझते हुए, मंत्रालय ने एक कम्प्यूटरीकृत शिकायत निबटान मॉनिटरिंग व्यवस्था विकसित की है जो दिसंबर 1996 से कार्य कर रहा है। मंत्रालय में अभी तक 154 शिकायतें दर्ज कराई गई हैं जिनमें से 90 फीसदी विभागीय शिकायतें थीं और बाकी जनता की शिकायतें। इसमें से 60 फीसदी मामले दूरदर्शन महानिदेशालय व आकाशवाणी महानिदेशालय से संबंधित हैं। जो अब प्रसार भारती (ब्राडकास्टिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया) के अंतर्गत हैं। शिकायतों का निपटान निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय में कार्य समीक्षा बैठक महीने में दो बार की जाती है।

सूचना सुविधा पटल

15.4.1 प्रशासन को ज्यादा कार्यकुशल और उत्तरदायी बनाने के सरकार के दिशानिर्देश के अनुसार दिनांक 4 जुलाई, 97 को मंत्रालय में सूचना सुविधा पटल शुरू किया गया। यह सूचना सुविधा पटल शास्त्री भवन में भूतल पर गेट संख्या एक के निकट कार्यरत है और आम लोगों के लिए सभी कार्य-दिवसों को सुबह 9.30 से सायं 4.30 बजे तक खुला रहता है। इस योजना का मुख्य ध्येय जनता के लिए एक स्थान पर सारी सुविधाएं मुहैया कराना है जिससे जनता मंत्रालय तथा उसकी माध्यम इकाइयों के किसी भी पहलू पर आसानी से जानकारी प्राप्त कर सके। मंत्रालय तथा उसके माध्यम एककों में जनता के लिए उपयोगी बुनियादी सूचनाएं कम्प्यूटर द्वारा तैयार प्रारूप में तथा सूचना-पत्र के रूप में उपलब्ध हैं। सूचना सुविधा पटल के कम्प्यूटर को मंत्रालय तथा अधीनस्थ कार्यालयों के कम्प्यूटरों से जोड़ने का प्रयत्न किया जा रहा है ताकि मंत्रालय की किसी भी गतिविधि की जानकारी सूचना पटल पर समग्र रुप में प्राप्त की जा सके।

15.4.2 अधिक जनसंपर्क वाले अधीनस्थ कार्यालयों में यह सूचना मुहैया कराने के सरकार के निर्णय के फलस्वरूप मंत्रालय ने अपनी सभी इकाइयों में स्वतंत्र सूचना सुविधा पटल खोलने का निश्चय किया है। भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक कार्यालय में यह काउंटर खुल गया है। अन्य इकाइयों में भी इसी प्रकार के पटल खोले जा रहे हैं।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति को उचित प्रतिनिधित्व देने का प्रावधान

15.5.1 सरकार द्वारा जारी आदेश एवं उसकी घोषणा नीति के अनुसार मंत्रालय अपनी नियंत्रणाधीन सेवाओं और पदों पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति को उचित प्रतिनिधित्व देने की पूरी कोशिश कर रहा है। मंत्रालय लगातार इस कोशिश में है कि आरक्षण के लक्षित प्रतिशत और मंत्रालय की सेवाओं और पदों पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति के वास्तविक प्रतिनिधित्व में अंतर कम से कम हो। इन सतत प्रयासों के फलस्वरूप मंत्रालय से संबद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालयों के कुल कर्मचारियों में से अनुसूचित जाति एवं जनजाति का प्रतिशत दिनांक एक जनवरी, 97 को निम्नलिखित था :

15.5.2 कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के दिशानिर्देश के अनुसार मंत्रालय की विभिन्न सेवाओं में अनुसूचित जाति और जनजाति के कर्मचारियों के लक्षित प्रतिशत और वास्तविक प्रतिनिधित्व के अंतर को कम करने के लिए अनुसूचित जाति और जनजाति को पूर्व रिक्तियों को भरने के उद्देश्य से विशेष भर्ती अभियान इस साल से शुरू किया गया। इस अभियान के तहत विज्ञापित अनुसूचित जाति और जनजाति के अभ्यार्थियों द्वारा भरे जाने वाले कुल पदों की संख्या का विवरण निम्नलिखित प्रकार है :

15.5.3 आरक्षण नीति को लागू करने से संबंधित समन्वय और अवलोकन कार्य के लिए निदेशक स्तर के संपर्क अधिकारी की देखरेख में मंत्रालय में एक प्रकोष्ठ कार्य कर रहा है। मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले संबद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालय, स्वायत्त संस्थाएं और सार्वजनिक उद्यमों में रोस्टर रखी जाती है।

15.5.4 भारत और विदेशों में होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सेवारत अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकारियों की भागीदारी पर उचित ध्यान दिया जा रहा है। मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण

में आने वाले अधीनस्थ कार्यालयों, स्वायत्त संस्थाओं और सार्वजनिक उद्यमों की सेवाओं और पदों में अनुसूचित जाति एवं जनजाति की आरक्षण नीति का कड़ाई से पालन किया जा रहा है।

राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग

15.6.1 भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार यह मंत्रालय हिंदी के इस्तेमाल पर जोर दे रहा है। मंत्रालय के मुख्य सचिवालय में स्थित राजभाषा कार्यान्वयन समिति सचिवालय और संबद्ध व अधीनस्थ कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग में प्रगति को मॉनिटर करता रहता है। इसकी नियमित रूप से प्रत्येक तिमाही बैठक होती है। मंत्रालय से संबद्ध व अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा नीति के क्रियान्वयन के मॉनिटरिंग का कार्य भी राजभाषा कार्यान्वयन समिति का है।

15.6.2 कार्यालयों में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए 14 से 28 सितंबर 1997 के दौरान मंत्रालय के मुख्य सचिवालय में हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया। इस दौरान हिन्दी में टिप्पण, आलेखन, निबंध-लेखन, टंकण, वाद-विवाद जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और 30 कर्मचारियों को नगद पुरस्कार और अन्य इनाम दिए गए। इसी तरह मंत्रालय के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों में हिन्दी पखवाड़े के दौरान प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा, कार्यालय में हिंदी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए मंत्री महोदय ने एक अपील जारी की।

15.6.3 राजभाषा के रूप में हिंदी के इस्तेमाल की स्थिति का अवलोकन करने के लिए इस वर्ष अधिकारियों ने मंत्रालय के आठ कार्यालयों का निरीक्षण किया। हिन्दी में पत्राचार बढ़ाने के लिए इस वर्ष चार कर्मचारियों को प्रबोध, प्रवीण और प्राज्ञ पाठ्यक्रमों में और दो टंकक तथा पांच आशुलिपिकों को हिंदी में टंकण/आशुलिपि के प्रशिक्षण के लिए चुना गया। राजभाषा विनिमय, 1976 के नियम 10(4) के अंतर्गत, मंत्रालय के जिन पांच कार्यालयों को अधिकतम कार्य हिंदी में करने के लिए अधिसूचित किया गया था, वहां 80% से अधिक कर्मचारियों ने हिंदी भाषा का कार्यकारी ज्ञान अर्जित कर लिया है।

15.6.4 संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति ने 8 मार्च, 1998 तक मंत्रालय के नौ कार्यालयों का निरीक्षण कर लिया था। समिति द्वारा दिए गए सुझावों को दर्ज करके सुधार कार्य आरंभ किए गए।

आंतरिक कार्य अध्ययन एकांश

15.7.1 मंत्रालय की प्रशासनिक कार्यकुशलता बढ़ाने की संगठित रूप से कोशिश की गई। निम्नलिखित के संबंध में सात कार्य मापक अध्ययन किए गए :

1. वेतन एवं लेखा कार्यालय, मुख्य सचिवालय
2. वेतन एवं लेखा कार्यालय, डी.ए.वी.पी.
3. उपकेंद्र गीत और नाटक प्रभाग, भुवनेश्वर
4. नीति निर्धारण प्रकोष्ठ, मुख्य सचिवालय
5. फिल्म समारोह निदेशालय, नई दिल्ली
6. केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, मुख्यालय, मुंबई और
7. केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई।

सुझावों को लागू करने से प्रतिवर्ष लगभग छह लाख रुपये की प्रत्यक्ष बचत और लगभग 43.50 रुपये लाख की प्रतिषेधित बचत होगी।

15.7.2 कार्यालय प्रबंधन में मामलों के निबटान में विलंब करने पर कार्यालय प्रक्रिया नियमावली के अनुरूप रोक लगाई गई है, साथ ही अभिलेख प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। दिनांक 31 दिसंबर, 97 तक के अभिलेख प्रबंधन के विशेष अभियान के फलस्वरूप 20,734 फाइलों को बतौर अभिलेख रखा गया (जो दर्शाता है कि अब उन पर कोई कार्यवाही शेष नहीं है) 11,649 फाइलों का पुनरावलोकन किया गया ताकि यह पता लगाया जा सके कि उन्हें रखना है या नष्ट कर देना है और 10,004 फाइलों की छंटनी कर दी गई (यानी नष्ट कर दिया गया)। इसके अलावा, इस अभियान के तहत विभागीय अभिलेख कक्ष से 1,414 फाइलों की छंटनी की गई। भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार के एक दल द्वारा विभागीय अभिलेख कक्ष का निरीक्षण किया गया।

15.7.3 अनुभागों और डेस्कों के निरीक्षण के लिए भी कार्यालय प्रबंधन की कार्य योजना तैयार की गई। 31 दिसंबर, 97 तक 26 अनुभागों/डेस्कों का निरीक्षण किया जा चुका है। इन निरीक्षणों के दौरान पाई गई कमियों को दूर करने का कार्य किया जा रहा है।

लेखा संगठन

15.8.1 1976 में हुए सरकारी लेखे के विभागीकरण के फलस्वरूप, लेखा महानियंत्रक केन्द्र सरकार के नागरिक मंत्रालयों के लेनदेन या लेखा एकत्रित करने और रखने की जिम्मेदारी से मुक्त हो गए और

केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों के सचिवों को मुख्य लेखा अधिकारी घोषित कर दिया गया था। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव मंत्रालय के प्रशासनिक प्रमुख होने के साथ-साथ मुख्य लेखा अधिकारी भी हैं। मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में सचिव अपना कार्य अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा नियंत्रक की सहायता से संपन्न करते हैं।

15.8.2 सरकारी लेखे के विभागीकरण की आरंभिक अवस्था में 1976 में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के मुख्य लेखा नियंत्रक ने कार्य आरंभ किया। उनके नियंत्रण में 475 विभागीय कर्मचारियों के साथ 13 वेतन और लेखा इकाइयां थीं। 1976 में वे 204 आहरण और संवितरण अधिकारी की जरूरतें पूरी कर रहे थे। 31 मार्च, 98 को 574 विभागीय कर्मचारियों के साथ 14 वेतन एवं लेखा अधिकारी कार्य कर रहे थे जिनके अधीन 566 आहरण और संवितरण अधिकारी (181 चेक जारी करने वाले आहरण और संवितरण अधिकारी तथा 385 ऐसे अधिकारी जो चेक जारी करने के लिए अधिकृत नहीं थे इसमें वे 47 आहरण और संवितरण अधिकारी भी शामिल हैं जिन्हें आंशिक रूप से चेक जारी करने की सुविधा प्राप्त है) काम कर रहे हैं।

15.8.3 मंत्रालय के भुगतान से संबंधित कार्य जैसे, भुगतान की रसीदों का लेखा, आंतरिक लेखा परीक्षण और लेखा प्रबंधन पूर्ण रूप से सूचना और प्रसारण मंत्रालय के महालेखानियंत्रक के कार्य क्षेत्र में है। संविधान के अनुच्छेद 150 के अंतर्गत संसद में प्रमाणित वार्षिक विनियोजन लेखा और संघ का सम्मिलित वित्तीय लेखा प्रस्तुत करने के लिए राष्ट्रपति जिम्मेदार है। संसद के प्रति सरकार की यह जिम्मेदारी वित्त मंत्रालय के महालेखा नियंत्रक द्वारा पूरी की जाती है। मंत्रालय से संबंधित लेन-देन में महा लेखा नियंत्रक के इस उत्तरदायित्व को मुख्य लेखा नियंत्रक पूरा करता है। मुख्य लेखा नियंत्रक उपरिलिखित कार्य दिल्ली स्थित मुख्य लेखा कार्यालय के जरिए संपन्न करता है। उसके कार्य में एक लेखा नियंत्रक, दो उपलेखानियंत्रक और 14 वेतन और लेखा अधिकारी सहयोग करते हैं। वेतन और लेखा कार्यालय दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता, चेन्नई, लखनऊ, नागपुर और गुवाहाटी में अवस्थित हैं। लेखा संगठन निम्नलिखित कार्यों के लिए जिम्मेदार हैं :

(क) विनियोजन पर व्यय नियंत्रण।

(ख) रसीदों का सामयिक लेखा।

(ग) वित्त मंत्रालय के लेखा महानियंत्रक को प्रस्तुत करने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय के लेखे को एकत्रित और एकीकृत करना।

(घ) मंत्रालय का बजट तैयार करना (अनुदान संख्या 55)।

(ड) सामयिक भुगतान की व्यवस्था।

(च) पेंशन, भविष्यनिधि तथा अन्य दावों का त्वरित निबटान।

(छ) मंत्रालय तथा मीडिया इकाइयों का आंतरिक लेखा-परीक्षण।

(ज) संबद्ध अधिकारियों को लेखा संबंधी जानकारियां उपलब्ध कराना।

(झ) क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय, पत्र सूचना कार्यालय और फिल्म समारोह निदेशालय को आंतरिक वित्तीय सलाह देना।

15.8.4 इस संगठन का एक विशेष कार्य राष्ट्रीय सूचना केन्द्र की मदद से कम्प्यूटरीकृत व्यवस्था द्वारा मंत्रालय तथा संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों में सेवारत लगभग 5,000 राजपत्रित अधिकारियों के वेतन और व्यक्तिगत दावों का भुगतान करना है। यह कार्य एक उपलेखा-नियंत्रक (आई.आर.एल.ए.) की देखरेख में होता है।

15.8.5 नवम्बर 96 से मार्च 98 तक सभी वेतन और लेखा कार्यालयों द्वारा 3,66,413 बिल (जिसमें से राजपत्रित अधिकारियों के 74,839 दावे वेतन और लेखा कार्यालय द्वारा निपटाए गए)। साथ ही इस वर्ष सेवामुक्त सरकारी कर्मचारियों की पेंशन, पेंशन पुनर्निरीक्षण, पारिवारिक पेंशन से संबंधित 2,475 मामले तथा 1,109 भविष्यनिधि अंतिम भुगतान मामले निपटाए गए।

सतर्कता

15.9.1 मंत्रालय का सर्तकता विभाग पूर्णतया सचिव की देखरेख में कोई करता है। इस कार्य में संयुक्त सचिव के स्तर का एक मुख्य सर्तकता अधिकारी, एक अपर सचिव, एक अनुभाग अधिकारी तथा अन्य अधीनस्थ विभागीय कर्मचारी उसके साथ सहयोग करते हैं। मंत्रालय के संबद्ध तथा अधीनस्थ इकाइयों में सर्तकता एकक सतर्कता अधिकारी के अधीन होता है जबकि सार्वजनिक उपक्रमों और पंजीकृत संस्थानों में ये वहां के मुख्य सतर्कता अधिकारी के अधीन ही हैं। संबद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालय, पंजीकृत संस्थाएं, सार्वजनिक उपक्रम की सतर्कता कार्यवाही मंत्रालय के मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा समन्वित की जाती है।

15.9.2 भ्रष्टाचार को संभावनाएं कम करने के लिए प्रक्रिया को आसान बनाने की कोशिशें जारी हैं। संदेहास्पद ईमानदारी वाले व्यक्तियों पर नजर रखी गई। संवेदनशील पदों पर बारी-बारी से निश्चित अवधि के बाद फेर-बदल की जाती है। नियम और प्रक्रिया का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किए गए। वर्ष के दौरान 107 नियमित और 54 अचानक निरीक्षण किए गए, जिसमें 66 ऐसे व्यक्तियों की पहचान की गई जिन पर निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर सरकार द्वारा चलाए गए भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के अंतर्गत इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय से प्राप्त शिकायतों की जांच के लिए बतौर संपर्क अधिकारी संयुक्त सचिव और मुख्य सतर्कता अधिकारी को नियुक्त किया गया। रिपोर्ट की अवधि के दौरान प्रधानमंत्री कार्यालय से प्राप्त 29 शिकायतों में से 13 शिकायतें निपटाई गईं और बाकी 16 पर कार्यवाही चल रही है।

15.9.3 अप्रैल 1997 से मार्च 1998 तक मंत्रालय और उसकी मीडिया इकाइयों में विभिन्न स्थानों से 214 नई शिकायतें प्राप्त हुईं। इनकी जांच के बाद 100 मामलों में प्राथमिक जांच के आदेश दिए गए, जिसमें केंद्रीय जांच ब्यूरो के अधीन के 12 मामले भी शामिल हैं। वर्ष के दौरान 71 मामलों की प्राथमिक जांच की रिपोर्ट प्राप्त हुई। 24 मामलों में भारी दंड और 8 मामलों में लघु दंड के लिए नियमित विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई। दो मामलों में भारी जुर्माने और दस मामलों में लघुदंड दिया गया। वर्ष के दौरान नौ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। चार मामलों में कार्यवाही रोक दी गई और 16 मामलों में प्रशासनिक चेतावनियां आदि जारी की गईं। इसके अलावा छह अपील के मामलों का निबटारा किया गया और दो मामलों में नए सिरे से जांच के आदेश दिए गए। इस वर्ष चार पुनर्विचार याचिका भी निबटाई गई और 30 ऐसे मामलों की पहचान की गई जिनमें नियमित विभागीय कार्यवाही शुरू की जा रही है।

अनुलग्नक - अ

भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के लिए नागरिक अधिकारपत्र

समाचारपत्र अथवा पत्रिका प्रकाशित करने वाले या प्रकाशन की इच्छा रखने वाले प्रत्येक नागरिक को भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक की सेवाएं प्राप्त हैं। (समाचारपत्र से आशय किसी भी मुद्रित पत्रिका अथवा पत्र से है, जिसमें सार्वजनिक समाचार अथवा उन पर टिप्पणियां शामिल हों। यह अधिकार पत्र भारत के समाचारपत्र के पंजीयक की ओर से की गई प्रतिज्ञा है कि वह ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को पारदर्शी, समान और जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से शिष्ट और त्वरित सेवा प्रदान करेगा।

समाचारपत्रों के पंजीयक की ओर से निम्नांकित सेवाएं प्रदान की जाती हैं :

* शीर्षक की जांच।
* समाचारपत्रों का पंजीयन।
* संशोधित प्रमाणपत्र और उनकी प्रतिलिपियां जारी करना।
* प्रसार संबंधी दावों की जांच करना।
* छोटे और मझोले समाचारपत्रों द्वारा देसी अखबारी कागज प्राप्त करने के लिए अधिकारपत्र जारी करना।
* अखबारी कागज के आयात के लिए पंजीयन प्रमाणपत्र की संपुष्टि करना।
* प्रिंटिंग मशीनरी/सामग्री के आयात के लिए अनिवार्यता प्रमाणपत्र जारी करना।

इन सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी अलग से एक सूचना पुस्तिका के रूप में उपलब्ध है। इस सिलसिले में विस्तृत सूचना भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक और सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सूचना तथा सुविधा केन्द्रों से प्राप्त की जा सकती है। इन केन्द्रों और कार्यालयों के पते नीचे दिए गए हैं।

ऐसी किसी भी सेवा के बारे में भेजे गए पत्र की प्राप्ति सूचना पंजीयक के कार्यालय में उसकी प्राप्ति के सात दिनों के भीतर दे दी जाएगी। समाचारपत्रों के बंद होने की घोषणा और वार्षिक विवरणों की प्राप्ति की सूचना भी इतने ही समय के भीतर भेज दी जाएगी।

समाचारपत्रों के पंजीयन और प्रसार संबंधी दावों की जांच के अलावा अन्य सभी सेवाएं पंजीयक के कार्यालय द्वारा आवेदन प्राप्ति के पंद्रह दिनों के भीतर प्रदान की जाएंगी। पंजीयन और प्रसार संबंधी दावों के लिए यह समय-सीमा तीस दिनों की होगी। यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर पंजीयक का कार्यालय उपरोक्त सेवा प्रदान करने की स्थिति में न हो, तो पत्र प्राप्त होने के पंद्रह दिनों के भीतर उक्त सेवा प्रदान न कर पाने के कारण बताते हुए जवाब भेजा जाएगा।

समाचारपत्रों के पंजीयक का प्रत्येक कार्यालय अपने स्वागत कक्ष में शिकायतों के निपटान सहित विभिन्न सेवाओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के बारे में विवरण और उनसे मिलने का समय प्रमुखता से प्रदर्शित करेगा।

प्रत्येक शिकायत की प्राप्ति सूचना पंजीयक के कार्यालय में उसकी प्राप्ति के सात दिनों के भीतर दे दी जाएगी। उनके बारे में पूरक उत्तर प्रत्येक शिकायत की प्राप्ति के तीस दिनों के भीतर दिया जाएगा। शिकायतों के निपटारे के लिए निम्नलिखित अधिकारी को संपर्क किया जा सकता है :

उप-प्रेस पंजीयक,
भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक का कार्यालय,
पश्चिमी खंड-8, विंग संख्या-2,
आर. के. पुरम,
नई दिल्ली-110066
फोन - 6106251

पंजीयक कार्यालय के शिकायत अधिकारी की ओर से असंतोषजनक उत्तर मिलने की दशा में शिकायतों के निपटारे के लिए निम्नलिखित अधिकारी को संपर्क किया जा सकता है।

संयुक्त सचिव (नी. एवं. ज. शि.)
सूचना और प्रसारण मंत्रालय,
कमरा संख्या-657, ए विंग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली-110001
फोन - 3383852

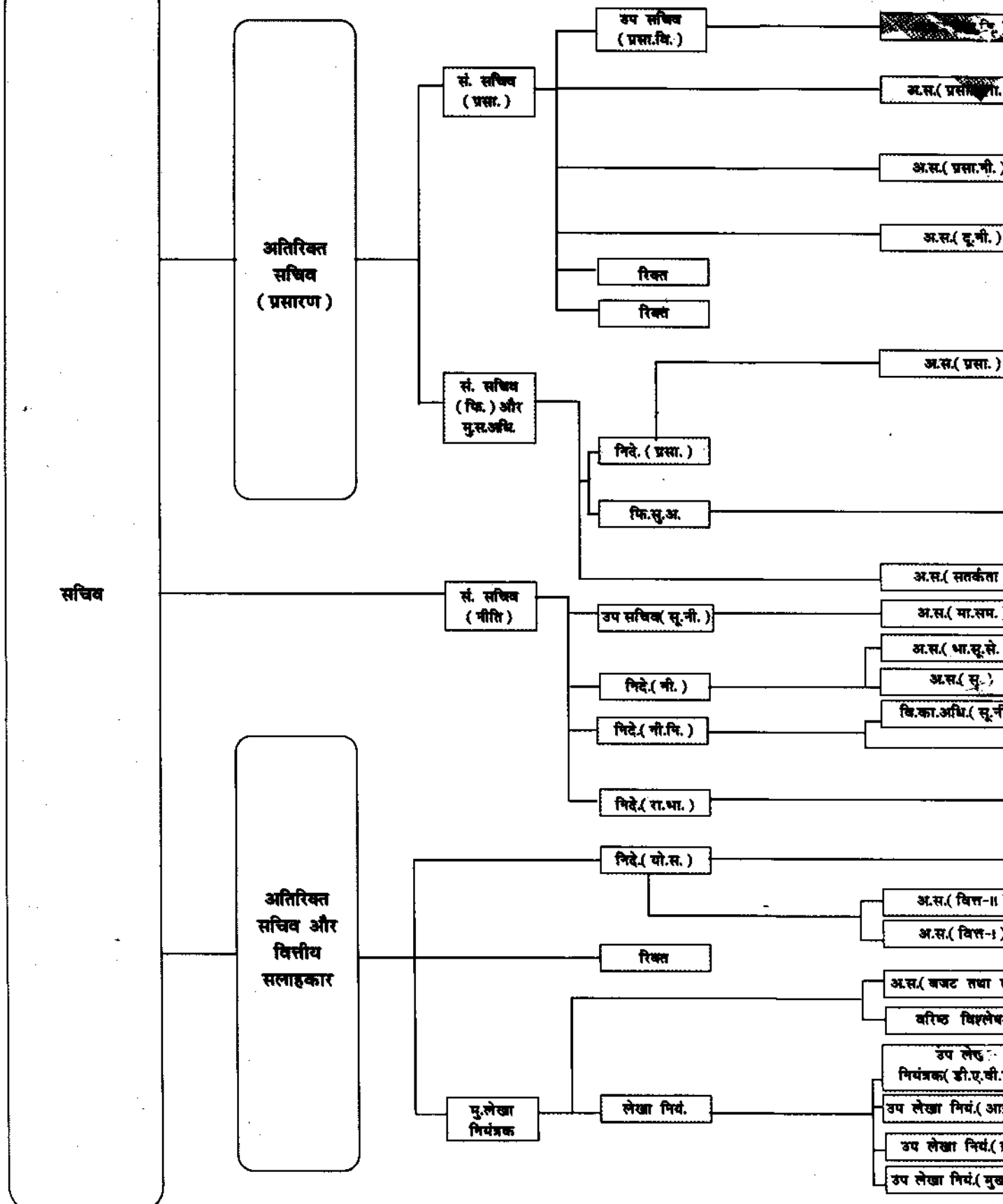
सचिव
अतिरिक्त सचिव (प्रसारण)
सं. सचिव (प्रसा.)
उप सचिव (प्रसा.वि.)
अ.स.(प्रसा.नी.)
अ.स.(दू.नी.)
रिक्त
रिक्त
सं. सचिव (वि.) और मु.स.अधि.
अ.स.(प्रसा.)
निदे. (प्रसा.)
वि.सु.अ.
अ.स.(सतर्कता
सं. सचिव (नीति)
उप सचिव(सू.नी.)
अ.स.(मा.सम.
निदे.(नी.)
अ.स.(भा.सू.से.
निदे.(नी.वि.)
निदे.(रा.भा.)
अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
निदे.(यो.स.)
अ.स.(वित्त-II
रिक्त
अ.स.(बजट तथा
वरिष्ठ विश्लेष
मु.लेखा नियंत्रक
लेखा नियं.
उप लेखा नियं.(आ
उप लेखा नियं.(
उप लेखा नियं.(मु

(31.3.1998 की स्थिति)

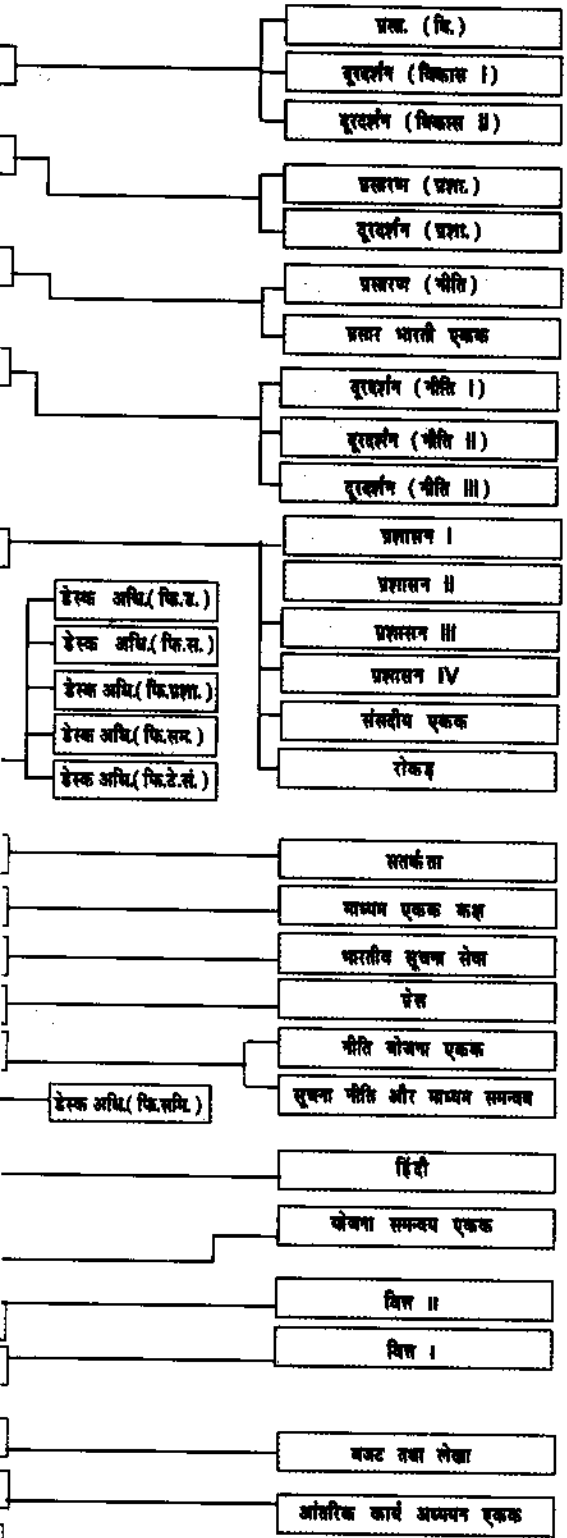

मंत्रालय में पदनाम

ए एस एंड एफ ए	अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
ए एस (बी)	अतिरिक्त सचिव (प्रसारण)
जे एस (पी.)	संयुक्त सचिव (नीति)
जे एस (फि) मु. सतर्क अधि.	संयुक्त सचिव (फिल्म) तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी
जे. एस (पी)	संयुक्त सचिव (प्रशासन)
सी सी ए	मुख्य लेखा नियंत्रक
डाय. (पी.पी.)	निदेशक (नीति नियोजन)
डाय.(पी.)	निदेशक (नीति)
डाय.(ए.)	निदेशक (प्रशासन)
डाय. (ओ एल)	निदेशक (राजभाषा)
डी एस (पी सी)	उप सचिव (योजना समन्वय)
डी एस (आई पी)	उप सचिव (सूचना नीति)
डी एस (बी डी)	उप सचिव (प्रसारण विकास)
एफ एफ ओ	फिल्म सुविधाएं अधिकारी
सी ए	लेखा नियंत्रक
यू एस (ए)	अवर सचिव (प्रशासन)
यू एस (बी एंड ए)	अवर सचिव (बजट एवं लेखा)
यू एस (फाइ. I)	अवर सचिव (वित्त-I)
यू एस (फाइ. II)	अवर सचिव (वित्त-II)
यू एस (आई आई एस)	अवर सचिव (भारतीय सूचना सेवा)
यू एस (एम सी)	अवर सचिव (माध्यम समन्वय)
यू एस (आई)	अवर सचिव (सूचना)
यू एस (वी)	अवर सचिव (सतर्कता)
यू एस (बी ए)	अवर सचिव (प्रसारण प्रशासन)
यू एस (बी डी)	अवर सचिव (प्रसारण विकास)
यू एस (टीवी-पी)	अवर सचिव (दूरदर्शन कार्यक्रम)
यू एस (बी पी)	अवर सचिव (प्रसारण नीति)
ओ एस डी (आई पी)	विशेष कार्याधिकारी (सूचना नीति)
डी सी ए (हेडक्वा.)	उप लेखा नियंत्रक (मुख्यालय)
डी सी ए (दूर्श)	उप लेखा नियंत्रक (दूर्श)
डी सी ए (आई सी)	उप लेखा नियंत्रक (आई सी)
डी सी ए (डी ए वी पी)	उप लेखा नियंत्रक (डी ए वी पी)
एस ए	वरिष्ठ विश्लेषक
डी ओ (एफ सी)	डेस्क अधिकारी (फिल्म प्रमाणन)
डी ओ (एफ टी आई)	डेस्क अधिकारी (फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान)
डी ओ (एफ एस)	डेस्क अधिकारी (फिल्म समितियां)
डी ओ (एफ टी आई)	डेस्क अधिकारी (फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान)
डी ओ (एफ ए)	डेस्क अधिकारी (फिल्म प्रशासन)
डी ओ (एफ एफ)	डेस्क अधिकारी (फिल्म फेस्टिवल्स)
डी ओ (एफ आई)	डेस्क अधिकारी (फिल्म उद्योग)
एडमिन. I	प्रशासन I
एडमिन. II	प्रशासन II
एडमिन. III	प्रशासन III
एडमिन. IV	प्रशासन IV
कैश	रोकड़
पार्लिय	पार्लियामेन्ट एकक
विज	सतर्कता
बी (ए)	प्रसारण (प्रशासन)
टीवी (ए)	दूरदर्शन (प्रशासन)
बी (डी)	प्रसारण (विकास)
टी वी (डी-I)	दूरदर्शन (विकास-I)
टी वी (डी-II)	दूरदर्शन (विकास-II)
टी वी (पी-I)	दूरदर्शन (कार्यक्रम-I)
टी वी (पी-II)	दूरदर्शन (कार्यक्रम-II)
टी वी (पी-III)	दूरदर्शन (कार्यक्रम-III)
बी (पी)	प्रसारण (नीति)
पी बी सी	प्रसार भारती एकक
आई आई एस	भारतीय सूचना सेवा
एम यू सी	मीडिया यूनिट एकक
प्रेस	प्रेस
पी पी सी	नीति योजना एकक
आई पी एंड एम सी	सूचना नीति और माध्यम समन्वय
फाइ. I	वित्त I
फाइ. II	वित्त II
पी सी सेल	योजना समन्वय एकक
हिंदी सेल	हिंदी एकक
आई डब्ल्यू एस यू	आंतरिक कार्य अध्ययन एकक
बी एण्ड ए	बजट एवं लेखा

परिशिष्ट - II
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
योजना तथा गैर-योजनागत बजट विवरण
मांग संख्या 56 — सूचना, फिल्म

क्र.सं.	माध्यम इकाई का नाम / गतिविधि	बजट अनुमान 1997-98		
		योजना	गैर-योजना	योग
	राजस्व खंड			
	मुख्य शीर्ष "2251"			
	सचिवालय — सामाजिक सेवाएं			
1.	मुख्य सचिवालय वेतन और लेखा कार्यालय सहित	25,00	8,28,00	8,53,00
	मुख्य शीर्ष "2205"			
	— कला और संस्कृति			
	सिनेमाटोग्राफिक फिल्मों का सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणीकरण			
2.	केंद्रीय फिल्म प्रमाणीकरण बोर्ड	50,00	92,75	1,42,75
3.	फिल्म प्रमाणीकरण अपील न्यायाधिकरण	—	4,25	4,25
	योग	50,00	97,00	1,47,00
	मुख्य शीर्ष "2220" — सूचना और प्रचार			
4.	फिल्म प्रभाग	2,37,00	18,76,81	21,13,81
5.	फिल्म समारोह निदेशालय	3,05,00	2,42,97	5,47,97
6.	भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार	1,10,00	47,68	1,57,68
7.	सत्यजीत राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, कलकत्ता	9,21,00	-	9,21,00
8.	राष्ट्रीय बाल एवं युवा फिल्म केंद्र को सहायता अनुदान	2,65,00	10,00	2,75,00
9.	भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान, पुणे को सहायता अनुदान	7,00,00	3,69,60	10,69,60
10.	फिल्म समितियों को सहायता अनुदान	4,00	-	4,00
11.	गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग	-	58,95	58,95
12.	भारतीय जनसंचार संस्थान को सहायता अनुदान	3,15,00	1,54,96	4,69,96
13.	विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय	1,60,00	36,41,25	38,01,25
14.	पत्र सूचना कार्यालय	55,00	10,87,70	11,42,70
15.	भारतीय प्रेस परिषद	-	1,06,57	1,06,57
16.	पी.टी. आई. को ऋण के ब्याज पर सबसिडी	-	12,25	12,25
17.	व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	-	38,22	38,22
18.	क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय	1,40,00	13,51,41	14,91,41
19.	गीत और नाटक प्रभाग	1,55,00	8,95,41	10,50,41
20.	प्रकाशन विभाग	40,00	7,25,89	7,65,89
21.	रोजगार समाचार	-	10,06,38	10,06,38
22.	भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक	-	1,03,75	1,03,75
23.	फोटो प्रभाग	5,00	1,54,20	1,59,20
24.	संचार के विकास के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए अंशदान	-	10,00	10,00
	कुल : मुख्य शीर्ष "2220"	34,12,00	118,94,00	153,06,00
	कुल : राजस्व खंड	34,87,00	128,19,00	163,06,00

(हजार रुपये में)

संशोधित अनुमान 1997-98			बजट अनुमान 1998-99		
योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
15,00	9,69,00	9,84,00	25,00	10,70,00	10,95,00
40,00	1,07,50	1,47,50	61,00	1,23,00	1,84,00
-	4,50	4,50	-	5,00	5,00
40,00	1,12,00	1,52,00	61,00	1,28,00	1,89,00
2,21,89	22,14,61	24,36,50	2,00,00	22,73,95	24,73,95
2,86,75	3,00,67	5,87,42	2,86,00	3,12,42	5,98,42
1,10,00	84,68	1,94,68	1,22,00	87,68	2,09,68
9,21,00	-	9,21,00	9,00,00	-	9,00,00
1,90,91	14,64	2,05,55	5,60,00	15,00	5,75,00
6,64,41	4,16,12	10,80,53	7,00,00	4,57,73	11,57,73
4,00	-	4,00	4,00	-	4,00
-	63,53	63,53	5,00	79,82	84,82
3,15,00	2,02,25	5,17,25	3,80,00	2,17,51	5,97,51
1,52,00	37,26,57	38,78,57	1,44,00	40,94,44	42,38,44
50,95	13,74,94	14,25,89	91,00	14,80,48	15,71,48
-	1,41,37	1,41,37	-	1,60,84	1,60,84
-	12,25	12,25	-	12,25	12,25
-	22,00	22,00	-	38,22	38,22
90,39	15,79,47	16,69,86	1,63,00	16,57,79	18,20,79
1,45,00	9,57,39	11,02,39	1,62,00	11,03,25	12,65,25
50,00	9,03,44	9,53,44	64,00	9,67,45	10,31,45
-	9,69,59	9,69,59	-	13,50,62	13,50,62
-	1,27,21	1,27,21	-	1,35,77	1,35,77
1,70	2,01,27	2,02,97	5,00	2,06,78	2,11,78
-	12,00	12,00	-	12,00	12,00
32,04,00	133,24,00	165,28,00	37,86,00	146,64,00	184,50,00
32,59,00	144,05,00	176,64,00	38,72,00	158,62,00	197,34,00

क्र.सं.	माध्यम इकाई का नाम	बजट अनुमान 1997-98		
		योजना	गैर-योजना	योग
पूंजी खंड				
मुख्य शीर्ष "4220"				
— सूचना और प्रचार के लिए पूंजी परिव्यय				
आ)	**मशीनें और उपकरण**			
1.	फिल्म प्रभाग के लिए उपकरणों की खरीद	1,92,00	-	1,92,00
2.	पत्र सूचना कार्यालय के लिए उपकरणों की खरीद	1,65,00	-	1,65,00
3.	क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के लिए उपकरणों की खरीद	1,60,00	-	1,60,00
4.	गीत और नाटक प्रभाग के लिए उपकरणों की खरीद	20,00	-	20,00
5.	फोटो प्रभाग के लिए उपकरणों की खरीद	70,00	-	70,00
आ)	**भवन**			
7.	फिल्म प्रभाग की बहुमंजिला इमारत का मुख्य निर्माण कार्य	96,00	-	96,00
8.	भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार के कार्यालय भवन का मुख्य निर्माण कार्य	1,10,00	-	1,10,00
9.	फिल्म समारोह परिसर में नए निर्माण तथा पुराने में परिवर्तन संबंधी प्रमुख निर्माण कार्य	40,00	-	40,00
10.	कलकत्ता में फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान की स्थापना -- भूमि अधिग्रहण तथा भवन निर्माण	3,50,00	-	3,50,00
11.	सूचना भवन परिसर — प्रमुख निर्माण कार्य	3,50,00	-	3,50,00
12.	क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के अंतर्गत कार्यालय तथा आवासीय भवनों का प्रमुख निर्माण कार्य	-	-	-
13.	पत्र सूचना के लिए राष्ट्रीय प्रेस केंद्र और लघु-मीडिया केंद्र की स्थापना	2,40,00	-	2,40,00
	कुल : पूंजी खंड	**17,93,00**	**-**	**17,93,00**
	कुल : मांग संख्या 54	**52,80,00**	**128,19,00**	**180,99,00**

(हजार रुपये में)

संशोधित अनुमान 1997-98			बजट अनुमान 1998-99		
योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
1,77,00	-	1,77,00	2,98,00	-	2,98,00
1,65,00	-	1,65,00	92,00	-	92,00
1,60,00	-	1,60,00	1,10,00	-	1,10,00
20,00	-	20,00	20,00	-	20,00
74,10	-	74,10	71,00	-	71,00
73,00	-	73,00	27,00	-	27,00
62,00	-	62,00	1,30,00	-	1,30,00
49,90	-	49,00	40,00	-	40,00
2,05,00	-	2,05,00	1,00,00	-	1,00,00
1,50,00	-	1,50,00	2,40,00	-	2,40,00
-	-	-	-	-	-
20,00	-	20,00	2,80,00	-	2,80,00
11,56,00	**-**	**11,56,00**	**14,08,00**	**-**	**14,08,00**
44,15,00	**144,05,00**	**188,20,00**	**52,80,00**	**158,62,00**	**211,42,00**

मांग संख्या-57-प्रसारण सेवाएं

क्र.सं.	माध्यम इकाई/ गतिविधि का नाम	बजट अनुमान 1997-98		
		योजना	गैर-योजना	योग
1	2	3	4	5
राजस्व खंड :				
मुख्य शीर्ष "2221"				
आकाशवाणी				
1.	निर्देशन तथा प्रशासन	438.00	1235.00	1673.00
2.	परिचालन तथा रखरखाव	475.00	5066.00	5541.00
3.	विज्ञापन प्रसारण सेवा	12.00	3011.00	3023.00
4.	कार्यक्रम सेवाएं	1298.00	17520.00	18818.00
5.	समाचार सेवा प्रभाग	9.00	1805.00	1814.00
6.	श्रोता अनुसंधान	10.00	103.00	113.00
7.	विदेश सेवा प्रभाग	5.00	367.00	372.00
8.	योजना और विकास	235.00	698.00	933.00
9.	अनुसंधान तथा प्रशिक्षण	68.00	338.00	406.00
10.	उचंत	0.00	6535.00	6535.00
11.	एन.एफ.एल. में अंतरण	0.00	8805.00	8805.00
12.	अन्य व्यय	0.00	379.00	379.00
	कुल : आकाशवाणी (राजस्व)	2550.00	45862.00	48412.00
दूरदर्शन				
1.	निर्देशन तथा प्रशासन	1.00	1252.00	1253.00
2.	परिचालन तथा रखरखाव	810.00	8755.00	9565.00
3.	विज्ञापन सेवाएं	0.00	9417.00	9417.00
4.	कार्यक्रम सेवाएं	10048.00	20567.00	30615.00
5.	श्रोता अनुसंधान	1.00	112.00	113.00
6.	उचंत	0.00	8500.00	8500.00
7.	एन.एफ.एल. में अंतरण	0.00	51875.00	51875.00
8.	अन्य व्यय	0.00	451.00	451.00
	योग : दूरदर्शन (राजस्व)	10860.00	100929.00	111789.00
	कुल : मुख्य शीर्ष "2221"	13410.00	146791.00	160201.00
	कुल : राजस्व खंड	13410.00	146791.00	160201.00
	पारित	13409.40	146377.00	159786.40
	भारित	0.60	414.00	414.60

(लाख रुपये में)

संशोधित अनुमान 1997-98			बजट अनुमान 1998-99		
योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
6	7	8	9	10	11
447.00	1564.00	2011.00	464.00	1582.00	2046.00
866.00	6760.00	7626.00	415.00	7142.00	7557.00
0.00	2646.00	2646.00	0.00	3043.00	3043.00
510.00	26603.00	27113.00	943.00	27373.00	28316.00
0.00	2127.00	2127.00	0.00	2119.00	2119.00
0.00	204.00	204.00	0.00	205.00	205.00
10.00	438.00	448.00	69.00	445.00	514.00
130.00	931.00	1061.00	258.00	897.00	1155.00
77.00	494.00	571.00	130.00	461.00	591.00
0.00	6535.00	6535.00	0.00	6700.00	6700.00
0.00	6692.00	6692.00	0.00	9000.00	9000.00
1.00	519.00	520.00	1.00	525.00	526.00
2041.00	55513.00	57554.00	2280.00	59492.00	61772.00
0.00	1444.00	1444.00	1.00	1900.00	1901.00
1095.25	12809.00	13904.25	2350.00	12572.00	14922.00
0.00	7392.00	7392.00	0.00	10179.00	10179.00
7704.75	27438.00	35142.75	10088.00	26092.00	36180.00
0.00	138.00	138.00	1.00	138.00	139.00
0.00	7500.00	7500.00	0.00	8500.00	8500.00
0.00	43500.00	43500.00	0.00	56025.00	56025.00
0.00	484.00	484.00	0.00	488.00	488.00
8800.00	100705.00	109505.00	12440.00	115894.00	128334.00
10841.00	156218.00	167059.00	14720.00	175386.00	190106.00
10841.00	156218.00	167059.00	14720.00	175386.00	190106.00
10836.30	155448.90	166285.20	14720.00	175348.00	190068.00
4.70	769.10	773.80	0.00	38.00	38.00

क्र.सं.	माध्यम इकाई/ गतिविधि का नाम	बजट अनुमान 1997-98		
		योजना	गैर-योजना	योग
1	2	3	4	5
पूंजी खंड मुख्य शीर्ष "4221"				
आकाशवाणी				
1.	मशीनें और उपकरण	50.20	0.00	50.20
2.	स्टूडियो	3447.80	0.00	3447.80
3.	ट्रांसमीटर	4701.00	0.00	4701.00
4.	उचंत	0.00	475.00	475.00
5.	अन्य व्यय (स्थापना तथा विविध निर्माण योजनाएं)	3571.00	0.00	3571.00
	कुल : आकाशवाणी	11770.00	475.00	12245.00
	पारित	11720.00	475.00	12195.00
	भारित	50.00	0.00	50.00
	दूरदर्शन			
1.	मशीनें और उपकरण	80.00	0.00	80.00
2.	स्टूडियो	9823.00	0.00	9823.00
3.	ट्रांसमीटर	16644.00	0.00	16644.00
4.	उचंत	0.00	560.00	560.00
5.	अन्य व्यय (स्थापना तथा विविध निर्माण योजनाएं)	4153.00	0.00	4153.00
	कुल : दूरदर्शन	30700.00	560.00	31260.00
	पारित	30665.00	560.00	31225.00
	भारित	35.00	0.00	35.00
	कुल : मुख्य शीर्ष "4221"	42470.00	1035.00	43505.00
	कुल : पूंजी खंड	42470.00	1035.00	43505.00

(लाख रुपये में)

संशोधित अनुमान 1997-98			बजट अनुमान 1998-99		
योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
6	7	8	9	10	11
26.45	0.00	26.45	100.00	0.00	100.00
2429.00	0.00	2429.00	4742.00	0.00	4742.00
2742.60	0.00	2742.60	4529.00	0.00	4529.00
0.00	425.00	425.00	0.00	485.00	485.00
3002.95	1.00	3003.95	3349.00	0.00	3349.00
8201.00	**426.00**	**8627.00**	**12720.00**	**485.00**	**13205.00**
8089.80	**426.00**	**8515.80**	**12670.00**	**485.00**	**13155.00**
111.20	**0.00**	**111.20**	**50.00**	**0.00**	**50.00**
60.50	0.00	60.50	70.00	0.00	70.00
10194.65	0.00	10194.65	10427.00	0.00	10427.00
13157.75	0.00	13157.75	14375.00	0.00	14375.00
0.00	512.00	512.00	0.00	525.00	525.00
4187.10	0.00	4187.10	7628.00	0.00	7628.00
27600.00	**512.00**	**28112.00**	**32500.00**	**525.00**	**33025.00**
27565.00	**512.00**	**28077.00**	**32480.00**	**525.00**	**33005.00**
35.00	**0.00**	**35.00**	**20.00**	**0.00**	**20.00**
35801.00	**938.00**	**36739.00**	**45220.00**	**1010.00**	**46230.00**
35801.00	**938.00**	**36739.00**	**45220.00**	**1010.00**	**46230.00**